स्वर्ग का प्रमाण

एक न्यूरोसर्जन की

परलोक यात्रा

एबेन अलेक्जेंडर, एम.डी.

स्वर्ग का प्रमाण

एक न्यूरोसर्जन की परलोक यात्रा

एबेन अलेक्जेंडर, एम.डी.

मेरे अनुभव ने मुझे दिखाया कि शरीर की मृत्यु और
मस्तिष्क चेतना का अंत नहीं है... क्या हुआ?
कोमा में रहते हुए मेरी कहानी सबसे महत्वपूर्ण कहानी है जो मैं कभी सुनाऊंगा।
कभी बताओगे तो सही। लेकिन यह कहानी बताना मुश्किल है क्योंकि यह बिल्कुल ही अपरिचित है।
सामान्य समझ के लिए।

जब अमेरिका के जाने-माने न्यूरोसर्जन डॉ. एबेन अलेक्जेंडर को अस्पताल में भर्ती कराया जाता है...
गंभीर मस्तिष्क संक्रमण के बाद कोमा में चले गए, उनके डॉक्टरों ने उन्हें बताया।
परिवार को सबसे बुरे हालात के लिए तैयार रहना चाहिए – मृत्यु या, सबसे अच्छा, किसी आपदा में जीवित रहना।
वनस्पति अवस्था।
आश्चर्यजनक रूप से, डॉ. अलेक्जेंडर सात दिन बाद अपनी बीमारी के साथ जागते हैं।
उनकी सभी इंद्रियां अक्षुण्ण हैं। लगभग उसी समय की एक घटना को विस्तार से याद रखना भी उतना ही असाधारण है।
मृत्यु का अनुभव। मस्तिष्क की कार्यप्रणाली के बारे में अब तक ज्ञात सभी तथ्यों पर आधारित।

डॉ. अलेक्जेंडर कोमा में रहते हुए कुछ भी बनाने की क्षमता नहीं रखते थे।
विचार; उसका नियोकोर्टेक्स, उसके मस्तिष्क का वह हिस्सा जो हमें इंसान बनाता है,
पूरी तरह से बंद हो चुका था। तो फिर ऐसा कैसे हुआ कि वह एक अजीब सी अनुभूति के साथ जागा?
सुसंगत और गहन स्मृतियों का समूह?
मृत्यु के निकट के अनुभवों को अच्छी तरह से प्रलेखित किया गया है, लेकिन शायद ही कभी
यहां जिस तरह की सटीकता और अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की गई है। डॉ. अलेक्जेंडर ने अपना समय व्यतीत किया है।
वयस्क जीवन: मानव मस्तिष्क के रहस्यों को उजागर करना
चिकित्सा विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में। उनकी व्यक्तिगत कहानी एक मार्मिक वृत्तांत है।
मृत्यु का सामना करना, और चेतना के अस्तित्व के लिए एक ठोस तर्क प्रस्तुत करना।
शरीर के नष्ट होने के बाद।

अंतर्वस्तु

ढकना
किताब के बारे में
समर्पण

प्रस्तावना

1. दर्द
2. अस्पताल
3. अचानक से
4. स्तर IV
5. अंडरवर्ल्ड
6. जीवन का सहारा
7. घूमती हुई धुन और प्रवेश द्वार
8. इज़राइल
9. कोर
10. क्या मायने रखता है
11. पतन के चक्र का अंत
12. कोर
13. बुधवार
14. एक विशेष प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव
15. भूलने का वरदान
16. कुआँ
17. एन ऑफ 1
18. भूलना और याद रखना

19. छिपने की कोई जगह नहीं
20. समापन
21. इंद्रधनुष
22. छह चेहरे
23. अंतिम रात, पहली सुबह
24. वापसी
25. अभी तक नहीं पहुंचे
26. समाचार का प्रसार
27. घर वापसी
28. अति-वास्तविक
29. एक सामान्य अनुभव
30. मौत के मुंह से वापसी
31. तीन शिविर
32. चर्च की यात्रा
33. चेतना का रहस्य
34. एक अंतिम दुविधा
35. तस्वीर

अनंतकाल
स्वीकृतियाँ
पठन सूची
परिशिष्ट ए: स्कॉट वेड, एम.डी. का कथन
परिशिष्ट बी: तंत्रिकाविज्ञान संबंधी परिकल्पनाएँ जिन पर मैंने अपने निष्कर्ष को समझाने के लिए विचार किया
अनुभव
अनुक्रमणिका
डॉ. एबेन अलेक्जेंडर के बारे में

कॉपीराइट पृष्ठ

This book is dedicated to all of my loving family,
with boundless gratitude.

प्रस्तावना

मनुष्य को वास्तविकता की खोज करनी चाहिए, न कि उसकी धारणा के अनुसार क्या होना चाहिए।
होना।
—अल्बर्ट आइंस्टीन (1879–1955)

जब मैं बच्चा था, तो मैं अक्सर उड़ने के सपने देखता था।
मैं अक्सर रात में अपने आंगन में खड़ा होकर ऊपर की ओर देखता रहता था।
तारों को देखते हुए, अचानक मैं ऊपर की ओर तैरने लगता था। पहली बार
कुछ इंच का बदलाव अपने आप हो गया। लेकिन जल्द ही मुझे पता चलेगा कि
मैं जितना ऊपर चढ़ता गया, मेरी प्रगति उतनी ही मुझ पर—मेरे द्वारा किए गए कार्यों पर निर्भर होती गई।
मैं बहुत उत्साहित हो गया, उस अनुभव में इतना खो गया कि मैं नीचे गिर गया।
ज़मीन पर वापस... ज़ोर से। लेकिन अगर मैं शांत रहता, सब कुछ सहजता से लेता,
फिर मैं तेजी से, और भी तेज गति से, तारों भरे आकाश में ऊपर की ओर चला जाता।
शायद वे सपने ही एक कारण थे कि जैसे-जैसे मैं बड़ा होता गया, मैं
मुझे हवाई जहाज़ों और रॉकेटों से प्यार हो गया—ऐसी किसी भी चीज़ से जो मुझे उड़ा सकती थी।
मुझे वापस उस दुनिया में ले जाओ जो इस दुनिया से ऊपर है। जब हमारा परिवार हवाई यात्रा करता था,
टेकऑफ से लेकर उड़ान भरने तक मेरा चेहरा विमान की खिड़की से चिपका हुआ था।
लैंडिंग। 1968 की गर्मियों में, जब मैं चौदह साल का था, मैंने अपना सारा समय बिताया।
मैंने ग्लाइडर सीखने के दौरान लॉन की कटाई करके जो पैसे कमाए थे, वो मैंने एक व्यक्ति के साथ कमाए थे।
स्ट्रॉबेरी हिल में गस स्ट्रीट नाम का एक आदमी, एक छोटी सी घास की पट्टी जिसे "हवाई अड्डा" कहा जाता है।
उत्तरी कैरोलिना के विंस्टन-सलेम के ठीक पश्चिम में, वह कस्बा जहाँ मैं पला-बढ़ा।
ऊपर। मुझे अभी भी याद है कि जब मैंने खींचा तो मेरा दिल कितनी तेज़ी से धड़क रहा था।
एक बड़ा चेरी-लाल घुंडी जिसने मुझे जोड़ने वाली रस्सी को खोल दिया।
मैंने अपने ग्लाइडर को टोप्लेन से खींचकर मैदान की ओर मोड़ा। यह पहली बार था।
पहली बार मैंने सचमुच अकेलेपन और आजादी का अनुभव किया था। मेरे ज्यादातर दोस्तों को यह बात समझ आ गई थी।

कारों में होने का एहसास, लेकिन मेरे हिसाब से एक हजार फीट ऊपर होने का अनुभव कहीं बेहतर है।
ग्लाइडर का रोमांच उससे सौ गुना कहीं अधिक होता है।
1970 के दशक में कॉलेज में मैंने उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय के खेल संघ में भाग लिया।
पैराशूटिंग (या स्काईडाइविंग) टीम। यह एक गुप्त भाईचारे जैसा लगता था—एक
कुछ ऐसे लोगों का समूह था जो किसी खास और जादुई चीज़ के बारे में जानते थे। मेरी पहली छलांग डरावनी थी, और दूसरी उससे भी ज़्यादा। लेकिन मेरे
बारहवीं छलांग, जब मैं दरवाजे से बाहर निकला और मुझे और गिरने के लिए मजबूर होना पड़ा
पैराशूट खोलने से पहले एक हजार फीट से अधिक (मेरा पहला "दस
एक सेकंड की देरी पर ही मुझे पता चल गया कि मैं घर पहुँच गया हूँ। मैंने 365 पैराशूट जंप किए।
कॉलेज में पढ़ते समय उन्होंने साढ़े तीन घंटे से अधिक समय तक मुक्त पतन का अनुभव किया।
मुख्यतः पच्चीस साथी गोताखोरों के साथ संरचनाओं में। हालाँकि मैं
मैंने 1976 में कूदना बंद कर दिया, लेकिन मुझे अभी भी जीवंत सपने आते रहते थे।
स्काईडाइविंग, जो हमेशा सुखद होती थी।
सबसे अच्छी छलांग अक्सर दोपहर बाद लगाई जाती थी, जब सूरज चमक रहा होता था।
क्षितिज के नीचे डूबने लगा है। उस अनुभूति को शब्दों में बयान करना कठिन है।
उन छलांगों पर चढ़ना: किसी चीज़ के करीब पहुँचने का एहसास
मैं इसका ठीक-ठीक नाम तो नहीं बता सकती, लेकिन मुझे यह जरूर पता था कि मुझे इसकी और अधिक मात्रा चाहिए।
यह बिल्कुल एकांत नहीं था, क्योंकि जिस तरह से हमने गोता लगाया वह वास्तव में पूरी तरह से एकांत नहीं था।
वह अकेलापन। हम एक साथ पाँच, छह, कभी-कभी दस या बारह लोगों को उछालते थे।
समय, मुक्त-पतन संरचनाओं का निर्माण। जितना बड़ा और जितना अधिक
जितना चुनौतीपूर्ण होगा, उतना ही बेहतर होगा।
1975 की एक खूबसूरत शरद ऋतु की शनिवार की सुबह, यूएनसी के बाकी जम्पर
और मैंने पूर्वी क्षेत्र के एक पैरासेंटर में अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर काम किया।
कुछ संरचनाओं के लिए उत्तरी कैरोलिना। हमारी अंतिम छलांग से ठीक पहले।
एक दिन, 10,500 फीट की ऊंचाई पर एक डी18 बीचक्राफ्ट विमान से, हमने दस लोगों का एक दल बनाया।
हिमपात। हम पूरी तरह से संगठित होने में कामयाब रहे।

7,000 फीट की ऊंचाई पार करने से पहले ही हम पूरी तरह से इस नजारे का आनंद ले पाए।
एक साफ़ खाई के बीच अठारह सेकंड तक फॉर्मेशन में उड़ान भरने के बाद
दो विशाल क्यूमुलस बादल 3,500 फीट की ऊंचाई पर बिखरने से पहले और
एक दूसरे से दूर हटते हुए अपने पैराशूट खोलने के लिए।
जब तक हम ज़मीन पर पहुँचे, सूरज डूब चुका था। लेकिन तेज़ी से आगे बढ़ने से
दूसरे विमान में सवार होकर और जल्दी से दोबारा उड़ान भरकर, हम किसी तरह पहुँचने में कामयाब हो गए।
सूरज की आखिरी किरणों में वापस ऊपर आएं और सूर्यास्त के समय दूसरी बार छलांग लगाएं।
इस उड़ान में दो कनिष्ठ सदस्यों को पहली बार उड़ान भरने का मौका मिल रहा था।
गठन में शामिल करना—अर्थात्, बाहर से जुड़ना, न कि किसी बाहरी माध्यम से।
बेस या पिन मैन (जो आसान है क्योंकि आपका काम मूल रूप से यही है कि...)
सीधे नीचे गिर जाओ जबकि बाकी सब तुम्हारी ओर बढ़ने की कोशिश करें)।
यह न केवल दो कनिष्ठ सदस्यों के लिए रोमांचक था, बल्कि हम जैसे अधिक अनुभवी लोगों के लिए भी, क्योंकि हम टीम
का निर्माण कर रहे थे, उसमें नए सदस्य जोड़ रहे थे।
उन गोताखोरों का अनुभव जो बाद में हमारे साथ जुड़ने में सक्षम होंगे
बड़ी संरचनाएं।
मुझे ऊपर छह लोगों के स्टार स्टंट में आखिरी खिलाड़ी के रूप में आउट होना था।
उत्तरी आयरलैंड के रोआनोक रैपिड्स के ठीक बाहर स्थित छोटे हवाई अड्डे के रनवे।
कैरोलिना। मेरे ठीक सामने वाले व्यक्ति का नाम चक था। चक
“रिलेटिव वर्क” या आरडब्ल्यू में काफी अनुभवी—अर्थात, मुक्त पतन का निर्माण करना।
भू-आकृतियाँ। हम 7,500 फीट की ऊंचाई पर अभी भी धूप में थे, लेकिन एक मील और एक
हमारे ठीक नीचे स्ट्रीटलाइटें टिमटिमा रही थीं। गोधूलि बेला में छलांगें लग रही थीं।
हमेशा ही उत्कृष्ट और यह भी स्पष्ट रूप से एक खूबसूरत प्रस्तुति होने वाली थी।
भले ही मैं विमान से बस एक सेकंड या उससे कुछ ही देरी से उतर रहा होता।
चक, मुझे सबके साथ चलने के लिए बहुत तेज़ी से भागना होगा। मैं रॉकेट की तरह दौड़ूँगा।
पहले सात सेकंड तक सीधे सिर के बल नीचे की ओर। इससे
इसकी वजह से मेरी रफ्तार मेरे दोस्तों की तुलना में लगभग 100 मील प्रति घंटे ज्यादा तेज हो जाती है।

कि मैं उनके शुरुआती निर्माण के बाद ठीक उनके साथ वहीं मौजूद रह सकूँ।

गठन।

RW जंप के लिए सामान्य प्रक्रिया यह थी कि सभी जम्पर अलग-अलग हो जाएं।

3,500 फीट की ऊंचाई पर रहें और अधिकतम लाभ के लिए फॉर्मेशन से दूर ट्रैक करें।

अलगाव। फिर प्रत्येक व्यक्ति अपनी बाहों से "वापस जाने" का संकेत देगा (संकेत देते हुए)

(उसके पैराशूट के जल्द खुलने की आशंका को देखते हुए), ऊपर देखने के लिए मुड़ें ताकि

अगर आपको यकीन हो जाए कि उससे ऊपर कोई और नहीं है, तो रिप कॉर्ड खींच दें।

“तीन, दो, एक... शुरू!”

पहले चार जम्पर बाहर निकले, फिर चक और मैं उनके पीछे-पीछे चले गए।

पीछे। पूरी तरह से सिर के बल गोता लगाते हुए उल्टा और टर्मिनल की ओर बढ़ रहा है।

मैंने दूसरी बार सूरज को डूबते हुए देखकर मुस्कुराया।

दिन। दूसरों के पास नग्न होकर जाने के बाद, मेरी योजना थी कि मैं दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दूँ।

मैंने अपनी बाहों को बाहर फेंककर एयर ब्रेक लगाए (हमारे पास कलाई से बंधे कपड़े के पंख थे)।

कूल्हों तक जो पूरी तरह से फुलाए जाने पर जबरदस्त प्रतिरोध पैदा करते थे

गति) और अपने जंपसूट की घंटीनुमा आस्तीन और पैंट के पैरों को निशाना बनाते हुए

सीधी हवा की ओर।

लेकिन मुझे कभी मौका नहीं मिला।

फॉर्मेशन की ओर तेजी से गिरते हुए, मैंने देखा कि नए लड़कों में से एक

वह बहुत तेज़ी से आ गया था। शायद पास के बादलों के बीच तेज़ी से गिरने से वह थोड़ा घबरा गया था—इससे उसे याद आया कि वह चल रहा है।

नीचे स्थित उस विशाल ग्रह की ओर दो सौ फीट प्रति सेकंड की गति से, आंशिक रूप से

बढ़ते अंधेरे में लिपटा हुआ। धीरे-धीरे शामिल होने के बजाय

फॉर्मेशन के किनारे पर, वह तेजी से अंदर घुसा और सभी को बेकाबू कर दिया।

अब बाकी पांचों जम्पर भी बेकाबू होकर गिरने लगे थे।

वे एक-दूसरे के बहुत करीब भी थे। एक स्काईडाइवर एक सुपर-

उसके पीछे कम दबाव वाली हवा की अशांत धारा है। अगर कोई जम्पर उसमें आ जाता है तो...

उस रास्ते पर, वह तुरंत गति बढ़ा देता है और नीचे मौजूद व्यक्ति से टकरा सकता है।
इसके परिणामस्वरूप, दोनों जम्पर गति बढ़ा सकते हैं और उससे टकरा सकते हैं।
कोई भी जो उनसे नीचे हो। संक्षेप में, यह तबाही का नुस्खा है।
मैंने अपने शरीर को एक कोण पर मोड़ा और समूह से दूर हट गया ताकि उनसे बच सकूं।
मैं बुरी तरह लड़खड़ा गया। मैंने खुद को इस कदर संभाला कि मैं ठीक उसी जगह पर गिरने ही वाला था।
जमीन पर एक जादुई बिंदु जिसके ऊपर हमें अपना दरवाजा खोलना था
दो मिनट की आरामदायक लैंडिंग के लिए पैराशूट का इस्तेमाल किया जाता है।
मैंने उधर देखा और यह देखकर राहत महसूस की कि दिशाहीन कूदने वाले
अब वे एक दूसरे से दूर भी जा रहे थे, जिससे घातक वायरस फैल रहा था।
गुच्छा।
चक भी उनके बीच मौजूद था। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह आ रहा था।
सीधे मेरी ओर। वह मेरे ठीक नीचे रुक गया। अपनी पूरी ताकत से।
समूह लड़खड़ा रहा था, हम 2,000 फीट की ऊंचाई से गुजर रहे थे।
चक की अपेक्षा से कहीं अधिक तेज़ी से। शायद उसने सोचा था कि वह
किस्मत अच्छी थी और नियमों का पालन नहीं करना पड़ा—बिल्कुल सही।
उसे मुझे नहीं देखना चाहिए। यह विचार मेरे मन में अभी पूरी तरह से आया भी नहीं था।
चक के रंगीन पायलट पैराशूट के खुलने से पहले ही उसका सिर उसके सिर से बाहर निकल आया।
उसका बैकपैक। उसका पायलट पैराशूट 120 मील प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही हवा को पकड़ रहा था।
वह मेरी ओर सीधा बढ़ा और अपना मुख्य पैराशूट अंदर खींच लिया।
इसके ठीक पीछे वाली आस्तीन।
जिस क्षण मैंने चक का पायलट पैराशूट निकलते देखा, मुझे एक पल के लिए लगा कि
प्रतिक्रिया करने के लिए एक सेकंड से भी कम समय लगेगा। क्योंकि लुढ़कने में एक सेकंड से भी कम समय लगेगा।
उसके खुलते हुए मुख्य पैराशूट के माध्यम से, और संभवतः सीधे अंदर
खुद चक। उस गति से, अगर मैं उसके हाथ या पैर पर भी मार दूं तो मुझे चोट लग जाएगी।
सीधे ही, इस प्रक्रिया में खुद को घातक चोट पहुँचाते हुए। अगर मैंने उसे मारा तो।
सीधे तौर पर, हमारे दोनों शरीर फट जाएंगे।

लोग कहते हैं कि ऐसी परिस्थितियों में चीजें धीमी गति से आगे बढ़ती हैं, और
वे सही हैं। मेरे दिमाग ने उस घटना को माइक्रोसेकंड में देखा।
ऐसा लग रहा था मानो कोई फिल्म धीमी गति से देख रहा हो।
जैसे ही मैंने पायलट पैराशूट देखा, मेरी बाहें तुरंत मेरी बगल में चली गईं और मैं
मैंने अपने शरीर को सीधा करके सिर के बल गोता लगाया, और बहुत थोड़ा सा झुक गया।
कूल्हे। ऊर्ध्वाधरता ने मुझे गति बढ़ाने में मदद की, और मोड़ ने अनुमति दी।
मेरे शरीर में पहले थोड़ा-थोड़ा, फिर क्षैतिज गति का एक तेज झटका जुड़ता है जैसे ही मेरा
मेरा शरीर एक कुशल पंख की तरह काम करने लगा, जिससे मैं चक के ठीक बगल से तेज़ी से निकल गया।
उनके रंगीन खिलते हुए पैरा-कमांडर पैराशूट के सामने।
मैंने उसे 150 मील प्रति घंटे से अधिक की गति से, या 220 फीट प्रति घंटे की रफ्तार से पीछे छोड़ दिया।
दूसरा। उस गति को देखते हुए, मुझे संदेह है कि उसने मेरे चेहरे के भाव देखे होंगे।
लेकिन अगर उसने ऐसा किया होता, तो उसे घोर आश्चर्य का भाव दिखाई देता।
किसी तरह मैंने कुछ माइक्रोसेकंड में ही उस स्थिति पर प्रतिक्रिया दी थी, अगर मैंने ऐसा न किया होता तो...
अगर वास्तव में सोचने का समय होता, तो बहुत अधिक समय लग जाता।
मेरे लिए इससे निपटना जटिल है।
और फिर भी... मैंने इसे संभाल लिया था, और हम दोनों सुरक्षित उतर गए। यह ऐसा था जैसे...
यदि, उसे ऐसी स्थिति का सामना करना पड़े जिसमें उसकी सामान्य क्षमता से अधिक की आवश्यकता हो
जवाब देने के लिए, मेरा दिमाग एक पल के लिए महाशक्तिशाली बन गया था।
मैंने यह कैसे किया? अपने बीस से अधिक वर्षों के करियर के दौरान...
अकादमिक न्यूरोसर्जरी—मस्तिष्क का अध्ययन करना, यह देखना कि यह कैसे काम करता है
यह काम करता है, और इस पर काम करने के कई अवसर मुझे मिले हैं।
मैंने इसी सवाल पर विचार किया। अंततः मैंने इसका कारण यह मान लिया कि...
मस्तिष्क वास्तव में एक असाधारण यंत्र है: हमारी कल्पना से भी कहीं अधिक असाधारण।
यहां तक कि अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता।
अब मुझे एहसास हुआ कि उस प्रश्न का वास्तविक उत्तर इससे कहीं अधिक जटिल है।
बहुत गहरा। लेकिन मुझे अपने व्यक्तित्व में पूर्ण परिवर्तन से गुजरना पड़ा।

उस उत्तर की झलक पाने के लिए जीवन और विश्वदृष्टि दोनों का अध्ययन करना होगा। यह पुस्तक इसी विषय पर आधारित है।

कुछ ऐसी घटनाएँ जिन्होंने इस मामले पर मेरा विचार बदल दिया। उन्होंने मुझे आश्वस्त कर दिया कि,

मस्तिष्क चाहे कितना भी अद्भुत तंत्र क्यों न हो, यह मेरा मस्तिष्क नहीं था जिसने

उस दिन मेरी जान किसने बचाई? दूसरी घटना में क्या हुआ?

चक का पैराशूट खुलना शुरू हो गया, यह मेरे भीतर का एक और, कहीं अधिक गहरा हिस्सा था।

एक ऐसा हिस्सा जो इतनी तेजी से गति कर सकता था क्योंकि वह समय में बिल्कुल भी स्थिर नहीं था।

मस्तिष्क और शरीर की संरचना के अनुसार।

दरअसल, यही मेरा वो हिस्सा था जिसने मुझे इतना कुछ बना दिया था।

बचपन में आसमान की याद सताने लगती थी। यह न केवल हमारा सबसे बुद्धिमान हिस्सा है,

लेकिन सबसे गहरा हिस्सा भी, फिर भी अपने वयस्क जीवन के अधिकांश समय तक मैं था

इस पर विश्वास नहीं हो पा रहा है।

लेकिन अब मुझे यकीन है, और आगे के पन्ने आपको इसका कारण बताएंगे।

मैं एक न्यूरोसर्जन हूँ।

मैंने चैपल हिल स्थित उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

मैंने 1976 में रसायन विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और ड्यूक विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

मैंने 1980 में यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल में दाखिला लिया। अपने ग्यारह वर्षों के चिकित्सा अध्ययन के दौरान, मैंने मेडिकल की पढ़ाई शुरू की।

ड्यूक विश्वविद्यालय और मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय में स्कूल और रेजीडेंसी प्रशिक्षण।

जनरल हॉस्पिटल और हार्वर्ड में, मैंने न्यूरोएंडोक्रिनोलॉजी पर ध्यान केंद्रित किया।

तंत्रिका तंत्र और के बीच की अंतःक्रियाओं का अध्ययन

अंतःस्रावी तंत्र—हार्मोन स्रावित करने वाली ग्रंथियों की श्रृंखला

जो आपके शरीर की अधिकांश गतिविधियों को निर्देशित करते हैं। मैंने उनमें से दो समय भी बिताए।

मस्तिष्क के एक क्षेत्र में रक्त वाहिकाओं की कार्यप्रणाली की जांच में ग्यारह वर्ष लगे।

धमनीविस्फार से रक्तस्राव होने पर यह रोग संबंधी प्रतिक्रिया करता है।

एक सिंड्रोम जिसे सेरेब्रल वैसोस्पाज्म के नाम से जाना जाता है।

सेरेब्रोवास्कुलर न्यूरोसर्जरी में फेलोशिप पूरी करने के बाद
मैंने यूनाइटेड किंगडम के न्यूकैसल-अपॉन-टाइन में पंद्रह साल बिताए।
हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के संकाय में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में
सर्जरी, न्यूरोसर्जरी में विशेषज्ञता के साथ। उन वर्षों के दौरान मैंने
अनगिनत मरीजों का ऑपरेशन किया, जिनमें से कई गंभीर, जानलेवा बीमारियों से ग्रस्त थे।
मस्तिष्क की खतरनाक स्थितियाँ।
मेरे अधिकांश शोध कार्य में उन्नत तकनीकों का विकास शामिल था।
स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी जैसी तकनीकी प्रक्रियाएं, एक ऐसी तकनीक जो
यह सर्जनों को विकिरण की किरणों को विशिष्ट लक्ष्यों तक सटीक रूप से निर्देशित करने की अनुमति देता है।
यह मस्तिष्क के गहरे हिस्सों को लक्षित करता है, लेकिन आसपास के क्षेत्रों को प्रभावित नहीं करता। मैं भी।
चुंबकीय अनुनाद छवि-निर्देशित न्यूरोसर्जिकल के विकास में मदद की
मस्तिष्क की उन स्थितियों के उपचार में सहायक प्रक्रियाएं जिनका इलाज करना कठिन होता है, जैसे कि
ट्यूमर और संवहनी विकार। उन वर्षों के दौरान मैंने कुछ पुस्तकें भी लिखीं या
सहकर्मी-समीक्षित प्रकाशनों के लिए 150 से अधिक अध्यायों और शोध पत्रों का सह-लेखन किया।
मैंने चिकित्सा पत्रिकाओं में अपने शोध पत्र प्रकाशित किए और विश्व भर में दो सौ से अधिक चिकित्सा सम्मेलनों में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए।
संक्षेप में, मैंने अपना जीवन विज्ञान को समर्पित कर दिया। आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए
लोगों की मदद और इलाज के लिए दवा, और इसके बारे में अधिक जानने के लिए
मानव शरीर और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली का अध्ययन करना ही मेरे जीवन का उद्देश्य था। मुझे ऐसा महसूस होता था।
इसे पाकर मैं बेहद भाग्यशाली रहा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरे पास एक
मेरी एक खूबसूरत पत्नी और दो प्यारे बच्चे हैं, और हालांकि मैं कई मायनों में
अपने काम के प्रति समर्पित होने के बावजूद, मैंने अपने परिवार की उपेक्षा नहीं की, जिसे मैं बहुत महत्व देती थी।
मेरे जीवन का दूसरा सबसे बड़ा आशीर्वाद। कई मायनों में मैं बहुत भाग्यशाली था।
यार, और मुझे यह पता था।
लेकिन 10 नवंबर 2008 को, चौवन वर्ष की आयु में, मेरी किस्मत मानो बदल गई।
बाहर निकलने के लिए। मुझे एक दुर्लभ बीमारी हो गई और मैं कोमा में चला गया।

सात दिन। उस दौरान, मेरा पूरा नियोकोर्टेक्स—बाहरी सतह—
मस्तिष्क का वह हिस्सा, जो हमें इंसान बनाता है—बंद हो गया था।
निष्क्रिय। संक्षेप में, अनुपस्थित।
जब आपका मस्तिष्क अनुपस्थित होता है, तो आप भी अनुपस्थित होते हैं। एक न्यूरोसर्जन के रूप में,
मैंने पिछले कई सालों में ऐसे लोगों की कई कहानियां सुनी थीं जिनके साथ अजीबोगरीब घटनाएं हुई थीं।
हृदयाघात के बाद के अनुभव: यात्रा की कहानियाँ
रहस्यमय, अद्भुत परिदृश्यों के बारे में; मृत रिश्तेदारों से बात करने के बारे में—
यहां तक कि स्वयं भगवान से मिलने का भी।
शानदार चीज़ें, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन मेरी राय में, ये सब कुछ बिल्कुल शुद्ध था।
कल्पना। इस तरह के अलौकिक अनुभवों का कारण क्या था?
लोग अक्सर ऐसा क्यों बताते हैं? मैंने जानने का दावा नहीं किया, लेकिन मुझे यह जरूर पता था कि
वे मस्तिष्क पर आधारित थे। चेतना का हर पहलू मस्तिष्क पर आधारित है। अगर आपके पास मस्तिष्क नहीं है तो...
जब मस्तिष्क काम कर रहा होता है, तो आप सचेत नहीं हो सकते।
ऐसा इसलिए है क्योंकि मस्तिष्क ही वह यंत्र है जो चेतना उत्पन्न करता है।
सबसे पहले तो। जब मशीन खराब हो जाती है, तो चेतना
रुक जाता है। वास्तविक कार्यप्रणाली की तरह ही बेहद जटिल और रहस्यमय।
मस्तिष्क की प्रक्रियाओं के बारे में, सारतः मामला इतना ही सरल है।
प्लग लगाते ही टीवी बंद हो जाता है। शो खत्म हो गया, चाहे कुछ भी हो जाए।
आपको शायद इसमें बहुत मजा आ रहा होगा।
या कम से कम मैं आपको यही बताता, इससे पहले कि मेरा खुद का दिमाग काम करना बंद कर दे।
कोमा के दौरान मेरा दिमाग ठीक से काम नहीं कर रहा था—ऐसा नहीं था
बिल्कुल भी काम नहीं कर पा रहा था। अब मुझे लगता है कि शायद यही मेरे मृत्यु के निकट के अनुभव की गहराई और तीव्रता का कारण था।
(एनडीई) जिसका अनुभव मैंने स्वयं इसके दौरान किया। कई एनडीई की रिपोर्ट की गई।
ऐसा तब होता है जब किसी व्यक्ति का दिल कुछ समय के लिए काम करना बंद कर देता है।
कुछ मामलों में, नियोकोर्टेक्स अस्थायी रूप से निष्क्रिय हो जाता है, लेकिन आमतौर पर बहुत अधिक समय तक नहीं।

क्षतिग्रस्त अवस्था को ठीक किया जा सकता है, बशर्ते ऑक्सीजन युक्त रक्त का प्रवाह बहाल हो जाए।
कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन या हृदय प्रणाली को पुनः सक्रिय करने के माध्यम से
लगभग चार मिनट के भीतर कार्य करने लगता है। लेकिन मेरे मामले में, नियोकोर्टेक्स
तस्वीर से बाहर। मैं एक ऐसी दुनिया की वास्तविकता का सामना कर रहा था।
वह चेतना जो मेरी सीमाओं से पूरी तरह मुक्त होकर विद्यमान थी
भौतिक मस्तिष्क।
मेरा अनुभव कई मायनों में मृत्यु के करीब के अनुभवों का एक मिला-जुला रूप था।
एक न्यूरोसर्जन के रूप में, दशकों के शोध और व्यावहारिक अनुभव के साथ
मेरे पीछे ऑपरेशन रूम में काम कर रहे लोगों की स्थिति औसत से बेहतर थी।
वास्तविकता के साथ-साथ उसके निहितार्थों का भी आकलन करने की स्थिति में होना।
मेरे साथ हुआ।
इसके परिणाम इतने व्यापक हैं कि उनका वर्णन करना असंभव है।
अनुभव ने मुझे दिखाया कि शरीर और मस्तिष्क की मृत्यु
चेतना का अंत नहीं, मानवीय अनुभव जारी रहता है।
मृत्यु के बाद भी। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह एक की निगाहों के नीचे जारी रहता है।
ईश्वर जो हममें से प्रत्येक से प्रेम करता है और हमारी परवाह करता है, और यह भी कि हम कहाँ हैं।
यह ब्रह्मांड और इसमें मौजूद सभी प्राणी अंततः नष्ट होने वाले हैं।
जिस जगह मैं गया था, वह असली थी। असली इस मायने में कि वह हमारे जीवन को वास्तविक बना देती है।
इसके विपरीत, यहाँ और अभी का जीवन पूरी तरह से स्वप्निल है। यह बात
मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं वर्तमान जीवन को महत्व देता हूँ। वास्तव में, मैं इसे महत्व देता हूँ।
पहले से कहीं अधिक। मैं ऐसा इसलिए करता हूँ क्योंकि अब मैं इसे इसके वास्तविक स्वरूप में देख पाता हूँ।
प्रसंग।
यह जीवन अर्थहीन नहीं है। लेकिन हम इस तथ्य को यहाँ से नहीं देख सकते—
कम से कम अधिकांश समय। उस दौरान मेरे साथ क्या हुआ था?
कोमा की कहानी निस्संदेह मेरे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण कहानी है। लेकिन यह एक
यह कहानी बताना मुश्किल है क्योंकि यह आम समझ से बिल्कुल अलग है।

इसे यूं ही जोर-जोर से चिल्लाकर नहीं कहा जा सकता। साथ ही, मेरा
निष्कर्ष मेरे अनुभव के चिकित्सा विश्लेषण और उस पर आधारित हैं।
मस्तिष्क विज्ञान और चेतना अध्ययन की सबसे उन्नत अवधारणाओं से मेरी परिचितता। एक बार जब मुझे अपनी यात्रा के पीछे की सच्चाई का एहसास हुआ, तो मैं
मुझे पता था कि मुझे यह बताना ही होगा। इसे सही ढंग से बताना अब मेरा मुख्य कार्य बन गया है।
मेरा जीवन।
इसका मतलब यह नहीं है कि मैंने अपना चिकित्सा कार्य और एक डॉक्टर के रूप में अपना जीवन त्याग दिया है।
न्यूरोसर्जन। लेकिन अब जब मुझे यह समझने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि
मेरे विचार से, शरीर या मस्तिष्क की मृत्यु के साथ हमारा जीवन समाप्त नहीं होता।
यह मेरा कर्तव्य है, मेरा दायित्व है कि मैं लोगों को उस बारे में बताऊं जो मैंने उस सीमा से परे देखा।
इस शरीर और इस पृथ्वी से परे। मैं अपनी कहानी विशेष रूप से सुनाने के लिए उत्सुक हूं।
वे लोग जिन्होंने शायद पहले भी मेरी जैसी कहानियां सुनी हों और
मैं उन पर विश्वास करना चाहता था, लेकिन पूरी तरह से ऐसा करने में सक्षम नहीं था।
यह पुस्तक विशेष रूप से इन्हीं लोगों को समर्पित है।
और उसमें निहित संदेश। जो मुझे आपको बताना है वह उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि
कोई भी आपको कुछ भी बताए, वह सच होता है।

1.

दर्द

लिंचबर्ग, वर्जीनिया—10 नवंबर, 2008

मेरी आँखें खुल गईं। हमारे बेडरूम के अंधेरे में, मैंने ध्यान केंद्रित किया।
बिस्तर के पास रखी घड़ी की लाल रोशनी: सुबह 4:30 बजे—मेरे सोने के समय से एक घंटा पहले।
आमतौर पर हम अपने घर से सत्तर मिनट की ड्राइव के लिए सुबह जल्दी उठ जाते हैं।
वर्जीनिया के लिंचबर्ग से फोकस्ड अल्ट्रासाउंड सर्जरी फाउंडेशन को
मैं शार्लट्सविले में काम करता था। मेरी पत्नी, हॉली, अभी भी सो रही थी।
मेरे बगल में एकदम आराम से।
लगभग बीस वर्षों तक अकादमिक न्यूरोसर्जरी में बिताने के बाद
मैं हॉली और अपने परिवार के बाकी सदस्यों के साथ ग्रेटर बोस्टन क्षेत्र में रहने चला गया था।
दो साल पहले, 2006 में, वर्जीनिया के ऊंचे इलाकों में। हॉली और मैं
हमारी मुलाकात अक्टूबर 1977 में हुई थी, हम दोनों के कॉलेज छोड़ने के दो साल बाद।
हॉली ललित कला में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही थी, और मैं...
मेडिकल स्कूल। वह मेरे कॉलेज के एक लड़के के साथ कुछ डेट्स पर गई थी।
मेरी रूममेट, विक। एक दिन, वह उसे मुझसे मिलवाने के लिए लेकर आई—शायद किसी मकसद से।
उसे सबके सामने दिखाओ। जब वे जा रहे थे, मैंने हॉली से वापस आने को कहा।
उन्होंने आगे कहा कि उन्हें विक को लाने के लिए बाध्य महसूस नहीं करना चाहिए।
हमारी पहली डेट पर हम उत्तरी अमेरिका के शार्लोट शहर में एक पार्टी में गए।
कैरोलिना, कार से ढाई घंटे की दूरी पर। हॉली को स्वरयंत्रशोथ था।
इसलिए मुझे दोनों तरफ से 99 प्रतिशत बातचीत करनी पड़ी। यह आसान था। हम
उनका विवाह जून 1980 में सेंट थॉमस एपिस्कोपल चर्च में हुआ था।
वे उत्तरी कैरोलिना के विंडसर में रहने लगे और कुछ समय बाद रॉयल ओक्स में स्थानांतरित हो गए।

डरहम में अपार्टमेंट, जहां मैं ड्यूक विश्वविद्यालय में सर्जरी में रेजिडेंट डॉक्टर था।
हमारा घर शाही जैसा बिल्कुल नहीं था, और मुझे वहां कोई ओक का पेड़ नज़र नहीं आया।
वहाँ भी नहीं। हमारे पास बहुत कम पैसे थे, लेकिन हम दोनों बहुत व्यस्त थे—
और हम साथ में इतने खुश थे कि हमें किसी बात की परवाह नहीं थी। हमारे पहले पलों में से एक।
यह छुट्टियां उत्तरी कैरोलिना के समुद्र तटों पर वसंत ऋतु में आयोजित एक कैंपिंग यात्रा थी।
कैरोलिनास में वसंत ऋतु नो-सी-यम (काटने वाले मच्छर) का मौसम होता है।
और हमारा तम्बू उनसे ज्यादा सुरक्षा नहीं दे पाया। हमारे पास काफी कुछ था।
फिर भी उतना ही मजेदार। एक दोपहर ओकराकोक में लहरों में तैरते हुए, मैंने नीले खोल वाले केकड़ों को पकड़ने का एक तरीका निकाला जो इधर-उधर भाग रहे थे।
मेरे पैरों के पास। हम एक बड़ा जत्था लेकर पोनी आइलैंड मोटल गए, जहाँ
कुछ दोस्त वहाँ ठहरे हुए थे, और उन्होंने उन्हें ग्रिल पर पका लिया।
सबके साथ साझा करने के लिए बहुत कुछ है। तमाम तरह की कटौती करने के बावजूद,
कुछ ही समय बाद हमने खुद को नकदी की बेहद कमी से जूझते हुए पाया। हम
हम अपने सबसे अच्छे दोस्त बिल और पैटी विल्सन के साथ रह रहे थे, और अचानक ही हमने ये फैसला लिया,
उन्होंने उनके साथ बिंगो खेलने जाने का फैसला किया। बिल पहले से ही बिंगो खेलता आ रहा था।
दस साल तक हर गर्मी के गुरुवार को वह हर दिन खेलता था और कभी जीता नहीं था।
हॉली पहली बार बिंगो खेल रही थी। इसे शुरुआती किस्मत कहिए, या
ईश्वरीय चमत्कार, लेकिन उसने दो सौ डॉलर जीत लिए—जो उसे ऐसा लगा जैसे
हमें पाँच हज़ार डॉलर मिले। इस पैसे से हमारी यात्रा बढ़ गई और संभव हो पाया।
काफी अधिक आरामदेह।
मैंने 1980 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की, ठीक उसी समय जब हॉली ने अपनी डिग्री प्राप्त की थी।
मैंने कलाकार और शिक्षक के रूप में अपना करियर शुरू किया। मैंने अपना पहला एकल प्रदर्शन किया।
1981 में ड्यूक में मस्तिष्क की सर्जरी हुई। हमारे पहले बच्चे, एबेन चतुर्थ का जन्म हुआ।
1987 में न्यूकैसल-अपॉन-टाइन के प्रिंसेस मैरी मैटरनिटी हॉस्पिटल में
उत्तरी इंग्लैंड में मेरी सेरेब्रोवास्कुलर फेलोशिप के दौरान, और हमारा
उनके छोटे बेटे बॉन्ड का जन्म ब्रिघम एंड वूमेन्स हॉस्पिटल में हुआ था।

1998 में बोस्टन।
मुझे हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में काम करने के अपने पंद्रह साल बहुत पसंद आए और
ब्रिघम एंड वुमन्स हॉस्पिटल। हमारे परिवार ने वहां बिताए उन वर्षों को संजोकर रखा है।
ग्रेटर बोस्टन क्षेत्र। लेकिन, 2005 में हॉली और मैं इस बात पर सहमत हुए कि अब समय आ गया है।
वापस दक्षिण की ओर जाना चाहते थे। हम अपने परिवारों के करीब रहना चाहते थे, और मैं
मैंने इसे अपने पूर्व में मिली स्वायत्तता से थोड़ी अधिक स्वायत्तता प्राप्त करने के अवसर के रूप में देखा।
हार्वर्ड। तो 2006 की वसंत ऋतु में, हमने लिंचबर्ग में नए सिरे से शुरुआत की।
वर्जीनिया के ऊंचे इलाकों में। हमें वहां वापस बसने में ज्यादा समय नहीं लगा।
दक्षिण में पले-बढ़े हम दोनों ने जिस अधिक आरामदायक जीवन का आनंद लिया था।
एक पल के लिए मैं वहीं लेटा रहा, अस्पष्ट रूप से यह समझने की कोशिश करता रहा कि क्या हुआ था।
इससे मेरी नींद खुल गई। पिछला दिन—रविवार—धूप वाला और साफ था।
और हल्की सी ठंडक—वर्जीनिया में देर से पतझड़ के मौसम की खासियत। हॉली,
बॉन्ड (उस समय दस साल का था) और मैं एक बारबेक्यू पार्टी में गए थे।
पड़ोसी के घर पर। शाम को हमने अपने पड़ोसी से फोन पर बात की थी।
उनके बेटे एबेन चतुर्थ (तब बीस वर्ष के), जो डेलावेयर विश्वविद्यालय में जूनियर छात्र थे, का निधन हो गया। दिन भर की
एकमात्र परेशानी हल्की श्वसन संबंधी समस्या थी।
वह वायरस जिसे हॉली, बॉन्ड और मैं अभी भी अपने साथ लिए घूम रहे थे।
पिछले हफ्ते। सोने से ठीक पहले मेरी पीठ में दर्द शुरू हो गया था, इसलिए मैंने
मैंने जल्दी से स्नान किया, जिससे दर्द कुछ हद तक कम हो गया।
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मैं आज सुबह इतनी जल्दी इसलिए जाग गया क्योंकि वायरस
वह अभी भी मेरे शरीर में मौजूद था।
मैं बिस्तर पर थोड़ा सा हिला और दर्द की एक लहर मेरी रीढ़ की हड्डी में दौड़ गई—बहुत दूर
पिछली रात की तुलना में अधिक तीव्र। स्पष्ट रूप से फ्लू वायरस अभी भी मौजूद था।
किसी तरह हिम्मत बनाए रखी, और फिर भी। जैसे-जैसे मेरी नींद खुलती गई, दर्द बढ़ता गया।
हो गया। चूंकि मैं दोबारा सो नहीं पा रहा था और मेरे पास एक घंटा था।
अपना कार्यदिवस शुरू होने से पहले, मैंने एक और गर्म स्नान करने का फैसला किया।

मैं बिस्तर पर बैठ गया, अपने पैरों को फर्श पर पटका और खड़ा हो गया।
दर्द पल भर में एक और स्तर बढ़ गया—एक सुस्त, कष्टदायक
मेरी रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में एक गहरी धड़कन महसूस हो रही थी। हॉली को छोड़कर।
मैं सो रहा था, और धीरे-धीरे गलियारे से होते हुए ऊपर मुख्य कमरे की ओर बढ़ा।
स्नानघर।
मैंने थोड़ा पानी चलाया और धीरे से टब में उतर गया, मुझे पूरा यकीन था कि
गर्मी से तुरंत कुछ फायदा होगा। गलत। तब तक
टब आधा भरा हुआ था, मुझे पता था कि मैंने गलती कर दी है। इतना ही नहीं,
दर्द बढ़ता जा रहा था, लेकिन अब यह इतना तीव्र हो गया था कि मुझे डर लगने लगा था कि मैं
मुझे टब से बाहर निकलने में मदद के लिए हॉली को चिल्लाकर बुलाना पड़ सकता है।
यह सोचकर कि स्थिति कितनी हास्यास्पद हो गई है, मैंने ऊपर हाथ बढ़ाया और
मैंने अपने ठीक ऊपर लगे रैक से लटकता हुआ एक तौलिया उठाया। मैंने उसे सरकाया।
तौलिये को रैक के किनारे पर रख दें ताकि रैक के गिरने की संभावना कम हो जाए।
मैंने दीवार से अपना हाथ छुड़ाया और धीरे से खुद को ऊपर खींच लिया।
मेरी पीठ में दर्द का एक और झटका लगा, इतना तीव्र कि मैं हांफने लगा।
यह निश्चित रूप से फ्लू नहीं था। लेकिन यह और क्या हो सकता था?
फिसलन भरे टब से संघर्ष करते हुए बाहर निकलकर अपने लाल टेरी-क्लॉथ में दाखिल हुई।
बाथरोब पहने हुए, मैं धीरे-धीरे अपने बेडरूम में वापस गई और लेट गई।
हम अपने बिस्तर पर लेट गए। ठंडे पसीने से मेरा शरीर फिर से गीला हो गया था।
हॉली हिली और करवट बदल ली।
“क्या हो रहा है? कितना समय हो गया है?”
मैंने कहा, "मुझे नहीं पता। मेरी पीठ में बहुत दर्द हो रहा है।"
हॉली ने मेरी पीठ सहलाना शुरू कर दिया। मुझे आश्चर्य हुआ कि इससे मुझे अच्छा महसूस हुआ।
थोड़ा बेहतर। डॉक्टर आमतौर पर बीमार लोगों को पसंद नहीं करते। मैं
कोई अपवाद नहीं। एक पल के लिए मुझे यकीन हो गया था कि दर्द—और जो कुछ भी हो।
जो कारण था—वह धीरे-धीरे कम होने लगा। लेकिन सुबह 6:30 बजे तक,

जिस समय मैं आमतौर पर काम पर जाने के लिए निकलता था, उस समय भी मैं असहनीय पीड़ा से जूझ रहा होता था और लगभग लकवाग्रस्त हो चुका होता था।

बॉन्ड सुबह 7:30 बजे हमारे बेडरूम में आया, यह जानने के लिए उत्सुक था कि मैं अभी भी क्यों सो रहा हूँ।

घर।

"क्या चल रहा है?"

"तुम्हारे पिताजी की तबीयत ठीक नहीं है, बेटा," हॉली ने कहा।

मैं अब भी बिस्तर पर लेटा हुआ था और मेरा सिर तकिए पर टिका हुआ था।

बॉन्ड पास आया, हाथ बढ़ाया और मेरी कनपटी की मालिश करने लगा।

धीरे से।

उसके स्पर्श से मेरे सिर में बिजली सी दौड़ गई—

अब तक का सबसे भयानक दर्द। मैं चीख पड़ी। मेरी प्रतिक्रिया देखकर बॉन्ड चौंक गया और उछल पड़ा।

पीछे।

“कोई बात नहीं,” हॉली ने बॉन्ड से कहा, हालांकि उसका इरादा कुछ और ही था। “कोई बात नहीं।”

इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। पापा को बहुत तेज सिरदर्द हो रहा है।” फिर मैंने उसे कहते सुना,

मुझसे ज्यादा खुद से ही उसने कहा: "मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या मुझे एम्बुलेंस बुलानी चाहिए।"

अगर कोई ऐसी चीज है जिससे डॉक्टर बीमार होने से भी ज्यादा नफरत करते हैं, तो वह है...

आपातकालीन कक्ष में एक मरीज के रूप में होना। मैंने कल्पना की कि पूरा घर भर गया है।

आपातकालीन चिकित्सा कर्मियों के साथ उठना, स्टॉक से संबंधित सवालों की झड़ी, अस्पताल तक की सवारी,

कागजी कार्रवाई... मुझे लगा था कि किसी समय मुझे यह महसूस होने लगेगा

बेहतर महसूस हो रहा है और शुरू में ही एम्बुलेंस बुलाने पर पछतावा हो रहा है।

“नहीं, कोई बात नहीं,” मैंने कहा। “अभी हालत खराब है, लेकिन जल्द ही ठीक हो जाएगी।”

आपको शायद बॉन्ड को स्कूल के लिए तैयार होने में मदद करनी चाहिए।

“एबेन, मुझे सच में लगता है—”

“मैं ठीक हूँ,” मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, मेरा चेहरा अभी भी तकिए में दबा हुआ था। मैं ठीक थी।

अभी भी दर्द से बेहाल हूँ। “सच में, 911 पर कॉल मत करो। मैं

मैं इतना बीमार नहीं हूँ। बस मेरी पीठ के निचले हिस्से में मांसपेशियों में ऐंठन है, और एक

सिरदर्द।"

अनिच्छा से, हॉली बॉन्ड को नीचे ले गया और उसे कुछ खिलाया।

उसे नाश्ता कराने के बाद उसे सड़क के उस पार एक दोस्त के घर भेज दिया ताकि वह उसे पकड़ सके।

स्कूल जाने के लिए लिफ्ट। जैसे ही बॉन्ड सामने के दरवाजे से बाहर निकल रहा था, मेरे मन में यह ख्याल आया कि अगर यह कोई गंभीर बात हुई और मैं सच में स्कूल में भर्ती हो गया तो...

अस्पताल में, हो सकता है कि मैं उस दोपहर स्कूल के बाद उससे न मिल पाऊं।

मैंने अपनी सारी ऊर्जा इकट्ठा की और लड़खड़ाती आवाज में कहा, "स्कूल में आपका दिन अच्छा बीते।"

गहरा संबंध।"

जब तक हॉली मुझे देखने के लिए ऊपर वापस आई, तब तक मैं

मैं बेहोशी की हालत में जा रहा था। यह सोचकर कि मैं झपकी ले रहा हूँ, वह मुझे वहीं छोड़कर चली गई।

आराम करने के बाद मैं नीचे गया और अपने कुछ सहकर्मियों को फोन करने की कोशिश की, इस उम्मीद में कि मुझे उनसे कोई मदद मिल जाएगी।

जो कुछ हो रहा होगा, उस पर उनकी राय।

दो घंटे बाद, जब उसे लगा कि उसने मुझे काफी देर आराम करने दिया है, तो वह आई।

वह मेरा हालचाल जानने के लिए वापस आई। हमारे बेडरूम का दरवाजा खोलते ही उसने मुझे देखा।

मैं पहले की तरह ही बिस्तर पर लेटी हुई थी। लेकिन गौर से देखने पर उसने पाया कि मेरा शरीर

वह पहले की तरह सहज नहीं थी, बल्कि एकदम अकड़ी हुई थी। उसने टीवी चालू किया।

मैंने रोशनी देखी और पाया कि मैं बुरी तरह से छटपटा रहा था। मेरा निचला जबड़ा बाहर निकला हुआ था।

मैं अस्वाभाविक रूप से आगे की ओर झुक गया, और मेरी आँखें खुली हुई थीं और पीछे की ओर घूम रही थीं।

सिर।

“एबेन, कुछ बोलो!” हॉली चिल्लाई। जब मैंने कोई जवाब नहीं दिया, तो वह

नौ-एक-एक पर कॉल किया गया। आपातकालीन चिकित्सा कर्मियों को पहुंचने में दस मिनट से भी कम समय लगा।

और उन्होंने मुझे तुरंत एम्बुलेंस में बिठाकर अस्पताल पहुँचा दिया।

लिंचबर्ग जनरल अस्पताल का आपातकालीन कक्ष।

अगर मैं होश में होती, तो मैं हॉली को ठीक-ठीक बता सकती थी कि मैं क्या थी।

उन भयावह क्षणों के दौरान वह बिस्तर पर लेटी हुई थी।

एम्बुलेंस का इंतजार करते हुए बिताया गया समय: एक पूर्ण ग्रैंड मल दौरा, जो इसके कारण हुआ।
इसमें कोई शक नहीं कि मेरे दिमाग को किसी तरह का बेहद गंभीर आघात लगा होगा।
लेकिन जाहिर है, मैं ऐसा नहीं कर सका।
अगले सात दिनों तक मैं हॉली और बाकी लोगों के साथ मौजूद रहूंगा।
मेरा परिवार सिर्फ शरीर से ही था। उस दौरान मुझे इस दुनिया की कोई बात याद नहीं है।
सप्ताह बीत गया है और मुझे इस कहानी के उन हिस्सों को दूसरों से जानना पड़ा है जो
यह घटना मेरे बेहोशी की हालत में घटी। मेरा मन, मेरी आत्मा—
आप मेरे भीतर के उस केंद्रीय, मानवीय हिस्से को जो भी नाम देना चाहें—वह था
गया।

2.

अस्पताल

लिंचबर्ग जनरल अस्पताल का आपातकालीन कक्ष दूसरा सबसे बड़ा आपातकालीन कक्ष है।
यह वर्जीनिया राज्य का सबसे व्यस्त आपातकालीन कक्ष है और आमतौर पर 31 बजे तक पूरी तरह से चालू हो जाता है।
सप्ताह के किसी भी दिन सुबह 9:30 बजे। वह सोमवार भी इसका अपवाद नहीं था।
मैंने अपने कामकाजी दिनों का अधिकांश समय चार्लोट्सविले में बिताया, मैंने वहाँ काफी समय बिताया था।
मैंने लिंचबर्ग जनरल में काफी समय बिताया और मैं वहां लगभग सभी को जानता था।
वहाँ।
लौरा पॉटर, एक आपातकालीन कक्ष की चिकित्सक, जिन्हें मैं जानती थी और जिनके साथ मैंने काफी समय तक मिलकर काम किया था।
लगभग दो साल पहले, एम्बुलेंस से फोन आया कि पचास साल के एक व्यक्ति को...
चार वर्षीय श्वेत पुरुष, जो मिर्गी के दौरे से पीड़ित था, लगभग मरने ही वाला था।
वह अपने आपातकालीन कक्ष में पहुंची। जैसे ही वह एम्बुलेंस के प्रवेश द्वार की ओर बढ़ी, उसने
आने वाले मरीज के संभावित कारणों की सूची पर एक नज़र डाली।
स्थिति। यह वही सूची थी जो मैं बनाता अगर मैंने
मैं भी उसकी स्थिति से गुज़री हूँ: शराब की लत छूटने पर होने वाली परेशानी; ड्रग्स का ओवरडोज़; हाइपोनेट्रेमिया
(रक्त में सोडियम का स्तर असामान्य रूप से कम होना); स्ट्रोक; मेटास्टेटिक या
प्राथमिक मस्तिष्क ट्यूमर; इंट्रापैरेन्काइमल रक्तस्राव (मस्तिष्क में रक्तस्राव)
मस्तिष्क का पदार्थ); मस्तिष्क फोड़ा... और मेनिन्जाइटिस।
जब आपातकालीन चिकित्सा कर्मी मुझे व्हीलचेयर पर बिठाकर आपातकालीन कक्ष के पहले कक्ष में ले गए, तब भी मैं बेहोश था।
मैं बुरी तरह कांप रहा था, बीच-बीच में कराह रहा था और अपने हाथ-पैर पटक रहा था।
हाथ और पैर।
मेरी चीख-पुकार और छटपटाहट देखकर डॉ. पॉटर को यह बात स्पष्ट हो गई थी।

उस समय मेरे दिमाग पर बहुत बुरा असर पड़ रहा था। एक नर्स मेरे पास आई।
दुर्घटना में घायल हुई एक गाड़ी से खून निकला, और तीसरी ने पहली गाड़ी की जगह ले ली, अब
खाली, अंतःशिरा बैग जिसे आपातकालीन चिकित्सा कर्मियों ने हमारे घर पर पहले ही लगा दिया था
मुझे एम्बुलेंस में लोड किया जा रहा था। जब वे मेरा इलाज शुरू कर रहे थे, तब मैं...
पानी से बाहर निकाली गई छह फुट लंबी मछली की तरह तड़प रहा था। मैं फव्वारे की तरह आवाजें निकाल रहा था।
अस्पष्ट, निरर्थक ध्वनियों और जानवरों जैसी चीखों का। उतना ही परेशान करने वाला।
लौरा को दौरे इसलिए पड़ रहे थे क्योंकि ऐसा लग रहा था कि मुझमें विषमता दिखाई दे रही है।
मेरे शरीर का मोटर नियंत्रण। इसका मतलब यह हो सकता है कि न केवल मेरा
मस्तिष्क पर हमला हो रहा था, लेकिन गंभीर और संभवतः अपरिवर्तनीय मस्तिष्क क्षति पहले से ही शुरू हो चुकी थी।
किसी भी मरीज को ऐसी हालत में देखना स्वाभाविक नहीं होता, लेकिन
लौरा ने आपातकालीन कक्ष में अपने कई वर्षों के अनुभव में सब कुछ देखा था। उसने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था।
उनकी एक साथी चिकित्सक ने इसी हालत में आपातकालीन कक्ष में प्रसव कराया।
हालाँकि, जब हमने उस विकृत अवस्था में चिल्लाते हुए मरीज को करीब से देखा, तो
उसने लगभग खुद से कहा, "एबेन, स्ट्रेचर पर।"
फिर, और भी जोर से, आसपास के अन्य डॉक्टरों और नर्सों को सचेत करते हुए:
“यह एबेन अलेक्जेंडर हैं।”
आस-पास मौजूद कर्मचारियों ने उसकी आवाज़ सुनकर मेरी स्ट्रेचर के चारों ओर जमा हो गए। हॉली,
जो लोग एम्बुलेंस का पीछा कर रहे थे, वे भीड़ में शामिल हो गए जबकि लौरा
उसने सबसे स्पष्ट संभावित सवालों की झड़ी लगा दी।
मेरी जैसी स्थिति में किसी व्यक्ति के लिए ये कारण क्या थे? क्या मैं शराब छोड़ने के कारण ऐसा कर रहा था?
क्या मैंने हाल ही में कोई तेज़ मतिभ्रम पैदा करने वाली नशीली दवा का सेवन किया था?
वह मेरे दौरे रोकने की कोशिश में जुट गई।
पिछले कुछ महीनों से, एबेन IV मुझे कड़ी मेहनत करवा रहा था।
इक्वाडोर की पर्वत श्रृंखला पर पिता-पुत्र की नियोजित चढ़ाई के लिए कंडीशनिंग कार्यक्रम
19,300 फुट ऊंचे माउंट कोटोपैक्सी पर वे पिछली बार चढ़ाई कर चुके थे।
फरवरी। इस कार्यक्रम से मेरी ताकत में काफी वृद्धि हुई थी।

इससे मुझे पकड़ने की कोशिश कर रहे वार्ड बॉय के लिए और भी मुश्किल हो गई।
नीचे। पांच मिनट और 15 मिलीग्राम इंट्रावेनस डायजेपाम के बाद, मैं
वह अभी भी बेहोश थी और अभी भी सभी से लड़ने की कोशिश कर रही थी, लेकिन डॉक्टर के अनुसार...
पॉटर को राहत मिली कि कम से कम अब मैं अपने शरीर के दोनों हिस्सों से लड़ रहा था।
हॉली ने लौरा को मेरे सिरदर्द के बारे में बताया जो मुझे पहले से हो रहा था।
उसे दौरा पड़ा, जिसके चलते डॉ. पॉटर को लम्बर सर्जरी करनी पड़ी।
पंचर—एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें मस्तिष्क की रीढ़ की हड्डी के द्रव की थोड़ी मात्रा निकाली जाती है
इसे रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से से निकाला जाता है।
सेरेब्रोस्पाइनल द्रव एक स्पष्ट, पानी जैसा पदार्थ है जो मस्तिष्क के साथ बहता है।
यह रीढ़ की हड्डी की सतह को ढकती है और मस्तिष्क को ढककर उसे झटकों से बचाती है।
इसके प्रभाव। एक सामान्य, स्वस्थ मानव शरीर लगभग एक पिंट प्रति वर्ष उत्पन्न करता है।
दिन के दौरान, तरल पदार्थ की स्पष्टता में कोई भी कमी यह दर्शाती है कि...
संक्रमण या रक्तस्राव हुआ है।
इस प्रकार के संक्रमण को मेनिन्जाइटिस कहा जाता है: मेनिन्जेस में सूजन आना।
रीढ़ और खोपड़ी के अंदरूनी भाग को ढकने वाली झिल्लियाँ जो मस्तिष्क के द्रव के सीधे संपर्क में होती हैं। पाँच में से चार मामलों में।
यह बीमारी वायरस के कारण होती है। वायरल मेनिन्जाइटिस से मरीज काफी कमजोर हो सकता है।
यह बीमारी गंभीर है, लेकिन लगभग 1 प्रतिशत मामलों में ही यह घातक होती है। एक मामले में
हालांकि, पांच में से एक कारण बैक्टीरिया के कारण मेनिन्जाइटिस होता है। बैक्टीरिया, अधिक होने के कारण
वायरस की तुलना में आदिम, अधिक खतरनाक दुश्मन हो सकता है।
यदि जीवाणुजनित मेनिन्जाइटिस का इलाज न किया जाए तो यह लगभग हमेशा ही घातक होता है। यहां तक कि जब
उचित एंटीबायोटिक दवाओं से शीघ्र उपचार करने पर, मृत्यु दर कम हो जाती है।
यह 15 से 40 प्रतिशत तक होता है।
वयस्कों में जीवाणुजनित मेनिन्जाइटिस के सबसे कम संभावित कारणों में से एक है...
एस्चेरिचिया कोली नामक एक बहुत पुराना और बहुत ही कठोर जीवाणु—बेहतर
जिसे आम तौर पर ई. कोलाई के नाम से जाना जाता है। ई. कोलाई की सटीक उम्र किसी को नहीं पता, लेकिन

अनुमान तीन से चार अरब वर्षों के बीच हैं। जीव
इसमें कोई केंद्रक नहीं होता और यह आदिम लेकिन अत्यंत कुशल प्रजनन प्रक्रिया द्वारा प्रजनन करता है।
इस प्रक्रिया को अलैंगिक द्विआधारी विखंडन (दूसरे शब्दों में, विभाजित होकर) के रूप में जाना जाता है।
दो)। एक ऐसी कोशिका की कल्पना कीजिए जो मूलतः डीएनए से भरी हो, और जो ग्रहण कर सकती हो।
पोषक तत्व (आमतौर पर अन्य कोशिकाओं से जिन पर यह हमला करता है और अवशोषित करता है) सीधे
अपनी कोशिकीय दीवार के माध्यम से। फिर कल्पना कीजिए कि यह एक साथ प्रतिलिपि बना सकता है।
डीएनए की कई कड़ियाँ होती हैं और हर बीस दिनों में दो पुत्री कोशिकाओं में विभाजित हो जाती हैं।
लगभग कुछ मिनट। एक घंटे में, आपके पास उनमें से 8 होंगे। बारह घंटे में, 69।
अरब। पंद्रह घंटे के भीतर, आपके पास 35 ट्रिलियन हो जाएंगे। यह विस्फोटक वृद्धि है।
यह तभी धीमा होता है जब इसका भोजन खत्म होने लगता है।
ई. कोलाई अत्यधिक द्विलिंगी भी होते हैं। वे अन्य बैक्टीरिया के साथ जीन का आदान-प्रदान कर सकते हैं।
जीवाणु संयुग्मन नामक प्रक्रिया के माध्यम से जीवाणु प्रजातियों के बीच,
यह ई. कोलाई कोशिका को तेजी से नए गुण (जैसे प्रतिरोधक क्षमता) ग्रहण करने की अनुमति देता है।
आवश्यकता पड़ने पर नए एंटीबायोटिक का उपयोग करें। सफलता का यह बुनियादी नुस्खा है।
ई. कोलाई को पृथ्वी पर एककोशिकीय जीवन के आरंभिक दिनों से ही मौजूद रखा है।
हम सभी के शरीर में ई. कोलाई बैक्टीरिया मौजूद होते हैं—मुख्यतः हमारे
सामान्य परिस्थितियों में, इससे कोई खतरा नहीं होता है।
लेकिन जब ई. कोलाई की ऐसी किस्में पाई जाती हैं जिन्होंने डीएनए के ऐसे रेशे ग्रहण कर लिए हैं जो...
उन्हें विशेष रूप से आक्रामक बनाएं, मस्तिष्क के द्रव पर आक्रमण करें
रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क के आसपास, आदिम कोशिकाएं तुरंत
तरल पदार्थ में मौजूद ग्लूकोज और बाकी सब कुछ खाना शुरू कर देते हैं।
उपभोग के लिए उपलब्ध, जिसमें स्वयं मस्तिष्क भी शामिल है।
उस समय आपातकालीन कक्ष में किसी को भी यह नहीं लगा कि मुझे ई. कोलाई मेनिन्जाइटिस है।
उन्हें इस पर संदेह करने का कोई कारण नहीं था। यह बीमारी अत्यंत दुर्लभ है।
वयस्कों में। नवजात शिशु सबसे आम शिकार होते हैं, लेकिन शिशुओं के मामले भी सामने आते हैं।
तीन महीने से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति में इसका होना अत्यंत दुर्लभ है।

दस मिलियन वयस्कों में से एक से भी कम लोग हर साल स्वतः ही इससे संक्रमित होते हैं।
वर्ष।
बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस के मामलों में, बैक्टीरिया बाहरी परत पर हमला करते हैं।
सबसे पहले मस्तिष्क के कॉर्टेक्स भाग की बात करते हैं। कॉर्टेक्स शब्द लैटिन भाषा से लिया गया है।
यह शब्द "छिलका" या "छाल" का अर्थ बताता है। यदि आप एक संतरे की कल्पना करें, तो उसका छिलका एक
कॉर्टेक्स जिस तरह से अधिक को घेरता है, उसके लिए यह काफी अच्छा मॉडल है।
मस्तिष्क के आदिम भाग। कॉर्टेक्स स्मृति के लिए जिम्मेदार है।
भाषा, भावना, दृश्य और श्रवण जागरूकता, और तर्क। तो जब
जब ई. कोलाई जैसे जीव मस्तिष्क पर हमला करते हैं, तो प्रारंभिक क्षति मस्तिष्क के भीतर के हिस्से को होती है।
वे क्षेत्र जो हमारे रखरखाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं
मानवीय गुण। जीवाणु मेनिन्जाइटिस के कई पीड़ित पहले ही दिन मर जाते हैं।
उनकी बीमारी के कई दिन। आपातकालीन स्थिति में पहुंचने वालों में से।
मेरे जैसे ही तंत्रिका संबंधी कार्यप्रणाली में तेजी से गिरावट आई, उसी दौरान एक कमरे में यह स्थिति उत्पन्न हुई।
केवल 10 प्रतिशत लोग ही जीवित रहने के लिए भाग्यशाली होते हैं। हालाँकि, उनका भाग्य
सीमित, क्योंकि उनमें से कई अपना शेष जीवन एक
वनस्पति अवस्था।
हालांकि उन्हें ई. कोलाई मेनिन्जाइटिस का संदेह नहीं था, डॉ. पॉटर को लगा कि मैं
उसे शायद किसी तरह का मस्तिष्क संक्रमण हो गया है, इसीलिए उसने यह फैसला लिया।
लम्बर पंक्चर। जैसे ही वह एक नर्स को लाने के लिए कह रही थी।
उसे एक लम्बर पंक्चर ट्रे दो और मुझे प्रक्रिया के लिए तैयार करो, मेरा
मेरा शरीर ऐसे उछल पड़ा मानो मेरी स्ट्रेचर में बिजली का झटका लगा हो। एक नए सिरे से
ऊर्जा के विस्फोट के साथ, मैंने एक लंबी, दर्द भरी कराह निकाली, अपनी पीठ को मोड़ा, और
मैंने अपने हाथ हवा में लहराए। मेरा चेहरा लाल हो गया था, और मेरी गर्दन की नसें उभर आई थीं।
वह बुरी तरह फूल गया। लौरा ने और मदद के लिए चिल्लाया, और जल्द ही दो लोग आ गए, फिर
चार, और अंत में छह सेवक मुझे पकड़कर रखने के लिए संघर्ष कर रहे थे।
प्रक्रिया के दौरान। उन्होंने मेरे शरीर को भ्रूण की स्थिति में धकेल दिया जबकि लौरा

मुझे और अधिक बेहोशी की दवा दी गई। आखिरकार, वे मुझे शांत करने में कामयाब हो गए।

सुई को मेरी रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में प्रवेश करने के लिए पर्याप्त जगह थी।

जब बैक्टीरिया हमला करते हैं, तो शरीर तुरंत रक्षा तंत्र में चला जाता है और श्वेत रक्त कोशिकाओं की सैन्य टुकड़ियों को उनके सुरक्षित ठिकानों से बाहर भेजता है।

तिल्ली और अस्थि मज्जा आक्रमणकारियों से लड़ने के लिए तैयार रहते हैं। वे पहले होते हैं।

जब भी कोई

शरीर में बाहरी जैविक कारक प्रवेश करता है, और डॉ. पॉटर यह बात जानते थे।

मेरे मस्तिष्क के द्रव में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता का कारण मेरा ही होगा।

श्वेत रुधिराणु।

डॉ. पॉटर झुके और पारदर्शी मैनोमीटर पर ध्यान केंद्रित किया।

एक ऊर्ध्वाधर नली जिसमें सेरेब्रोस्पाइनल द्रव निकलता है। लौरा की

पहला आश्चर्य यह था कि तरल पदार्थ टपकने के बजाय तेजी से बाहर निकला—इस वजह से

खतरनाक रूप से उच्च दबाव।

उसका दूसरा आश्चर्य उस तरल पदार्थ की दिखावट थी। हल्की सी अपारदर्शिता

मैं उसे बताता कि मैं बहुत बड़ी मुसीबत में हूँ। जो बात अचानक मेरे दिमाग में आई,

मैनोमीटर गाढ़ा और सफेद था, जिसमें हरे रंग की हल्की सी झलक थी।

मेरी रीढ़ की हड्डी का तरल पदार्थ मवाद से भरा हुआ था।

3.

नजाने कहां से

डॉ. पॉटर ने अपने सहयोगियों में से एक, डॉ. रॉबर्ट ब्रेनन को फोन किया।
लिंचबर्ग जनरल में कार्यरत एक संक्रामक रोग विशेषज्ञ।
उन्होंने पास की प्रयोगशालाओं से और परीक्षण परिणामों के आने का इंतजार किया।
निदान संबंधी सभी संभावनाओं और उपचार संबंधी विकल्पों पर विचार किया गया।
जैसे-जैसे परीक्षा के परिणाम आते गए, मैं पल-पल की निगरानी करता रहा।
मेरी स्ट्रेचर की पट्टियों के नीचे मैं कराहता और छटपटाता रहा।
एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आ रही थी। ग्राम स्टेन (एक रासायनिक परीक्षण,
इस विधि का आविष्कार करने वाले डेनिश चिकित्सक के नाम पर इसका नाम रखा गया है, जो अनुमति देता है
डॉक्टरों द्वारा आक्रमणकारी बैक्टीरिया को ग्राम-नेगेटिव या ग्राम-नेगेटिव के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
ग्राम-पॉजिटिव) का परिणाम ग्राम-नेगेटिव रॉड्स को दर्शाता है—जो कि था
अत्यंत असामान्य।
इसी बीच मेरे सिर का कंप्यूटराइज्ड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन किया गया।
इससे पता चला कि मेरे मस्तिष्क की मेनिंजियल परत खतरनाक रूप से क्षतिग्रस्त थी।
सूजन और जलन थी। मेरी श्वास नली में एक ट्यूब डाली गई।
मुझे सांस लेने का काम वेंटिलेटर पर सौंपने की अनुमति देना—बारह
ठीक एक मिनट में सांसें—और मॉनिटरों की एक श्रृंखला स्थापित की गई।
मेरे बिस्तर के चारों ओर मेरे शरीर की हर हलचल को रिकॉर्ड करने के लिए और मेरे
अब मस्तिष्क लगभग पूरी तरह से नष्ट हो चुका है।
बहुत कम वयस्क ऐसे होते हैं जिन्हें स्वतः ई. कोलाई बैक्टीरिया का संक्रमण हो जाता है।
मेनिन्जाइटिस (अर्थात, मस्तिष्क की सर्जरी या सिर में गंभीर चोट के बिना)
हर साल, अधिकांश लोग किसी ठोस कारण से ऐसा करते हैं, जैसे कि...
उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली में कमी (अक्सर एचआईवी या एड्स के कारण)। लेकिन

मेरे पास ऐसा कोई कारक नहीं था जो मुझे इसके प्रति संवेदनशील बनाता।
रोग। अन्य जीवाणु शरीर में प्रवेश करके मेनिन्जाइटिस का कारण बन सकते हैं।
नाक के आस-पास के साइनस या मध्य कान में संक्रमण हो सकता है, लेकिन ई. कोलाई में नहीं।
मस्तिष्क की रीढ़ की हड्डी का स्थान शरीर के बाकी हिस्सों से बहुत अच्छी तरह से अलग-थलग होता है, इसलिए
ऐसा होने के लिए। जब तक रीढ़ की हड्डी या खोपड़ी में छेद न हो जाए (किसी चीज से)
किसी दूषित डीप ब्रेन स्टिमुलेटर या शंट द्वारा स्थापित किया गया
उदाहरण के लिए, न्यूरोसर्जन), ई. कोलाई जैसे बैक्टीरिया जो आमतौर पर आंत में रहते हैं, उस क्षेत्र तक उनकी पहुंच ही नहीं होती। मैंने सैकड़ों स्थापित किए थे।
मैंने स्वयं रोगियों के मस्तिष्क में शंट और उत्तेजकों का अध्ययन किया है, और यदि मैंने ऐसा किया होता तो
अगर इस मामले पर चर्चा करने का मौका मिलता, तो मैं अपने विचार से सहमत होता।
मैंने डॉक्टरों को भी हैरान कर दिया कि सीधे शब्दों में कहें तो मुझे एक ऐसी बीमारी थी जो...
मेरे लिए इसे पाना लगभग असंभव है।
अभी भी प्रस्तुत किए जा रहे साक्ष्यों को पूरी तरह से स्वीकार करने में असमर्थ हूँ।
परीक्षण के परिणाम आने के बाद, दोनों डॉक्टरों ने संक्रामक रोगों के विशेषज्ञों को फोन किया।
प्रमुख शैक्षणिक चिकित्सा केंद्रों में बीमारी। सभी इस बात पर सहमत थे कि
परिणामों से केवल एक ही संभावित निदान का संकेत मिला।
लेकिन गंभीर ई. कोलाई जीवाणु मेनिन्जाइटिस से ग्रसित होना
मैंने उस पहले दिन जो अजीबोगरीब चिकित्सीय कारनामे किए, उनमें से केवल हवा में ही कुछ करना ही एकमात्र कारगर कारनामा नहीं था।
अस्पताल में बिताया गया दिन। अस्पताल छोड़ने से ठीक पहले के अंतिम क्षणों में...
आपातकालीन कक्ष में, और लगातार दो घंटे तक जानवरों की कर्कश चीखों के बाद
और कराहते हुए मैं चुप हो गया। फिर अचानक ही मैंने तीन शब्द चिल्लाए।
शब्द। वे एकदम स्पष्ट थे, और सभी डॉक्टरों ने उन्हें सुना।
वहां मौजूद नर्सों के साथ-साथ हॉली भी मौजूद थीं, जो कुछ कदम की दूरी पर खड़ी थीं।
बस पर्दे के दूसरी तरफ।
"भगवान मेरी मदद करो!"

सब लोग स्ट्रेचर की ओर दौड़े। जब तक वे मेरे पास पहुँचे, मैं

वह पूरी तरह से अनुत्तरदायी था।

मुझे आपातकालीन कक्ष में बिताए समय की कोई याद नहीं है, उन तीन शब्दों की भी नहीं।

मैंने चिल्लाकर कहा। लेकिन अगले सात दिनों तक मैं उनसे बात नहीं करूँगा।

दिन।

4.

स्तर IV

मेजर बे 1 में पहुँचने के बाद, मेरी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। मस्तिष्क की रीढ़ की हड्डी का तरल पदार्थ
एक सामान्य स्वस्थ व्यक्ति में सीएसएफ (CSF) ग्लूकोज का स्तर लगभग 80 होता है।
मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर। अत्यंत बीमार व्यक्ति जो तत्काल खतरे में है।
बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस से मृत्यु की संभावना 20 जितनी कम हो सकती है।
मिलीग्राम/डीएल.
मेरे सीएसएफ में ग्लूकोज का स्तर 1 था। मेरा ग्लासगो कोमा स्केल आठ था।
पंद्रह में से, जो गंभीर मस्तिष्क रोग का संकेत है, और स्थिति और भी बिगड़ गई।
अगले कुछ दिनों में। मेरा APACHE II स्कोर (एक्यूट फिजियोलॉजी और
आपातकालीन कक्ष में क्रॉनिक हेल्थ इवैल्यूएशन (क्रोनिक हेल्थ इवैल्यूएशन) की दर संभावित 71 में से 18 थी।
इससे पता चलता है कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान मेरी मृत्यु होने की संभावना है।
लगभग 30 प्रतिशत थे। अधिक विशेष रूप से, मेरे तीव्र निदान को देखते हुए
ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस और तीव्र तंत्रिका संबंधी गिरावट
शुरुआत में, मेरे पास ज़्यादा से ज़्यादा केवल 10 प्रतिशत ही मौका था।
जब मुझे आपातकालीन कक्ष में भर्ती कराया गया था तब मैं अपनी बीमारी से उबर रहा था। अगर एंटीबायोटिक्स
यदि उपाय लागू नहीं हुए, तो अगले कुछ वर्षों में मृत्यु दर का जोखिम लगातार बढ़ता रहेगा।
कुछ दिनों तक—जब तक कि यह एक अप्रतिस्पर्धी 100 प्रतिशत तक न पहुंच जाए।
डॉक्टरों ने मेरे शरीर में तीन शक्तिशाली अंतःशिरा इंजेक्शन लगाए।
मुझे मेरे नए घर भेजने से पहले एंटीबायोटिक्स दी गईं: एक बड़ा निजी
मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट में कमरा नंबर 10, एक मंजिल ऊपर
आपातकालीन कक्ष।
एक सर्जन के रूप में मैं कई बार इन आईसीयू में जा चुका था। ये वो जगहें हैं जहाँ...
सबसे गंभीर रूप से बीमार मरीजों को, जो मौत के कगार पर हैं, उन्हें वहां रखा जाता है।

ताकि कई चिकित्साकर्मी एक साथ उन पर काम कर सकें।
ऐसी टीम, जो मरीज को बचाने के लिए पूरी तरह समन्वय में लड़ रही हो
जब सारी परिस्थितियाँ उनके विपरीत हों तब भी जीवित रहना एक अद्भुत दृश्य है।
उन कमरों में मुझे अपार गर्व और घोर निराशा दोनों का अनुभव हुआ।
यह इस बात पर निर्भर करता है कि जिस मरीज को बचाने के लिए हम संघर्ष कर रहे थे, वह या तो
या तो हमने इसे हासिल कर लिया या फिर यह हमारे हाथों से फिसल गया।
डॉ. ब्रेनन और बाकी डॉक्टरों ने हालात को देखते हुए हॉली के प्रति यथासंभव सकारात्मक रवैया बनाए रखा। इससे उन्हें यह सुनिश्चित करने का मौका नहीं मिला कि वे
बिल्कुल भी आशावादी होना। सच्चाई तो यह थी कि मुझे काफी जोखिम था।
बहुत जल्द मरने वाला हूँ। अगर मैं नहीं भी मरा, तो भी मेरे दिमाग पर हमला करने वाले बैक्टीरिया मुझे मार डालेंगे।
शायद मेरे मस्तिष्क के इतने हिस्से को पहले ही खा चुका था कि समझौता हो गया था
किसी भी उच्च-मस्तिष्क गतिविधि में कमी आने की संभावना। मैं जितना अधिक समय कोमा में रहा, उतनी ही अधिक संभावना थी।
यह तय हो गया कि मुझे अपना शेष जीवन एक पुरानी बीमारी में बिताना होगा।
वनस्पति अवस्था।
सौभाग्य से, लिंचबर्ग जनरल के कर्मचारियों के अलावा अन्य लोग भी सुरक्षित थे।
लोग भी मदद के लिए इकट्ठा होने लगे थे। माइकल सुलिवन, हमारे
हमारे पड़ोसी और हमारे एपिस्कोपल चर्च के पादरी, आपातकालीन कक्ष में पहुंचे।
हॉली के लगभग एक घंटे बाद। जैसे ही हॉली दरवाजे से बाहर भागी,
एम्बुलेंस का पीछा करते हुए, उसके सेल फोन पर एक घंटी बजी। यह उसका लंबे समय से दोस्त था।
मेरी दोस्त सिल्विया व्हाइट। सिल्विया में हमेशा दूसरों से जुड़ने का एक अनोखा तरीका था।
ठीक उसी समय जब महत्वपूर्ण घटनाएँ घट रही थीं। हॉली थी।
मुझे पूरा यकीन था कि वह मानसिक शक्तियों से लैस थी। (मैंने अधिक सुरक्षित और बेहतर विकल्प चुना था।)
(यह एक तर्कसंगत स्पष्टीकरण है कि वह बस एक बहुत अच्छी अनुमान लगाने वाली थी।) हॉली
उन्होंने सिल्विया को सारी जानकारी दी और दोनों ने मिलकर फैसला किया।
मेरे करीबी परिवार के सदस्यों को फोन: मेरी छोटी बहन, बेट्सी, जो रहती थी

पास ही में, मेरी बहन फिलिस, जो हम सब में सबसे छोटी थी और अड़तालीस साल की थी, जो थी...
बोस्टन में रहने वाले लोग और सबसे बड़ी बेटी जीन।
उस सोमवार की सुबह जीन वर्जीनिया से होते हुए दक्षिण की ओर गाड़ी चला रही थी।
डेलावेयर में उनके घर पर। संयोगवश, वह हमारी मदद करने के लिए जा रही थीं।
जीन की माँ, जो विंस्टन-सलेम में रहती थी। जीन के सेल फोन की घंटी बजी। यह था...
उनके पति, डेविड।
“क्या आप रिचमंड से होकर गुजर चुके हैं?” उसने पूछा।
“नहीं,” जीन ने कहा। “मैं इसके ठीक उत्तर में आई-95 पर हूँ।”
“रूट 60 वेस्ट पर जाएं, फिर रूट 24 से लिंचबर्ग तक जाएं। हॉली
अभी फोन आया था। एबेन इमरजेंसी रूम में है। उसे दौरा पड़ा था।
सुबह से कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा है।
“हे भगवान! क्या उन्हें पता भी है कि ऐसा क्यों हुआ?”
उन्हें पक्का पता नहीं है, लेकिन यह मेनिन्जाइटिस हो सकता है।
जीन ने ठीक समय पर मोड़ लिया और लहरदार दो-पंक्ति वाले रास्ते पर चलने लगी।
कम ऊंचाई वाले, तेजी से बदलते बादलों के बीच से गुजरते हुए, रूट 24 और लिंचबर्ग की ओर जाने वाली 60 वेस्ट की पक्की सड़क पर लेन।
उस दिन दोपहर के तीन बजे, फिलिस ही थी जिसने...
आपातकालीन स्थिति में, एबेन IV ने विश्वविद्यालय में स्थित अपने अपार्टमेंट में फोन किया।
डेलावेयर। एबेन अपने बरामदे में बाहर बैठकर कुछ वैज्ञानिक कार्य कर रहा था।
होमवर्क (मेरे पिताजी न्यूरोसर्जन थे, और एबेन भी थे)
(अब उस करियर में भी रुचि रखने वाला) तभी उसका फोन बज उठा। फिलिस
मैंने उसे संक्षेप में स्थिति का विवरण दिया और चिंता न करने को कहा।
डॉक्टरों ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया था।
“क्या उन्हें इस बात का कोई अंदाजा है कि यह क्या हो सकता है?” एबेन ने पूछा।
"हाँ, उन्होंने ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया और मेनिन्जाइटिस का जिक्र तो किया ही था।"
अगले कुछ दिनों में मेरी दो परीक्षाएं हैं, इसलिए मैं कुछ समय के लिए छुट्टी ले रहा हूँ।

"मैं अपने शिक्षकों से जल्दी-जल्दी संदेश भेजता हूँ," एबेन ने कहा।
बाद में एबेन ने मुझे बताया कि शुरू में उसे यह विश्वास करने में हिचकिचाहट हो रही थी कि मैं
फिलिस ने जैसा संकेत दिया था, हॉली भी उतने ही गंभीर खतरे में थी, क्योंकि वह और हॉली
मैं हमेशा छोटी-छोटी बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करता था—और मैं कभी बीमार नहीं पड़ा।
जब माइकल सुलिवन ने एक घंटे बाद उसे फोन किया, तो उसने
उसे एहसास हुआ कि उसे तुरंत गाड़ी चलाकर नीचे जाना होगा।
जैसे ही एबेन वर्जीनिया की ओर गाड़ी चला रहा था, बर्फीली बारिश शुरू हो गई। फिलिस
बोस्टन से छह बजे निकल चुका था, और जैसे ही एबेन आई-495 की ओर बढ़ा
वह पोटोमैक नदी पर बने पुल से वर्जीनिया की ओर जा रही थी।
ऊपर बादल छाए हुए थे। वह रिचमंड में उतरी, एक कार किराए पर ली और चली गई।
वह खुद रूट 60 पर चली गई।
जब वह लिंचबर्ग से कुछ ही मील दूर था, तब एबेन ने हॉली को फोन किया।
“बॉन्ड कैसा है?” उसने पूछा।
"सो रहा है," हॉली ने कहा।
“तो मैं सीधे अस्पताल जाऊंगा,” एबेन ने कहा।
"क्या आप वाकई पहले घर नहीं आना चाहते?"
“नहीं,” एबेन ने कहा। “मैं बस पापा को देखना चाहता हूँ।”
एबेन रात 11:15 बजे मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट के पास पहुंचा।
अस्पताल में जाने वाला रास्ता बर्फ से जमने लगा था, और जब वह आया
स्वागत कक्ष की तेज रोशनी में उसे केवल एक रात दिखाई दी।
रिसेप्शन नर्स। वह उसे मेरे आईसीयू बेड तक ले गई।
तब तक, जो लोग पहले वहाँ आए थे, वे सब आखिरकार घर जा चुके थे। उस बड़े, मंद रोशनी वाले कमरे में केवल सन्नाटे की आवाज़ें ही सुनाई दे रही थीं।
मेरे शरीर को चालू रखने वाली मशीनों की बीप और फुफकार की आवाजें।
मुझे देखकर एबेन दरवाजे पर ही जम गया। अपने बीस वर्षों में,
उसने मुझे कभी सर्दी-जुकाम से ज्यादा गंभीर हालत में नहीं देखा था। अब, इन सब के बावजूद

मशीनें इसे अन्यथा दिखाने की पूरी कोशिश कर रही थीं, वह देख रहा था
वह जानता था कि वह असल में एक लाश है। मेरा भौतिक शरीर था।
वह उसके सामने था, लेकिन जिस पिता को वह जानता था, वह जा चुका था।
या शायद इससे बेहतर शब्द होगा: कहीं और।

5.

अधोलोक

अंधेरा, लेकिन एक दृश्यमान अंधेरा—जैसे कीचड़ में डूबे हुए हों
साथ ही इसके आर-पार देख पाना। या शायद गंदी जेली इसे सही ढंग से बयां करती है।
बेहतर। पारदर्शी, लेकिन धुंधले, अस्पष्ट, घुटन भरे और दम घोंटने वाले वातावरण में।
एक तरह से।
चेतना, लेकिन बिना स्मृति या पहचान वाली चेतना—जैसे कि एक
ऐसा सपना जिसमें आपको अपने आसपास की घटनाओं की जानकारी होती है, लेकिन वास्तव में आपको कोई जानकारी नहीं होती।
आप कौन हैं, या क्या हैं, इसका विचार।
ध्वनि भी: एक गहरी, लयबद्ध धड़कन, दूर से आती हुई लेकिन मजबूत, जिससे
इसकी हर धड़कन सीधे आपके अंदर तक महसूस होती है। जैसे दिल की धड़कन? थोड़ा-बहुत, लेकिन
गहरा, अधिक यांत्रिक—जैसे धातु से धातु टकराने की आवाज़, मानो
एक विशाल, भूमिगत लोहार कहीं दूर एक निहाई पर हथौड़ा पीट रहा है।
दूर से: इतनी ज़ोर से पीटना कि आवाज़ गूंज उठती है
धरती पर, या कीचड़ में, या जहाँ कहीं भी आप हैं।
मेरे पास शरीर नहीं था—कम से कम ऐसा शरीर जिसके बारे में मुझे पता हो। मैं था
बस...वहाँ, इस धड़कते, गरजते अंधेरे की जगह में।
उस समय, मैं इसे "आदिम" कह सकता था। लेकिन उस समय यह चल रहा था।
मुझे तो यह शब्द पता ही नहीं था। दरअसल, मुझे कोई भी शब्द पता ही नहीं था।
यहां इस्तेमाल किए गए शब्द मुझे बहुत बाद में समझ आए, जब मैं वापस दुनिया में लौटा, तब मैं
अपनी यादों को लिख रहा था। भाषा, भावना, तर्क: ये सब थे।
सब कुछ गायब हो गया, मानो मैं किसी पुरानी अवस्था में वापस चला गया हो।
जीवन की शुरुआत, शायद आदिम जीवाणुओं के समय से ही।

मुझे पता भी नहीं चला कि किस चीज ने मेरे दिमाग पर कब्जा कर लिया था और उसे बंद कर दिया था।
मैं इस दुनिया में कितने समय तक रहा? मुझे कोई अंदाज़ा नहीं है। जब आप जाते हैं
एक ऐसी जगह जहाँ समय का कोई बोध नहीं होता जैसा कि हम अनुभव करते हैं।
सामान्य दुनिया, जिस तरह से यह महसूस होता है उसका सटीक वर्णन करना इसके बगल में है
असंभव। जब यह हो रहा था, जब मैं वहाँ था, मुझे ऐसा लगा जैसे मैं
(जो भी "मैं" था) हमेशा से मौजूद था और हमेशा मौजूद रहेगा।
होना।
और, कम से कम शुरुआत में तो मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं थी। आखिर क्यों होती, क्योंकि यही एक अवस्था थी जिसे मैंने हमेशा जाना था?
अगर मुझे इससे बेहतर कुछ याद आता, तो मुझे इस बात से खास फर्क नहीं पड़ता कि मैं कहाँ हूँ।
हाँ, मुझे याद है कि मैंने यह कल्पना की थी कि मैं शायद जीवित रहूँ या न रहूँ, लेकिन
मैंने ऐसा किया या नहीं, इस बारे में मेरी उदासीनता ने मुझे और भी अधिक लाभ पहुँचाया।
अजेयता का अहसास। मुझे उन नियमों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी जो इसे नियंत्रित करते थे।
मैं इस दुनिया में था, लेकिन मुझे इन्हें सीखने की कोई जल्दी नहीं थी। आखिर क्यों?
परेशान?
मैं ठीक-ठीक नहीं कह सकता कि यह कब हुआ, लेकिन एक समय ऐसा आया जब मैं
मुझे अपने आसपास कुछ वस्तुओं का एहसास हो रहा था। वे कुछ हद तक जड़ों जैसी थीं, और एक
एक विशाल, कीचड़ भरे गर्भ में रक्त वाहिकाओं की तरह। एक गहरे, गंदे रंग में चमक रहा है।
लाल रंग के, वे बहुत ऊपर किसी स्थान से किसी अन्य स्थान तक नीचे पहुँचे।
उन्हें भी उतनी ही दूरी पर नीचे रखा गया था। पीछे मुड़कर देखने पर, उन्हें देखना ऐसा था जैसे...
एक तिलचट्टा या केंचुआ, जो जमीन में गहराई तक दबा हुआ है, फिर भी किसी तरह से सक्षम है
इसके चारों ओर फैली जड़ों और पेड़ों की उलझी हुई जालों को देखें।
इसलिए, बाद में इस जगह के बारे में सोचते हुए, मैंने इसे यह नाम दिया:
केंचुए की नज़र से देखने का क्षेत्र। मुझे लंबे समय से इस बात का संदेह था।
शायद यह मेरे मस्तिष्क की अनुभूति की कोई स्मृति रही होगी।
उस अवधि के दौरान जब बैक्टीरिया मूल रूप से इस पर हावी हो रहे थे।

लेकिन जितना अधिक मैंने इस स्पष्टीकरण के बारे में सोचा (और फिर से, यह
(यह सब बहुत बाद में हुआ), और यह कम समझ में आने लगा। क्योंकि—यह कितना भी कठिन क्यों न हो
अगर आप खुद इस जगह पर नहीं गए हैं तो कल्पना कीजिए— मेरा
जब मैं वहां था, तब मेरी चेतना धुंधली या विकृत नहीं थी। बस
...सीमित। जब मैं इस जगह पर था, तब मैं इंसान नहीं था। मैं तो था ही नहीं।
मैं एक जानवर था। इन सबसे पहले और इन सबसे नीचे, मैं कुछ और था। मैं बस एक जानवर था।
अनंत लाल-भूरे सागर में जागरूकता का एकमात्र बिंदु।
मैं इस जगह पर जितना अधिक समय बिताता गया, उतना ही असहज होता गया।
पहले तो मैं इसमें इतना डूबा हुआ था कि मुझे कोई फर्क ही नहीं महसूस हुआ।
मेरे और उस आधे डरावने, आधे परिचित तत्व के बीच जो
मुझे चारों ओर से घेर लिया। लेकिन धीरे-धीरे यह गहरा, कालातीत और
असीम तल्लीनता ने किसी और चीज़ को जन्म दिया: एक ऐसी अनुभूति जैसे मैं
वह वास्तव में इस भूमिगत दुनिया का हिस्सा बिल्कुल नहीं था, बल्कि इसमें फंसा हुआ था।
कीचड़ से जानवरों के विकृत चेहरे उभर आए, कराहने लगे या
चीखते हुए, वे फिर गायब हो गए। मुझे कभी-कभार एक धीमी गर्जना सुनाई देती थी। कभी-कभी ये गर्जनाएं मंद, लयबद्ध
मंत्रों में बदल जाती थीं, ऐसे मंत्र जो
वे दृश्य डरावने भी थे और अजीब तरह से परिचित भी—जैसे कि किसी समय मैं
मैंने स्वयं उन सभी को जाना और बोला है।
क्योंकि मुझे अपने पूर्व जीवन की कोई स्मृति नहीं थी, इसलिए इस लोक में मेरा समय
बहुत दूर तक फैला हुआ। महीने? साल? अनंत काल? चाहे कुछ भी हो।
उत्तर, अंततः मैं एक ऐसे बिंदु पर पहुँच गया जहाँ मुझे वह रोंगटे खड़े कर देने वाली अनुभूति होने लगी।
घर जैसी, परिचित भावना पर इसका बहुत अधिक प्रभाव पड़ा। जितना अधिक मैं सोचने लगा
मुझे ऐसा महसूस हो रहा है जैसे मैं खुद हूं—जैसे ठंड और गीलेपन से अलग कुछ हूं।
मेरे चारों ओर अंधेरा छा गया था—जैसे-जैसे उस अंधेरे से चेहरे उभरते गए
अंधेरा भयावह और भयावह हो गया। लयबद्ध धमक की आवाज बंद हो गई।
दूरी भी तीव्र और गहरी होती गई—वही कार्य बन गई-

ट्रोल जैसे भूमिगत श्रमिकों की किसी सेना के लिए ताल बजाते हुए, प्रदर्शन करते हुए
कोई अंतहीन, बेहद नीरस काम। मेरे आस-पास की हलचल।
दृश्यता कम और स्पर्शनीयता बढ़ती गई, मानो सरीसृप या कृमि जैसे जीव हों।
वे भीड़ बनाकर मेरे पास से गुजर रहे थे, कभी-कभी अपने पैरों से मुझे रगड़ते हुए।
चिकनी या कांटेदार त्वचा।
फिर मुझे एक गंध का एहसास हुआ: कुछ मल जैसी, कुछ खून जैसी।
और कुछ-कुछ उल्टी जैसी गंध। दूसरे शब्दों में, एक जैविक गंध, लेकिन
जैविक मृत्यु, जैविक जीवन की नहीं। जैसे-जैसे मेरी जागरूकता बढ़ती गई
मैं धीरे-धीरे घबराहट के करीब पहुँचता जा रहा था। चाहे कोई भी हो या कुछ भी हो।
मुझे यहाँ रहने की ज़रूरत नहीं थी। मुझे यहाँ से निकलना था।
लेकिन मैं कहाँ जाऊँगा?
जैसे ही मैंने वह सवाल पूछा, कुछ नया सामने आया।
ऊपर अंधेरा: कुछ ऐसा जो ठंडा, निर्जीव या अंधकारमय नहीं था, बल्कि
उन सभी चीजों के बिल्कुल विपरीत। अगर मैं अपनी बाकी जिंदगी भी कोशिश करता रहूँ, तो भी मैं
इस सत्ता के साथ कभी भी न्याय नहीं किया जा सकेगा जो अब निकट आ रही है।
मुझे... उसकी सुंदरता का वर्णन करने में बहुत मुश्किल हो रही है।
लेकिन मैं कोशिश जरूर करूंगा।

6.

जीवन का सहारा

फिलिस लगभग दो घंटे बाद अस्पताल की पार्किंग में पहुंची।
एबेन IV को लगभग रात 1 बजे दौरा पड़ा। जब वह मेरे आईसीयू कमरे में पहुंची तो...
मैंने एबेन IV को अपने बिस्तर के बगल में बैठे हुए पाया, वह अस्पताल का तकिया पकड़े हुए था।
उसे जगाए रखने में मदद करने के लिए उसके सामने रखा गया।
“माँ बॉन्ड के साथ घर पर हैं,” एबेन ने थके हुए और तनावपूर्ण स्वर में कहा।
और उसे देखकर एक साथ ही खुश भी हो गए।
फिलिस ने एबेन से कहा कि उसे घर जाना चाहिए, अगर वह पूरी रात जागता रहा तो...
डेलावेयर से गाड़ी चलाकर आने के बाद रात में वह किसी के लिए भी बेकार हो जाएगा।
कल, उसके पिताजी भी शामिल होंगे। उसने हमारे घर पर हॉली और जीन को फोन किया।
और उसने उन्हें बताया कि एबेन चतुर्थ जल्द ही वापस आ जाएगा लेकिन वह यहीं रहेगी।
रात के लिए मेरा कमरा।
“अपनी माँ, अपनी चाची और अपने भाई के पास घर जाओ,” उसने कहा।
फोन रखने के बाद एबेन IV ने कहा, “उन्हें तुम्हारी ज़रूरत है। तुम्हारे पापा और मैं तुम्हारे साथ होंगे।”
जब आप कल वापस आएंगे तो यहीं पर आपको ये सब मिलेगा।
एबेन IV ने मेरे शरीर की ओर देखा: उस पारदर्शी प्लास्टिक की सांस लेने वाली नली की ओर।
मेरी दाहिनी नाक से होते हुए मेरी श्वासनली तक जाती है; मेरी पतली,
पहले से ही फटे होंठ; मेरी बंद आंखें और ढीली पड़ चुकी चेहरे की मांसपेशियां।
फिलिस ने उसके विचारों को पढ़ लिया।
“घर जाओ, एबेन। चिंता मत करो। तुम्हारे पिताजी अभी भी हमारे साथ हैं। और मैं...”
मैं उसे जाने नहीं दूंगा।
वह मेरे बिस्तर के पास आई, मेरा हाथ उठाया और शुरू कर दिया
इसकी मालिश करो। सिर्फ मशीनों और रात में आने वाली नर्स की मदद से।

हर घंटे मेरे आंकड़े देखने के लिए, फिलिस बाकी समय बैठी रही।
रात के दौरान, मेरा हाथ थामे हुए, एक ऐसा रिश्ता बनाए रखते हुए जो वह
मुझे अच्छी तरह पता था कि अगर मुझे इससे पार पाना है तो यह बेहद जरूरी है।
दक्षिण में लोग किस बात पर इतना जोर देते हैं, इस बारे में बात करना एक घिसी-पिटी बात है।
परिवार पर जिम्मेदारी डाल दी, लेकिन कई घिसी-पिटी बातों की तरह, यह भी सच है। जब मैं गया था
1988 में हार्वर्ड में, उत्तरी लोगों के बारे में मैंने सबसे पहले जिन चीजों पर ध्यान दिया, उनमें से एक यह थी।
वे इस तथ्य को व्यक्त करने में थोड़ा संकोच करते थे जिसे दक्षिण के कई लोग स्वाभाविक मानते हैं: आपका परिवार ही आपकी पहचान है।
अपने पूरे जीवन में, मेरे परिवार के साथ मेरा रिश्ता—मेरे साथ मेरा रिश्ता
माता-पिता और बहनों के साथ, और बाद में हॉली, एबेन चतुर्थ और बॉन्ड के साथ—के पास
हमेशा से ही शक्ति और स्थिरता का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है, लेकिन अब और भी अधिक।
हाल के वर्षों में, परिवार ही वह सहारा था जिसकी ओर मैं बिना किसी संदेह के मुड़ता था।
एक ऐसी दुनिया में—चाहे उत्तर हो या दक्षिण—अक्सर इसकी कमी देखी जाती है।
माल।
मैं कभी-कभी हॉली और बच्चों के साथ हमारे एपिस्कोपल चर्च जाया करता था।
लेकिन सच्चाई यह थी कि वर्षों से मैं एक साधारण "सी एंड ई" कर्मचारी से बस एक कदम ऊपर ही था।
(वह व्यक्ति जो केवल क्रिसमस और ईस्टर के अवसरों पर ही चर्च जाता है)।
मैंने अपने बेटों को रात में प्रार्थना करने के लिए प्रोत्साहित किया, लेकिन मैं खुद प्रार्थना करने वाली नहीं थी।
हमारे घर में आध्यात्मिक नेता। मैं अपने मन में उठने वाले संदेह से कभी उबर नहीं पाई थी।
यह सब वास्तव में कैसे हो सकता है। जितना मैं बचपन से चाहता था...
ईश्वर, स्वर्ग और परलोक में विश्वास, मेरे दशकों के अनुभव
अकादमिक न्यूरोसर्जरी की कठोर वैज्ञानिक दुनिया ने बहुत गहरा प्रभाव डाला था।
इस बात पर सवाल उठने लगे कि ऐसी चीजें कैसे अस्तित्व में आ सकती हैं। आधुनिक तंत्रिका विज्ञान
यह बताता है कि मस्तिष्क चेतना को जन्म देता है—मन को, चेतना को।
आत्मा से लेकर, उस अदृश्य को आप जो भी नाम देना चाहें,
हमारे उस अमूर्त हिस्से को जो वास्तव में हमें वह बनाता है जो हम हैं—और मेरे पास इसका बहुत कम हिस्सा था

मुझे संदेह है कि यह सही था।
अधिकांश स्वास्थ्यकर्मियों की तरह, जो सीधे तौर पर मरणासन्न रोगियों से निपटते हैं
और उनके परिवारों के बारे में, मैंने सुना था - और कुछ को देखा भी था - कुछ काफी
पिछले कुछ वर्षों में घटी कुछ अनसुलझी घटनाओं को मैंने इस श्रेणी में रखा है।
“अज्ञात” लिखकर उन्हें छोड़ दें, और एक सामान्य ज्ञान पर आधारित उत्तर ढूंढें।
उन सभी के मूल में किसी न किसी प्रकार की अच्छाई थी।
ऐसा नहीं है कि मैं अलौकिक मान्यताओं के खिलाफ था। एक डॉक्टर के रूप में, जिसने देखा है
नियमित रूप से अविश्वसनीय शारीरिक और भावनात्मक पीड़ा, आखिरी
मैं जो करना चाहता था, वह यह था कि मैं किसी को भी आराम से वंचित कर देता और
आशा है कि आस्था ने ही यह आशा प्रदान की होगी। वास्तव में, मुझे इसका आनंद लेना बहुत अच्छा लगता।
इसमें से कुछ मैंने खुद किया है।
लेकिन जैसे-जैसे मेरी उम्र बढ़ती गई, यह संभावना कम होती गई। एक सागर की तरह
समुद्र तट को धीरे-धीरे नष्ट करते हुए, वर्षों से मेरा वैज्ञानिक दृष्टिकोण धीरे-धीरे बदल रहा है।
लेकिन इसने धीरे-धीरे किसी बड़ी चीज़ में विश्वास करने की मेरी क्षमता को कमज़ोर कर दिया। विज्ञान लगातार ऐसे सबूत पेश करता प्रतीत हो रहा था कि
इसने ब्रह्मांड में हमारे महत्व को शून्य के और भी करीब धकेल दिया। विश्वास
अच्छा होता। लेकिन विज्ञान को इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि क्या होगा।
अच्छे बनो। इसका संबंध इस बात से है कि क्या है।
मैं एक गतिज शिक्षार्थी हूँ, जिसका सीधा सा मतलब है कि मैं करके सीखता हूँ। अगर मैं
जब मैं किसी चीज को महसूस नहीं कर पाता या उसे खुद छू नहीं पाता, तो मेरे लिए उसे स्वीकार करना मुश्किल हो जाता है।
इसमें रुचि। जो कुछ भी मैं कोशिश कर रहा हूँ, उसे छूने और महसूस करने की वह तीव्र इच्छा।
समझना, अपने पिता जैसा बनने की इच्छा के साथ-साथ, वह सब कुछ था जो
न्यूरोसर्जरी ने मुझे आकर्षित किया। यह मानव शरीर की तरह ही अमूर्त और रहस्यमय है।
मस्तिष्क जितना ठोस है, उतना ही यह अविश्वसनीय रूप से ठोस भी है। ड्यूक में मेडिकल छात्र के रूप में, मैं
सूक्ष्मदर्शी से देखना और सूक्ष्म रूप से बारीकी से देखना उन्हें बहुत अच्छा लगता था।

लंबी तंत्रिका कोशिकाएं जो सिनैप्टिक कनेक्शन को सक्रिय करती हैं जो
चेतना जागृत हो। मुझे अमूर्त ज्ञान का यह संयोजन बहुत पसंद आया।
और मस्तिष्क शल्य चिकित्सा से उत्पन्न होने वाली संपूर्ण शारीरिकता।
मस्तिष्क को ढकने वाली त्वचा और ऊतकों की परतों को हटाना आवश्यक है।
खोपड़ी पर मिडास रेक्स नामक एक उच्च गति वाले वायवीय उपकरण का प्रयोग करें।
ड्रिल। यह एक बहुत ही परिष्कृत उपकरण है, जिसकी कीमत हजारों में है।
डॉलर। लेकिन असल में देखा जाए तो यह सिर्फ... एक अभ्यास ही है।
इसी प्रकार, मस्तिष्क की शल्य चिकित्सा द्वारा मरम्मत करना, जबकि असाधारण रूप से
यह एक जटिल कार्य है, लेकिन वास्तव में यह किसी अन्य चीज की मरम्मत करने से अलग नहीं है।
अत्यंत नाजुक, विद्युत आवेशित मशीन। यह बात मैं भली-भांति जानता था।
मस्तिष्क वास्तव में क्या है: एक मशीन जो घटनाओं का उत्पादन करती है
चेतना। बेशक, वैज्ञानिकों ने अभी तक यह पता नहीं लगाया था कि वास्तव में यह कैसे काम करती है।
मस्तिष्क के न्यूरॉन्स ऐसा करने में कामयाब रहे, लेकिन यह केवल कुछ ही समय की बात थी।
उनके ऐसा करने से पहले ही समय बीत जाता था। परिचालन में यह बात हर दिन सिद्ध होती थी।
कमरा। एक मरीज सिरदर्द और कमजोरी की शिकायत लेकर आता है।
चेतना। आप उसका एमआरआई (चुंबकीय अनुनाद छवि) प्राप्त करते हैं।
मस्तिष्क की जांच करने पर ट्यूमर का पता चलता है। आप मरीज को जनरल एनेस्थीसिया देते हैं।
बेहोशी की दवा दी गई, ट्यूमर निकाला गया, और कुछ घंटों बाद वह जाग गई।
फिर से दुनिया में लौटना। अब कोई सिरदर्द नहीं। अब कोई परेशानी नहीं।
चेतना। देखने में काफी सरल लगता है।
मुझे वह सादगी बहुत पसंद आई—उसकी पूर्ण ईमानदारी और पवित्रता।
विज्ञान। मैं इस बात का सम्मान करता था कि इसमें कल्पना या लापरवाही भरी सोच के लिए कोई जगह नहीं थी। यदि
किसी तथ्य को ठोस और विश्वसनीय रूप से स्थापित किया जा सकता था, तो वह
स्वीकार किया गया। यदि नहीं, तो अस्वीकार किया गया।
इस दृष्टिकोण ने आत्मा और भावना के लिए बहुत कम गुंजाइश छोड़ी,
मस्तिष्क के नष्ट होने के बाद भी व्यक्तित्व का निरंतर अस्तित्व बना रहना।

काम करना बंद कर दिया। इससे उन शब्दों के लिए और भी कम जगह बची जो मैंने सुने थे।
बार-बार चर्च में यही बात दोहराई जाती है: "अनंत जीवन।"
इसीलिए मैंने अपने परिवार पर भरोसा किया—हॉली और हमारे बेटों पर और
मेरी तीन बहनें और, बेशक, मेरे माता-पिता—बहुत कुछ।
असल मायने में, मैं कभी भी अपने पेशे का अभ्यास नहीं कर पाता—
दिन-रात वही क्रियाएं करना जो मैंने कीं, और यह देखना कि
मैंने जो चीजें देखीं—वे प्रेम और समझ के मूलभूत समर्थन के बिना थीं
उन्होंने उपलब्ध कराया।
और इसीलिए फिलिस ने (हमारी बहन बेट्सी से सलाह लेने के बाद)
उस रात (फोन पर) ने हमारी ओर से मुझसे एक वादा करने का फैसला किया।
पूरा परिवार। जब वह मेरे बेजान, लगभग निर्जीव हाथ को पकड़े वहाँ बैठी थी।
उसने मुझे बताया कि उसके बाद चाहे कुछ भी हो जाए,
कोई न कोई हमेशा वहीं मौजूद रहेगा, मेरा हाथ थामे हुए।
“हम तुम्हें जाने नहीं देंगे, एबेन,” उसने कहा। “तुम्हें किसी सहारे की ज़रूरत है।”
हम आपको यहीं, इस दुनिया में रखेंगे, जहाँ हमें आपकी ज़रूरत है। और हम आपको सब कुछ मुहैया कराएंगे।
यह।"
उसे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह एंकर उसके लिए कितना महत्वपूर्ण साबित होने वाला था।
आने वाले दिनों में साबित हो जाएगा।

7.

स्पिनिंग मेलोडी और गेटवे

अंधेरे में कुछ प्रकट हुआ था।
धीरे-धीरे घूमते हुए, इसने सफेद-सुनहरे प्रकाश के महीन तंतु बिखेरे, और जैसे ही
ऐसा होने पर मेरे चारों ओर का अंधेरा बिखरने और टूटने लगा।
फिर मैंने एक नई आवाज़ सुनी: एक जीवंत आवाज़, जैसे सबसे समृद्ध, सबसे
यह अब तक सुनी गई सबसे जटिल और खूबसूरत संगीत रचना है।
जैसे ही एक शुद्ध सफेद प्रकाश नीचे उतरा, उसने सब कुछ मिटा दिया।
एकरस यांत्रिक धमक जो, मानो युगों से चली आ रही थी
तब तक मेरी एकमात्र साथी वही थी।
प्रकाश धीरे-धीरे करीब आता गया, गोल-गोल घूमता रहा और
वे शुद्ध सफेद प्रकाश के तंतुओं को उत्पन्न कर रहे थे जिन्हें अब मैं देख रहा था।
कहीं-कहीं सोने की हल्की सी झलक दिखाई देती है।
फिर, प्रकाश के ठीक केंद्र में, कुछ और प्रकट हुआ।
मैंने अपना पूरा ध्यान इस बात पर केंद्रित किया कि आखिर यह क्या है।
एक द्वार खुल गया। मैं अब धीरे-धीरे घूमती हुई रोशनी को नहीं देख रहा था।
सब कुछ, लेकिन इसके माध्यम से।
जैसे ही मुझे यह बात समझ आई, मैं तेजी से आगे बढ़ने लगा।
एक सरसराहट की आवाज आई, और पलक झपकते ही मैं उस खुले स्थान से गुजर गया और
मैंने खुद को एक बिल्कुल नई दुनिया में पाया। सबसे विचित्र, सबसे खूबसूरत
मैंने अब तक जितनी भी दुनिया देखी थी, उनमें यह सबसे अलग थी।
शानदार, जीवंत, आनंदमय, अद्भुत... मैं एक ही विशेषण से इसकी प्रशंसा कर सकता हूँ।
एक के बाद एक इस दुनिया के स्वरूप और अनुभव का वर्णन करने के लिए, लेकिन
वे सब कम पड़ जाते। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मेरा पुनर्जन्म हो रहा हो। न तो पुनर्जन्म, न ही जन्म।

फिर से। अभी-अभी... पैदा हुआ।

मेरे नीचे ग्रामीण इलाका था। वह हरा-भरा, घना और प्राकृतिक था।

यह पृथ्वी थी... लेकिन साथ ही यह पृथ्वी नहीं भी थी। यह कुछ ऐसा था जैसे जब आपका

माता-पिता आपको उस जगह वापस ले जाते हैं जहाँ आपने कुछ साल बिताए थे।

बहुत छोटे बच्चे। तुम इस जगह को नहीं जानते। या कम से कम तुम्हें ऐसा लगता है।

नहीं। लेकिन जब आप चारों ओर देखते हैं, तो कुछ आपको अपनी ओर खींचता है, और आपको एहसास होता है।

कि आपका एक हिस्सा—अंदर कहीं गहरा हिस्सा—आखिरकार उस जगह को याद रखता है, और वहां वापस आकर खुश हो रहा है।

मैं उड़ रहा था, पेड़ों और खेतों, नदियों और झरनों के ऊपर से गुजर रहा था।

और इधर-उधर लोग थे। बच्चे भी थे, जो हंस रहे थे।

खेल रहे थे। लोग गोल घेरे में गाते और नाचते थे, और

कभी-कभी मैं उनके बीच एक कुत्ते को दौड़ते-कूदते देखता था, मानो वह पूरी तरह से भरा हुआ हो।

लोग बेहद खुश थे। उन्होंने सादे लेकिन खूबसूरत कपड़े पहने हुए थे, और

मुझे ऐसा लगा कि इन कपड़ों के रंग एक ही तरह के थे।

पेड़ों और खिले हुए फूलों की जीवंत गर्माहट

उनके आसपास के ग्रामीण इलाकों में फल-फूल रहे थे।

एक खूबसूरत, अविश्वसनीय सपनों की दुनिया...

लेकिन यह सपना नहीं था। हालांकि मुझे यह नहीं पता था कि मैं कहाँ हूँ या मैं कहाँ हूँ।

मैं जो भी था, एक बात को लेकर मैं पूरी तरह आश्वस्त था: यह जगह जहाँ मैं अचानक आ गया था

मैंने खुद को जिस स्थिति में पाया वह पूरी तरह से वास्तविक थी।

'वास्तविक' शब्द किसी अमूर्त चीज़ को व्यक्त करता है, और यह निराशाजनक है।

मैं जो वर्णन करने की कोशिश कर रहा हूँ उसे समझाने में अप्रभावी। कल्पना कीजिए कि आप एक

एक बच्चा गर्मी के दिन फिल्म देखने जा रहा है। शायद फिल्म...

अच्छा था, और इसे देखते हुए आपका मनोरंजन भी हुआ। लेकिन फिर...

शो समाप्त हुआ, और आप थिएटर से बाहर निकलकर वापस गहरे समुद्र में चले गए।

गर्मी की दोपहर की जीवंत, मनमोहक गर्माहट। और जैसे ही हवा

और जब सूरज की रोशनी तुम पर पड़ी, तो तुम सोचने लगे कि आखिर तुमने अपना समय क्यों बर्बाद किया।
इस खूबसूरत दिन में एक अंधेरे थिएटर में बैठे हुए।
उस भावना को हज़ार गुना बढ़ा दो, फिर भी तुम नहीं होगे
यह उस जगह के माहौल के कहीं भी करीब नहीं था जहाँ मैं था।
मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि मैं कितनी देर तक उड़ता रहा। (इस जगह पर बिताया गया समय
यह पृथ्वी पर हमारे द्वारा अनुभव किए जाने वाले सरल रैखिक समय से भिन्न है और ऐसा है
इसका वर्णन करना बेहद कठिन है, जैसा कि इसके अन्य सभी पहलुओं का है। लेकिन
कुछ समय बाद, मुझे एहसास हुआ कि मैं वहां अकेला नहीं था।
मेरे बगल में कोई था: उभरी हुई गाल की हड्डियों वाली एक खूबसूरत लड़की और
गहरी नीली आँखें। उसने भी उसी तरह के किसान जैसे कपड़े पहने हुए थे।
नीचे गांव में रहने वाले लोग जो कपड़े पहनते थे। सुनहरे भूरे रंग के।
उसके सुंदर चेहरे पर लटें सजी हुई थीं। हम एक साथ सवारी कर रहे थे।
जटिल पैटर्न वाली सतह, अवर्णनीय और जीवंत रंगों से सराबोर
तितली का पंख। वास्तव में, लाखों तितलियाँ हमारे चारों ओर थीं—उनकी विशाल लहरें हरियाली में नीचे उतर रही थीं और
हमारे चारों ओर फिर से उभर रहा था। यह कोई एक अलग घटना नहीं थी।
एक तितली दिखाई दी, लेकिन वे सभी एक साथ थीं, मानो वे एक
जीवन और रंगों की नदी, हवा में बहती हुई। हम धीमी गति से गोल-गोल चक्कर लगाते हुए उड़ते रहे।
पेड़ों पर खिलते फूलों और कलियों के बीच से गुजरती हुई आकृतियाँ जो खुलती थीं
हम पास से उड़े।
लड़की की पोशाक साधारण थी, लेकिन उसके रंग—हल्का नीला, इंडिगो और
पेस्टल नारंगी-आड़ू रंग—में वही जबरदस्त, बेहद जीवंत रंग था
वह जीवंतता जो आसपास की हर चीज में थी। उसने देखा
मुझे ऐसी नज़र से देखा कि अगर आप उसे कुछ पल के लिए भी देखते, तो आप
उस समय तक आपका पूरा जीवन जीने लायक था, चाहे कुछ भी हुआ हो।
अब तक इसमें जो कुछ हुआ है। यह रोमांटिक लुक नहीं था। यह ऐसा लुक नहीं था
दोस्ती। यह एक ऐसी नज़र थी जो इन सबसे परे थी...

इस धरती पर मौजूद सभी प्रकार के प्रेम से परे।

वह कुछ उच्चतर था, जिसमें अन्य सभी प्रकार के प्रेम समाहित थे।

स्वयं से कहीं अधिक वास्तविक और शुद्ध होते हुए भी, यह सभी से अधिक वास्तविक और शुद्ध है।

उन्हें।

बिना शब्दों का प्रयोग किए, उसने मुझसे बात की। संदेश यह था:

यह मेरे भीतर हवा की तरह कौंध गई, और मुझे तुरंत समझ आ गया कि यह सच है।

मुझे ठीक उसी तरह पता था जैसे मुझे पता था कि हमारे आसपास की दुनिया

वास्तविक—कोई काल्पनिक, क्षणभंगुर और सारहीन चीज नहीं थी।

संदेश के तीन भाग थे, और अगर मुझे उनका अनुवाद करना होता तो...

सरल शब्दों में कहूँ तो, उन्होंने कुछ इस तरह का तरीका अपनाया होगा:

"तुम्हें बहुत प्यार किया जाता है और हमेशा के लिए संजोकर रखा जाता है।"

आपको डरने की कोई जरूरत नहीं है।

आप कुछ भी गलत नहीं कर सकते।

उस संदेश ने मुझे अपार और अविश्वसनीय राहत की अनुभूति से भर दिया।

यह ऐसा था मानो मुझे उस खेल के नियम सौंप दिए गए हों जिसे मैं जीवन भर खेलता आ रहा था।

इसे पूरी तरह से समझे बिना।

“हम आपको यहाँ बहुत सी चीजें दिखाएंगे,” लड़की ने कहा—फिर से, बिना किसी संकेत के।

वास्तव में इन शब्दों का उपयोग करते हुए, लेकिन उनके वैचारिक सार को उजागर करते हुए।

सीधे मेरी ओर। "लेकिन आखिरकार, तुम वापस जाओगे।"

इस पर मेरा केवल एक ही प्रश्न था।

वापस कहाँ?

याद रखो कि इस समय तुमसे कौन बात कर रहा है। मैं कोई नासमझ नहीं हूँ।

मैं भावुक व्यक्ति हूँ। मुझे पता है मृत्यु कैसी दिखती है। मुझे पता है मृत्यु कैसी महसूस होती है।

किसी जीवित व्यक्ति का होना, जिससे आप बेहतर तरीके से बात करते थे और मजाक करते थे

कुछ दिनों बाद, आप ऑपरेशन टेबल पर एक निर्जीव वस्तु बन जाते हैं।

उन्होंने अपने शरीर रूपी यंत्र को चालू रखने के लिए घंटों संघर्ष किया। मुझे पता है।

पीड़ा कैसी दिखती है, और चेहरों पर अनसुलझा शोक।

वे प्रियजन जिन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति को खो दिया जिसके बारे में उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था।

हारना। मुझे जीवविज्ञान का ज्ञान है, और हालांकि मैं भौतिक विज्ञानी नहीं हूँ, लेकिन मैं कोई अनाड़ी भी नहीं हूँ।

उस मामले में भी नहीं। मैं कल्पना और वास्तविकता के बीच का अंतर जानता हूँ, और

मुझे पता है कि मैं आपको जो अनुभव बताने की कोशिश कर रहा हूँ, वह बहुत ही अस्पष्ट है।

सबसे असंतोषजनक तस्वीर, एकमात्र सबसे वास्तविक थी

मेरे जीवन का अनुभव।

दरअसल, रियलिटी शो के मामले में इसका एकमात्र प्रतिद्वंदी था

इसके बाद क्या हुआ?

8.

इज़राइल

अगली सुबह आठ बजे तक हॉली मेरे कमरे में वापस आ गई थी। उसने वर्तनी की।
फिलिस मेरे बिस्तर के सिरहाने वाली कुर्सी पर बैठ गई और
मेरे अभी भी बेजान हाथ को उसने अपने हाथ में कसकर पकड़ लिया। लगभग सुबह 11 बजे, माइकल
सुलिवन आ गया, और सभी लोग मेरे चारों ओर एक घेरा बनाकर खड़े हो गए, जिसमें बेट्सी भी शामिल थी।
उन्होंने मेरा हाथ पकड़ लिया ताकि मैं भी इसमें शामिल हो सकूं। माइकल ने प्रार्थना का नेतृत्व किया।
वे अपना काम खत्म ही कर रहे थे कि तभी एक विशेषज्ञ डॉक्टर ने आकर उनसे संपर्क किया।
संक्रामक रोगों से संबंधित विभाग नीचे से एक नई रिपोर्ट लेकर आया है।
हालांकि उन्होंने रात भर में मेरी एंटीबायोटिक दवाओं की मात्रा में बदलाव किया, फिर भी मेरी श्वेत रक्त कोशिकाओं की संख्या में कोई सुधार नहीं हुआ।
संख्या अभी भी बढ़ रही थी। बैक्टीरिया बिना किसी रुकावट के लगातार बढ़ते जा रहे थे।
मेरे दिमाग को खाने का काम।
विकल्प तेजी से खत्म होते देख, डॉक्टरों ने एक बार फिर से जांच की।
हॉली के साथ पिछले कुछ दिनों में मेरी गतिविधियों का विवरण। फिर वे
उन्होंने अपने सवालों को पिछले कुछ हफ्तों तक फैला दिया। क्या ऐसा था?
मैंने जो कुछ भी किया था, उसके विवरण में कुछ भी—कुछ भी—ऐसा हो सकता था जो
क्या मैं उन्हें मेरी स्थिति को समझने में मदद कर सकता हूँ?
“खैर,” हॉली ने कहा, “उन्होंने कुछ महीने पहले काम के सिलसिले में इज़राइल की यात्रा की थी।”
पहले।"
डॉ. ब्रेनन ने अपनी नोटबुक से नज़रें ऊपर उठाईं।
ई. कोलाई जीवाणु कोशिकाएं न केवल अन्य ई. कोलाई के साथ डीएनए का आदान-प्रदान कर सकती हैं, बल्कि
अन्य ग्राम-नेगेटिव जीवाणु जीवों के साथ भी।
वैश्विक यात्रा और एंटीबायोटिक दवाओं के इस दौर में इसके बहुत बड़े निहितार्थ हैं।

बमबारी, और तेजी से उत्परिवर्तित होने वाले जीवाणु रोगों के नए प्रकार। यदि
कुछ ई. कोलाई बैक्टीरिया खुद को कठोर जैविक परिस्थितियों में पाते हैं।
ऐसे वातावरण में जहां कुछ अन्य आदिम जीव बेहतर स्थिति में हों
अपनी उपयुक्तता से अधिक अनुकूल होने के कारण, ई. कोलाई संभावित रूप से कुछ डीएनए ग्रहण कर सकता है।
उन बेहतर अनुकूल बैक्टीरिया से इसे प्राप्त करें और इसे शामिल करें।
1996 में, डॉक्टरों ने एक नए जीवाणु उपभेद की खोज की जिसमें डीएनए मौजूद था।
क्लेबसिएला न्यूमोनिया कार्बापेनेमेज़, या केपीसी, के लिए कोड करने वाला एक जीन
यह एक एंजाइम है जो अपने मेजबान जीवाणु को एंटीबायोटिक प्रतिरोध प्रदान करता है।
उत्तरी कैरोलिना के एक अस्पताल में मृत पाए गए एक मरीज के पेट में यह बैक्टीरिया पाया गया। इस बैक्टीरिया ने तुरंत ही दुनिया भर के डॉक्टरों का ध्यान आकर्षित कर लिया।
जब यह पता चला कि केपीसी संभावित रूप से एक
इसे अवशोषित करने वाले जीवाणु न केवल कुछ मौजूदा एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी होते हैं,
लेकिन उन सभी के लिए।
यदि बैक्टीरिया का एक विषैला, एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी प्रकार (एक ऐसा प्रकार जिसका विषैला भाग नहीं है)
चचेरा भाई/बहन (जो हमारे शरीर में सर्वव्यापी है) आम आबादी में फैल गया,
यह मानव जाति के साथ जमकर खिलवाड़ करेगा। कोई नई बात नहीं है।
दस साल की दवा विकास प्रक्रिया में शामिल एंटीबायोटिक्स
मदद के लिए आ सकते हैं।
डॉ. ब्रेनन को पता था कि कुछ ही महीने पहले एक मरीज ने जांच करवाई थी।
एक गंभीर जीवाणु संक्रमण के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया और उसे एक दवा दी गई।
उसके क्लेबसिएला को नियंत्रित करने के प्रयास में शक्तिशाली एंटीबायोटिक दवाओं की एक श्रृंखला का उपयोग किया गया।
निमोनिया का संक्रमण हो गया था। लेकिन उस व्यक्ति की हालत लगातार बिगड़ती चली गई।
जांच से पता चला कि वह अभी भी क्लेबसिएला न्यूमोनिया से पीड़ित था।
और एंटीबायोटिक्स ने अपना काम नहीं किया था। आगे के परीक्षणों से पता चला।
कि उस व्यक्ति की बड़ी आंत में रहने वाले बैक्टीरिया ने यह रोग प्राप्त कर लिया था।

KPC जीन को उसके प्रतिरोधी क्लेबसिएला से सीधे प्लास्मिड स्थानांतरण द्वारा प्राप्त किया गया।
निमोनिया संक्रमण। दूसरे शब्दों में, उसके शरीर ने ही संक्रमण का कारण प्रदान किया था।
एक ऐसी जीवाणु प्रजाति के निर्माण के लिए प्रयोगशाला, जो यदि किसी अन्य वातावरण में प्रवेश कर जाए तो...
आम जनता के लिए, यह महामारी ब्लैक डेथ के बराबर हो सकती है, एक ऐसी महामारी जो
चौदहवीं शताब्दी में यूरोप की आधी आबादी को मार डाला।
जिस अस्पताल में यह सब हुआ, वह सौरास्की मेडिकल अस्पताल था।
यह घटना इज़राइल के तेल अवीव में स्थित केंद्र में कुछ ही महीनों पहले घटी थी।
पहले। दरअसल, यह लगभग उसी समय हुआ था जब मैंने
मैं वहां गया था, वैश्विक अनुसंधान के समन्वय के अपने काम के हिस्से के रूप में।
केंद्रित अल्ट्रासाउंड मस्तिष्क सर्जरी में एक पहल। मैं यरूशलेम पहुँच चुका था।
सुबह 3:15 बजे, होटल ढूंढने के बाद मैंने अचानक पैदल चलने का फैसला किया।
पुराने शहर की ओर। मैंने भोर होते ही वाया का एक अकेला दौरा किया।
डोलोरोसा और अंतिम भोज के कथित स्थल का दौरा। इस यात्रा में शामिल थे:
यह बेहद मार्मिक अनुभव था, और अमेरिका लौटने के बाद मैं अक्सर इसे अपने साथ ले जाता था।
मैंने हॉली से इस बारे में बात की। लेकिन उस समय मुझे उस मरीज के बारे में कुछ भी पता नहीं था।
सौरस्की मेडिकल सेंटर, या वह बैक्टीरिया जिससे वह संक्रमित हुआ था।
केपीसी जीन को उत्तेजित किया। इससे जो जीवाणु विकसित हुआ, वह स्वयं ई. कोलाई का एक प्रकार था।
क्या मुझे किसी तरह एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी केपीसी युक्त संक्रमण हो गया होगा?
क्या इजराइल में रहने के दौरान मुझे बैक्टीरिया हो गए थे? इसकी संभावना कम थी। लेकिन ऐसा हो सकता था।
मेरे संक्रमण के प्रति स्पष्ट प्रतिरोध का संभावित स्पष्टीकरण, और
मेरे डॉक्टरों ने यह पता लगाने के लिए काम शुरू किया कि क्या वास्तव में वह बैक्टीरिया था।
वह मेरे दिमाग पर हमला कर रहा था। मेरा मामला अब गंभीर होने वाला था।
कई कारणों में से पहला कारण चिकित्सा इतिहास का एक हिस्सा है।

9.

कोर

इस बीच, मैं बादलों से घिरी जगह पर था।
बड़े, फूले हुए, गुलाबी-सफेद वाले जो स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे
गहरा नीला-काला आकाश।
बादलों से भी ऊँचा—असीम रूप से ऊँचा—पारदर्शी झुंड
आकाश में चमकते हुए गोले, आकृतियाँ चाप बनाते हुए आगे बढ़ती गईं, अपने पीछे लंबी-लंबी लकीरें छोड़ती हुई।
जैसे उनके पीछे रेखाएं हों।
पक्षी? देवदूत? ये शब्द मेरे मन में तब आए जब मैं अपना लिख रहा था।
यादें। लेकिन इनमें से कोई भी शब्द उन प्राणियों के साथ न्याय नहीं करता।
वे स्वयं, जो मेरे द्वारा अनुभव की गई किसी भी चीज़ से बिल्कुल अलग थे।
इस ग्रह पर वे ज्ञात थे। वे अधिक उन्नत थे। उच्चतर थे।
एक विशाल और गूंजती हुई आवाज़, किसी गौरवशाली मंत्र की तरह, नीचे आई।
ऊपर, और मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या पंखों वाले प्राणी इसे उत्पन्न कर रहे थे। फिर से
बाद में इस बारे में सोचते हुए, मुझे यह एहसास हुआ कि इन चीजों का आनंद
जैसे-जैसे जीव ऊपर की ओर उड़ते गए, परिस्थितियाँ ऐसी थीं कि उन्हें यह करना पड़ा।
शोर—कि अगर खुशी इस तरह से उनसे बाहर नहीं निकली तो वे
अन्यथा इसे नियंत्रित करना संभव ही नहीं होता। ध्वनि थी
स्पष्ट और लगभग भौतिक, जैसे बारिश जिसे आप अपने ऊपर महसूस कर सकते हैं
त्वचा को छूता है लेकिन इससे आप गीले नहीं होते।
जिस स्थान पर मैं अब हूँ, वहाँ देखना और सुनना अलग-अलग नहीं थे।
था। मैं उन चांदी जैसे शरीरों की दृश्य सुंदरता को सुन सकता था।
ऊपर चमकते हुए प्राणी थे, और मैं उमड़ती हुई, आनंदमयी भावना को देख सकता था।
उनके गायन में पूर्णता थी। ऐसा लग रहा था कि आप उन्हें देख नहीं सकते या

इस दुनिया में किसी भी बात को सुनो, लेकिन उसका हिस्सा मत बनो—बिना
किसी रहस्यमय तरीके से उससे जुड़ना। फिर से, मेरे वर्तमान से
इस दृष्टिकोण से, मेरा सुझाव है कि आप उसमें कुछ भी नहीं देख सकते।
दुनिया में बिल्कुल भी नहीं, क्योंकि 'पर' शब्द अपने आप में एक अलगाव का संकेत देता है जो वास्तव में नहीं था।
वहाँ सब कुछ विद्यमान था। सब कुछ अलग था, फिर भी सब कुछ एक हिस्सा भी था।
बाकी सब कुछ, जैसे कि एक फारसी कागज पर बने समृद्ध और आपस में गुंथे हुए डिजाइन।
कालीन... या तितली का पंख।
एक गर्म हवा बह निकली, बिल्कुल वैसी ही जैसी अक्सर मौसम के सबसे अनुकूल समय पर चलती है।
गर्मी के सुहावने दिन, पेड़ों के पत्ते लहराते हुए और बहते हुए।
जैसे स्वर्ग का जल। एक दिव्य हवा। इसने सब कुछ बदल दिया, सब कुछ बदल दिया।
मेरे आस-पास की दुनिया को और भी ऊंचे स्तर पर, और भी ऊंचे कंपन स्तर पर ले जाना।
हालाँकि मेरी भाषा संबंधी क्षमता अभी भी बहुत कम थी, कम से कम जैसा कि हम इसे समझते हैं।
धरती पर, मैंने बिना शब्दों के इस हवा से सवाल पूछना शुरू किया—और
वह दिव्य सत्ता जिसकी उपस्थिति का मैंने इसके पीछे या इसके भीतर कार्य करते हुए अनुभव किया।
यह जगह कहां है?
मैं कौन हूँ?
मैं यहाँ क्यों हूँ?
जब भी मैंने मन ही मन इनमें से कोई प्रश्न पूछा, तो उत्तर मिल गया।
प्रकाश, रंग, प्रेम और सुंदरता के विस्फोट में पल भर में ही सब कुछ बिखर गया।
मेरे अंदर से एक लहर की तरह गुज़रा। इनमें से महत्वपूर्ण बात क्या थी?
उनकी प्रतिक्रिया यह थी कि उन्होंने मेरे सवालों को केवल चुप नहीं कराया।
उन पर भारी पड़ गया। उन्होंने उन्हें जवाब दिया, लेकिन इस तरह से कि
भाषा को दरकिनार कर दिया। विचार सीधे मुझमें प्रवेश कर गए। लेकिन ऐसा नहीं था।
यह वैसा ही विचार था जैसा हम पृथ्वी पर अनुभव करते हैं। यह अस्पष्ट, अमूर्त या
अमूर्त। ये विचार ठोस और तात्कालिक थे—आग से भी अधिक तीव्र।
और पानी से भी अधिक गीले—और जैसे ही मुझे वे मिले, मैं तुरंत

और मैं उन अवधारणाओं को आसानी से समझ लेता हूँ जिन्हें समझने में मुझे वर्षों लग जाते।
अपने सांसारिक जीवन में इसे पूरी तरह से समझना।
मैं आगे बढ़ता रहा और खुद को एक विशाल क्षेत्र में प्रवेश करते हुए पाया।
शून्य, पूर्णतः अंधकारमय, आकार में अनंत, फिर भी असीम रूप से सुकून देने वाला।
घोर अंधेरा होने के बावजूद, यह प्रकाश से भरपूर था: एक ऐसा प्रकाश जो
ऐसा प्रतीत हुआ जैसे वह किसी चमकदार गोले से आ रही हो, जिसका आभास मुझे अब अपने पास ही हो रहा था।
एक ऐसा गोला जो सजीव और लगभग ठोस था, मानो देवदूतों के गीत हों।
गया था।
मेरी स्थिति, अजीब बात है, कुछ हद तक एक
गर्भ में पल रहा भ्रूण। गर्भ में पल रहा भ्रूण अपने मौन साथी के साथ तैर रहा है।
प्लेसेंटा का, जो इसे पोषण देता है और इसके साथ इसके संबंध में मध्यस्थता करता है।
सर्वत्र विद्यमान होते हुए भी अदृश्य माँ।
इस मामले में, "माँ" ईश्वर थी, सृष्टिकर्ता थी, वह स्रोत थी जो है
ब्रह्मांड और उसमें मौजूद हर चीज के निर्माण के लिए जिम्मेदार। यह सत्ता इतनी करीब थी कि ईश्वर और हमारे बीच कोई दूरी नहीं थी।
मैं स्वयं। फिर भी उसी समय, मैं अनंत विशालता का अनुभव कर सकता था।
सृष्टिकर्ता देख सकता था कि मैं कितना छोटा था
तुलना। मैं कभी-कभी ईश्वर के लिए सर्वनाम के रूप में ओम का प्रयोग करूँगा।
क्योंकि मैंने मूल रूप से कोमा से बाहर आने के बाद अपनी रचनाओं में उस नाम का प्रयोग किया था।
मुझे याद है कि उस समय मैंने "ओम" की ध्वनि सुनी थी।
सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान और निःशर्त प्रेम करने वाला ईश्वर, लेकिन कोई भी
वर्णनात्मक शब्द अपर्याप्त है।
मुझे एहसास हुआ कि ओम और मेरे बीच मौजूद विशालता ही वह कारण थी जिसके कारण मैं
ओर्ब मेरा साथी था। किसी न किसी तरह से मैं उसे पूरी तरह से नहीं समझ पा रहा था।
समझ में नहीं आया लेकिन फिर भी यकीन था कि वह गोला एक तरह का था।
मेरे और मेरे चारों ओर मौजूद इस असाधारण उपस्थिति के बीच "दुभाषिया"

मुझे।

ऐसा लग रहा था मानो मैं एक विशाल दुनिया में जन्म ले रहा हूँ, और ब्रह्मांड में।

स्वयं एक विशाल ब्रह्मांडीय गर्भ की तरह था, और वह गोला (जो वहीं रहा)

किसी न किसी तरह से तितली के पंख पर बैठी लड़की से जुड़ी हुई, जो वास्तव में थी

वह इस प्रक्रिया में मेरा मार्गदर्शन कर रही थी।

बाद में, जब मैं वापस इस दुनिया में आया, तो मुझे एक उद्धरण मिला...

सत्रहवीं शताब्दी के ईसाई कवि हेनरी वॉन जो इसके करीब आए थे

इस जगह का वर्णन करते हुए—यह विशाल, स्याही-काला केंद्र जो कभी घर हुआ करता था

स्वयं ईश्वर।

कुछ लोगों का कहना है कि ईश्वर में एक गहरा लेकिन चकाचौंध कर देने वाला अंधकार है...

बस यही था, बिलकुल वही: एक गहरा अंधकार जो पूरी तरह से भरा हुआ था।

रोशनी के साथ।

सवाल और जवाब का सिलसिला जारी रहा। हालांकि, वे अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुए थे।

यह उस भाषा के रूप में प्रकट होता है जिसे हम जानते हैं, इस सत्ता की "आवाज" के रूप में।

यह गर्मजोशी भरा और—भले ही यह अजीब लगे—व्यक्तिगत था।

यह मनुष्यों को समझता था, और इसमें वे ही गुण थे जो हममें हैं।

असीम रूप से अधिक मात्रा में। यह मुझे गहराई से जानता था और उससे परिपूर्ण था।

वे गुण जिन्हें मैंने अपने पूरे जीवन में हमेशा मनुष्यों से जोड़ा है,

और केवल मनुष्य: स्नेह, करुणा, सहानुभूति... यहाँ तक कि व्यंग्य भी।

और हास्य।

ओम ने गोले के माध्यम से मुझे बताया कि एक ब्रह्मांड नहीं बल्कि अनेक ब्रह्मांड हैं—वास्तव में, मेरी कल्पना से भी कहीं अधिक—लेकिन प्रेम ही सर्वोपरि है।

उन सभी का केंद्र। बुराई अन्य सभी ब्रह्मांडों में भी मौजूद थी।

लेकिन केवल अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में। बुराई आवश्यक थी क्योंकि

इसके बिना स्वतंत्र इच्छाशक्ति असंभव थी, और स्वतंत्र इच्छाशक्ति के बिना कुछ भी संभव था।

कोई विकास नहीं होगा—कोई प्रगति नहीं होगी, हमारे लिए कुछ बनने का कोई मौका नहीं होगा।

ईश्वर की यही इच्छा थी कि हम ऐसे बनें। बुराई के समान भयानक और सर्वशक्तिमान।
कभी-कभी ऐसा लगता था कि हम भी हमारी ही दुनिया में हैं, बड़े परिप्रेक्ष्य में।
प्रेम सर्वोपरि था, और अंततः यही होगा।
विजयी।
मैंने असंख्य ब्रह्मांडों में जीवन की प्रचुरता देखी।
जिनमें से कुछ की बुद्धि अन्य लोगों की तुलना में कहीं अधिक उन्नत थी।
मानवता। मैंने देखा कि अनगिनत उच्च आयाम हैं, लेकिन वह
इन आयामों को जानने का एकमात्र तरीका इनमें प्रवेश करना और इनका अनुभव करना है।
उन्हें सीधे तौर पर नहीं जाना जा सकता। उन्हें निम्न स्तरों से जाना या समझा नहीं जा सकता।
आयामी स्थान। इन उच्चतर लोकों में कारण और प्रभाव का अस्तित्व है, लेकिन
हमारी सांसारिक धारणाओं से परे। समय और समय की दुनिया।
जिस स्थान में हम इस स्थलीय क्षेत्र में विचरण करते हैं वह तंग है और
इन उच्चतर लोकों के भीतर जटिल रूप से गुंथे हुए। दूसरे शब्दों में, ये
दुनियाएँ हमसे पूरी तरह अलग नहीं हैं, क्योंकि सभी दुनियाएँ एक ही इकाई का हिस्सा हैं।
वही सर्वव्यापी दिव्य वास्तविकता। उन उच्चतर लोकों से कोई व्यक्ति
हमारी दुनिया में किसी भी समय या स्थान पर पहुंचें।
मुझे अपनी पूरी जिंदगी, और उससे भी अधिक समय, उस बात को समझने में लग जाएगा जो मैंने
मैंने यह सब वहीं सीखा। मुझे जो ज्ञान दिया गया वह मुझे "सिखाया" नहीं गया था।
ठीक उसी तरह जैसे इतिहास का पाठ या गणित का प्रमेय समझाया जाता है। अंतर्दृष्टि
यह घटना सीधे तौर पर घटी, न कि इसे मनाने या आत्मसात करने की आवश्यकता पड़ी।
ज्ञान बिना याद किए, तुरंत और स्थायी रूप से संग्रहित हो जाता था।
यह आम जानकारी की तरह मिट नहीं गया, और आज भी मुझे यह बात याद है।
वह यह सब मुझसे कहीं अधिक स्पष्ट रूप से जानता है, जितना कि वह जानकारी रखता है।
जो मैंने स्कूल में अपने सभी वर्षों के दौरान हासिल किया।
इसका मतलब यह नहीं है कि मैं इस ज्ञान को यूं ही प्राप्त कर सकता हूं।
क्योंकि अब जब मैं वापस इस धरती पर आ गया हूँ, तो मुझे यह करना होगा...

मैं इसे अपने सीमित शरीर और मस्तिष्क के माध्यम से संसाधित करता हूँ। लेकिन यह मौजूद है।

इसे महसूस करो, यह मेरे अस्तित्व के भीतर समा गया है। मेरे जैसे व्यक्ति के लिए जिसने अपना पूरा जीवन ज्ञान और समझ अर्जित करने के लिए कड़ी मेहनत में बिताया है।

पुराने तरीके से, इस अधिक उन्नत स्तर की खोज

केवल सीखने मात्र से ही मुझे सदियों तक चिंतन करने का अवसर मिला।

आना।।।

दुर्भाग्यवश, मेरे परिवार और धरती पर मौजूद मेरे डॉक्टरों के लिए,

स्थिति बिल्कुल अलग थी।

10.

क्या मायने रखता है

हॉली ने इस बात पर गौर किया कि डॉक्टर कितने उत्सुक हो गए थे जब
उसने मेरी इज़राइल यात्रा का ज़िक्र किया। लेकिन ज़ाहिर है, उसे समझ नहीं आया।
यह इतना महत्वपूर्ण क्यों था। पीछे मुड़कर देखें तो, यह एक आशीर्वाद ही था कि वह
नहीं किया। अपनी संभावित मृत्यु से निपटना ही मेरे लिए काफी बोझ था, बिना किसी और परेशानी के।
इस बात की संभावना बढ़ गई कि मैं इक्कीसवीं सदी का पहला उदाहरण था।
ब्लैक प्लेग के समतुल्य।
इसी बीच, दोस्तों और परिवार के सदस्यों को और भी फोन किए गए।
मेरे जैविक परिवार सहित।
बचपन में मैं अपने पिता को बहुत मानता था, जो चीफ ऑफ स्टाफ थे।
विंस्टन स्थित वेक फॉरेस्ट बैपटिस्ट मेडिकल सेंटर में बीस वर्ष की सेवा।
सलेम। मैंने अकादमिक न्यूरोसर्जरी को अपने करियर के रूप में चुना ताकि मैं अपने पूर्वजों की राह पर चल सकूँ।
मैंने उसके कदमों के निशान का यथासंभव करीब से पीछा किया—यह जानते हुए भी कि मैं ऐसा कभी नहीं कर पाऊंगा।
वह पूरी तरह से उनकी जगह ले सकते हैं।
मेरे पिता एक अत्यंत आध्यात्मिक व्यक्ति थे। उन्होंने एक सर्जन के रूप में सेवा की।
न्यू गिनी और फिलीपींस के जंगलों में सेना और वायु सेना।
द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान। उन्होंने क्रूरता और पीड़ा देखी और स्वयं भी पीड़ित हुए।
उन्होंने मुझे युद्ध में घायल हुए लोगों के ऑपरेशन में बिताई रातों के बारे में बताया।
मानसून की बारिश की बौछारों से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके तंबुओं में।
गर्मी और उमस इतनी असहनीय थी कि सर्जनों को अपने कपड़े उतारने पड़े।
इसे सहन करने के लिए उन्हें सिर्फ अपने अंडरवियर तक सीमित रहना पड़ा।
पिताजी ने अपने जीवन के प्यार (और अपने कमांडिंग ऑफिसर के प्यार) से शादी कर ली थी।

अक्टूबर 1942 में, अपनी बेटी (बेटी) को, जब वह अपने कार्यकाल के लिए प्रशिक्षण ले रहा था, तब उसने अपनी पत्नी (बेटी) को खो दिया।

प्रशांत क्षेत्र। युद्ध की समाप्ति पर वह मित्र देशों के शुरुआती समूह का हिस्सा थे।

अमेरिका द्वारा परमाणु बम गिराए जाने के बाद जापान पर कब्जा करने वाली सेनाएँ

हिरोशिमा और नागासाकी पर। अमेरिका में एकमात्र सैन्य न्यूरोसर्जन के रूप में

टोक्यो में, वह आधिकारिक तौर पर अपरिहार्य थे। वह प्रदर्शन करने के लिए योग्य थे।

इसके अलावा कान, नाक और गले की सर्जरी भी करनी पड़ती है।

इन सभी योग्यताओं ने यह सुनिश्चित कर दिया कि वह नहीं जाएगा।

वह काफी समय से कहीं भी नहीं जा पा रहे थे। उनके नए कमांडिंग ऑफिसर ने उन्हें तब तक अमेरिका वापस जाने की अनुमति नहीं दी जब तक कि स्थिति "अधिक बेहतर" न हो जाए।

स्थिर।" जापानियों द्वारा औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण करने के कई महीनों बाद

टोक्यो खाड़ी में युद्धपोत मिसौरी पर सवार होकर, पिताजी को अंततः प्राप्त हुआ।

उसे घर जाने की सामान्य अनुमति मिल गई। हालाँकि, वह जानता था कि

यदि मौके पर मौजूद सीओ इन आदेशों को देख लेता, तो वह इन्हें रद्द करवा देता। इसलिए पिताजी।

मैंने सप्ताहांत तक इंतजार किया, जब वह कमांडिंग ऑफिसर आराम और मनोरंजन के लिए बेस से बाहर था, और

कार्यवाहक सीओ के माध्यम से ऑर्डर संसाधित किए गए। अंततः वह ऐसा करने में सक्षम हो गया।

दिसंबर 1945 में, अपने जीवन के अधिकांश समय बीत जाने के बहुत बाद, उन्होंने घर लौटने वाले एक जहाज पर सवार हुए।

साथी सैनिक अपने परिवारों के पास लौट आए थे।

1946 की शुरुआत में अमेरिका लौटने के बाद, पिताजी ने अपनी पढ़ाई पूरी की।

अपने मित्र और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के साथ उनका न्यूरोसर्जिकल प्रशिक्षण

सहपाठी डोनाल्ड मैटसन, जिन्होंने यूरोपीय युद्धक्षेत्र में सेवा की थी।

उन्होंने पीटर बेंट ब्रिघम और चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल्स में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

डॉ. फ्रैंक के नेतृत्व में बोस्टन (हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के प्रमुख अस्पताल)

डी. इंग्राहम, जो डॉ. द्वारा प्रशिक्षित अंतिम निवासियों में से एक थे।

हार्वे कुशिंग को विश्व स्तर पर आधुनिक विज्ञान का जनक माना जाता है।

न्यूरोसर्जरी। 1950 और 1960 के दशक में, "3131 सी" का पूरा दल
न्यूरोसर्जन (जैसा कि उन्हें आधिकारिक तौर पर आर्मी एयर द्वारा वर्गीकृत किया गया था)
फोर्स), जिन्होंने यूरोप के युद्धक्षेत्रों में अपने कौशल को निखारा था और
प्रशांत क्षेत्र ने अगले आधे दशक के लिए मानक स्थापित किया।
न्यूरोसर्जन, जिनमें मेरी पीढ़ी के लोग भी शामिल हैं।
मेरे माता-पिता महामंदी के दौर में पले-बढ़े और उनमें इसके लिए स्वाभाविक प्रवृत्ति थी।
काम। पिताजी लगभग हमेशा शाम 7 बजे परिवार के साथ भोजन करने घर आ जाते थे।
आमतौर पर सूट और टाई पहने रहते हैं, लेकिन कभी-कभी सर्जिकल स्क्रब भी पहनते हैं।
फिर वह अस्पताल लौट जाता था, अक्सर हम बच्चों में से किसी एक को अपने साथ ले जाता था।
हम अपना होमवर्क उनके ऑफिस में करते थे, जबकि वे अपने मरीजों का राउंड लगाते थे।
पिताजी के लिए जीवन और काम मूल रूप से एक ही थे, और उन्होंने हमें पाला-पोसा।
तदनुसार। वह आमतौर पर मेरी बहनों और मुझसे घर के बाहर के काम करवाता था।
रविवार को। अगर हम उनसे कहते कि हम फिल्म देखने जाना चाहते हैं, तो वे जवाब देते: "अगर
आप फिल्म देखने जाते हैं, फिर किसी और को काम करना पड़ता है।" वह यह भी था
बेहद प्रतिस्पर्धी। स्क्वैश कोर्ट पर, वह हर खेल को एक चुनौती मानता था।
“मौत तक लड़ाई,” और अस्सी वर्ष की आयु में भी वे हमेशा खोज में लगे रहते थे।
नए प्रतिद्वंद्वियों के, जो अक्सर उनसे दशकों छोटे होते हैं।
वह एक सख्त अभिभावक थे, लेकिन साथ ही एक अद्भुत अभिभावक भी थे।
वह हर किसी से सम्मानपूर्वक मिलता था और अपनी जेब में एक पेंच रखता था।
वह अपनी प्रयोगशाला की जैकेट उतारकर उसमें मौजूद किसी भी ढीले पेंच को कसने लगा ताकि काम के दौरान उसे कोई ढीला पेंच न मिले।
अस्पताल में उनके दौरे। उनके मरीज, उनके साथी चिकित्सक,
नर्सें और पूरे अस्पताल के कर्मचारी उन्हें बहुत पसंद करते थे। चाहे वह कुछ भी हो
मरीजों का ऑपरेशन करना, अनुसंधान को आगे बढ़ाने में मदद करना, प्रशिक्षण देना
न्यूरोसर्जन (एक अनूठा जुनून), या जर्नल सर्जिकल का संपादन करना
न्यूरोलॉजी (जिसमें उन्होंने कई वर्षों तक पढ़ाई की) में, पिताजी ने अपना रास्ता देखा।

उसके लिए जीवन स्पष्ट रूप से निर्धारित था। यहां तक कि जब वह अंततः उस उम्र से बाहर हो गया, तब भी।
इकहत्तर वर्ष की आयु में भी, वह ऑपरेशन रूम में काम करते रहे और अपनी मौजूदा स्थिति से तालमेल बनाए रखा।
इस क्षेत्र में नवीनतम विकास। 2004 में उनकी मृत्यु के बाद, उनके लंबे समय से चले आ रहे
उनके सहयोगी डॉ. डेविड एल. केली, जूनियर ने लिखा, “डॉ. अलेक्जेंडर हमेशा हमारे बीच रहेंगे।”
उन्हें उनके उत्साह, दक्षता और दृढ़ता के लिए याद किया जाएगा।
और बारीकियों पर ध्यान देना, उनकी करुणा, ईमानदारी और
उन्होंने जो कुछ भी किया, उसमें उत्कृष्टता हासिल की।" इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मैं, कई अन्य लोगों की तरह,
दूसरे लोग उनकी पूजा करते थे।
बहुत पहले की बात है, इतनी पुरानी कि मुझे याद भी नहीं कब की, माँ।
और पिताजी ने मुझे बताया था कि मुझे गोद लिया गया था (या जैसा कि वे कहते थे, "चुना गया था")
क्योंकि, उन्होंने मुझे आश्वस्त किया, उन्हें शुरू से ही पता था कि मैं उनका बच्चा हूँ।
जिस क्षण उन्होंने मुझे देखा)। वे मेरे जैविक जन्मदाता माता-पिता नहीं थे, लेकिन
वे मुझसे बहुत प्यार करते थे, मानो मैं उनका अपना खून का रिश्ता हूँ। मैं बड़ा हुआ।
यह जानते हुए कि मुझे अप्रैल 1954 में, चार साल की उम्र में गोद लिया गया था।
कुछ महीने, और मेरी जैविक माँ सोलह साल की थी—एक
हाई स्कूल में दूसरे वर्ष की छात्रा—1953 में जब उन्होंने मुझे जन्म दिया तब वे अविवाहित थीं।
उसका प्रेमी, एक वरिष्ठ नागरिक जिसके पास निकट भविष्य में आर्थिक रूप से सक्षम होने की कोई संभावना नहीं है।
बच्चे का पालन-पोषण करने के लिए, मुझे भी छोड़ने पर सहमति जताई थी, हालाँकि दोनों में से किसी ने भी
चाहता था। इन सब बातों का ज्ञान इतनी जल्दी मिल गया था कि यह बस
मेरे व्यक्तित्व का एक हिस्सा, उतना ही स्वीकृत और निर्विवाद जितना कि गहरा काला रंग।
मेरे बालों का रंग और यह तथ्य कि मुझे हैमबर्गर पसंद थे और नापसंद थे
फूलगोभी। मैं अपने दत्तक माता-पिता से उतना ही प्यार करती थी जितना कि मैं अपने माता-पिता से करती।
अगर वे सच्चे रक्त संबंधी होते, तो वे स्पष्ट रूप से एक ही भावना रखते।
मेरे बारे में।
मेरी बड़ी बहन, जीन, को भी गोद लिया गया था, लेकिन मुझे गोद लेने के पांच महीने बाद मेरी माँ खुद गर्भवती हो गई।
एक बच्ची को जन्म दिया—मेरी बहन बेट्सी—और पांच साल बाद, फिलिस को।

हमारी सबसे छोटी बहन का जन्म हुआ। हम हर मायने में सगे भाई-बहन थे।

उद्देश्य। मुझे पता था कि मैं जहाँ से भी आया हूँ, मैं उनका भाई हूँ।

और वे मेरी बहनें थीं। मैं एक ऐसे परिवार में पली-बढ़ी जिसने न केवल मुझसे प्यार किया, बल्कि मुझे प्यार भी किया।

लेकिन उन्होंने मुझ पर विश्वास भी किया और मेरे सपनों को समर्थन दिया। इनमें शामिल हैं:

एक सपना जिसने मुझे हाई स्कूल में जकड़ लिया था और जब तक मैंने उसे हासिल नहीं कर लिया, तब तक उसने मेरा पीछा नहीं छोड़ा:

अपने पिता की तरह न्यूरोसर्जन बनना चाहता हूँ।

मैंने कॉलेज और मेडिकल की पढ़ाई के दौरान अपने गोद लेने के बारे में कभी नहीं सोचा था।

स्कूल के वर्षों में—कम से कम ऊपरी तौर पर तो नहीं। मैंने उनसे संपर्क किया था।

नॉर्थ कैरोलिना के चिल्ड्रन्स होम सोसाइटी से कई बार पूछताछ की।

चाहे मेरी माँ को फिर से मिलने में कोई दिलचस्पी हो या न हो। लेकिन उत्तर

कैरोलिना में देश के कुछ सबसे सख्त कानून थे जो सुरक्षा के लिए बनाए गए थे।

गोद लिए गए बच्चों और उनके जन्म देने वाले माता-पिता की गुमनामी, भले ही वे

मैं उनसे दोबारा जुड़ने के लिए बेताब था। अपने बीसवें दशक के उत्तरार्ध के बाद, मैंने सोचा।

इस मामले के बारे में मेरी चर्चा धीरे-धीरे कम होती गई। और एक बार जब मैं हॉली से मिली और हमने शुरुआत की।

हमारा अपना परिवार, यह सवाल धीरे-धीरे हमसे और दूर होता चला गया।

या फिर और भी गहराई में।

1999 में, जब वह बारह साल का था और हम अभी भी वहीं रह रहे थे

मैसाचुसेट्स में, एबेन चतुर्थ एक पारिवारिक विरासत परियोजना में शामिल हुए।

चार्ल्स रिवर स्कूल, जहाँ वह छठी कक्षा में पढ़ता था। वह जानता था कि मैं

उसे गोद लिया गया था, और इस प्रकार ग्रह पर उसके प्रत्यक्ष रिश्तेदार थे।

जिसे वह व्यक्तिगत रूप से नहीं जानता था, यहाँ तक कि नाम से भी नहीं। परियोजना

इससे उसके अंदर कुछ जागृत हुआ—एक गहरी जिज्ञासा जो उसके अंदर अब तक नहीं थी।

वह बात, उसे पता थी।

उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या हम मेरे जन्मदाता माता-पिता को ढूंढ सकते हैं। मैंने उन्हें बताया कि

पिछले कुछ वर्षों में मैंने कभी-कभी खुद भी इस मामले की जांच की थी।

नॉर्थ कैरोलिना की चिल्ड्रन्स होम सोसाइटी से संपर्क करके और यह पूछकर कि क्या
अगर उन्हें कोई खबर मिली हो। अगर मेरे जैविक माता या पिता संपर्क करना चाहें, तो
समाज को पता चल जाता। लेकिन मुझे कभी कोई जवाब नहीं मिला।
मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। "ऐसी परिस्थिति में यह बिल्कुल स्वाभाविक है।"
“इसका मतलब यह नहीं है कि मेरी जन्म देने वाली माँ मुझसे प्यार नहीं करती,” मैंने एबेन से कहा था।
या फिर ऐसा भी हो सकता है कि अगर वो तुम्हें कभी देख भी ले तो तुमसे प्यार न करे। लेकिन वो ऐसा करना नहीं चाहती,
शायद इसलिए क्योंकि उसे लगता है कि तुम्हारे और मेरे अपने-अपने रिश्ते हैं।
उसका अपना परिवार है और वह उसमें बाधा नहीं डालना चाहती।
लेकिन एबेन इस बात को मानने को तैयार नहीं था, इसलिए आखिरकार मैंने सोचा कि मैं उसकी बात मान लूँ।
और उन्होंने चिल्ड्रन्स होम में काम करने वाली बेट्टी नाम की एक सामाजिक कार्यकर्ता को लिखा, जिसने...
उन्होंने पहले मेरी रिक्वेस्ट पूरी करने में मेरी मदद की थी। कुछ हफ़्ते बाद, एक बर्फीले दिन
फरवरी 2000 में शुक्रवार की दोपहर, एबेन IV और मैं गाड़ी चला रहे थे
मैं बोस्टन से मेन तक स्कीइंग के लिए एक सप्ताहांत बिताने जा रहा था, तभी मुझे याद आया कि मैं
मुझे बेट्टी को फोन करके उसकी सेहत के बारे में जानकारी लेनी थी। मैंने उसे अपने फोन पर कॉल किया।
उसने फोन उठाया और जवाब दिया।
“दरअसल, मेरे पास कुछ खबर है। क्या आप बैठे हैं?” उसने कहा।
नीचे?"
दरअसल मैं बैठा हुआ था, इसलिए मैंने इतना ही कहा, यह बात छिपाते हुए कि मैं भी बैठा हुआ था।
मैं बर्फीले तूफान में अपनी कार चला रहा था।
“डॉ. अलेक्जेंडर, पता चला है कि आपके जन्मदाता माता-पिता वास्तव में...
विवाहित।"
मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, और मेरे सामने की सड़क
अचानक सब कुछ अवास्तविक और दूर लगने लगा। हालाँकि मुझे पता था कि मेरा
मेरे माता-पिता बहुत प्यारे थे, मैंने हमेशा यही सोचा था कि एक बार जब वे बच्चे को जन्म दे देंगे तो...
मुझे जगाया तो, उनके जीवन अलग-अलग दिशाओं में मुड़ गए थे। पल भर में एक तस्वीर
मेरे मन में एक छवि उभर आई। मेरे जन्मदाता माता-पिता की तस्वीर, और एक घर की तस्वीर।

जो उन्होंने कहीं बनाया था। एक घर जिसे मैंने कभी नहीं जाना था। एक घर

जहां मैं फिट नहीं बैठता था।

बेट्टी ने मेरे विचारों को बीच में ही रोक दिया। "डॉक्टर अलेक्जेंडर?"

“हां,” मैंने धीरे से कहा, “मैं यहां हूं।”

अभी और भी है।

एबेन की हैरानी के बावजूद, मैंने कार को सड़क के किनारे रोक दिया।

और उसे आगे बढ़ने के लिए कहा।

“आपके माता-पिता के तीन और बच्चे थे: दो बहनें और एक भाई।”

मैंने बड़ी बहन से बात की है, और उसने मुझे बताया कि तुम्हारी छोटी बहन...

आपकी बहन का निधन दो साल पहले हो गया था। आपके माता-पिता अभी भी उनके जाने के गम से उबर नहीं पाए हैं।

“तो इसका मतलब है...?” मैंने लंबे विराम के बाद पूछा, अभी भी सुन्न महसूस कर रही थी।

यह सब कुछ मेरे दिमाग में बैठ गया, लेकिन मैं वास्तव में इसे समझ नहीं पा रहा था।

"मुझे खेद है, डॉ. अलेक्जेंडर, लेकिन हाँ—इसका मतलब है कि वह आपसे संपर्क करने के आपके अनुरोध को अस्वीकार कर रही है।"

मेरे पीछे वाली सीट पर एबेन थोड़ा हिल गया, स्पष्ट रूप से उसे इस बात का एहसास था कि कुछ गड़बड़ है।

अभी-अभी एक महत्वपूर्ण घटना घटी थी, लेकिन समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या थी।

फोन रखने के बाद उसने पूछा, "क्या बात है, पिताजी?"

मैंने कहा, "कुछ नहीं। एजेंसी को अभी भी ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन वे..."

इस पर काम चल रहा है। शायद कुछ समय बाद। शायद...

लेकिन मेरी आवाज़ धीमी पड़ गई। बाहर तूफान सचमुच तेज़ हो रहा था।

नीचे के सफेद जंगल में लगभग सौ गज तक ही दिखाई दे रहा था।

हमारे चारों ओर फैल रहा था। मैंने कार को गियर में डाला और ध्यान से देखा।

मैंने रियरव्यू मिरर में देखा और गाड़ी को वापस सड़क पर ले आया।

पल भर में, मेरे बारे में मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। उसके बाद

फोन कॉल के दौरान, मैं निश्चित रूप से, पहले जैसा ही था: अभी भी एक

वैज्ञानिक, अभी भी डॉक्टर, अभी भी पिता, अभी भी पति। लेकिन मुझे यह भी महसूस हुआ,

पहली बार, एक अनाथ की तरह। कोई ऐसा व्यक्ति जिसे दिया गया था
दूर। कोई ऐसा व्यक्ति जिसे पूरी तरह से, सौ प्रतिशत नहीं चाहा जाता।
उस फोन कॉल से पहले मैंने कभी खुद को उस तरह से नहीं सोचा था।
—जैसे कि मैं अपने स्रोत से कट गया हूँ। मैंने कभी खुद को परिभाषित नहीं किया था।
मुझे उस चीज़ का संदर्भ याद आ गया जो मैंने खो दी थी और जिसे मैं कभी वापस नहीं पा सकता था। लेकिन अचानक
मेरे बारे में मुझे बस यही एक चीज दिखाई देती थी।
अगले कुछ महीनों में मेरे भीतर दुख का एक सागर उमड़ पड़ा।
मुझमें: एक ऐसा दुख जो मेरे जीवन में सब कुछ डुबो देने और तहस-न कर देने की धमकी दे रहा था
वह जीवन जिसे मैंने उस समय तक इतनी मेहनत से बनाया था।
मेरी इस असमर्थता ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया कि मैं इस मामले की तह तक नहीं पहुंच सका।
इस स्थिति का कारण क्या था? मुझे पहले भी खुद में कुछ समस्याएं आ चुकी थीं।
—मैंने जो कमियां देखी थीं—और मैंने उन्हें सुधार लिया था। चिकित्सा में
उदाहरण के लिए, स्कूल में और एक सर्जन के रूप में अपने शुरुआती दिनों में, मैं इसका हिस्सा रहा था।
एक ऐसी संस्कृति में जहाँ उचित परिस्थितियों में अत्यधिक शराब पीना
मुस्कुराया गया। लेकिन 1991 में मैंने महसूस करना शुरू किया कि मैं आगे की ओर देख रहा था।
मेरी छुट्टी के दिन और उसके साथ परोसे जाने वाले पेय पदार्थ, कुछ ज़्यादा ही थे।
उत्सुकता से। मैंने फैसला किया कि अब मुझे शराब पीना बंद कर देना चाहिए।
पूरी तरह से। यह किसी भी तरह से आसान नहीं था—मैं इस पर निर्भर हो गया था।
मुझे पता था उससे कहीं अधिक अवकाश उन अवकाश के घंटों से मिला—और मैं केवल
मैंने परिवार के सहयोग से नशे से मुक्ति के शुरुआती दिनों को पार कर लिया। तो यहाँ एक और समस्या थी, जिसके लिए
स्पष्ट रूप से केवल मैं ही दोषी था।
अगर मैं मदद मांगता तो मुझे इससे निपटने में मदद मिल सकती थी। मैं इसे शुरू में ही क्यों नहीं रोक सका?
दोस्त? मुझे यह बिल्कुल भी सही नहीं लगा कि मेरे अतीत के बारे में कोई जानकारी
—एक ऐसा काम जिस पर मेरा बिल्कुल भी नियंत्रण नहीं था—उसे ऐसा करने में सक्षम होना चाहिए था
इसने मुझे भावनात्मक और पेशेवर दोनों रूप से पूरी तरह से पटरी से उतार दिया।
इसलिए मुझे संघर्ष करना पड़ा। और मैंने अविश्वास से देखा कि डॉक्टर के रूप में मेरी भूमिकाएँ,

पिता और पति की भूमिका निभाना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा था। यह देखकर कि मैं
मैं अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में नहीं थी, हॉली ने हमें जोड़ों के लिए एक कोर्स में शामिल किया।
परामर्श। हालांकि वह इसके कारण को पूरी तरह से समझ नहीं पा रही थी,
उसने मुझे निराशा के इस गड्ढे में गिरने के लिए माफ कर दिया और जो कुछ भी करना था, किया।
वह मुझे इससे बाहर निकाल सकती थी। मेरे अवसाद के दूरगामी परिणाम हुए।
मेरा काम। मेरे माता-पिता इस बदलाव से पूरी तरह वाकिफ थे, और
हालाँकि मुझे पता था कि उन्होंने भी इसे माफ कर दिया था, फिर भी यह बात मुझे अंदर से तोड़ रही थी कि मेरा करियर
अकादमिक न्यूरोसर्जरी में गिरावट आ रही थी—और वे बस इतना ही कर सकते थे कि
किनारे खड़े होकर देखते रहो। मेरी भागीदारी के बिना, मेरा परिवार
वे मेरी मदद करने में असमर्थ हैं।
और अंत में, मैंने देखा कि कैसे यह नया दुख सामने आया, और फिर सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया।
दूर, कुछ और: मेरी आखिरी, आधी-अधूरी उम्मीद कि वहाँ
ब्रह्मांड में कोई व्यक्तिगत तत्व था—कोई ऐसी शक्ति जो हमारी पहुंच से परे थी।
जिन वैज्ञानिक सिद्धांतों का मैंने वर्षों अध्ययन किया था, वे भी इसमें शामिल थे। सरल शब्दों में कहें तो, इसने सब कुछ
अपने साथ बहा दिया।
मैंने इस आखिरी विश्वास को भी मिटा दिया कि शायद कोई प्राणी अस्तित्व में हो सकता है।
वहाँ जो सचमुच मुझसे प्यार करते थे और मेरी परवाह करते थे—और मेरी प्रार्थनाएँ।
हो सकता है कि वह फोन कॉल सुनी जाए, और उसका जवाब भी दिया जाए। उस फोन कॉल के बाद
बर्फीला तूफान, एक प्रेममय, व्यक्तिगत ईश्वर की धारणा—कुछ लोगों के लिए मेरा जन्मसिद्ध अधिकार
डिग्री, एक ऐसे चर्च जाने वाले सदस्य के रूप में, एक ऐसी संस्कृति में जिसने उस ईश्वर को स्वीकार किया
वास्तविक गंभीरता पूरी तरह गायब हो गई।
क्या कोई ऐसी शक्ति या खुफिया एजेंसी थी जो हम सब पर नजर रख रही थी? कौन?
क्या वह सचमुच प्रेमपूर्वक मनुष्यों की परवाह करता था? यह जानकर मुझे आश्चर्य हुआ।
अंततः मैं यह स्वीकार करता हूँ कि मेरे सभी चिकित्सा प्रशिक्षण और अनुभव के बावजूद, मैं
वह स्पष्ट रूप से अब भी इस प्रश्न में गहरी रुचि रखता था, भले ही गुप्त रूप से, ठीक वैसे ही जैसे
मुझे अपने जन्मदाता माता-पिता के बारे में जानने में कहीं अधिक रुचि थी।

जितना मैंने कभी सोचा भी नहीं था।

दुर्भाग्यवश, ऐसे किसी अस्तित्व के होने के प्रश्न का उत्तर वही था जो मेरे अस्तित्व के होने के प्रश्न का उत्तर था।

जन्मदाता माता-पिता एक बार फिर अपना जीवन और अपना दिल खोल देंगे

मुझे।

इसका जवाब था नहीं।

11.

पतन के इस चक्र का अंत

अगले सात वर्षों के अधिकांश समय तक मेरा करियर और मेरा पारिवारिक जीवन,
मुझे लंबे समय तक कष्ट सहना पड़ा। मेरे आस-पास के लोग—यहाँ तक कि
मेरे सबसे करीबी लोग भी इस समस्या के कारण को लेकर निश्चित नहीं थे। लेकिन
धीरे-धीरे—मेरी उन टिप्पणियों के माध्यम से जो मैं लगभग यूं ही कह देता था—हॉली और
मेरी बहनों ने सारी कड़ियों को जोड़ा।
अंत में, दक्षिण कैरोलिना के एक समुद्र तट पर सुबह-सुबह टहलते समय,
जुलाई 2007 में पारिवारिक अवकाश के दौरान, बेट्सी और फिलिस ने इस विषय को उठाया।
"क्या आपने अपने जन्म परिवार को एक और पत्र लिखने के बारे में सोचा है?"
फिलिस ने पूछा।
“हाँ,” बेट्सी ने कहा। “अब तक हालात बदल गए होंगे, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ।”
पता है।" बेत्सी ने हाल ही में हमें बताया था कि वह एक बच्चे को गोद लेने के बारे में सोच रही है।
मैं खुद भी ऐसी ही हूं, इसलिए मुझे इस विषय के सामने आने पर पूरी तरह से आश्चर्य नहीं हुआ।
फिर भी, मेरी तत्काल प्रतिक्रिया—मौखिक के बजाय मानसिक—
ओह नहीं, फिर से नहीं! मुझे वह विशाल खाई याद आ गई जो पहले हो चुकी थी।
सात साल पहले मिली अस्वीकृति के बाद मेरे नीचे से दरार पड़ गई।
पहले। लेकिन मुझे पता था कि बेट्सी और फिलिस की मंशा सही थी।
वे जानते थे कि मैं कष्ट झेल रहा हूँ, उन्हें आखिरकार कारण पता चल गया था, और उन्होंने
वे चाहते थे—और यह बिल्कुल सही था—कि मैं आगे बढ़कर समस्या को सुलझाने की कोशिश करूं।
उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि वे मेरे साथ इस रास्ते पर चलेंगे—कि मुझे नहीं चलना पड़ेगा
मैं यह यात्रा अकेले ही कर रहा था, जैसा कि मैंने पहले भी किया था। हम एक टीम थे।
इसलिए अगस्त 2007 की शुरुआत में, मैंने अपने जन्मदाता को एक गुमनाम पत्र लिखा।
बहन ने इस मामले पर द्वारपाल से बात की और इसे बेट्टी को भेज दिया।

नॉर्थ कैरोलिना की चिल्ड्रन्स होम सोसाइटी से अनुरोध है कि वे इसे आगे भेजें:

प्रिय बहन,
मुझे आपसे, हमारे भाई और हमारे साथ संवाद करने में रुचि है।
माता-पिता। मेरे दत्तक परिवार की बहनों और बहनों के साथ लंबी बातचीत के बाद।
इस बारे में अपनी माँ से बात करने पर, उनके समर्थन और रुचि ने मेरी इच्छा को फिर से जगा दिया।
अपने जैविक परिवार के बारे में और अधिक जानने के लिए।
मेरे दो बेटे, जिनकी उम्र 9 और 19 साल है, अपनी विरासत में रुचि रखते हैं।
हम तीनों और मेरी पत्नी आपकी किसी भी सहायता के लिए आभारी होंगे।
पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी जिसे आप साझा करने में सहज महसूस करते हैं। मेरे लिए,
मेरे जन्मदाता माता-पिता के बारे में मेरे मन में कई सवाल उठते हैं।
उनके बचपन से लेकर अब तक के जीवन में उनकी रुचियां और
आप सभी के क्या-क्या व्यक्तित्व हैं?
हम सब बूढ़े हो रहे हैं, इसलिए मेरी यही आशा है कि मैं उनसे मिल सकूँ।
जल्द ही। हमारी व्यवस्थाएं आपसी सहमति से हो सकती हैं। कृपया ध्यान दें।
मैं उनकी निजता की इच्छा का अत्यंत सम्मान करता हूँ।
बनाए रखने के लिए। मुझे एक बहुत ही प्यारा दत्तक परिवार मिला है और मैं इसकी सराहना करता हूँ।
मेरे जैविक माता-पिता ने अपनी युवावस्था में जो निर्णय लिया था, उसमें मेरी रुचि वास्तविक है।
और वे उन सभी सीमाओं को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं जिन्हें वे आवश्यक समझते हैं।
इस मामले में आपके सहयोग के लिए हम अत्यंत आभारी हैं।
आपका अत्यंत शुभचिंतक,
आपका बड़ा भाई

कुछ सप्ताह बाद मुझे बाल गृह से एक पत्र मिला।
समाज। यह मेरी सगी बहन की ओर से था।
“जी हां, हमें आपसे मिलकर खुशी होगी,” उन्होंने लिखा। उत्तरी कैरोलिना राज्य

कानून ने उसे मेरे सामने कोई भी पहचान संबंधी जानकारी प्रकट करने से मना किया था, लेकिन
उन मापदंडों के आधार पर काम करते हुए, उसने मुझे मेरा पहला वास्तविक सेट दिया।
मेरे जैविक परिवार के बारे में कुछ सुराग मिले जिनसे मैं कभी नहीं मिला था।
जब उसने बताया कि मेरे जन्मदाता पिता नौसेना में विमान चालक थे...
वियतनाम ने मुझे पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया: इसीलिए मुझे हमेशा से कूदना बहुत पसंद था।
हवाई जहाज़ों से बाहर निकलकर ग्लाइडर उड़ाना। मेरे जन्मदाता पिता भी यही करते थे, मैं भी।
यह जानकर और भी आश्चर्य हुआ कि नासा के एक अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षु ने
1960 के दशक के मध्य में अपोलो मिशन (मैंने खुद भी प्रशिक्षण लेने पर विचार किया था)
(1983 में स्पेस शटल पर एक मिशन विशेषज्ञ)। मेरे जन्मदाता पिता बाद में
उन्होंने पैन एम और डेल्टा एयरलाइंस में पायलट के रूप में काम किया।
अक्टूबर 2007 में, मैं आखिरकार अपने जैविक माता-पिता, ऐन और से मिला।
रिचर्ड, और मेरे सगे भाई-बहन, कैथी और डेविड। ऐन ने मुझे बताया कि
यह पूरी कहानी है कि कैसे 1953 में उन्होंने फ्लोरेंस में तीन महीने बिताए।
क्रिटेंडन होम फॉर अनवेड मदर्स, शार्लोट के बगल में स्थित है।
मेमोरियल हॉस्पिटल। वहाँ सभी लड़कियों के कोड नाम थे, और क्योंकि मेरी माँ को अमेरिकी इतिहास से बहुत लगाव था,
इसलिए उन्होंने वर्जीनिया डेयर चुना—
नई दुनिया में अंग्रेज़ बसने वालों के पहले बच्चे का नाम।
लड़कियाँ उसे बस डेयर कहकर बुलाती थीं। सोलह साल की उम्र में, वह सबसे छोटी लड़की थी।
वहाँ।
उसने मुझे बताया कि उसके पिता मदद करने के लिए कुछ भी करने को तैयार थे।
जब उसे उसकी "मुश्किल स्थिति" के बारे में पता चला तो उसने उससे बात की। वह उसे लेने के लिए तैयार था।
और यदि आवश्यक हो तो पूरे परिवार को स्थानांतरित कर दें। वह बेरोजगार था।
कुछ समय के लिए, और घर में एक नए बच्चे का आना बहुत अच्छा रहेगा।
आर्थिक तनाव, और अन्य तमाम समस्याओं का तो जिक्र ही नहीं।
उनके एक करीबी दोस्त ने एक डॉक्टर का जिक्र भी किया था जिसे वे जानते थे।
दक्षिण कैरोलिना के डिलन में, जो "चीजों को ठीक कर सकती थी।" लेकिन उसकी माँ

मैं ऐसा बिल्कुल नहीं सुनूंगा।

ऐन ने मुझे बताया कि कैसे उसने आसमान में टिमटिमाते तारों को देखा था।

उस सर्द दिसंबर में नए आए शीत मोर्चे की तेज़ हवाएँ

1953 की उस रात—कैसे वह खाली सड़कों पर चलकर गई थी

छिटपुट, नीचे की ओर दौड़ते बादल। वह इस बार अकेले रहना चाहती थी।

बस चांद और तारे और उसका जल्द ही जन्म लेने वाला बच्चा—मैं।

पश्चिम दिशा में अर्धचंद्राकार चंद्रमा नीचे लटका हुआ था। चमकीला बृहस्पति ग्रह बस दिखाई दे रहा था।

वह रात भर हमारी रक्षा करने के लिए उठता है। रिचर्ड को विज्ञान से बहुत प्यार था और

खगोल विज्ञान, और बाद में उन्होंने मुझे बताया कि बृहस्पति विपरीत स्थिति में था।

रात हो गई थी, और लगभग नौ वर्षों तक फिर से उतनी रोशनी नहीं हुई।

उस समय हमारे जीवन में बहुत कुछ घटित हुआ, जिसमें दो बच्चों का जन्म भी शामिल था।

और बच्चे।

लेकिन उस समय मैंने बस यही सोचा कि राजा कितना सुंदर और तेजस्वी है!

ग्रह प्रकट हुए, मानो ऊपर से हम पर नजर रख रहे हों।

जैसे ही वह अस्पताल के प्रवेश द्वार में दाखिल हुई, उसके मन में एक जादुई विचार आया। लड़कियाँ

वे आम तौर पर क्रिटेंडन होम में दो सप्ताह तक रहते थे।

वे अपने बच्चों को जन्म देतीं, फिर घर जाकर अपनी जिंदगी को फिर से शुरू करतीं।

जहां से उन्होंने छोड़ा था। अगर वह उस रात वाकई में अपना वादा पूरा कर देती, तो शायद हम दोनों फिर से शुरू कर पाते।

अगर वे उसे दो सप्ताह में रिहा कर देते हैं, तो वह क्रिसमस तक घर आ जाएगी।

यह कितना अद्भुत चमत्कार होगा: मुझे क्रिसमस तक घर वापस ले आना।

दिन।

“डॉ. क्रॉफर्ड अभी-अभी एक और प्रसव से लौटे थे, और वे बहुत थके हुए लग रहे थे,” ऐन ने मुझे बताया। उन्होंने उसके चेहरे पर ईथर में भीगी हुई जाली रख दी।

दर्द कम करने के लिए, ताकि जब अंत में वह अर्धचेतन अवस्था में हो, तब तक वह पूरी तरह से बेहोश हो चुकी थी।

सुबह 2:42 बजे, एक आखिरी जोरदार प्रयास के साथ, उसने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया।

ऐन ने मुझसे कहा कि वह मुझे गले लगाना और सहलाना चाहती थी, और

कि वो मेरी चीखों को कभी नहीं भूलेगी, जब तक कि मैं थक नहीं गई थी और कि
अंततः बेहोशी की दवा ही कारगर साबित हुई।
अगले चार घंटों में, पहले मंगल, फिर शनि, फिर बुध, और
अंततः चमकीला शुक्र ग्रह पूर्वी आकाश में उदय हुआ और मेरा स्वागत किया।
दुनिया। इस बीच, ऐन महीनों में सबसे गहरी नींद सोई।
नर्स ने सूर्योदय से पहले उसे जगा दिया।
“मैं चाहती हूँ कि आप किसी से मिलें,” उसने खुशी से कहा, और
उसने मुझे आसमानी नीले रंग के कंबल में लपेटकर उसके सामने पेश किया ताकि वह उसकी प्रशंसा कर सके।
सभी नर्सें इस बात पर सहमत थीं कि तुम अस्पताल में सबसे खूबसूरत बच्चे थे।
पूरी नर्सरी। मुझे बेहद गर्व महसूस हो रहा था।"
ऐन मुझे अपने पास रखना चाहती थी, लेकिन कड़वी सच्चाई यह थी कि वह
यह बात जल्दी समझ में नहीं आई। रिचर्ड कॉलेज जाने का सपना देखता था, लेकिन
उन सपनों से मेरा पेट नहीं भरता था। शायद मैंने ऐन का दर्द महसूस किया।
क्योंकि मैंने खाना बंद कर दिया था। ग्यारह दिन बाद मुझे अस्पताल में भर्ती कराया गया।
मुझे यह निदान मिला कि मैं "विकास में विफल" हो रही थी, और मेरा पहला क्रिसमस और
अगले नौ दिन शार्लोट के अस्पताल में बिताए गए।
मुझे अस्पताल में भर्ती कराने के बाद, ऐन ने दो घंटे की बस यात्रा की।
वह अपने छोटे से गृहनगर की ओर उत्तर दिशा में चली गई। उसने वह क्रिसमस अपने साथ बिताया।
माता-पिता, बहनें और दोस्त, जिनसे वह तीन महीने से नहीं मिली थी।
सब कुछ मेरे बिना।
जब तक मैंने दोबारा खाना शुरू किया, तब तक मेरा अलग जीवन शुरू हो चुका था।
उसे महसूस हुआ कि वह अपना नियंत्रण खो रही है और वे सफल नहीं हो पाएंगे।
उसे मुझे अपने पास रखने दो। जब उसने न्यू के तुरंत बाद अस्पताल को फोन किया।
कई साल पहले, उसे बताया गया था कि मुझे बाल गृह भेज दिया गया है।
ग्रीन्सबोरो में समाज।
“किसी स्वयंसेवक के साथ भेजा गया? यह तो सरासर अन्याय है!” उसने कहा।

मैंने अगले तीन महीने कई बच्चों के साथ एक छोटे से छात्रावास में बिताए।
अन्य शिशु जिनकी माताएँ उन्हें संभाल नहीं सकती थीं। मेरा पालना वहीं था।
समाज को दान में दिए गए नीले-भूरे रंग के विक्टोरियन शैली के घर की दूसरी मंजिल। "यह आपके पहले घर के लिए बहुत ही सुखद जगह थी," ऐन ने कहा।
उसने हंसते हुए मुझसे कहा, "भले ही वह मुख्य रूप से बच्चों का छात्रावास था।"
अगले कुछ दिनों में छह बार उनसे मिलने के लिए उन्होंने तीन घंटे की बस यात्रा की।
कुछ महीनों तक, एक ऐसी योजना बनाने की जी-तोड़ कोशिश की गई जो
मुझे अपने साथ रखने में सफल रही। एक बार वह अपनी माँ के साथ आई और
एक बार रिचर्ड के साथ (हालाँकि नर्सों ने उसे मुझे देखने के लिए मजबूर किया)
खिड़की से—वे उसे उसी कमरे में नहीं आने देते थे, और
मैं उसे मुझे पकड़ने बिल्कुल नहीं दूंगी।
लेकिन मार्च 1954 के अंत तक यह स्पष्ट हो गया था कि हालात नियंत्रण से बाहर होने वाले थे।
उसका तरीका। उसे मुझे छोड़ना पड़ेगा। वह और उसकी माँ ने
ग्रीन्सबोरो के लिए आखिरी बार बस।
मुझे तुम्हें गले लगाना पड़ा, तुम्हारी आँखों में देखना पड़ा और तुम्हें सब कुछ समझाने की कोशिश करनी पड़ी।
“तुम,” ऐन ने मुझसे कहा। “मुझे पता था कि तुम बस खिलखिलाकर हंसोगी और प्यारी-प्यारी आवाज़ें निकालोगी, बेबी ब्लो करोगी।”
बुलबुले उठते हैं, और मैं जो भी कहूँ, उनसे सुखद आवाज़ें आती हैं, लेकिन मुझे ऐसा लगा कि मैं
मुझे तुम्हें स्पष्टीकरण देना था। मैंने तुम्हें आखिरी बार गले लगाया, तुम्हें चूमा।
मैंने तुम्हारे कान, छाती और चेहरे को छुआ और तुम्हें धीरे से सहलाया। मुझे याद है मैंने साँस ली थी।
गहरे दिल से, नहाए हुए बच्चे की उस अद्भुत खुशबू से प्यार करते हुए, मानो वह
कल थे।
मैंने तुम्हें तुम्हारे जन्म के नाम से पुकारा और कहा, ‘मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ, इसलिए
बहुत कुछ ऐसा है जो तुम कभी नहीं जान पाओगे। और मैं तुम्हें हमेशा प्यार करूंगा, अपनी मृत्यु तक।
मैंने कहा, ‘हे भगवान, कृपया उसे यह एहसास दिलाएं कि उसे कितना प्यार किया जाता है। कि मैं उससे कितना प्यार करती हूँ।’

उसे, और हमेशा रहेगा।' लेकिन मुझे पता नहीं था कि मेरी प्रार्थना का कोई असर होगा या नहीं।
इसका जवाब दिया जाना चाहिए। 1950 के दशक में गोद लेने की व्यवस्था अंतिम और बहुत ही निर्णायक होती थी।
गुप्त। पीछे मुड़ने का कोई रास्ता नहीं, कोई स्पष्टीकरण नहीं। कभी-कभी जन्मतिथियाँ होती थीं।
रिकॉर्ड में बदलाव सिर्फ इसलिए किया गया ताकि किसी के भी इस मामले को उजागर करने के प्रयासों में बाधा डाली जा सके।
बच्चे के जन्म के बारे में सच्चाई। कुछ भी सुराग न छोड़ें। समझौते हुए थे।
कठोर राज्य कानूनों द्वारा संरक्षित। नियम यह था कि इसे हमेशा के लिए भूल जाओ।
जो हुआ सो हुआ, अपनी बाकी जिंदगी जियो। और, उम्मीद है, कुछ सीखोगे।
यह से।
मैंने तुम्हें आखिरी बार चूमा, फिर तुम्हें धीरे से तुम्हारे पालने में लिटा दिया।
मैंने तुम्हें तुम्हारे छोटे नीले कंबल में लपेटा, और तुम्हारी आँखों में आखिरी बार देखा।
नीली आँखों वाली उस लड़की ने मेरी उंगली को चूमा और उसे तुम्हारे माथे पर लगाया।
"'अलविदा, रिचर्ड माइकल। मैं तुमसे प्यार करता हूँ,' ये मेरे आखिरी शब्द थे तुमसे, कम से कम लगभग आधी सदी के लिए।"
ऐन ने मुझे आगे बताया कि उसकी और रिचर्ड की शादी के बाद और
उनके बाकी बच्चे भी आ गए, और वह और भी ज्यादा
मुझे ढूंढने में जुट गया था कि मेरा क्या हुआ। इसके अलावा
नौसेना में एविएटर और एयरलाइन पायलट होने के साथ-साथ, रिचर्ड एक वकील भी थे।
और ऐन को लगा कि इससे उसे मेरे दत्तक पुत्र के बारे में पता लगाने का अधिकार मिल गया।
पहचान। लेकिन रिचर्ड इतने सज्जन व्यक्ति थे कि वे अपने वादे से पीछे नहीं हट सकते थे।
1954 में दत्तक ग्रहण समझौता हुआ था, और उन्होंने इस मामले से खुद को दूर रखा।
1970 के दशक की शुरुआत में, जब वियतनाम में युद्ध अभी भी जारी था, ऐन को नौकरी नहीं मिल पा रही थी।
उसने मेरी जन्मतिथि अपने दिमाग से निकाल दी। मैं उन्नीस साल का हो जाऊंगा।
दिसंबर 1972। क्या मैं वहाँ जाऊँगा? अगर हाँ, तो मेरा क्या होगा?
वहाँ? शुरू में, मेरी योजना विमान उड़ाने के लिए मरीन में भर्ती होने की थी। मेरा सपना
यह 20/100 था, और वायु सेना को बिना किसी सुधार के 20/20 की आवश्यकता थी।

अफवाह थी कि मरीन हममें से उन लोगों को भी भर्ती कर लेंगे।
जिनकी दृष्टि 20/100 है, वे हमें उड़ना सिखाएंगे। हालाँकि, फिर उन्होंने शुरू कर दिया
वियतनाम युद्ध की समाप्ति हो रही थी, इसलिए मैंने कभी सेना में भर्ती नहीं कराया। मैं वहां से चला गया।
इसके बजाय मेडिकल स्कूल में दाखिला ले लिया। लेकिन ऐन को इस बारे में कुछ भी पता नहीं था। वसंत ऋतु में
1973 में, उन्होंने "हनोई हिल्टन" से बचे हुए युद्धबंदियों को देखा।
वे उत्तरी वियतनाम से लौट रहे विमानों से उतरे।
अपने परिचित लापता पायलटों को देखकर आधे से अधिक लोग बेहद दुखी थे।
रिचर्ड का नौसेना श्रेणी का जहाज विमानों से बाहर नहीं निकल पाया, और ऐन को वह मिल गया।
उसके मन में यह डर था कि शायद मैं भी वहीं मारा जा सकता था।
एक बार उसके मन में बस जाने के बाद वह छवि मिटने का नाम नहीं ले पाई, और वर्षों तक वह उसी छवि से ग्रस्त रही।
मुझे पूरा यकीन था कि वियतनाम के चावल के खेतों में मेरी एक भयानक मौत हो गई थी।
उसे यह जानकर अवश्य आश्चर्य होता कि उस समय मैं
वह चैपल हिल में उससे कुछ ही मील दूर थी!
2008 की गर्मियों में, मैं अपने जैविक पिता से मिला, उनके
भाई बॉब और उनके बहनोई, जिनका नाम भी बॉब था, लिचफील्ड में रहते थे।
बीच, साउथ कैरोलिना। मेरे भाई बॉब नौसेना में एक सम्मानित नायक थे।
कोरियाई युद्ध के दौरान और चाइना लेक (नौसेना के) में एक परीक्षण पायलट के रूप में।
कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में स्थित हथियार परीक्षण केंद्र, जहाँ उन्होंने अपने कौशल को निखारा।
साइडविंडर मिसाइल प्रणाली का उपयोग किया और एफ-104 स्टारफाइटर विमान उड़ाए)। इस बीच
रिचर्ड के बहनोई बॉब ने 1957 में ऑपरेशन सन रन के दौरान एफ-101 वूडू जेट फाइटर विमानों में गति का रिकॉर्ड
बनाया था, जो कि एक विश्वव्यापी रिले का रिकॉर्ड था।
पृथ्वी की परिक्रमा करते हुए सूर्य से भी आगे निकलना, वह भी औसतन 10 किमी/घंटा से अधिक की गति से।
1,000 मील प्रति घंटा।
मुझे ऐसा लगा जैसे यह मेरे लिए पुराने घर का सप्ताह हो।
मेरे जन्मदाता माता-पिता के साथ उन मुलाकातों ने मेरे अतीत के अंत की शुरुआत की।
मैं इन्हें अपने अज्ञान के वर्ष कहने लगा। वे वर्ष, जब मैं इस दौर से गुजरा।

सबसे आखिर में सीखने वाले को भी मेरे लिए उसी भयानक दर्द का सामना करना पड़ा था।
मेरे जन्मदाता माता-पिता की तरह, जैसे वे मेरे लिए थे।
एक ही घाव था जो कभी नहीं भरता था: दस साल पहले का नुकसान।
सन् 1998 में, मेरी सगी बहन बेट्सी (हाँ, वही नाम जो
मेरे दत्तक परिवार की बहनों में से एक, और उन दोनों ने रॉब से शादी की।
लेकिन यह एक अलग कहानी है)। सबने मुझे बताया था कि उसका दिल बहुत बड़ा था।
और, जब वह बलात्कार संकट केंद्र में काम नहीं कर रही होती थी, जहाँ वह अपना अधिकांश समय बिताती थी, तब वह बलात्कार संकट केंद्र में काम करती थी।
अपने समय की महिलाओं में से, वह आमतौर पर किसी जानवर को खाना खिलाते और उसकी देखभाल करते हुए पाई जाती थीं।
आवारा कुत्तों और बिल्लियों का एक छोटा सा संग्रह। ऐन ने उसे "एक असली फरिश्ता" कहा।
कैथी ने मुझे अपनी तस्वीर भेजने का वादा किया था। बेट्सी को काफी परेशानी हो रही थी।
ठीक वैसे ही शराब पी थी जैसे मैंने पी थी, और उसकी मृत्यु के बारे में जानकर, जो आंशिक रूप से उन लोगों द्वारा प्रेरित थी।
संघर्षों ने मुझे एक बार फिर यह एहसास दिलाया कि मैं कितना भाग्यशाली रहा हूँ।
अपनी समस्या सुलझाने के लिए। मैं बेत्सी से मिलने, उसे सांत्वना देने के लिए तरस रही थी—
उसे बताओ कि घाव भर सकते हैं, और सब ठीक हो जाएगा।
क्योंकि, अजीब बात है, अपने जन्म परिवार से मिलना ही मेरा पहला अनुभव था।
मेरे जीवन का वह समय जब मुझे लगा कि चीजें किसी न किसी तरह से ठीक हैं।
परिवार मायने रखता था, और मुझे मेरा परिवार—लगभग मेरा परिवार—वापस मिल गया था। यही था।
अपनी उत्पत्ति के ज्ञान के महत्व के बारे में मेरी पहली वास्तविक शिक्षा।
यह किसी व्यक्ति के जीवन को अप्रत्याशित तरीकों से ठीक कर सकता है। यह जानना कि मैं कहाँ से आया हूँ
मेरी जैविक उत्पत्ति ने मुझे चीजों को देखने और स्वीकार करने की अनुमति दी।
मैंने अपने भीतर ऐसी क्षमता पाई जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।
उनसे मिलने के बाद, मुझे आखिरकार उस झंझट को दूर करने की अनुमति मिल गई।
एक संदेह जिसे मैं अनजाने में ही अपने साथ लिए घूम रहा था:
मुझे संदेह था कि मैं चाहे जहाँ से भी आया हूँ, जैविक रूप से देखा जाए तो, मेरे पास

मुझे प्यार या परवाह नहीं मिली। अवचेतन रूप से, मैंने यह मान लिया था कि मैं

मुझे प्यार पाने या अस्तित्व में रहने का भी हक नहीं था। यह जानकर कि मैं

मुझे शुरू से ही जो प्यार मिला, उसने मुझे सबसे गहरे तरीके से ठीक करना शुरू कर दिया। मैंने एक ऐसी पूर्णता का अनुभव किया जो मैंने पहले कभी नहीं जानी थी।

पहले।

हालाँकि, इस क्षेत्र में यह मेरी एकमात्र खोज नहीं थी।

बनाना। दूसरा सवाल जिसका जवाब मुझे लगा था कि मिल चुका है

उस दिन एबेन के साथ कार में—यह सवाल कि क्या वास्तव में कोई है

वहाँ मौजूद ईश्वर के प्रति प्रेम अब भी कायम है, और मेरे मन में उत्तर अभी भी वही है।

नहीं।

सात दिन कोमा में बिताने के बाद ही मैंने उस बात पर दोबारा गौर किया।

सवाल। मुझे वहां भी एक बिलकुल अप्रत्याशित जवाब मिला।

. . .

12.

कोर

किसी चीज़ ने मुझे अपनी ओर खींचा। ऐसा नहीं था जैसे किसी ने मेरा हाथ पकड़ा हो, लेकिन
कुछ सूक्ष्म, कम भौतिक। यह कुछ-कुछ वैसा ही था जैसे सूरज डूबता है।
आप किसी बादल के पीछे होते हैं और आप महसूस करते हैं कि आपका मूड तुरंत बदल जाता है।
मैं कोर से दूर, वापस जा रहा था। उसका गहरा अंधकार धीरे-धीरे छंटने लगा।
गेटवे के हरे-भरे परिदृश्य में, अपनी सभी चकाचौंध भरी सुंदरता के साथ
परिदृश्य। नीचे देखते हुए, मैंने फिर से ग्रामीणों, पेड़ों और
चमकीली धाराएँ और झरने, साथ ही घुमावदार देवदूत-
ऊपर के प्राणी।
मेरी साथी भी वहीं थी। वह पूरे समय वहीं मौजूद थी।
बेशक, कोर की ओर मेरी पूरी यात्रा के दौरान, उसी रूप में
प्रकाश की गोलाकार गेंद। लेकिन अब वह एक बार फिर मानव रूप में थी।
उसने वही खूबसूरत पोशाक पहनी थी, और उसे दोबारा देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा।
जैसे कोई बच्चा किसी विशाल और अनजान शहर में खो जाता है और अचानक उसे कुछ मिल जाता है...
परिचित चेहरा। वह कितनी अनमोल थीं! "हम आपको बहुत सी चीजें दिखाएंगे,"
लेकिन तुम वापस जाओगे।" यह संदेश, बिना शब्दों के दिया गया
कोर के पथहीन अंधकार के प्रवेश द्वार पर, मैं वापस आ गया
अब मुझे समझ आ गया। मुझे यह भी समझ आ गया कि "वापस" का क्या मतलब होता है।
केंचुए की दृष्टि का वह क्षेत्र जहाँ से मैंने इसकी शुरुआत की थी
ओडिसी।
लेकिन इस बार यह अलग था। अंधेरे में नीचे उतरते हुए
इसके ऊपर क्या है, इसका पूरा ज्ञान होने के बावजूद, मुझे अब इसका अनुभव नहीं होता था।
मुझे शुरू में वहां जाने पर जो घबराहट हुई थी। शानदार

गेटवे का संगीत धीरे-धीरे बंद हो गया और धड़कन जैसी गूंज सुनाई देने लगी।
निम्न लोक में लौटकर, मैंने इन चीजों को एक वयस्क की तरह सुना और देखा।
वह स्थान जहाँ वह कभी भयभीत हुआ करता था, लेकिन अब नहीं।
भयभीत। धुंधलापन और अंधेरा, वे चेहरे जो उभरते और मिटते चले गए।
दूर, ऊपर से नीचे आने वाली धमनियों जैसी जड़ों में कोई भय नहीं था।
अब मेरे लिए, क्योंकि मैं समझ गया—बिना शब्दों के, मैंने समझ लिया
तब मुझे यह एहसास हुआ कि मैं अब इस जगह का निवासी नहीं हूं, बल्कि केवल यहां घूमने आया हूं।
लेकिन मैं दोबारा वहां क्यों जा रहा था?
मुझे इसका उत्तर उसी तात्कालिक, बिना शब्दों वाले तरीके से प्राप्त हुआ।
कि उस दिव्य संसार में उत्तर मिल चुके थे।
मुझे धीरे-धीरे यह एहसास होने लगा कि यह पूरा रोमांच एक तरह का भ्रमण था।
अदृश्य, आध्यात्मिक पक्ष का एक प्रकार का व्यापक अवलोकन
अस्तित्व। और सभी अच्छे टूर की तरह, इसमें सभी मंजिलें और सभी स्तर शामिल थे।
एक बार जब मैं निचले लोक में वापस आ गया, तो समय की अनिश्चितताओं ने मुझे इस दुनिया से परिचित करा दिया।
इस धरती के बारे में मुझे जो कुछ भी पता था, उससे परे की दुनियाएँ अभी भी मेरे सामने मौजूद थीं।
इस बात का थोड़ा-सा—भले ही बहुत थोड़ा-सा—अंदाजा हो कि यह कैसा लगता है, इस पर विचार करें कि
समय सपनों में प्रकट होता है। सपने में, "पहले" और "बाद में" का दृश्य दिखाई देता है।
ये जटिल पदनाम बन जाते हैं। आप सपने के एक हिस्से में हो सकते हैं और
आने वाली चीज़ों के बारे में जानो, भले ही तुमने अभी तक उसका अनुभव न किया हो। मेरा "समय"
उससे आगे कुछ ऐसा ही था—हालांकि मुझे इस बात पर भी जोर देना चाहिए
मेरे साथ जो कुछ हुआ, उसमें हमारे जैसी कोई अस्पष्ट उलझन नहीं थी।
धरती से जुड़े सपने, सिवाय शुरुआती चरणों के, जब मैं
अभी भी पाताल लोक में है।
इस बार मैं वहां कितनी देर रहा? मुझे फिर से कोई सटीक अंदाजा नहीं है—बिल्कुल भी नहीं।
इसका आकलन करने के लिए। लेकिन मुझे इतना पता है कि निचले लोक में लौटने के बाद, यह
मुझे यह पता लगाने में काफी समय लगा कि वास्तव में मेरा अपने जीवन पर कुछ नियंत्रण है।

बेशक—कि मैं अब इस निम्न जगत में फंसा हुआ नहीं था।
ठोस प्रयास से, मैं उच्चतर स्तरों पर वापस जा सकता था।
उस अंधकारमय गहराई में एक निश्चित बिंदु पर, मैंने खुद को यह कामना करते हुए पाया कि...
स्पिनिंग मेलोडी की वापसी होगी। शुरुआती दौर में सुरों को याद करने में थोड़ी मशक्कत के बाद,
मनमोहक संगीत, और उससे निकलने वाली प्रकाश की घूमती हुई गेंद।
वे मेरी चेतना में प्रकट हुए। उन्होंने एक बार फिर, मेरे भीतर से रास्ता बनाया।
मैं कीचड़ में फंस गया था, और मैं उठने लगा।
ऊपर के लोकों में, मैंने धीरे-धीरे यह जानना और सक्षम होना सीखा।
किसी चीज के बारे में सोचना ही उस ओर बढ़ने के लिए पर्याप्त है।
स्पिनिंग मेलोडी के बारे में सोचना इसे प्रकट करना था, और इसके लिए तरसना था।
उच्चतर लोकों में जाने का उद्देश्य स्वयं को वहाँ ले जाना था। जितना अधिक मैं परिचित होता जाऊँगा
जैसे-जैसे हम ऊपर की दुनिया से जुड़ते गए, वैसे-वैसे उसमें लौटना आसान होता गया।
अपने शरीर से बाहर रहने के दौरान, मैंने यह आगे-पीछे की प्रक्रिया पूरी की।
केंचुए की आंखों से देखे जाने वाले क्षेत्र के कीचड़ भरे अंधेरे से प्रवेश द्वार की हरी चमक की ओर और फिर काले रंग की ओर गति।
कोर के पवित्र अंधकार में कितनी बार। कितनी बार, यह मैं नहीं कह सकता।
बिल्कुल सही—क्योंकि वहाँ का समय जैसा था वैसा ही अनुवादित नहीं हो सकता।
पृथ्वी पर समय के बारे में हमारी धारणा। लेकिन हर बार जब मैं वहाँ पहुँचा...
मूल रूप से, मैंने पहले से कहीं अधिक गहराई में अध्ययन किया और अधिक सीखा।
वह निराला, शब्दों से परे का तरीका जिससे सभी बातें संप्रेषित होती हैं
इस दुनिया से ऊपर की दुनियाएँ।
इसका मतलब यह नहीं है कि मैंने पूरे ब्रह्मांड को देखा।
या तो केंचुए के दृष्टिकोण से मेरी मूल यात्रा में
मूल में, या उसके बाद आने वालों में। वास्तव में, सच्चाइयों में से एक यह है कि
कोर में हर बार जब मैं वापस लौटता था तो मुझे यही बात बार-बार समझ आती थी कि कैसे
अस्तित्व में मौजूद हर चीज को समझना असंभव होगा—चाहे वह उसका हो या उसका

इसका भौतिक/दृश्य पक्ष या इसका (कहीं अधिक विशाल) आध्यात्मिक/अदृश्य पक्ष,
उन अनगिनत अन्य ब्रह्मांडों का तो जिक्र ही नहीं करना चाहिए जो मौजूद हैं या कभी अस्तित्व में रहे हैं।
अस्तित्व में था।
लेकिन इन सब बातों का कोई महत्व नहीं था, क्योंकि मुझे पहले ही यह सिखाया जा चुका था।
एक चीज—सिर्फ एक चीज—जो अंततः वास्तव में मायने रखती है।
मुझे यह जानकारी सबसे पहले मेरी प्यारी से मिली थी।
मेरे पहले प्रवेश के समय तितली के पंख पर सवार साथी
गेटवे। यह तीन भागों में आया था, और इसे पूरा करने का एक और प्रयास करने के लिए।
इसे शब्दों में व्यक्त करें (क्योंकि जाहिर है कि इसे शुरू में बिना शब्दों के ही प्रस्तुत किया गया था),
यह कुछ इस तरह चलेगा:
आपको प्यार किया जाता है और आपकी कदर की जाती है।
आपको डरने की कोई जरूरत नहीं है।
आप कुछ भी गलत नहीं कर सकते।
अगर मुझे इस पूरे संदेश को एक वाक्य में समेटना हो, तो वह यह होगा:
इस तरह चलाएँ:
आपको प्यार किया जाता है।
और अगर मुझे इसे और भी संक्षिप्त करके सिर्फ एक शब्द में कहना हो, तो वह होगा (का)
पाठ्यक्रम) बस इतना ही:
प्यार।
प्रेम निःसंदेह हर चीज का आधार है। यह कोई अमूर्त चीज नहीं है,
एक ऐसा प्यार जिसे समझना मुश्किल है, लेकिन वह रोजमर्रा का प्यार जिसे हर कोई जानता है—वह प्यार जो हम अपने जीवनसाथी को देखकर महसूस करते हैं।
बच्चे, या यहाँ तक कि हमारे जानवर भी। अपने सबसे शुद्ध और सबसे शक्तिशाली रूप में,
यह प्रेम ईर्ष्यालु या स्वार्थी नहीं, बल्कि निःशर्त है। यही वास्तविकता है।
वास्तविकताओं का, सत्यों का वह अकथनीय गौरवशाली सत्य जो जीवित है और
यह हर उस चीज के मूल में सांस लेता है जो मौजूद है या जो कभी मौजूद होगी।

और हम कौन हैं और क्या हैं, इसकी दूर-दूर तक सटीक समझ संभव नहीं है।
इसे कोई भी व्यक्ति प्राप्त कर सकता है जो इसे नहीं जानता, और इसे अपने सभी स्वरूपों में समाहित कर सकता है।
उनके कार्यों।
क्या इसमें कोई वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि नहीं है? खैर, मैं इससे असहमत हूँ। मैं वापस आ गया हूँ।
वह जगह, और कोई भी मुझे यह विश्वास नहीं दिला सकता कि यह केवल वही नहीं है
ब्रह्मांड में सबसे महत्वपूर्ण भावनात्मक सत्य, लेकिन साथ ही साथ
यह सबसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सत्य भी है।
मैं अपने अनुभव के बारे में बात कर रहा हूं, साथ ही दूसरों से भी मिल रहा हूं।
जो लोग मृत्यु के निकट के अनुभवों का अध्ययन करते हैं या उनसे गुजर चुके हैं, उनके लिए
कई साल हो गए हैं। मुझे पता है कि बिना शर्त प्यार शब्द का इस्तेमाल होता है।
उन समूहों में इस बारे में बहुत चर्चा होती है। हममें से कितने लोग समझ पाते हैं कि क्या है?
इसका असल मतलब क्या है?
मुझे पता है कि यह शब्द इतनी बार क्यों प्रयोग में आता है।
क्योंकि बहुत से अन्य लोगों ने भी वही देखा और अनुभव किया है जो मैंने किया है।
किया। लेकिन मेरी तरह, जब ये लोग सांसारिक स्तर पर वापस आते हैं,
वे अपने अनुभवों को व्यक्त करने के लिए केवल शब्दों पर ही निर्भर हैं, और केवल शब्दों पर ही।
ऐसी अंतर्दृष्टियाँ जो शब्दों की शक्ति से पूरी तरह परे हैं। यह कोशिश करने जैसा है।
केवल आधी वर्णमाला का उपयोग करके एक उपन्यास लिखना।
अधिकांश निकट भविष्य के अनुभवों से गुजरने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी बाधा यह नहीं है कि कैसे...
सांसारिक दुनिया की सीमाओं के अनुकूल फिर से ढलना—हालांकि यह संभव है
यह निश्चित रूप से एक चुनौती होगी—लेकिन वे अपने प्यार को कैसे व्यक्त करें, यह एक चुनौती होगी।
वहां का अनुभव वास्तव में कैसा लगता है?
भीतर ही भीतर, हम सब पहले से ही जानते हैं। ठीक वैसे ही जैसे 'द विजार्ड ऑफ ओज़' में डोरोथी जानती थी।
घर लौटने की क्षमता हमेशा से हमारे पास रही है, हमारे पास यह क्षमता है।
उस रमणीय जगत से अपना संबंध पुनः स्थापित करें। हम बस यह भूल जाते हैं कि हम
हां, क्योंकि हमारे अस्तित्व के मस्तिष्क-आधारित, शारीरिक भाग के दौरान,

हमारा मस्तिष्क उस विशाल ब्रह्मांडीय पृष्ठभूमि को अवरुद्ध कर देता है, या ढक देता है, ठीक उसी तरह जैसे
सूर्य का प्रकाश हर सुबह तारों को देखने से रोक देता है। कल्पना कीजिए कि अगर हम कभी तारे न देख पाएं तो ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ कितनी सीमित हो जाएगी।
तारों से जगमगाता रात्रि आकाश।
हम केवल वही देख सकते हैं जो हमारे मस्तिष्क का फ़िल्टर हमें देखने देता है। मस्तिष्क—में
विशेष रूप से इसका बायां भाषाई/तार्किक भाग, जो हमारे
तर्कसंगतता की भावना और एक स्पष्ट रूप से परिभाषित अहंकार होने का अहसास या
हमारा अहंकार हमारे उच्च ज्ञान और अनुभव के लिए एक बाधा है।
मेरा मानना है कि हम अपने अस्तित्व के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं।
हमें यहाँ रहते हुए उस व्यापक ज्ञान को और अधिक पुनः प्राप्त करने की आवश्यकता है।
पृथ्वी पर, जबकि हमारे मस्तिष्क (इसके बाएं हिस्से के विश्लेषणात्मक भागों सहित)
पूरी तरह से कार्यशील। विज्ञान—वह विज्ञान जिसके लिए मैंने अपना इतना समय समर्पित किया है।
मेरे जीवन का—यह ऊपर मैंने जो सीखा, उसका खंडन नहीं करता। लेकिन बहुत, बहुत ज़्यादा
बहुत से लोग मानते हैं कि ऐसा होता है, क्योंकि कुछ सदस्य
भौतिकवादी विश्वदृष्टि के प्रति प्रतिबद्ध वैज्ञानिक समुदाय,
बार-बार इस बात पर जोर दिया गया है कि विज्ञान और आध्यात्मिकता एक दूसरे से मेल नहीं खा सकते।
सहअस्तित्व।
वे गलत हैं। इस प्राचीन लेकिन अंततः मूलभूत तथ्य को गलत साबित करना।
इस पुस्तक को लिखने का मेरा कारण अधिक व्यापक रूप से ज्ञात है, और यह सभी को स्पष्ट करता है।
मेरी कहानी के अन्य पहलू—मुझे यह बीमारी कैसे हुई, इसका रहस्य—
बीमारी के दौरान, मैं दूसरे आयाम में कैसे सचेत रहने में कामयाब रहा?
मेरे कोमा का वह सप्ताह, और मैं किसी तरह पूरी तरह से ठीक हो गया—
पूरी तरह से गौण।
मुझे जो निःशर्त प्रेम और स्वीकृति मिली,
यह यात्रा मेरे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण खोज है, या
जितना कभी बनाया जाएगा, और मुझे पता है कि इसे खोलना कितना मुश्किल होने वाला है

वहां रहते हुए मैंने जो अन्य सबक सीखे, उन्हें मैं अपने दिल से जानता हूँ कि
इस बेहद बुनियादी संदेश को साझा करना—एक ऐसा सरल संदेश जिसे अधिकांश बच्चे समझ सकें
इसे सहजता से स्वीकार करना ही मेरा सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।

13.

बुधवार

दो दिनों तक, "बुधवार" चर्चा का विषय बना रहा—वह दिन जो मेरे लिए सबसे खास था।
मेरी संभावनाओं का वर्णन करते समय डॉक्टरों के होंठ एक जैसे थे। जैसे: "हमें उम्मीद है"
बुधवार तक कुछ सुधार देखने को मिलेगा। और अब बुधवार आ गया है।
मेरी स्थिति में जरा सा भी बदलाव नहीं आया।
मैं पापा से कब मिल सकता हूँ?
यह सवाल—एक दस वर्षीय बच्चे के लिए स्वाभाविक है जिसके पिता...
अस्पताल—बॉन्ड से नियमित रूप से आ रहा था जब से मैं गया था
हॉली सोमवार को कोमा में चली गई। वह अब तक सफलतापूर्वक इस बीमारी से लड़ रही थीं।
दो दिन तक, लेकिन बुधवार की सुबह उसने फैसला किया कि अब समय आ गया है
इसका समाधान करें।
जब हॉली ने सोमवार रात को बॉन्ड को बताया कि मैं घर पर नहीं हूँ
अस्पताल से छुट्टी मिलने के बावजूद, क्योंकि मैं "बीमार" था, उसने वह सब कुछ गढ़ लिया जो वह
दस साल के जीवन में अब तक, इस शब्द का उनके लिए हमेशा यही अर्थ रहा था:
खांसी, गले में खराश—शायद सिरदर्द। ठीक है, उनकी सराहना
सिरदर्द वास्तव में कितना दर्दनाक हो सकता है, इस बारे में बहुत कुछ पता नहीं था।
सोमवार सुबह उसने जो देखा था, उससे उसका दायरा बढ़ गया था। लेकिन जब हॉली
आखिरकार उस बुधवार दोपहर को उसे अस्पताल लाया गया, वह
अब भी उसे उम्मीद है कि उसका स्वागत उससे बिल्कुल अलग किसी चीज से होगा।
मैंने अस्पताल के बिस्तर पर यह सब देखा।
बॉन्ड ने एक शव देखा जो पहले से ही उससे केवल दूर से मिलता-जुलता था।
जिसे वह अपने पिता के रूप में जानता था। जब कोई सो रहा होता है, तो आप देख सकते हैं।
उनकी ओर देखो और उन्हें बताओ कि शरीर में अभी भी एक व्यक्ति निवास कर रहा है।

उपस्थिति। लेकिन अधिकांश डॉक्टर आपको बताएंगे कि जब कोई व्यक्ति
कोमा में है (भले ही वे आपको इसका सटीक कारण न बता पाएं)। शरीर वहीं है,
लेकिन एक अजीब, लगभग शारीरिक अनुभूति होती है कि व्यक्ति
लापता। उनका सार, अकथनीय रूप से, कहीं और है।
एबेन चतुर्थ और बॉन्ड हमेशा से बहुत करीबी थे, तब से जब से एबेन ने चुनाव लड़ा था।
जन्म के कुछ ही मिनट बाद बॉन्ड को प्रसव कक्ष में ले जाकर उसे गले लगाने के लिए।
मुझे एक नया भाई मिल गया। एबेन मेरी कोमा की अवस्था के तीसरे दिन अस्पताल में बॉन्ड से मिला और उसने स्थिति को
मेरे लिए सकारात्मक रूप देने की पूरी कोशिश की।
उसका छोटा भाई। और, स्वयं भी मुश्किल से एक लड़का होने के कारण, वह
उसने एक ऐसा परिदृश्य तैयार किया जिसमें उसे लगा कि बॉन्ड सक्षम होगा।
सराहना करना: एक लड़ाई।
"चलो जो कुछ हो रहा है उसकी एक तस्वीर बना लेते हैं ताकि पिताजी जब यहाँ आएँ तो उसे देख सकें।"
"यह बेहतर हो रहा है," उसने बॉन्ड से कहा।
तो अस्पताल के भोजन कक्ष में एक मेज पर, उन्होंने एक बड़ी सी शीट बिछा दी।
मैंने नारंगी कागज पर जो कुछ हो रहा था उसका चित्रण बनाया।
मेरे बेहोश शरीर के अंदर। उन्होंने मेरी श्वेत रक्त कोशिकाएं निकालीं, पहने हुए।
लबादे ओढ़े और तलवारों से लैस होकर, मेरे घिरे हुए क्षेत्र की रक्षा कर रहे हैं
दिमाग। और, अपनी-अपनी तलवारों से लैस और थोड़े अलग
वर्दी पहने हुए, उन्होंने हमलावर ई. कोलाई को आकर्षित किया। आमने-सामने की लड़ाई हुई।
युद्ध छिड़ गया, और दोनों पक्षों के मारे गए लोगों के शव इधर-उधर बिखरे पड़े थे।
के बारे में।
यह अपने तरीके से काफी सटीक प्रतिनिधित्व था। बस एक ही बात थी।
इसके बारे में जो जानकारी गलत थी, उसे सरलीकरण को ध्यान में रखते हुए।
मेरे शरीर के अंदर जो घटना घट रही थी, वह स्पष्ट रूप से अधिक जटिल थी...
जिस तरह से लड़ाई चल रही थी। एबेन और बॉन्ड के वर्णन में, लड़ाई
खेल तेज गति से चल रहा था और दोनों टीमें संघर्ष कर रही थीं।

परिणाम अनिश्चित है—हालांकि, निश्चित रूप से, श्वेत रक्त कोशिकाएं ऐसा करेंगी।
अंततः जीत हासिल होगी। लेकिन जब वह बॉन्ड के साथ बैठा था, तो रंगीन मार्कर फैल गए।
मेज पर, घटनाओं के इस भोले-भाले संस्करण में हिस्सा लेने की कोशिश कर रहा था, एबेन।
यह जानते हुए कि वास्तव में, लड़ाई अब उतनी तीव्र या अनिश्चित नहीं रह गई थी।
और उसे पता था कि कौन सी टीम जीत रही है।

14.

एक विशेष प्रकार का एनडीई (नव अनुभव)

मनुष्य का वास्तविक मूल्य मुख्यतः इस बात से निर्धारित होता है कि...
माप और वह अर्थ जिसमें उसने मुक्ति प्राप्त की है
खुद।
—अल्बर्ट आइंस्टीन (1879–1955)

जब मैं शुरू में केंचुए के नजरिए के दायरे में था, तब मेरे पास
चेतना का कोई वास्तविक केंद्र नहीं था। मुझे नहीं पता था कि मैं कौन हूँ या क्या हूँ।
भले ही मैं था। मैं बस... वहाँ था, एक विलक्षण चेतना के रूप में।
एक ऐसे धुंधले, अंधेरे, कीचड़ भरे शून्य के बीच, जिसका कोई आरंभ नहीं था
और, जाहिरा तौर पर, इसका कोई अंत नहीं है।
लेकिन अब मुझे पता चल गया था। मैं समझ गया था कि मैं ईश्वर का अंश हूँ।
और यह कि कुछ भी—बिल्कुल कुछ भी—इसे कभी छीन नहीं सकता।
यह (झूठा) संदेह कि हम किसी तरह ईश्वर से अलग हो सकते हैं,
ब्रह्मांड में व्याप्त हर प्रकार की चिंता का मूल कारण और उसका इलाज—
जो मुझे आंशिक रूप से गेटवे के भीतर और पूरी तरह से प्राप्त हुआ।
मूल तत्व यह ज्ञान था कि कोई भी चीज हमें ईश्वर से अलग नहीं कर सकती।
हमेशा। यह ज्ञान—और यह सबसे महत्वपूर्ण बात बनी रहेगी।
मैंने अब तक जो कुछ भी सीखा है—उसने केंचुए की दृष्टि से इस जगत को वंचित कर दिया है
इसके आतंक ने मुझे इसे उसके वास्तविक स्वरूप में देखने की अनुमति दी: एक नहीं
यह ब्रह्मांड का एक बेहद सुखद, लेकिन निस्संदेह आवश्यक हिस्सा है।
बहुत से लोग उन क्षेत्रों की यात्रा कर चुके हैं जहाँ मैं गया था, लेकिन, अजीब बात है कि
पर्याप्त रूप से, अधिकांश लोग पृथ्वी से दूर रहते हुए भी अपनी सांसारिक पहचान को याद रखते थे।

अपने सांसारिक स्वरूपों में। वे जानते थे कि वे जॉन स्मिथ या जॉर्ज हैं।
जॉनसन या सारा ब्राउन। वे इस तथ्य को कभी नहीं भूले कि वे
वे पृथ्वी पर रहते थे। उन्हें इस बात का ज्ञान था कि उनके जीवित रिश्तेदार अभी भी मौजूद हैं।
वे वहाँ इंतज़ार कर रहे थे और उम्मीद कर रहे थे कि वे वापस आ जाएँगे। कई मायनों में वे भी।
ऐसे मामलों में, वे अपने से पहले मर चुके दोस्तों और रिश्तेदारों से मिले, और
इन मामलों में भी, उन्होंने उन लोगों को तुरंत पहचान लिया।
कई एनडीई प्रतिभागियों ने जीवन की समीक्षा करने की सूचना दी है, जिसमें
उन्होंने विभिन्न लोगों के साथ अपने मेलजोल और उसके अच्छे या बुरे परिणामों को देखा।
उनके जीवनकाल के दौरान की गई कार्रवाइयां।
मैंने इनमें से किसी भी घटना का अनुभव नहीं किया, और इन सभी को मिलाकर देखें तो वे
मेरे प्रत्यक्ष अनुभव के सबसे असामान्य पहलू को प्रदर्शित करें। मैं था
मैं अपनी शारीरिक पहचान से पूरी तरह मुक्त हूँ, ताकि कोई भी क्लासिक
एक ऐसी प्रत्यक्ष अनुभव घटना जिसमें मुझे यह याद आया हो कि मैं कौन था
पृथ्वी पर इसकी सख्त कमी थी।
यह कहना गलत होगा कि उस समय तक मुझे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि मैं कौन हूँ।
मैं कहाँ से आया था या मैं कहाँ का था, यह थोड़ा उलझन भरा लग सकता है, मुझे पता है।
आखिर मैं इन सभी आश्चर्यजनक रूप से जटिल और
खूबसूरत चीजें, मैं अपने बगल वाली लड़की को कैसे देख सकता था, और
खिलते हुए पेड़, झरने और ग्रामीण, और फिर भी उन्हें पता नहीं है कि
क्या ये अनुभव मुझे, एबेन अलेक्जेंडर को ही हो रहे थे? कैसे?
क्या मैं अपने सभी कार्यों को समझ सकता था, फिर भी यह महसूस नहीं कर सकता था कि पृथ्वी पर मैं एक
डॉक्टर, पति और पिता? एक ऐसा व्यक्ति जो पेड़ों को नहीं देख रहा था और
गेटवे में प्रवेश करते ही मैंने पहली बार नदियाँ और बादल देखे, लेकिन
एक ऐसा व्यक्ति जिसने बचपन में ऐसे कई दृश्य देखे थे।
उत्तरी कैरोलिना के विंस्टन-सलेम के ठोस और सांसारिक इलाके में
कैरोलिना?

मेरे जवाब का सबसे अच्छा तरीका यह बताना है कि मैं एक ऐसी स्थिति में था
आंशिक लेकिन लाभकारी स्मृतिलोप वाले व्यक्ति के समान। अर्थात्,
एक ऐसा व्यक्ति जो अपने बारे में किसी महत्वपूर्ण पहलू को भूल गया हो, लेकिन
इसे भूल जाने से किसे लाभ होता है, भले ही थोड़े समय के लिए ही सही?
जबकि।
मुझे अपने सांसारिक स्वरूप को न भूलने से क्या लाभ हुआ? इसने मुझे
बिना किसी चिंता के सांसारिक सीमाओं से परे के क्षेत्रों में गहराई तक जाने के लिए
मैं जो पीछे छोड़ रहा था, उसके बारे में। उन जगहों पर अपने पूरे समय के दौरान
मैं एक ऐसी आत्मा थी जिसके पास खोने को कुछ नहीं था। न कोई जगह जिसे याद करना हो, न कोई लोग।
शोक मनाने के लिए। मैं कहीं से नहीं आया था और मेरा कोई इतिहास नहीं था, इसलिए मैं पूरी तरह से
मैंने अपनी परिस्थितियों को स्वीकार कर लिया—यहां तक कि शुरुआती धुंध और अव्यवस्था को भी।
केंचुए के दृष्टिकोण का क्षेत्र—समभाव के साथ।
और क्योंकि मैं अपनी नश्वर पहचान को पूरी तरह से भूल गया था, इसलिए मुझे उस सच्चे ब्रह्मांडीय अस्तित्व तक पूर्ण पहुँच प्राप्त हुई जो मैं वास्तव में हूँ (और हम सभी)।
(हैं)। एक बार फिर, कुछ मायनों में मेरा अनुभव एक के समान था।
एक ऐसा सपना, जिसमें आपको अपने बारे में कुछ बातें याद आती हैं
अन्य चीजों को पूरी तरह से भूल जाना। लेकिन फिर भी यह केवल आंशिक है।
यह एक उपयोगी उपमा है, क्योंकि जैसा कि मैं बार-बार जोर देता हूं, गेटवे और
मूल तत्व दूर-दूर तक स्वप्निल नहीं थे, बल्कि अति-वास्तविक थे—भ्रम से परे।
जितना संभव हो सकता है। 'हटा दिया गया' शब्द का प्रयोग करने से ऐसा लगता है मानो...
मेरे सांसारिक स्मृतियों का अभाव, जब मैं उस लोक में था
अर्थवर्म की नज़र से, गेटवे और कोर कुछ हद तक
यह जानबूझकर किया गया था। अब मुझे संदेह है कि ऐसा ही हुआ था। जोखिम उठाकर भी।
सरलीकरण करने की बात करें तो, मुझे और भी कठिन मृत्यु का सामना करने और गहराई तक यात्रा करने की अनुमति मिली।
मुझसे पहले के लगभग सभी एनडीई विषयों की तुलना में।

यह सुनने में भले ही अहंकारपूर्ण लगे, लेकिन मेरा इरादा ऐसा नहीं है। अमीर
निकट भविष्य के अनुभवों (एनडीई) पर आधारित साहित्य मेरे स्वयं के अनुभवों को समझने में महत्वपूर्ण साबित हुआ है।
कोमा में रहते हुए मैंने यह यात्रा की। मैं यह दावा नहीं कर सकता कि मुझे पता है कि मुझे यह अनुभव क्यों हुआ।
मुझे पहले भी अनुभव हुआ था, लेकिन अब (तीन साल बाद) मुझे अन्य प्रत्यक्ष अनुभव (एनडीई) के बारे में पढ़कर पता चला है।
साहित्य में यह बात प्रचलित है कि उच्चतर लोकों में प्रवेश करने की प्रवृत्ति एक
यह एक क्रमिक प्रक्रिया है और इसके लिए व्यक्ति को अपनी सहमति देनी होती है।
उच्च स्तर पर जाने से पहले वह जिस भी स्तर पर हो, उससे लगाव बनाए रखना या
और गहरा।
यह मेरे लिए कोई समस्या नहीं थी, क्योंकि मेरे पूरे अनुभव के दौरान मैंने
उसे सांसारिक यादें बिलकुल भी नहीं थीं, और केवल दर्द और
मुझे सबसे ज्यादा दुख तब हुआ जब मुझे धरती पर वापस लौटना पड़ा, जहां से मैंने शुरुआत की थी।

15.

भूलने का उपहार

हमें स्वतंत्र इच्छाशक्ति में विश्वास रखना चाहिए। हमारे पास कोई विकल्प नहीं है।
—इसाक बी. सिंगर (1902–1991)

आज अधिकांश वैज्ञानिकों द्वारा मानव चेतना के संबंध में जो दृष्टिकोण अपनाया जाता है, वह यह है कि
यह डिजिटल जानकारी से बना है—यानी, मूल रूप से डेटा से।
कंप्यूटर द्वारा उपयोग किए जाने वाले समान प्रकार के डेटा। हालाँकि इस डेटा के कुछ अंश—देखते हुए
एक शानदार सूर्यास्त, पहली बार एक सुंदर सिम्फनी सुनना,
यहां तक कि प्यार में पड़ना भी—हमारे लिए किसी और चीज़ से कहीं अधिक गहरा या खास महसूस हो सकता है।
हमारे मस्तिष्क में अनगिनत अन्य प्रकार की जानकारी उत्पन्न और संग्रहित होती है,
यह वास्तव में महज एक भ्रम है। सभी भाग वास्तव में गुणात्मक रूप से एक समान हैं।
वही। हमारा मस्तिष्क बाहरी वास्तविकता का मॉडल बनाने के लिए उस जानकारी का उपयोग करता है जो हमें प्राप्त होती है।
यह हमारी इंद्रियों के माध्यम से ग्रहण होता है और इसे एक समृद्ध डिजिटल रूप में परिवर्तित करता है।
टेपेस्ट्री। लेकिन हमारी धारणाएँ केवल एक मॉडल हैं—वास्तविकता नहीं।
माया।
यह मेरा भी विचार था। मुझे याद है कि मैं
मेडिकल स्कूल और कभी-कभी ऐसे तर्क सुनना कि
चेतना एक अत्यंत जटिल कंप्यूटर से अधिक कुछ नहीं है।
कार्यक्रम। इन तर्कों से पता चलता है कि लगभग दस अरब
हमारे मस्तिष्क में लगातार सक्रिय रहने वाले न्यूरॉन्स एक प्रकार का उत्पादन करने में सक्षम होते हैं।
चेतना और स्मृति का जीवनकाल।
यह समझने के लिए कि मस्तिष्क वास्तव में हमारी पहुंच को कैसे अवरुद्ध कर सकता है

उच्चतर लोकों के ज्ञान को हमें स्वीकार करना होगा—कम से कम
फिलहाल, काल्पनिक रूप से कहें तो—कि मस्तिष्क स्वयं ऐसा नहीं करता है
चेतना उत्पन्न करना। इसके बजाय, यह एक प्रकार का कम करने वाला वाल्व है या
फ़िल्टर, हमारे भीतर मौजूद व्यापक, गैर-भौतिक चेतना को स्थानांतरित करता है
अभौतिक जगत को एक अधिक सीमित क्षमता में समेटना
हमारे नश्वर जीवन की अवधि। सांसारिक दृष्टिकोण से, एक
इसका एक बहुत ही स्पष्ट लाभ है। ठीक उसी तरह जैसे हमारा दिमाग हर दिन कड़ी मेहनत करता है।
हमारे जागृत जीवन का वह क्षण जब हम अपने भौतिक परिवेश से आने वाली संवेदी सूचनाओं की बाढ़ को छानते हैं, उनमें से उचित सूचनाओं का चयन करते हैं।
हमें वास्तव में जीवित रहने के लिए जिन सामग्रियों की आवश्यकता होती है, उन्हें भूल जाना ही गलत है।
हमारी पारलौकिक पहचान हमें दूर-दूर तक "यहाँ और अभी" मौजूद रहने की अनुमति भी देती है।
अधिक प्रभावी ढंग से। ठीक वैसे ही जैसे सामान्य जीवन का अधिकांश भाग बहुत अधिक होता है।
हमें एक ही बार में सारी जानकारी ग्रहण करनी होती है और फिर भी हम अपना काम कर पाते हैं, क्योंकि
वर्तमान से परे की दुनियाओं के प्रति अत्यधिक सचेत रहने से
इससे हमारी प्रगति और भी धीमी हो जाएगी। अगर हमें इसके बारे में बहुत ज्यादा पता चल जाए तो...
अगर हम अभी आध्यात्मिक जगत में हैं, तो पृथ्वी पर अपने जीवन को जीना एक चुनौती होगी।
यह पहले से भी कहीं अधिक बड़ी चुनौती है। (इसका मतलब यह नहीं है कि हम)
हमें वर्तमान से परे की दुनियाओं के बारे में सचेत नहीं होना चाहिए—केवल इतना कि यदि हम हैं
अपनी भव्यता और विशालता के प्रति अत्यधिक सचेत होकर, वे रोक सकते हैं।
(जब तक हम पृथ्वी पर हैं तब तक कार्रवाई करें।) अधिक उद्देश्य-केंद्रित दृष्टिकोण से
परिप्रेक्ष्य (और अब मेरा मानना है कि ब्रह्मांड इसके बिना कुछ भी नहीं है)
उद्देश्यपूर्ण तरीके से, अपनी स्वतंत्र इच्छाशक्ति के माध्यम से सही निर्णय लेना
अगर हम धरती पर मौजूद बुराई और अन्याय का सामना करते हैं तो इसका महत्व बहुत कम हो जाएगा।
यहां रहते हुए, मुझे उस चीज़ की पूरी सुंदरता और चमक याद आ गई जो
हमारा इंतजार कर रहा है।
मुझे इन सब बातों का इतना यकीन क्यों है? इसके दो कारण हैं। पहला यह कि मैं

मुझे यह दिखाया गया (उन प्राणियों द्वारा जिन्होंने मुझे गेटवे में रहते हुए सिखाया था)
और कोर), और दूसरा कारण यह है कि मैंने वास्तव में इसका अनुभव किया है।
अपने शरीर से परे, मुझे प्रकृति और उसके बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ।
ब्रह्मांड की वह संरचना जो मेरी समझ से परे थी।
लेकिन फिर भी मुझे यह मिल गया, काफी हद तक इसलिए क्योंकि, मेरी सांसारिक
अपनी चिंताओं को दूर करने के बाद, मेरे पास ऐसा करने के लिए जगह थी। अब जब मैं
धरती पर वापस आकर अपनी शारीरिक पहचान, उस बीज को याद करना
पारलौकिक ज्ञान को एक बार फिर ढक दिया गया है। और फिर भी
यह अभी भी मौजूद है। मैं इसे हर पल महसूस कर सकता हूँ। इसमें सालों लगेंगे।
पृथ्वी के वातावरण को साकार होने में वर्षों लगेंगे।
अपनी नश्वर, भौतिक बुद्धि का उपयोग करके, जो मैंने समझा था उसे समझने के लिए
मस्तिष्क-मुक्त दुनिया के बाहरी क्षेत्रों में तुरंत और आसानी से। फिर भी
मुझे पूरा विश्वास है कि मेरी कड़ी मेहनत से, उस ज्ञान का अधिकांश भाग प्राप्त हो जाएगा।
घटनाक्रम आगे भी जारी रहेगा।
यह कहना कि ब्रह्मांड के बारे में हमारी वर्तमान वैज्ञानिक समझ और मेरे द्वारा देखे गए सत्य के बीच अभी भी एक खाई है, एक
यह तो बहुत ही कम करके कहा गया है। मुझे अब भी भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान से प्यार है, अब भी।
मुझे हमारे विशाल और अद्भुत ब्रह्मांड का अध्ययन करना बहुत पसंद है। लेकिन अब मेरे पास एक
"विशाल" और "अद्भुत" की अवधारणा का बहुत विस्तार हुआ है।
मतलब। ब्रह्मांड का भौतिक पक्ष धूल के एक कण के समान है।
अदृश्य और आध्यात्मिक भाग की तुलना में। मेरे पूर्व दृष्टिकोण में, आध्यात्मिक
यह ऐसा शब्द नहीं था जिसका प्रयोग मैं वैज्ञानिक चर्चा के दौरान करता।
बातचीत। अब मुझे लगता है कि यह एक ऐसा शब्द है जिसे हम नजरअंदाज नहीं कर सकते।
बाहर।
मूल रूप से, जिसे हम "अंधेरी ऊर्जा" कहते हैं, उसके बारे में मेरी समझ और
"डार्क मैटर" की स्पष्ट व्याख्याएँ प्रतीत होती थीं, जैसा कि कई अन्य अवधारणाओं के मामले में भी था।

हमारे ब्रह्मांड की संरचना के उन्नत घटक जिन्हें मनुष्य
वे सालों तक इस पर ध्यान नहीं देंगे।
लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि मैं आपको उन्हें समझा सकता हूँ।
क्योंकि—विरोधाभासी रूप से—मैं अभी भी समझने की प्रक्रिया में हूँ
मैं उन्हें स्वयं समझाऊँगा। शायद उस हिस्से को व्यक्त करने का सबसे अच्छा तरीका यही है।
मेरे अनुभव से यह पता चलता है कि मुझे एक अन्य, व्यापक प्रकार के अनुभव का पूर्वाभास हुआ था।
ज्ञान: एक ऐसा ज्ञान जिसे मेरा मानना है कि मनुष्य भविष्य में प्राप्त कर सकेगा।
भविष्य में इनकी संख्या और भी अधिक होगी। लेकिन इस जानकारी को अभी संप्रेषित करना आवश्यक है।
यह कुछ हद तक चिंपैंजी होने जैसा है, जो एक दिन के लिए इंसान बन जाता है।
मानव ज्ञान के सभी चमत्कारों का अनुभव करें, और फिर
अपने चिंपैंजी दोस्तों के पास लौटकर उन्हें यह बताने की कोशिश करना कि क्या हुआ था
जैसे कई अलग-अलग रोमांस भाषाओं का ज्ञान, कैलकुलस का ज्ञान, और
ब्रह्मांड का विशाल आकार।
ऊपर, मेरे मन में एक प्रश्न उठता, और उसका उत्तर होता...
एक ही समय पर उत्पन्न होना, जैसे उसके ठीक बगल में कोई फूल उगता है।
लगभग ऐसा ही लगता है, जैसे ब्रह्मांड में कोई भी भौतिक कण वास्तव में मौजूद नहीं है।
एक दूसरे से अलग, इसलिए उसी तरह ऐसी कोई चीज नहीं थी
एक प्रश्न के रूप में जिसका कोई उत्तर नहीं था। ये उत्तर थे
ये कोई साधारण "हाँ" या "ना" का मामला नहीं था। ये विशाल वैचारिक मुद्दे थे।
जीवंत विचारों की विस्मयकारी संरचनाएं, जो शहरों जितनी ही जटिल हैं।
इतने विशाल विचार कि उनमें अपना रास्ता खोजने में मुझे कई जन्म लग जाते।
अगर मैं सांसारिक विचारों तक ही सीमित रहता तो शायद ऐसा नहीं होता। लेकिन मैं सीमित नहीं था। मैंने उस सांसारिक विचार शैली को तितली की तरह झटक कर त्याग दिया था।
प्यूपा से।
मैंने पृथ्वी को विशाल अंधकार में एक हल्के नीले बिंदु के रूप में देखा।
भौतिक स्थान। मैं देख सकता था कि पृथ्वी एक ऐसी जगह है जहाँ अच्छाई और

बुराई मिश्रित थी, और यही इसकी अनूठी विशेषताओं में से एक थी।
पृथ्वी पर बुराई से कहीं अधिक अच्छाई है, लेकिन पृथ्वी एक ऐसी जगह है
जहां बुराई को इस तरह से प्रभाव हासिल करने की अनुमति दी जाती है जो पूरी तरह से
अस्तित्व के उच्च स्तरों पर यह असंभव है। बुराई कभी-कभी ऐसा कर सकती है।
प्रभुत्व प्राप्त करना सृष्टिकर्ता द्वारा ज्ञात और अनुमत था।
हम जैसे प्राणियों को स्वतंत्र इच्छाशक्ति का उपहार देने का यह एक आवश्यक परिणाम है।
बुराई के छोटे-छोटे कण पूरे ब्रह्मांड में बिखरे हुए थे, लेकिन
उस सारी बुराई का कुल योग एक विशाल समुद्र तट पर रेत के एक कण के समान था।
अच्छाई, प्रचुरता, आशा और निःशर्त प्रेम की तुलना में
जिसमें ब्रह्मांड सचमुच डूबा हुआ था। ब्रह्मांड का ताना-बाना ही बदल गया था।
एक वैकल्पिक आयाम प्रेम और स्वीकृति है, और वह सब कुछ जो ऐसा करता है
इन गुणों का न होना तुरंत और स्पष्ट रूप से प्रकट हो जाता है।
वहाँ रखें।
लेकिन स्वतंत्र इच्छाशक्ति की कीमत इस प्रेम का खो जाना या इससे विमुख हो जाना है।
और स्वीकृति। हम स्वतंत्र हैं; लेकिन हम स्वतंत्र प्राणी हैं जो चारों ओर से घिरे हुए हैं।
हमारे चारों ओर एक ऐसा वातावरण है जो हमें यह महसूस कराने की साजिश रचता है कि हम नहीं हैं
स्वतंत्र। पृथ्वी पर हमारे कार्य के लिए स्वतंत्र इच्छाशक्ति का केंद्रीय महत्व है।
क्षेत्र: एक ऐसा कार्य, जिसे हम सभी एक दिन खोज लेंगे, जो बहुत कुछ की सेवा करता है।
शाश्वत वैकल्पिक में हमारी उन्नति को संभव बनाने में उच्च भूमिका
आयाम। यहाँ हमारा जीवन महत्वहीन लग सकता है, क्योंकि यह बहुत छोटा है।
अन्य जीवन और अन्य दुनियाओं के संबंध में जो भीड़ भी लगाती हैं
अदृश्य और दृश्य ब्रह्मांड। लेकिन यह हमारे लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है।
यहां भूमिका ईश्वर की ओर बढ़ने की है, और वह वृद्धि ईश्वर से निकटता से जुड़ी हुई है।
ऊपर के लोकों में रहने वाले प्राणियों—आत्माओं और प्रकाशमान गोलों—द्वारा देखा जा रहा है
(वे प्राणी जिन्हें मैंने मूल रूप से गेटवे में अपने से बहुत ऊपर देखा था, और जो)
मेरा मानना है कि ये हमारी संस्कृति में स्वर्गदूतों की अवधारणा के मूल हैं।

हम—वे आध्यात्मिक प्राणी जो वर्तमान में हमारे विकासवादी परिवेश में निवास कर रहे हैं
पृथ्वी और उसके उत्पाद के रूप में विकसित नश्वर मस्तिष्क और शरीर।
पृथ्वी की तात्कालिक आवश्यकताओं के आधार पर ही वास्तविक निर्णय लें। सच्चा चिंतन मस्तिष्क का काम नहीं है।
लेकिन हम—कुछ हद तक स्वयं मस्तिष्क के कारण—ऐसा बन गए हैं।
हमें अपने मस्तिष्क को अपनी सोच और अपनी पहचान से जोड़ने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।
हम यह महसूस करने की क्षमता खो चुके हैं कि हम हर समय बहुत कुछ हैं।
भौतिक मस्तिष्क और शरीर से कहीं अधिक जो हमारा कार्य करते हैं—या करना चाहिए—
बोली लगाना।
सच्चा विचार भौतिकता से परे है। यह विचार के पीछे का विचार है।
हम जो भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं, उन सभी के लिए हम जिम्मेदार हैं।
दुनिया। एक ऐसी सोच जो रैखिक कटौती पर निर्भर नहीं है, बल्कि जो
यह बिजली की गति से आगे बढ़ता है, विभिन्न स्तरों पर संबंध बनाता है।
उन्हें एक साथ लाना। इस स्वतंत्र, आंतरिक बुद्धि के सामने, हमारा
सामान्य चिंतन बेहद धीमा और लड़खड़ाता हुआ होता है। यही चिंतन है।
जो एंड ज़ोन में फुटबॉल पकड़ता है, जो इसके साथ आता है
प्रेरित वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि या प्रेरित गीत की रचना करता है। अवचेतन
यह सोचकर कि यह हमेशा मौजूद रहेगा, जब हमें वास्तव में इसकी आवश्यकता होगी, लेकिन हम
हम अक्सर पहुंच बनाने और विश्वास करने दोनों की क्षमता खो चुके हैं।
कहने की जरूरत नहीं है, यही सोच उस शाम अमल में आई।
उस स्काईडाइव के दौरान जब चक का पैराशूट अचानक मेरे नीचे खुल गया।
मस्तिष्क से परे सोचने का अनुभव करना एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करने जैसा है जहाँ
तात्कालिक संबंध जो सामान्य सोच को संभव बनाते हैं (अर्थात, वे
भौतिक मस्तिष्क और प्रकाश की गति द्वारा सीमित पहलू) ऐसा प्रतीत होते हैं
कोई बेहद नीरस और उबाऊ घटना। हमारा सबसे सच्चा, सबसे गहरा स्वरूप है।
पूरी तरह से निःशुल्क। यह अतीत की कार्रवाइयों से प्रभावित या क्षतिग्रस्त नहीं है।
यह पहचान या स्थिति से संबंधित है। यह समझता है कि इसे इसकी कोई आवश्यकता नहीं है।

सांसारिक दुनिया से डरना, और इसलिए, इसे खुद को बनाने की कोई आवश्यकता नहीं है।
प्रसिद्धि, धन या विजय के माध्यम से ऊपर उठना।
यही वह सच्चा आध्यात्मिक स्वरूप है जिसे हम सभी को एक दिन प्राप्त करना तय है।
ठीक हो जाओ। लेकिन जब तक वह दिन नहीं आता, मुझे लगता है कि हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए।
हमारे भीतर के इस चमत्कारी पहलू से जुड़ने की हमारी शक्ति—
इसे विकसित करो और इसे प्रकाश में लाओ। यही वह सत्ता है जो हम सभी के भीतर निवास करती है।
अभी इसी वक्त, और वास्तव में, यही वह स्वरूप है जो ईश्वर वास्तव में हमसे चाहता है।
होना।
हम अपने वास्तविक आध्यात्मिक स्वरूप के करीब कैसे पहुँच सकते हैं? प्रकट करके।
प्रेम और करुणा। क्यों? क्योंकि प्रेम और करुणा उन अमूर्त अवधारणाओं से कहीं अधिक हैं जिन्हें हममें से कई लोग मानते हैं। वे
वास्तविक। वे ठोस हैं। और वे ही इस व्यवस्था की बुनियाद हैं।
आध्यात्मिक क्षेत्र।
उस क्षेत्र में लौटने के लिए, हमें एक बार फिर से वैसा ही बनना होगा जैसा हम बनना चाहते हैं।
वह क्षेत्र, भले ही हम उसमें फंसे हुए हों और उससे जूझते हुए आगे बढ़ रहे हों, यह
एक।
जब लोग इस बारे में सोचते हैं तो वे जो सबसे बड़ी गलतियाँ करते हैं उनमें से एक यह है कि
ईश्वर की कल्पना निराकार रूप में करना ही ईश्वर की छवि है। हाँ, संख्याओं के पीछे ईश्वर विद्यमान है।
ब्रह्मांड की वह पूर्णता जिसे विज्ञान मापता है और जिसके लिए संघर्ष करता है।
समझो। लेकिन—फिर से, विरोधाभासी रूप से—ओम भी "मानव" है—यहाँ तक कि
आप और मुझसे कहीं अधिक मानवीय। ओम समझता है और सहानुभूति रखता है।
हम अपनी मानवीय स्थिति को उससे कहीं अधिक गहराई से और व्यक्तिगत रूप से प्रभावित कर सकते हैं जितना हम कर सकते हैं।
कल्पना भी मत करो क्योंकि ओम जानता है कि हम क्या भूल गए हैं, और
वह इस बात को समझता है कि ईश्वरीय विस्मृति के साथ जीना कितना भयानक बोझ है।
एक पल के लिए भी।

16.

अच्छी तरह से

हॉली की मुलाकात हमारी दोस्त सिल्विया से पहली बार 1980 के दशक में हुई थी, जब दोनों
उत्तरी कैरोलिना के रैले में स्थित रेवेन्सक्रॉफ्ट स्कूल में पढ़ाते हुए।
वहाँ, हॉली सुसान रींटजेस की भी करीबी दोस्त थी। सुसान एक
सहज ज्ञान—एक ऐसा तथ्य जो उसके प्रति मेरी भावनाओं के आड़े कभी नहीं आया।
मेरे विचार से वह एक बहुत ही खास इंसान थीं, भले ही उन्होंने जो किया वह गलत था।
कम से कम इतना तो कहा जा सकता है कि यह मेरे संकीर्ण न्यूरोसर्जिकल दृष्टिकोण से बिल्कुल बाहर है।
वह एक चैनल भी थीं और उन्होंने थर्ड आई ओपन नामक पुस्तक भी लिखी थी।
जिसकी हॉली बहुत बड़ी प्रशंसक थी। आध्यात्मिक उपचार गतिविधियों में से एक।
सुसान नियमित रूप से कोमा के मरीजों को ठीक होने में मदद करने से संबंधित कार्य करती थी।
उनसे मानसिक रूप से संपर्क करना। गुरुवार को, कोमा में मेरा चौथा दिन था,
सिल्विया को यह विचार आया कि सुसान को मुझसे संपर्क करने की कोशिश करनी चाहिए।
सिल्विया ने चैपल हिल स्थित उसके घर पर फोन किया और उसे सारी बात समझाई।
मेरे साथ भी ऐसा ही हो रहा है। क्या उसके लिए मुझसे जुड़ना संभव होगा?
सुसान ने हाँ कहा और मेरी बीमारी के बारे में कुछ जानकारी पूछी। सिल्विया
मैंने उसे बुनियादी बातें बताईं: मैं चार दिनों से कोमा में था और मैं
गंभीर स्थिति।
“मुझे बस इतना ही जानना था,” सुसान ने कहा। “मैं उससे संपर्क करने की कोशिश करूंगी।”
आज रात।"
सुसान के विचार के अनुसार, कोमा में रहने वाला मरीज एक तरह की मध्यवर्ती स्थिति में होता है।
अस्तित्व। न तो पूरी तरह से यहाँ (पृथ्वी जगत में) और न ही पूरी तरह से
वहाँ (आध्यात्मिक जगत में), इन रोगियों में अक्सर एक विलक्षणता पाई जाती है।
उनके लिए यह एक रहस्यमय वातावरण था। जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, यह एक

यह एक ऐसी घटना थी जिसे मैंने खुद कई बार देखा था, हालांकि बेशक मैंने
मैंने इसे कभी भी वह अलौकिक मान्यता नहीं दी जो सुसान ने दी थी।
सुसान के अनुभव में, कोमा के मरीजों को अलग करने वाले गुणों में से एक यह है कि...
उनमें अंतर यह था कि वे टेलीपैथिक संचार को ग्रहण करने में सक्षम थे। वह
उसे पूरा भरोसा था कि एक बार जब वह ध्यान की अवस्था में पहुँच जाएगी, तो उसे
कृपया जल्द से जल्द मुझसे संपर्क करें।
बाद में उन्होंने मुझसे कहा, "कोमा के मरीज से बात करना थोड़ा मुश्किल होता है।"
जैसे किसी गहरे कुएँ में रस्सी फेंकना। रस्सी को कितनी गहराई तक ले जाना है, यह बेहोशी की स्थिति की गहराई पर निर्भर करता है। जब मैंने कोशिश की...
आपसे संपर्क करने पर, सबसे पहली बात जिसने मुझे आश्चर्यचकित किया वह यह थी कि रस्सी कितनी गहरी थी।
मैं आगे बढ़ता गया। जैसे-जैसे मैं नीचे जाता गया, मुझे इस बात का और भी डर सताने लगा कि तुम वहीं हो।
बहुत दूर—कि मैं आप तक नहीं पहुँच पाऊँगा क्योंकि आप
वे वापस नहीं आ रहे थे।
टेलीपैथिक माध्यम से मानसिक रूप से नीचे उतरने के पूरे पांच मिनट बाद
"रस्सी," उसे हल्का सा बदलाव महसूस हुआ, जैसे पानी में गहराई में कोई मछली पकड़ने वाली लाइन हो।
एक छोटा लेकिन निश्चित खिंचाव महसूस हो रहा है।
बाद में उसने मुझसे कहा, "मुझे पूरा यकीन था कि यह तुम ही हो, और मैंने हॉली को भी यही बताया।"
बहुत ज्यादा। मैंने उससे कहा कि अभी तुम्हारा समय नहीं आया है, और तुम्हारा शरीर
मुझे पता है कि क्या करना है। मैंने हॉली को सुझाव दिया कि वह इन दोनों बातों को ध्यान में रखे।
ध्यान रखें, और आपके बिस्तर के पास आकर आपको ये बातें दोहराकर सुनाएंगे।"

17.

एन ऑफ 1

गुरुवार के दिन डॉक्टरों ने यह निर्धारित किया कि मेरी विशेष
ई. कोलाई का स्ट्रेन उस अति प्रतिरोधी स्ट्रेन से मेल नहीं खाता था,
अप्रत्याशित रूप से, वह ठीक उसी समय इज़राइल में प्रकट हुआ जब मैं वहाँ था।
लेकिन यह मेल न खाने से मेरा मामला और भी पुख्ता हो गया।
भ्रामक। हालांकि यह निश्चित रूप से अच्छी खबर थी कि मैं नहीं था।
इसमें बैक्टीरिया का एक ऐसा प्रकार मौजूद है जो एक तिहाई आबादी को खत्म कर सकता है।
देश के संदर्भ में, मेरी व्यक्तिगत रिकवरी के मामले में, इसने बस इस बात पर जोर दिया कि
मेरे डॉक्टरों को पहले से ही इस बात का स्पष्ट संदेह था: कि मेरा मामला
यह मूलतः अभूतपूर्व था।
हालात तेजी से निराशाजनक से हताशापूर्ण होते जा रहे थे। डॉक्टरों
मुझे यह संक्रमण कैसे हुआ, इसका उनके पास कोई जवाब नहीं था।
वे मेरी बीमारी या मुझे कोमा से वापस लाने के तरीकों के बारे में आश्वस्त थे।
उन्हें सिर्फ एक बात का पता था: वे किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानते थे जो पूरी तरह से ठीक हो गया हो।
कुछ समय से अधिक समय तक कोमा में रहने के बाद बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस से मृत्यु हो गई।
दिन। अब हम चौथे दिन में थे।
तनाव का असर सब पर पड़ा। फिलिस और बेट्सी ने फैसला कर लिया था।
मंगलवार को मैंने कहा कि मेरी मृत्यु की संभावना के बारे में कोई भी बात
मेरी उपस्थिति में निषिद्ध, इस धारणा के तहत कि मेरा कोई हिस्सा
शायद उन्हें इस चर्चा की जानकारी हो। गुरुवार की सुबह-सुबह, जीन ने पूछा।
आईसीयू कक्ष में मौजूद नर्सों में से एक ने मुझे मेरे जीवित रहने की संभावनाओं के बारे में बताया।
मेरे बिस्तर के दूसरी तरफ लेटी बेट्सी ने उसकी बात सुनी और बोली: "कृपया ऐसा मत करो।"
इस कमरे में उस विषय पर चर्चा करें।

जीन और मैं हमेशा से बहुत करीब थे। हम एक समूह का हिस्सा थे।
परिवार बिल्कुल हमारे "अपने" भाई-बहनों जैसा था, लेकिन सच्चाई यह थी कि हम
जैसा कि माता-पिता कहते थे, उनके द्वारा "चुना जाना" हमें स्वाभाविक रूप से एक विशेष पहचान दिलाता था।
बंधन। वह हमेशा मेरा ख्याल रखती थी, और उसकी निराशा...
मौजूदा हालात पर अपनी बेबसी के कारण वह एक ऐसे व्यक्ति के करीब आ गई थी जो
अत्यंत तनावग्रस्त स्थिति।
जीन की आँखों में आंसू आ गए। "मुझे कुछ समय के लिए घर जाना होगा," उसने कहा।
कहा।
यह निर्धारित करने के बाद कि मेरे काम को जारी रखने के लिए पर्याप्त लोग मौजूद हैं
मरीज के बिस्तर के पास निगरानी रखते हुए, सभी इस बात पर सहमत थे कि नर्सिंग स्टाफ संभवतः
मेरे कमरे में एक व्यक्ति कम होने से मुझे बहुत खुशी हुई।
जीन हमारे घर वापस गई, अपना सामान पैक किया और घर की ओर गाड़ी चलाकर चली गई।
उस दोपहर डेलावेयर में। वहां से निकलकर, उसने पहली बार सचमुच बाहरी दुनिया को अपना समर्थन दिया।
उस भावना की अभिव्यक्ति जो पूरा परिवार महसूस करने लगा था:
बेबसी। इससे ज्यादा निराशाजनक अनुभव शायद ही कोई हो।
किसी प्रियजन को कोमा की अवस्था में देखना। आप मदद करना चाहते हैं, लेकिन आप
नहीं कर सकते। आप चाहते हैं कि वह व्यक्ति अपनी आँखें खोले, लेकिन वे नहीं खोलते।
कोमा में पड़े मरीजों के परिवार अक्सर मरीज की आंखें खोलने का सहारा लेते हैं।
खुद को। यह मुद्दे को जबरदस्ती आगे बढ़ाने का एक तरीका है—मरीज को आदेश देने का।
जाग जाओ। बेशक, यह काम नहीं करता, और इससे और भी नुकसान हो सकता है।
मनोबल। गहरे कोमा में पड़े मरीज़ अपनी आँखों और
पुतलियाँ। गहरे कोमा में पड़े मरीज की पलकें खोलें, और आपको शायद ये मिलेगा।
एक आँख एक दिशा में, दूसरी विपरीत दिशा में। यह एक
यह एक भयावह दृश्य था, और इसने हॉली के दर्द को कई बार और बढ़ा दिया।
उस सप्ताह जब उसने मेरी पलकें खोलीं और असल में देखा,
एक लाश की टेढ़ी-मेढ़ी आंखें।

जीन के चले जाने के बाद हालात सचमुच बिगड़ने लगे। फिलिस अब धीरे-धीरे परेशान होने लगी।
ऐसा व्यवहार प्रदर्शित करना जो मैंने रोगियों में भी अनगिनत बार देखा था।
मेरे क्लिनिक में परिवार के सदस्य आते थे। वह परेशान होने लगी।
मेरे डॉक्टरों के साथ।
“वे हमें और जानकारी क्यों नहीं दे रहे हैं?” उसने बेत्सी से पूछा।
बेहद गुस्से में। "मैं कसम खाता हूँ, अगर एबेन यहाँ होता, तो वह हमें सच-सच बता देता।"
चल रहा है।"
सच्चाई यह थी कि मेरे डॉक्टर अपनी तरफ से हर संभव प्रयास कर रहे थे।
मेरे लिए यह काफी था। फिलिस, बेशक, यह जानती थी। लेकिन दर्द और
इस स्थिति से उत्पन्न निराशा मेरे प्रियजन को अंदर से खोखला कर रही थी।
वाले।
मंगलवार को हॉली ने डॉ. जे लोएफ़लर को फोन किया था, जो मेरे पूर्व सहयोगी थे।
ब्रिघम एंड में स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी कार्यक्रम विकसित करना
बोस्टन में महिला अस्पताल। उस समय जे विकिरण विभाग के अध्यक्ष थे।
मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में ऑन्कोलॉजी विभाग में कार्यरत हॉली को लगा कि वह उसे कुछ सवालों के जवाब देने के लिए किसी और की तुलना में बेहतर स्थिति में होगा।
जब हॉली ने मेरी स्थिति का वर्णन किया, तो जे ने मान लिया कि वह अवश्य ही
मेरे मामले की जानकारी गलत समझ रही है। वह उसे जो बता रही थी।
वह जानता था कि यह लगभग असंभव था। लेकिन एक बार जब हॉली ने आखिरकार उसे पा लिया
मुझे पूरा यकीन था कि मैं वास्तव में ई. कोलाई के एक दुर्लभ मामले के कारण कोमा में था।
उन्हें जीवाणु जनित मेनिन्जाइटिस हो गया था, जिसके कारणों की कोई व्याख्या नहीं कर सका।
मैंने देशभर के संक्रामक रोग विशेषज्ञों से संपर्क करना शुरू किया। किसी ने भी जवाब नहीं दिया।
जिनसे उन्होंने बात की थी, उन्होंने मेरे जैसे मामले के बारे में सुना था। चिकित्सा विवरण की समीक्षा करते हुए।
1991 से लेकर अब तक के साहित्य में उन्हें ई. कोलाई का एक भी मामला नहीं मिला।
एक वयस्क व्यक्ति में मेनिनजाइटिस, जिसे हाल ही में कोई संक्रमण नहीं हुआ था
तंत्रिका शल्य चिकित्सा प्रक्रिया।

मंगलवार से ही, जय हर दिन कम से कम एक बार फोन करके अपडेट लेता था।
फिलिस या हॉली से पूछें और उन्हें बताएं कि उसने क्या किया।
जांच से पता चला था कि स्टीव टैटर, एक और अच्छा दोस्त और
न्यूरोसर्जन ने भी प्रतिदिन फोन करके सलाह और मार्गदर्शन प्रदान किया।
आराम। लेकिन दिन-ब-दिन, एकमात्र रहस्योद्घाटन यही था कि मेरी स्थिति
चिकित्सा इतिहास में अपनी तरह का यह पहला मामला था। स्वतः उत्पन्न ई. कोलाई
वयस्कों में जीवाणुजनित मेनिनजाइटिस दुर्लभ है। 10 मिलियन लोगों में से 1 से भी कम लोगों को यह बीमारी होती है।
विश्व की जनसंख्या प्रतिवर्ष इससे संक्रमित होती है। और, चने की सभी किस्मों की तरह-
नकारात्मक जीवाणु मेनिन्जाइटिस, यह बहुत ही आक्रामक है। इतना आक्रामक
जिन लोगों पर यह हमला करता है, उनमें से 90 प्रतिशत से अधिक लोग
शुरुआत में मेरी तरह ही तेजी से तंत्रिका संबंधी गिरावट का सामना करना पड़ता है, और मृत्यु हो जाती है। और वह
जब मैं पहली बार आपातकालीन कक्ष में दाखिल हुआ था, तब मृत्यु दर इतनी ही थी। वह निराशाजनक 90% थी।
सप्ताह बीतने के साथ-साथ प्रतिशत 100 प्रतिशत की ओर बढ़ता गया और मेरा शरीर
एंटीबायोटिक दवाओं का असर नहीं हुआ। कुछ ही लोग ऐसे हैं जो इस बीमारी से बच पाए।
मेरे जैसी गंभीर बीमारियों के लिए आमतौर पर जीवन भर चौबीसों घंटे देखभाल की आवश्यकता होती है।
उनके जीवन। आधिकारिक तौर पर, मेरी स्थिति "N of 1" थी, एक ऐसा शब्द जो संदर्भित करता है
ऐसे चिकित्सा अध्ययन जिनमें एक ही रोगी पूरे परीक्षण में शामिल होता है।
डॉक्टरों के अनुसार मेरी तुलना किसी और से नहीं की जा सकती।
मामला।
बुधवार से शुरू होकर, हॉली हर बार बॉन्ड को मिलने के लिए लाते रहे।
स्कूल के बाद दोपहर में। लेकिन शुक्रवार तक वह सोचने लगी थी कि क्या
इन मुलाकातों से फायदे से ज्यादा नुकसान हो रहा था। कभी-कभी, हफ्ते की शुरुआत में, मैं हिलने-डुलने लगता था। मेरा
शरीर बेतहाशा छटपटाने लगता था। एक नर्स
वे मेरा सिर सहलाते और मुझे और अधिक बेहोशी की दवा देते, और अंततः मैं
फिर से शांति छा गई। यह मेरे दस वर्षीय बच्चे के लिए भ्रमित करने वाला और दर्दनाक था।
बड़े बेटे को देखना पड़ा। यह तो काफी बुरा था कि वह एक लाश को देख रहा था।

वह अब अपने पिता जैसा नहीं दिखता था, लेकिन उस शरीर को देखकर
मेरी यांत्रिक हरकतें जिन्हें वह मेरी हरकतों के रूप में नहीं पहचान पाया
यह विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण था। दिन-ब-दिन, मैं वह व्यक्ति नहीं रह गया जो वह मुझे चाहता था।
एक जाना-पहचाना व्यक्ति नहीं, बल्कि बिस्तर पर पड़ा एक ऐसा शरीर जिसे पहचानना मुश्किल है: एक क्रूर और अजनबी।
वह अपने पिता का जुड़वा भाई था, जिसे वह कभी जानता था।
सप्ताह के अंत तक, शारीरिक गतिविधि के ये छिटपुट झटके कम हो गए थे।
सब कुछ लगभग रुक गया। मुझे अब और बेहोशी की दवा की ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि हिलना-डुलना—यहाँ तक कि
सबसे आदिम प्रतिवर्त चक्रों द्वारा शुरू की गई मृत, स्वचालित प्रकार की क्रिया।
मेरे निचले ब्रेनस्टेम और स्पाइनल कॉर्ड का हिस्सा लगभग शून्य हो गया था।
परिवार के और भी सदस्य और दोस्त फोन करके पूछ रहे थे कि क्या उन्हें ऐसा करना चाहिए।
आएँ। गुरुवार तक यह तय हो चुका था कि उन्हें नहीं आना चाहिए।
मेरे आईसीयू कमरे में पहले से ही बहुत शोर-शराबा था। नर्सें
इससे स्पष्ट रूप से संकेत मिला कि मेरे मस्तिष्क को आराम की जरूरत है—जितना शांत वातावरण होगा, उतना ही बेहतर होगा।
इन फोन कॉलों के लहजे में भी एक उल्लेखनीय बदलाव आया था।
वे भी धीरे-धीरे आशा से निराशा की ओर बढ़ रहे थे।
कई बार, चारों ओर देखते हुए, हॉली को ऐसा लगता था कि वह मुझे पहले ही खो चुकी है।
गुरुवार दोपहर को माइकल सुलिवन के दरवाजे पर किसी ने दस्तक दी।
वह सेंट जॉन एपिस्कोपल चर्च में उनकी सचिव थीं।
उन्होंने कहा, “अस्पताल खतरे में है। देखभाल कर रही नर्सों में से एक की जान खतरे में है।”
एबेन को आपसे बात करनी है। उनका कहना है कि यह बहुत जरूरी है।
माइकल ने फोन उठाया।
“माइकल,” नर्स ने उससे कहा, “तुम्हें तुरंत आना होगा। एबेन
मरना।"
एक पादरी होने के नाते, माइकल पहले भी इस स्थिति का सामना कर चुके थे। पादरी लोग देखते हैं
मृत्यु और उसके कारण होने वाली तबाही लगभग उतनी ही बार देखने को मिलती है जितनी बार डॉक्टर आते हैं।

फिर भी, माइकल को "मरना" शब्द सुनकर झटका लगा।
मेरे संदर्भ में। उन्होंने अपनी पत्नी, पेज को फोन किया और उनसे प्रार्थना करने को कहा: दोनों
मेरे लिए, और उस परिस्थिति में आगे बढ़ने के लिए उनकी ओर से दिखाई गई ताकत के लिए। फिर
वह ठंडी, लगातार बारिश में गाड़ी चलाते हुए अस्पताल पहुंचा, उसकी आंखों में भरे आंसुओं के कारण उसे देखने में काफी मुश्किल हो रही थी।
जब वह मेरे कमरे में पहुंचा तो वहां का नजारा लगभग वैसा ही था जैसा पहले था।
वह आखिरी बार आया था। फिलिस मेरे बगल में बैठी थी।
वह मेरा हाथ थामे रहने की उस निगरानी में अपनी बारी निभा रही थी जो चल रही थी।
सोमवार रात को उसके आने के बाद से बिना रुके। मेरी छाती फूल गई और
वेंटिलेटर के साथ मरीज एक मिनट में बारह बार गिर रहा था, और आईसीयू नर्स ने...
अपनी दिनचर्या को चुपचाप निभाते हुए, मशीनों के बीच चक्कर लगाती हुई।
वे मेरे बिस्तर के चारों ओर खड़े थे और उनके रीडिंग नोट कर रहे थे।
एक और नर्स अंदर आई, और माइकल ने पूछा कि क्या वही थी जिसने
उन्होंने अपने सहायक को बुलाया।
“नहीं,” उसने जवाब दिया। “मैं सुबह से यहीं हूँ, और उसकी हालत में सुधार हुआ है।”
कल रात से ज्यादा कुछ नहीं बदला है। मुझे नहीं पता कि आपको किसने फोन किया था।
ग्यारह बजे तक हॉली, माँ, फिलिस और बेट्सी सभी मेरे कमरे में थीं।
माइकल ने प्रार्थना का सुझाव दिया। दोनों नर्सों समेत सभी लोग,
बिस्तर के चारों ओर हाथ मिलाए गए, और माइकल ने एक और हार्दिक प्रार्थना की।
मेरे शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना।
“हे प्रभु, एबेन को हमारे पास वापस ले आओ। मुझे पता है कि यह आपके बस में है।”
फिर भी, किसी को नहीं पता था कि माइकल को किसने फोन किया था। लेकिन जिसने भी किया हो, वह एक
अच्छा हुआ उन्होंने ऐसा किया। क्योंकि मेरे पास आ रही प्रार्थनाएँ
नीचे की दुनिया—वह दुनिया जहाँ से मैंने शुरुआत की थी—आखिरकार बदलने लगी थी
के माध्यम से प्राप्त।

18.

भूलना, और याद रखना

अब मेरी जागरूकता का दायरा बहुत बढ़ गया था। इतना बढ़ गया था कि ऐसा लग रहा था मानो वह सब कुछ समाहित कर रही हो।

पूरे ब्रह्मांड में। क्या आपने कभी शोरगुल से भरे रेडियो पर कोई गाना सुना है?

रेडियो स्टेशन? आपको इसकी आदत पड़ जाती है। फिर कोई डायल को एडजस्ट कर देता है और

आप वही गाना पूरी स्पष्टता के साथ सुनते हैं। आप इसमें कैसे असफल हो सकते थे?

ध्यान दीजिए कि यह कितना धुंधला, कितना दूर और मूल से कितना पूरी तरह से भिन्न है।

पहले थी?

बेशक, दिमाग इसी तरह काम करता है। इंसान अनुकूलन के लिए ही बने हैं। मैं

मैंने अपने मरीजों को कई बार समझाया है कि यह या वह तकलीफ

जैसे-जैसे उनके शरीर और मस्तिष्क में बदलाव आएगा, यह कम होता जाएगा, या कम से कम कम होता हुआ प्रतीत होगा।

नई परिस्थिति के अनुकूल ढल गया। कोई चीज़ लंबे समय तक चलती रहती है, और

आपका दिमाग इसे अनदेखा करना, इससे बचने का तरीका ढूंढना या इसे बस एक सामान्य स्थिति में मानना सीख जाता है।

सामान्य।

लेकिन हमारी सीमित सांसारिक चेतना सामान्य से बहुत दूर है, और मैं

जैसे-जैसे मैं और गहराई में यात्रा करता गया, मुझे इसका पहला उदाहरण मिलता गया।

कोर का बिलकुल केंद्र। मुझे अपने सांसारिक जीवन की कोई भी बात याद नहीं थी।

अतीत, और फिर भी मैं इससे कम नहीं हुआ। भले ही मैं अपना भूल गया था

यहां जीवन बिताते हुए, मुझे याद आ गया कि मैं वास्तव में कौन था।

वहाँ। मैं एक ऐसे ब्रह्मांड का नागरिक था जो अपनी विशालता में विस्मयकारी था और

जटिलता, और पूरी तरह से प्रेम द्वारा शासित।

लगभग विचित्र ढंग से, शरीर से परे मेरी खोजें प्रतिध्वनित हुईं

मैंने एक साल पहले अपने जीवन से पुनः जुड़कर जो सबक सीखे थे,

जन्म परिवार। अंततः, हममें से कोई भी अनाथ नहीं है। हम सभी जन्म परिवार में ही हैं।
मेरी स्थिति यह थी कि हमारे परिवार में अन्य लोग भी हैं: ऐसे प्राणी जो देख रहे हैं।
और हमारी देखभाल कर रहे हैं—ऐसे प्राणी जिन्हें हम क्षण भर के लिए भूल गए हैं, लेकिन
जो, यदि हम स्वयं को उनकी उपस्थिति के लिए खोलें, तो हमारी सहायता करने के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं।
पृथ्वी पर अपने समय का सदुपयोग करें। हममें से कोई भी कभी भी अवांछित नहीं होता।
और हममें से प्रत्येक को एक ऐसे सृष्टिकर्ता द्वारा गहराई से जाना और प्यार किया जाता है जो
वह हमें हमारी समझ से परे प्यार करता है।
ज्ञान को अब गुप्त नहीं रखा जाना चाहिए।

19.

छिपने की कोई जगह नहीं

शुक्रवार तक, मेरे शरीर को चार सप्ताह से तीन बार इंट्रावेनस एंटीबायोटिक्स दी जा रही थीं।
पूरे दिन बीत गए लेकिन फिर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। परिवार और दोस्त आ चुके थे।
दूर-दूर से लोग आए थे, और जो लोग नहीं आए थे उन्होंने प्रार्थना समूह शुरू कर दिए थे।
उनके चर्चों में। मेरी भाभी पैगी और हॉली की करीबी दोस्त
सिल्विया उसी दोपहर पहुंची। हॉली ने उनका बड़े ही हंसमुख अंदाज में स्वागत किया।
जितना हो सके उसने अपना चेहरा बनाया। बेट्सी और फिलिस ने उसका समर्थन करना जारी रखा।
सब ठीक हो जाएगा वाली सोच: हर कीमत पर सकारात्मक रहना। लेकिन हर
दिन-ब-दिन इस पर विश्वास करना कठिन होता गया। यहाँ तक कि बेट्सी खुद भी सोचने लगी कि क्या उसकी
कमरे के क्रम में कोई नकारात्मकता नहीं होने का मतलब वास्तव में कुछ और ही था।
कमरे में कोई वास्तविकता नहीं है।
"क्या आपको लगता है कि अगर परिस्थितियाँ उलट दी जाएँ तो एबेन हमारे लिए ऐसा करेगा?"
एक और लगभग नींदहीन रात के बाद, फिलिस ने उस सुबह बेट्सी से पूछा।
“तुम्हारा क्या मतलब है?” बेत्सी ने पूछा।
"मेरा मतलब है, क्या आपको लगता है कि वह हमारे साथ हर मिनट बिताएगा?"

आईसीयू में डेरा डाले रहना?

बेत्सी के पास सबसे सुंदर, सरल उत्तर था, जिसे उसने एक

प्रश्न: "क्या दुनिया में कोई और जगह है जहाँ आप कल्पना कर सकते हैं?"

प्राणी?"

दोनों इस बात पर सहमत थे कि यदि जरूरत पड़ती तो मैं पल भर में वहां पहुंच जाता,

मेरे लिए घंटों तक एक ही जगह पर बैठे रहने की कल्पना करना बहुत, बहुत मुश्किल था।

लगातार। "यह कभी भी बोझ या मजबूरी जैसा नहीं लगा।"

"यही हमारी असली जगह थी," फिलिस ने बाद में मुझसे कहा।

सिल्विया को सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात मेरे हाथ और पैर थे, जो

वे सूखने लगे थे, जैसे पानी के बिना पौधे की पत्तियाँ।

स्ट्रोक और कोमा के पीड़ितों में यह सामान्य है, क्योंकि प्रमुख मांसपेशियां

शरीर के बाहरी अंग सिकुड़ने लगते हैं। लेकिन परिवार के लिए यह कभी आसान नहीं होता।

अपने प्रियजनों को देखने के लिए। मेरी तरफ देखते हुए, सिल्विया खुद को रुकने के लिए कहती रही।

अपनी सहज प्रवृत्ति के साथ। लेकिन उसके लिए भी, स्थिति बहुत कठिन होती जा रही थी।

बहुत कठिन।

हॉली खुद को कोसने लगी थी (काश वह सीढ़ियों से जल्दी चढ़ जाती, काश ऐसा होता, काश वैसा होता...) और

सभी ने उसे इस विषय से दूर रखने के लिए विशेष रूप से कड़ी मेहनत की।

अब तक तो सभी को पता चल चुका था कि अगर मैं ठीक भी हो जाऊं, तो भी ठीक होने की प्रक्रिया अधूरी रहेगी।

यह उस बात को बयां करने के लिए काफी नहीं था कि इसका नतीजा क्या होगा। मुझे कम से कम इसकी आवश्यकता होगी।

तीन महीने के गहन पुनर्वास के बाद, बोलने में स्थायी समस्या हो सकती है।

समस्याएं (अगर मुझमें बोलने की पर्याप्त बौद्धिक क्षमता होती तो),

और मुझे जीवन भर लगातार नर्सिंग देखभाल की आवश्यकता होगी। यह था

सबसे अच्छी स्थिति यही थी, और यह सुनने में भले ही निराशाजनक लगे, लेकिन ऐसा ही था।

असल में तो यह सब कल्पना की दुनिया में ही है। मेरे होने की संभावना भी बहुत कम है।

उस उत्तम आकार में वे धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर थे।

बॉन्ड को मेरी स्थिति के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी गई थी। लेकिन
शुक्रवार को स्कूल के बाद अस्पताल में, उसने मेरे एक डॉक्टर की बातें सुन लीं।
हॉली को वही बातें संक्षेप में बता रही थी जो वह पहले से ही जानती थी।
अब सच्चाई का सामना करने का समय आ गया था। आशा की कोई गुंजाइश नहीं थी।
उस शाम, जब उसके घर जाने का समय हुआ, तो बॉन्ड ने मना कर दिया।
मेरे कमरे से बाहर निकलो। सामान्य नियम यह था कि मेरे कमरे में केवल दो लोगों को ही प्रवेश की अनुमति थी।
एक समय में एक ही कमरे में लोगों को भेजा जाता था ताकि डॉक्टर और नर्स काम कर सकें। लगभग छह
हॉली ने धीरे से सुझाव दिया कि अब घर जाने का समय हो गया है।
शाम। लेकिन बॉन्ड अपनी कुर्सी से नहीं उठा, जो उसके ठीक नीचे थी।
श्वेत रक्त कोशिका सैनिकों और उनके बीच युद्ध का चित्रण।
ई. कोलाई के आक्रमणकारी सैनिक।
“उसे पता ही नहीं कि मैं यहाँ हूँ,” बॉन्ड ने थोड़ी कड़वाहट भरे लहजे में कहा।
और आधे गिड़गिड़ाते हुए, "मैं यहीं क्यों नहीं रह सकता?"
इसलिए बाकी की शाम में सभी बारी-बारी से एक-एक करके अंदर आते रहे।
इतना समय था कि बॉन्ड वहीं रह सके।
लेकिन अगली सुबह—शनिवार—बॉन्ड ने अपना रुख बदल दिया।
उस हफ्ते पहली बार, जब हॉली ने उसके कमरे में झाँका तो
जब मैंने उसे जगाया, तो उसने उससे कहा कि वह अस्पताल नहीं जाना चाहता।
“क्यों नहीं?” हॉली ने पूछा।
बॉन्ड ने कहा, "क्योंकि मैं डरा हुआ हूँ।"
यह एक ऐसी स्वीकारोक्ति थी जो सभी की भावनाओं को व्यक्त करती थी।
हॉली कुछ मिनटों के लिए रसोई में वापस चली गई। फिर वह
मैंने दोबारा कोशिश की और उससे पूछा कि क्या वह वाकई अपने पिता से मिलने नहीं जाना चाहता।
वह उसे घूरता रहा और कुछ देर तक मौन रहा।
“ठीक है,” उसने अंततः सहमति जताई।
शनिवार का दिन मेरे बिस्तर के आसपास चल रही निगरानी के साथ बीता और

परिवार और डॉक्टरों के बीच आशा भरी बातचीत। सब कुछ ऐसा लग रहा था जैसे
आशा को जीवित रखने का एक अधूरा प्रयास। सभी के पास मौजूद संसाधन थे।
वे कल की तुलना में अधिक खाली थे।
शनिवार रात को, अपनी माँ, बेट्टी को उनके होटल वापस छोड़ने के बाद
कमरे में, फिलिस हमारे घर आई। चारों तरफ़ घना अंधेरा था, एक भी बत्ती नहीं जल रही थी।
खिड़की में, और जब वह भीगी हुई कीचड़ में से होकर गुजर रही थी तो यह मुश्किल था
उसके लिए पत्थरों पर चलना ज़रूरी था। अब तक पाँच मिनट से बारिश हो रही थी।
आईसीयू में भर्ती होने के बाद से लगातार कई दिनों तक यही हाल रहा।
वर्जीनिया के पहाड़ी इलाकों के लिए इस तरह की लगातार बारिश बहुत ही असामान्य थी।
जहां नवंबर में आमतौर पर मौसम सुहाना, साफ और धूप वाला होता है, जैसे कि...
पिछले रविवार, मेरे हमले से ठीक पहले का आखिरी दिन। अब वह दिन कुछ ऐसा लग रहा था जैसे...
बहुत समय पहले की बात है, और ऐसा लगता था मानो आसमान से हमेशा बारिश बरसती रही हो।
यह कब रुकेगा?
फिलिस ने दरवाजा खोला और लाइट जला दी।
सप्ताह की शुरुआत में, लोग आते-जाते रहते थे और सामान छोड़ जाते थे।
खाना, और हालाँकि खाना अभी भी आ रहा था, आधा आशावान/आधा-
अस्थायी आपातकाल के लिए रैलियों का चिंताजनक माहौल बदल गया था।
अंधेरा और अधिक निराशाजनक। हमारे दोस्त, हमारे परिवार की तरह, जानते थे कि
मेरे लिए आशा की कोई भी किरण अब लगभग समाप्त हो रही थी।
एक पल के लिए फिलिस ने आग जलाने के बारे में सोचा, लेकिन तुरंत ही उसने आग जलाने का विचार छोड़ दिया।
उस विचार के साथ ही एक और अप्रिय विचार आया। क्यों परेशान होना?
अचानक उसे पहले से कहीं अधिक थकावट और उदासी महसूस होने लगी।
मुझे वो एहसास याद है। वह लकड़ी के पैनल वाले सोफे पर लेट गई।
पढ़ाई करते-करते गहरी नींद में सो गया।
आधे घंटे बाद, सिल्विया और पैगी दबे पांव अध्ययन कक्ष के पास से गुजरीं।
जब उन्होंने फिलिस को वहाँ बेहोश पड़ा देखा, तो सिल्विया नीचे गई।

तहखाने में जाकर पता चला कि किसी ने फ्रीजर का दरवाजा खुला छोड़ दिया था।
फर्श पर पानी जमा हो रहा था और खाना गिरने लगा था।
कई बढ़िया स्टेक सहित, बर्फ पिघलने का इंतजार।
जब सिल्विया ने बेसमेंट में बाढ़ की स्थिति के बारे में पैगी को बताया, तो उन्होंने
उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाने का फैसला किया। उन्होंने बाकी लोगों को फोन किया।
परिवार और कुछ दोस्तों के साथ मिलकर काम पर लग गए। पेगी बाहर गई और कुछ सामान चुनने लगी।
कुछ और साइड डिशेज मंगाईं और उन्होंने अचानक ही एक शानदार दावत तैयार कर ली।
जल्द ही बेत्सी, उनकी बेटी केट और उनके पति रॉबी भी शामिल हो गए।
उनके साथ-साथ बॉन्ड भी था। बहुत घबराहट भरी बातचीत हो रही थी, और बहुत कुछ।
सबके मन में चल रहे विषय के इर्द-गिर्द नाचने के बारे में: कि मैं—अनुपस्थित
विशिष्ट अतिथि—संभवतः इस घर में दोबारा कभी नहीं लौटेंगे।
हॉली अंतहीन निगरानी जारी रखने के लिए अस्पताल लौट आई थी।
वह मेरे बिस्तर के पास बैठी, मेरा हाथ पकड़े हुए, और मंत्रों का जाप करती रही।
सुसान रींटजेस द्वारा सुझाया गया, जिससे वह खुद को अर्थ के साथ बने रहने के लिए मजबूर कर सके।
उसके बोले गए शब्दों को समझना और अपने दिल में यह विश्वास करना कि वे
सच थे।
“प्रार्थनाओं को स्वीकार करें।”
आपने दूसरों को ठीक किया है। अब आपके ठीक होने का समय है।
आपको बहुत से लोग प्यार करते हैं।
“तुम्हारा शरीर जानता है कि उसे क्या करना है। अभी तुम्हारे मरने का समय नहीं आया है।”

20.

समापन

हर बार मैं खुद को फिर से केंचुए की खुरदरी आंख में फंसा हुआ पाता था।
देखिए, मुझे शानदार स्पिनिंग मेलोडी याद आ गई, जो
मैंने गेटवे और कोर के लिए पोर्टल फिर से खोल दिया। मैंने बहुत समय बिताया।
समय के वे अंतराल—जो विरोधाभासी रूप से बिल्कुल भी समय न होने जैसा प्रतीत होते थे—में
तितली के पंख पर मेरे संरक्षक देवदूत की उपस्थिति और एक अनंत काल
सृष्टिकर्ता और प्रकाश के गोले से गहरे में सबक सीखना
मुख्य।
कुछ समय बाद, मैं गेटवे के किनारे पर पहुंचा और पाया कि
मैं उसमें दोबारा प्रवेश नहीं कर सका। स्पिनिंग मेलोडी—तब तक मेरा प्रवेश का टिकट था।
वे उच्चतर क्षेत्र—अब मुझे वहाँ नहीं ले जाएँगे।
स्वर्ग के द्वार बंद थे।
एक बार फिर, यह वर्णन करना चुनौतीपूर्ण है कि यह कैसा अनुभव था।
यह अत्यंत गंभीर है, क्योंकि हमें रैखिक भाषा की बाधा का सामना करना पड़ता है।
पृथ्वी पर सब कुछ यहीं से गुजारना, और सामान्य समतलीकरण
शरीर में रहते हुए होने वाले अनुभव के बारे में सोचें। हर बार जब
क्या आपने कभी निराशा का अनुभव किया है? एक अर्थ में, सभी
इस धरती पर हमें जो हानियाँ उठानी पड़ती हैं, वे वास्तव में विभिन्न प्रकार की हानियाँ हैं।
एक सर्वथा केंद्रीय हानि: स्वर्ग की हानि। जिस दिन
मेरे लिए स्वर्ग के द्वार बंद हो गए थे, मुझे एक ऐसी उदासी का एहसास हुआ जो पहले कभी नहीं देखी गई थी।
मैंने आज तक जितने भी लोगों को जाना है, उनमें से ये सबसे अलग हैं। वहाँ भावनाएँ बिल्कुल अलग होती हैं। वहाँ सभी इंसान अलग होते हैं।
भावनाएँ मौजूद हैं, लेकिन वे अधिक गहरी, अधिक विस्तृत हैं—वे नहीं हैं

सिर्फ अंदर ही नहीं, बल्कि बाहर भी। कल्पना कीजिए कि हर बार आपका मूड
पृथ्वी पर जो परिवर्तन हुए, उनके साथ ही मौसम भी तुरंत बदल गया।
कि तुम्हारे आँसू मूसलाधार बारिश लाएँगे और तुम्हारी खुशी
इससे बादल पल भर में गायब हो जाएंगे। इससे कुछ अंदाजा लगता है कि कैसे
मनोदशा में कहीं अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण परिवर्तन ऊपर की ओर महसूस होते हैं।
वहाँ, हम जिसे "अंदर" समझते हैं, वह कितना विचित्र और शक्तिशाली है और
"बाहर" जैसी कोई चीज वास्तव में मौजूद ही नहीं है।
इस प्रकार, मेरा हृदय टूट गया और मैं लगातार बढ़ते हुए दुख की दुनिया में डूब गया, एक ऐसी उदासी में जो एक वास्तविक पीड़ा भी थी।
डूब रहा है।
मैं बादलों की विशाल दीवारों के बीच से नीचे उतरा। वहाँ कुछ फुसफुसाहट सुनाई दे रही थी।
मेरे चारों ओर सब कुछ था, लेकिन मैं शब्दों को समझ नहीं पा रहा था। तभी मुझे एहसास हुआ।
अनगिनत प्राणी मुझे घेरे हुए थे, चाप के आकार में घुटने टेके हुए थे।
दूर तक फैल गए। अब पीछे मुड़कर देखने पर मुझे एहसास होता है कि ये क्या थे।
प्राणियों के आधे-अधूरे दिखाई देने वाले, आधे-अधूरे महसूस किए जाने वाले पदानुक्रम, जो दूर तक फैले हुए हैं
ऊपर और नीचे अंधेरा था, हम यही कर रहे थे।
वे मेरे लिए प्रार्थना कर रहे थे।
जिन दो चेहरों को मैं बाद में याद रख पाया, उनमें से एक माइकल सुलिवन का चेहरा था।
और उनकी पत्नी, पेज। मुझे याद है मैंने उन्हें केवल साइड से ही देखा था, लेकिन स्पष्ट रूप से
मेरी वापसी के बाद जब मेरी भाषा वापस आ गई, तब मैंने उनकी पहचान की। माइकल
वह कई बार शारीरिक रूप से आईसीयू कक्ष में उपस्थित होकर प्रार्थनाओं का नेतृत्व कर चुके थे।
लेकिन पेज शारीरिक रूप से वहां मौजूद नहीं थीं (हालांकि उन्होंने प्रार्थना की थी)।
मेरे लिए भी)।
इन प्रार्थनाओं से मुझे ऊर्जा मिली। शायद इसीलिए, मैं बेहद दुखी हूँ।
मैं जैसा था, मेरे भीतर एक अजीब सा आत्मविश्वास था कि सब कुछ ठीक है।
सब ठीक हो जाएगा। ये प्राणी जानते थे कि मैं एक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा हूँ।

और वे मेरे हौसले को बनाए रखने के लिए गा रहे थे और प्रार्थना कर रहे थे।

मैं एक अनजान राह पर आगे बढ़ रहा था, लेकिन उस समय तक मुझे पूरा विश्वास हो चुका था।

और मुझे भरोसा है कि मेरी अच्छी तरह से देखभाल की जाएगी, क्योंकि मैं यात्रा में मेरा साथी हूँ।

तितली के पंख और असीम प्रेम करने वाले ईश्वर ने वादा किया था—कि

मैं जहाँ भी जाता, स्वर्ग मेरे साथ आता। वह मेरे साथ आता।

सृष्टिकर्ता के रूप में, ओम के रूप में, और यह इस रूप में प्रकट होगा

परी—मेरी परी—तितली के पंख पर बैठी लड़की।

मैं वापस लौट रहा था, लेकिन मैं अकेला नहीं था—और मुझे पता था कि मैं कभी अकेला नहीं था।

फिर से अकेलापन महसूस हो रहा है।

21.

इंद्रधनुष

बाद में इसके बारे में सोचते हुए, फिलिस ने कहा कि एक चीज जो वह
उस सप्ताह के बारे में सबसे ज्यादा जो याद है, वह है बारिश। एक ठंड,
नीचे लटके बादलों से लगातार बरसती बारिश जो कभी रुकती नहीं और कभी रुकती नहीं
सूरज झाँक रहा था। लेकिन फिर, उस रविवार की सुबह जब उसने खींचा
जब वह अपनी कार से अस्पताल की पार्किंग में जा रही थी, तभी कुछ अजीब घटना घटी।
फिलिस ने अभी-अभी प्रार्थना समूहों में से एक से आया एक टेक्स्ट संदेश पढ़ा था।
बोस्टन ने कहा, "चमत्कार की उम्मीद करो।" जैसे ही उसने सोचा कि कितना
उसे किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं थी, उसने माँ को कार से बाहर निकलने में मदद की।
और दोनों ने टिप्पणी की कि बारिश रुक गई थी। पूर्व की ओर,
बादलों के बीच से सूरज की किरणें निकलकर रोशनी बिखेर रही थीं।
पश्चिम की ओर स्थित खूबसूरत प्राचीन पर्वतों और बादलों की परत के ऊपर
ऊपर भी, जिससे धूसर बादलों को सुनहरा रंग मिल रहा है।
फिर, मध्य के विपरीत, दूर स्थित चोटियों की ओर देखते हुए-
नवंबर का सूरज अपना उदय शुरू कर रहा था, वह वहीं था।
एक परिपूर्ण इंद्रधनुष।
सिल्विया, हॉली और बॉन्ड के साथ एक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के लिए अस्पताल गई।
मेरे मुख्य डॉक्टर, स्कॉट वेड से मुलाकात। डॉ. वेड मेरे दोस्त भी थे।
और एक पड़ोसी, और वह सबसे बुरे फैसले को लेकर दुविधा में थी।
जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे डॉक्टरों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, वे जितनी लंबी होती जाती हैं, उतना ही अधिक समय बीतता जाता है।
जितना अधिक समय मैं कोमा में बिताता गया, उतना ही अधिक संभावना होती गई कि मैं अपना शेष जीवन कोमा में ही व्यतीत करूंगा।

मेरे जीवन का अधिकांश समय "लगातार वनस्पति अवस्था" में बीतने की संभावना को देखते हुए।
अगर वे बस इलाज बंद कर दें तो भी मुझे मेनिन्जाइटिस हो सकता है।
एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बंद करना शायद अधिक समझदारी भरा कदम होगा—बल्कि
लगभग निश्चित रूप से आजीवन कोमा में रहने की आशंका के बावजूद इलाज जारी रखने की तुलना में यह बेहतर विकल्प है।
चूंकि मेरी मेनिन्जाइटिस का इलाज बिल्कुल भी कारगर नहीं रहा,
वे इस जोखिम को उठा रहे थे कि वे अंततः मेरे अस्तित्व को ही समाप्त कर सकते हैं।
मेनिन्जाइटिस, केवल इसलिए ताकि मैं महीनों या वर्षों तक एक बार के रूप में जीवित रह सकूं-
एक जीवंत शरीर, जो अब प्रतिक्रियाहीन हो चुका है, और जिसकी जीवन गुणवत्ता शून्य है।
“बैठ जाइए,” डॉ. वेड ने सिल्विया और हॉली से एक ऐसे लहजे में कहा जो
दयालु लेकिन साथ ही स्पष्ट रूप से गंभीर भी।
डॉ. ब्रेनन और मैंने विशेषज्ञों के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल की हैं।
ड्यूक, वर्जीनिया विश्वविद्यालय और बोमन ग्रे मेडिकल स्कूल,
और मुझे आपको बताना होगा कि हर कोई इस बात से सहमत है कि
हालात अच्छे नहीं लग रहे हैं। अगर एबेन में कोई वास्तविक सुधार नहीं दिखता है तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी।
अगले बारह घंटों के भीतर, हम संभवतः चर्चा करने की अनुशंसा करेंगे।
एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन बंद कर दिया गया। गंभीर जीवाणु संक्रमण के कारण एक सप्ताह तक कोमा में रहे।
मेनिन्जाइटिस पहले ही किसी भी उचित अपेक्षा की सीमा से परे हो चुका है।
पुनर्प्राप्ति की संभावना को देखते हुए, प्रकृति को ही अपना काम करने देना बेहतर हो सकता है।
इसे अपना रास्ता खुद तय करने दें।"
“लेकिन, मैंने कल उसकी पलकें हिलते हुए देखीं,” हॉली ने विरोध किया। “सच में?”
वे हिले। ऐसा लग रहा था जैसे वह उन्हें खोलने की कोशिश कर रहा हो। मुझे पूरा यकीन है।
जो मैंने देखा।
“मुझे इसमें कोई शक नहीं कि आपने ऐसा किया होगा,” डॉ. वेड ने कहा। “उनके श्वेत रक्त कोशिकाओं की संख्या
इसमें भी कमी आई है। यह सब अच्छी खबर है, और मुझे इस पर ज़रा भी शक नहीं है।
मैं यह सुझाव देना चाहता हूँ कि ऐसा नहीं है। लेकिन आपको स्थिति को समझना होगा।

संदर्भ। हमने एबेन की बेहोशी की दवा काफी कम कर दी है, और इससे
उनकी तंत्रिका संबंधी जांच में अधिक तंत्रिका संबंधी लक्षण दिखने चाहिए।
उसकी गतिविधि सामान्य से अधिक है। उसका निचला मस्तिष्क आंशिक रूप से कार्य कर रहा है, लेकिन यह उसका
हमें जिन उच्च-स्तरीय कार्यों की आवश्यकता है, वे सभी अभी भी पूरी तरह से
अनुपस्थित। सतर्कता में कुछ हद तक सुधार होता है।
समय के साथ ज्यादातर कोमा के मरीजों में, उनके शरीर में कुछ ऐसी क्रियाएं होती हैं जो
ऐसा दिखावा करो कि वे वापस आ रहे हैं। लेकिन वे नहीं आ रहे हैं। यह बस
मस्तिष्क स्टेम का कोमा विजाइल नामक अवस्था में चले जाना, एक प्रकार का ठहराव।
एक ऐसा पैटर्न जिसमें वे महीनों या वर्षों तक बने रह सकते हैं। यही वह बात है जो
पलकों का फड़कना, संभवतः, इसी का कारण है। और मुझे आपको फिर से बताना होगा कि
बैक्टीरिया संक्रमण के कारण सात दिन तक कोमा में रहना बहुत लंबा समय है।
मस्तिष्कावरण शोथ।"
डॉ. वेड बात को नरम करने की कोशिश में बहुत सारे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे।
एक ऐसी खबर जिसे एक ही वाक्य में कहा जा सकता था।
अब मेरे शरीर को मरने देने का समय आ गया था।

22.

छह चेहरे

जैसे-जैसे मैं नीचे उतरता गया, कीचड़ से और भी चेहरे उभरने लगे, ठीक वैसे ही जैसे वे
जब मैं उस क्षेत्र में नीचे उतर रहा था तो मैं हमेशा ऐसा ही करता था।
केंचुए की नज़र से। लेकिन इसमें कुछ अलग था।
इस बार उनके चेहरे पर बदलाव आ गया। वे अब इंसान थे, जानवर नहीं।
और वे बहुत स्पष्ट रूप से बातें कह रहे थे।
मुझे उनकी बातें समझ में नहीं आ रही थीं। कुछ-कुछ ऐसा था।
पुराने चार्ली ब्राउन कार्टून, जब बड़े लोग बोलते हैं और आप सभी
मुझे अस्पष्ट ध्वनियाँ सुनाई दे रही थीं। बाद में, जब मैंने इस पर गौर किया, तो मुझे पता चला कि...
मुझे एहसास हुआ कि मैं वास्तव में उन छह चेहरों को पहचान सकता हूँ जिन्हें मैंने देखा था।
सिल्विया, हॉली और उसकी बहन पैगी थीं। स्कॉट वेड भी थे।
और वहाँ सुसान रींटजेस थीं। इनमें से एकमात्र ऐसी थीं जो नहीं थीं।
वास्तव में उन अंतिम घंटों में शारीरिक रूप से मेरे बिस्तर के पास मौजूद था
सुसान। लेकिन अपने तरीके से, वह भी मेरे बिस्तर के पास मौजूद थी, बेशक।
क्योंकि उस रात भी, पिछली रात की तरह, वह अपने घर में बैठी थी।
वह चैपल हिल में थी और उसने अपनी इच्छाशक्ति से मुझे अपने सामने बुला लिया।
बाद में, जब मुझे इसके बारे में पता चला, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि मेरी माँ बेट्टी और
मेरी बहनें, जो पूरे सप्ताह मेरे साथ थीं, प्यार से मेरा हाथ थामे हुए थीं।
अनगिनत घंटे, उन चेहरों की इस श्रृंखला में से गायब थे जिन्हें मैंने देखा था। माँ के पास
पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर होने के कारण वह चलने के लिए वॉकर का इस्तेमाल करती रही हैं।
वह चल-फिर सकती थी, लेकिन उसने पूरी निष्ठा से पहरा देने की अपनी बारी निभाई थी। फिलिस,
बेत्सी और जीन तीनों वहाँ मौजूद थीं। फिर मुझे पता चला कि वे वहाँ नहीं थीं।
मैं उस आखिरी रात वहां मौजूद था। मुझे जिन चेहरों की याद है, वे वही थे।

जो मेरे कोमा के सातवें दिन सुबह शारीरिक रूप से वहां मौजूद थे, या
पिछली शाम को।
लेकिन उस समय, जब मैं नीचे उतर रहा था, मुझे किसी का नाम नहीं पता था।
या इनमें से किसी भी चेहरे से जोड़ने के लिए कोई पहचान। मैं केवल इतना जानता था, या महसूस करता था,
कि वे किसी न किसी रूप में मेरे लिए महत्वपूर्ण थे।
एक और चीज ने मुझे विशेष शक्ति से अपनी ओर आकर्षित किया।
मुझे अपनी ओर खींचने लगा। एक झटके के साथ, जो बादलों के विशाल सागर और प्रार्थना करते देवदूतों के बीच गूंजता हुआ प्रतीत हुआ, जिसके बीच मैं था।
जैसे ही मैं नीचे उतर रहा था, मुझे अचानक एहसास हुआ कि गेटवे के प्राणी
और मूल तत्व—वे प्राणी जिन्हें मैं हमेशा से जानता और प्यार करता आया हूँ—
मैं केवल इन्हीं प्राणियों को नहीं जानता था। मैं और भी प्राणियों को जानता था और उनसे प्रेम करता था।
मेरे नीचे भी—उस क्षेत्र में जहाँ मैं तेजी से पहुँच रहा था। ऐसे प्राणी जिन्हें मैं
अब तक तो मैं इसे पूरी तरह से भूल चुका था।
यह ज्ञान सभी छह चेहरों पर केंद्रित था, लेकिन विशेष रूप से छठे चेहरे पर।
एक। यह बहुत जाना-पहचाना था। मुझे लगभग सदमे के साथ एहसास हुआ।
मुझे इस बात का गहरा डर था कि जो भी हो, वह किसी ऐसे व्यक्ति का चेहरा था जो...
मुझे उसकी ज़रूरत थी। कोई ऐसा व्यक्ति जो मेरे जाने पर कभी उबर नहीं पाएगा।
अगर मैंने इसे छोड़ दिया, तो नुकसान असहनीय होगा—ठीक वैसे ही जैसे मुझे महसूस हुआ था
जब स्वर्ग के द्वार बंद हो चुके थे, तब मुझे यह मिला। यह एक विश्वासघात होगा।
मैं प्रतिबद्ध नहीं हो सका।
उस समय तक मैं स्वतंत्र था। मैंने कई दुनियाओं की यात्रा की थी।
जिस तरह से साहसी लोग सबसे प्रभावी ढंग से कर सकते हैं: बिना किसी वास्तविक
उनके भविष्य को लेकर चिंता थी। अंततः परिणाम मायने नहीं रखता था।
क्योंकि कोर में रहते हुए भी मुझे कभी कोई चिंता या डर नहीं था।
किसी को निराश करने का अपराधबोध। बेशक, यह उन कारणों में से एक था।
सबसे पहली बातें जो मैंने गर्ल ऑन द बटरफ्लाई के साथ रहते हुए सीखी थीं।

विंग और उसने मुझसे कहा था: "ऐसा कुछ भी नहीं है जो तुम कर सकते हो और वह गलत हो।"
लेकिन अब हालात अलग थे। इतने अलग कि, मेरे जीवन में पहली बार
पूरी यात्रा के दौरान, मुझे असाधारण भय का अनुभव हुआ। यह भय मेरे लिए नहीं था,
लेकिन इन चेहरों के लिए—खासकर उस छठे चेहरे के लिए। एक ऐसा चेहरा जिसे मैं अब भी
मैं पहचान नहीं कर सका, लेकिन मुझे पता था कि यह मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण था।
इस चेहरे में धीरे-धीरे और अधिक बारीकियां उभरने लगीं, अंततः मैंने देखा कि यह—यह
वह वास्तव में मुझसे वापस लौटने की विनती कर रहा था: उस भयानक ढलान का जोखिम उठाने के लिए।
उसके साथ फिर से मिलने के लिए पाताल लोक में। मुझे अब भी समझ नहीं आया।
ये उसके शब्द थे, लेकिन किसी तरह उनसे ये बात समझ में आ गई कि इसमें मेरा भी हित जुड़ा हुआ है।
नीचे की दुनिया में—जिसमें, जैसा कि वे कहते हैं, मेरा भी कुछ दांव पर लगा हुआ था।
मेरा वापस लौटना ज़रूरी था। मेरे यहाँ कुछ रिश्ते थे—जिनका मुझे सम्मान करना था।
जैसे-जैसे चेहरा स्पष्ट होता गया, मुझे यह बात और भी स्पष्ट होती गई। और जितना करीब मैं
चेहरा पहचानने लगा।
एक छोटे लड़के का चेहरा।

23.

अंतिम रात, पहली सुबह

डॉ. वेड के साथ बैठने से पहले, हॉली ने बॉन्ड को बाहर इंतजार करने के लिए कहा।
उसने दरवाजा बंद कर दिया क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि वह उस बात को सुने जिससे वह डरती थी।
यह बहुत बुरी खबर थी। लेकिन इसका अंदाजा लगाते हुए बॉन्ड बाहर ही रुका रहा।
मैंने दरवाजे से अंदर झाँका और डॉ. वेड के कुछ शब्द सुने। इतने तो सुने कि...
वास्तविक स्थिति को समझना। यह समझना कि उसके पिता नहीं थे,
दरअसल, मैं कभी वापस नहीं आऊंगा।
बॉन्ड दौड़कर कमरे में आया और मेरे बिस्तर तक पहुँच गया। रोते हुए उसने मेरे बिस्तर को चूमा।
उसने मेरे माथे को छुआ और मेरे कंधों को सहलाया। फिर उसने मेरी पलकों को ऊपर उठाया और

मेरी खाली, बेजान आँखों में सीधे देखते हुए उसने कहा, "तुम बनने वाले हो..."
ठीक है, पापा। आप ठीक हो जाएंगे।" वह बार-बार यही दोहराता रहा।
और फिर, अपने बचकाने अंदाज़ में यह मानते हुए कि अगर वह इसे कई बार दोहराएगा,
यकीन मानिए, वह इसे सच कर देगा।
इसी बीच, गलियारे के दूसरी ओर एक कमरे में, हॉली खाली जगह को घूर रही थी।
वह डॉ. वेड के शब्दों को यथासंभव आत्मसात करने की कोशिश कर रही थी।
अंत में, उसने कहा, "मुझे लगता है कि इसका मतलब है कि मुझे कॉलेज में एबेन को फोन करना चाहिए।"
और उसे वापस बुला लें।"
डॉ. वेड ने इस प्रश्न पर विचार नहीं किया।
"हां, मुझे लगता है कि ऐसा करना सही रहेगा।"
हॉली कॉन्फ्रेंस रूम की बड़ी खिड़की की ओर चली गई,
जो तूफान से भीगी हुई लेकिन चमकती हुई वर्जीनिया की ओर देख रहा था।
पहाड़ों से उठकर उसने अपना सेल फोन निकाला और एबेन का नंबर डायल किया।
ऐसा करते ही सिल्विया अपनी कुर्सी से खड़ी हो गई।
“हॉली, एक मिनट रुको,” उसने कहा। “मुझे बस एक बार और अंदर जाने दो।”
समय।"
सिल्विया आईसीयू कक्ष में गई और बॉन्ड के बगल वाले बिस्तर के पास खड़ी हो गई,
वह चुपचाप बैठकर मेरा हाथ सहला रहा था। सिल्विया ने अपना हाथ मेरी बांह पर रखा और
मैंने उसे धीरे से सहलाया। पूरे सप्ताह की तरह, मेरा सिर थोड़ा मुड़ा हुआ था।
एक तरफ। एक हफ्ते से सब लोग मेरे चेहरे को ही देख रहे थे, बल्कि
मेरी आँखें केवल तभी खुलीं जब डॉक्टरों ने प्रकाश की प्रतिक्रिया में पुतली के फैलाव की जाँच की (सबसे सरल लेकिन
ब्रेनस्टेम के कार्य की जांच करने के सबसे प्रभावी तरीके), या जब हॉली
या फिर बॉन्ड ने डॉक्टरों के बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद इस बात पर जोर दिया था कि
ऐसा करते हुए उनका सामना दो ऐसी आंखों से हुआ जो बेजान और दिशाहीन होकर घूर रही थीं।
टूटी हुई गुड़िया की तरह टेढ़ी-मेढ़ी।
लेकिन अब, जब सिल्विया और बॉन्ड मेरे ढीले चेहरे को दृढ़ता से घूर रहे थे,

डॉक्टर से सुनी हुई बात को मानने से इनकार करते हुए,

कुछ घटित हुआ।

मेरी आंखें खुल गई।

सिल्विया चीख पड़ी। बाद में उसने मुझे बताया कि अगला सबसे बड़ा झटका,

मेरी आंखें खुलने जितना ही चौंकाने वाला था उनका तरीका।

वे तुरंत चारों ओर देखने लगे। ऊपर, नीचे, यहाँ, वहाँ...

यह उसे सात दिन के कोमा से बाहर आने वाले किसी वयस्क की याद नहीं दिलाता था, बल्कि किसी और की याद दिलाता था।

एक शिशु—कोई नवजात शिशु जो इस दुनिया में नया जन्मा हो, और अपने चारों ओर देख रहा हो,

इसे पहली बार ग्रहण कर रहा हूँ।

एक तरह से वह सही थी।

सिल्विया अपने शुरुआती सदमे से उबर गई और उसे एहसास हुआ कि मैं

वह किसी बात से परेशान थी। वह कमरे से बाहर भागी जहाँ हॉली थी।

वह अब भी बड़ी खिड़की के पास खड़ा होकर एबेन चतुर्थ से बात कर रहा था।

“हॉली...हॉली!” सिल्विया चिल्लाई। “वह जाग गया है। जाग गया! एबेन को बताओ।”

उसके पिता वापस आ रहे हैं।

हॉली ने सिल्विया को घूरकर देखा। "एबेन," उसने फोन पर कहा, "मुझे..."

मैं तुम्हें वापस कॉल करूंगा। वह... तुम्हारे पिता... जीवित हो रहे हैं।"

हॉली पहले चली, फिर दौड़कर आईसीयू में चली गई, डॉ. वेड ठीक उसके पीछे थे।

उसे। सचमुच, मैं बिस्तर पर छटपटा रहा था। नहीं

यांत्रिक रूप से नहीं, बल्कि इसलिए कि मैं सचेत था, और कुछ स्पष्ट रूप से था।

मुझे परेशान कर रहा था। डॉ. वेड तुरंत समझ गए कि यह क्या था:

मेरे गले में अभी भी एक सांस लेने वाली नली थी। वह नली जो अब मेरे गले में नहीं थी।

इसकी ज़रूरत थी, क्योंकि मेरा दिमाग, मेरे बाकी शरीर के साथ, बस

वह फिर से होश में आ गया। उसने हाथ बढ़ाकर सुरक्षा टेप को काटा और

इसे सावधानीपूर्वक निकाला गया।

मुझे थोड़ी घुटन हुई, फिर मैंने बिना किसी सहायता के पहली बार पूरी तरह से सांस ली।

सात दिन बीत गए थे, और मैंने एक हफ्ते में पहली बार कुछ शब्द बोले थे:

"धन्यवाद।"

फिलिस अभी भी उस इंद्रधनुष के बारे में सोच ही रही थी जो उसने अभी-अभी देखा था, तभी उसे एक विचार आया।

वह लिफ्ट से बाहर निकली। वह माँ को व्हीलचेयर में धकेल रही थी।

जैसे ही वह कमरे में दाखिल हुआ, फिलिस लगभग पीछे की ओर गिर पड़ी।

अविश्वास। मैं अपने बिस्तर पर बैठी थी, उनकी निगाहों से अपनी निगाहें मिला रही थी।

बेत्सी खुशी से उछल-कूद रही थी। उसने फिलिस को गले लगाया। वे दोनों बहुत खुश थीं।

मेरी आंखों में आंसू थे। फिलिस मेरे करीब आई और मेरी आंखों में गहराई से देखने लगी।

मैंने पीछे मुड़कर उसे देखा, फिर आसपास के सभी लोगों को देखा।

जब मेरा प्यारा परिवार और देखभाल करने वाले मेरे बिस्तर के चारों ओर इकट्ठा हुए, तब भी

इस अकल्पनीय परिवर्तन से मैं स्तब्ध रह गया, लेकिन मुझे शांतिपूर्ण और आनंदमय अनुभव हुआ।

मुस्कान।

मैंने कहा, "सब ठीक है," और उस आनंदमय संदेश को यथासंभव जीवंत किया।

मैंने उन शब्दों को बोलते हुए, उनमें से प्रत्येक को गहराई से देखा, और उन्हें स्वीकार किया।

हमारे अस्तित्व का दिव्य चमत्कार।

“चिंता मत करो... सब ठीक है,” मैंने किसी भी संदेह को दूर करने के लिए दोहराया।

फिलिस ने बाद में मुझसे कहा कि ऐसा लग रहा था मानो मैं उसे एक महत्वपूर्ण जानकारी दे रही हूँ।

परलोक से संदेश, कि दुनिया वैसी ही है जैसी होनी चाहिए, कि हम

डरने की कोई बात नहीं है। उसने कहा कि उसे अक्सर वह पल याद आता है जब

वह किसी सांसारिक चिंता से व्याकुल है—यह जानकर उसे सांत्वना मिलती है कि

हम कभी अकेले नहीं होते।

जब मैंने अपने साथ आए लोगों का जायजा लिया, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं अपनी पुरानी स्थिति में लौट रहा हूँ।

सांसारिक अस्तित्व।

मैंने वहां मौजूद लोगों से पूछा, "आप लोग यहां क्या कर रहे हैं?"

इस पर फिलिस ने जवाब दिया, "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"

24.

वापसी

बोंड ने कल्पना की थी कि उसका वही पुराना पिता जागेगा और देखेगा
मैं आसपास ही हूँ, और मुझे बस यह जानने की ज़रूरत है कि क्या हुआ था।
इससे पहले कि मैं उस पिता के रूप में अपनी भूमिका फिर से निभाऊं जिसे वह हमेशा से जानता था।
हालांकि, उन्हें जल्द ही पता चल गया कि यह वैसा नहीं होने वाला था जैसा उन्होंने सोचा था।
आसान। डॉ. वेड ने बॉन्ड को दो बातों के बारे में चेतावनी दी: पहली बात, उसे ऐसा नहीं करना चाहिए।
मुझे याद रहेगा कि मैंने बाहर निकलते समय क्या कहा था।
कोमा। उन्होंने समझाया कि स्मृति की प्रक्रिया में बहुत अधिक समय लगता है।
मेरी मस्तिष्क शक्ति पर्याप्त नहीं थी, और मेरा मस्तिष्क अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ था।
उस परिष्कृत स्तर पर प्रदर्शन करना। दूसरा, उसे चिंता नहीं करनी चाहिए।
मैंने इन शुरुआती दिनों में जो कुछ कहा, उसके बारे में बहुत कुछ, क्योंकि इसमें से बहुत कुछ शामिल है।
यह काफी अजीब लगने वाला था।
वह दोनों ही मामलों में सही साबित हुए।
वापस आने के बाद उस पहली सुबह, बॉन्ड ने मुझे गर्व से वह चित्र दिखाया जो उसने बनाया था।
और एबेन IV ने मेरे श्वेत रक्त कोशिकाओं को ई. कोलाई पर हमला करने के लिए बनाया था।
बैक्टीरिया।
“वाह, शानदार,” मैंने कहा।
बॉन्ड गर्व और उत्साह से चमक रहा था।
फिर मैंने आगे कहा: “बाहर हालात कैसे हैं? क्या चल रहा है?
कंप्यूटर की स्क्रीन पर क्या लिखा है? आपको हटना होगा, मैं तैयार हो रहा हूँ।
कूदना!"
बॉन्ड का चेहरा उतर गया। कहने की जरूरत नहीं, यह उसकी पूरी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा था।
जिसकी उम्मीद थी।

मुझे अजीबोगरीब भ्रम हो रहे थे, मैं अपने जीवन के कुछ सबसे रोमांचक पलों को फिर से जी रहा था।
मेरे जीवन के सबसे जीवंत पहलुओं को मैंने अत्यंत स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है।
मेरे दिमाग में, मैं जंप रन पर था, डीसी3 थ्री से स्काईडाइव करने के लिए तैयार था।
धरती से मीलों ऊपर... मैं आखिरी आदमी होने वाला हूँ जो बाहर निकलेगा, मेरा पसंदीदा।
यह मेरे शरीर की अधिकतम उड़ान की स्थिति थी।
हवाई जहाज के दरवाजे के बाहर चमकीली धूप में फूटते हुए, मैं
मैंने तुरंत कल्पना कर ली कि मैं सिर के बल गोता लगा रहा हूँ और अपने हाथ पीछे की ओर मोड़े हुए हूँ (अपने मन में),
और गिरते समय मुझे प्रोपेलर के नीचे जाने वाले परिचित झटके महसूस हो रहे थे।
विस्फोट, उल्टे होकर देखते हुए विशाल चांदी के पेट का
विमान आसमान की ओर तेजी से बढ़ने लगा, उसके विशाल प्रोपेलर धीरे-धीरे घूमने लगे।
गति, धरती और नीचे के बादल इसके निचले हिस्से पर प्रतिबिंबित हो रहे थे। मैं था
फ्लैप और पहिए नीचे की ओर (जैसे कि लैंडिंग हो रही हो) के अजीबोगरीब दृश्य पर विचार करते हुए।
जमीन से कई मील ऊपर रहते हुए (यह सब गति कम करने और न्यूनतम करने के लिए किया जाता है)
कूदने वालों को हवा का झटका लगता है।
मैंने सिर नीचे करके गोता लगाने के दौरान अपनी बाहों को और भी कसकर अंदर की ओर मोड़ लिया ताकि गति बढ़ा सकूं।
220 मील प्रति घंटे से भी अधिक की रफ्तार से, मेरी चित्तीदार आँखों के अलावा और कुछ नहीं।
नीले हेलमेट और कंधों को पतली ऊपरी हवा के खिलाफ खिंचाव का विरोध करने के लिए
नीचे स्थित विशाल ग्रह, फुटबॉल मैदान की लंबाई से भी अधिक गति से चल रहा है।
हर पल, हवा तीन गुना तूफानी गति से भयंकर रूप से गरज रही थी।
अब तक की किसी भी चीज़ से ज़्यादा तेज़।
दो विशाल, फूले हुए सफेद बादलों के शीर्षों के बीच से गुजरते हुए, मैं
उनके बीच की साफ़ खाई में रॉकेट की तरह तेज़ी से गिरा, हरी धरती और
नीचे दूर चमकता हुआ गहरा नीला समुद्र, मेरी बेतहाशा, रोमांचकारी दौड़ में नीचे की ओर
मेरे दोस्तों के साथ शामिल हो जाओ, जो रंग-बिरंगे हिमखंडों की आकृति में मुश्किल से दिखाई दे रहे हैं।
जैसे-जैसे अन्य लोग नीचे से कूदते गए, वैसे-वैसे यह हर सेकंड बड़ा होता गया।

. . .

मैं आईसीयू में मौजूद होने और वहां से हटने के बीच दुविधा में था।
और एड्रेनालाईन से लथपथ भ्रमों में खो जाने के कारण मैं होश खो बैठा था।
शानदार स्काईडाइव।
मैं पागलपन और बात समझ पाने के बीच की स्थिति में था।
दो दिनों तक मैं स्काईडाइविंग, हवाई जहाज और अन्य चीजों के बारे में बड़बड़ाता रहा।
जो भी सुनना चाहे, इंटरनेट। जैसे-जैसे मेरा शारीरिक मस्तिष्क धीरे-धीरे
जब मैंने अपनी स्थिति संभाली, तो मैं एक अजीब और थका देने वाले व्यामोहपूर्ण वातावरण में प्रवेश कर गया।
ब्रह्मांड। मैं "इंटरनेट" की एक बदसूरत पृष्ठभूमि से ग्रस्त हो गया।
ऐसे संदेश जो मेरी आंखें बंद करने पर दिखाई देते थे, और जो
कभी-कभी खुले होने पर वे छत पर दिखाई देते थे। जब मैं
मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं, तभी मुझे कर्कश, नीरस और बेसुरा मंत्रोच्चार सुनाई दिया।
ऐसी आवाज़ें जो आमतौर पर दोबारा खोलने पर बंद हो जाती थीं। मैंने उन्हें रखा।
मैंने अपनी उंगली हवा में उठाई, ठीक एलियन की तरह इशारा करते हुए, किसी को रास्ता दिखाने की कोशिश की।
मेरे सामने से रूसी और चीनी भाषा में इंटरनेट टिकर गुजर रहा है।
संक्षेप में, मैं थोड़ा पागल था।
यह सब कुछ हद तक केंचुए की नज़र से देखे जाने वाले संसार जैसा था, बस फर्क इतना था कि...
और भी भयावह, क्योंकि मैंने जो सुना और देखा वह इससे भरा हुआ था।
मेरे मानवीय अतीत के कुछ निशान (मैंने अपने परिवार के सदस्यों को भी पहचान लिया, यहाँ तक कि)
जब, हॉली के मामले की तरह, मुझे उनके नाम याद नहीं थे।
लेकिन साथ ही साथ इसमें आश्चर्यजनक स्पष्टता का पूरी तरह से अभाव था और
गेटवे और कोर की जीवंत समृद्धि—अति-वास्तविकता।
यह बात निश्चित रूप से मेरे दिमाग में वापस आ गई थी।
हालांकि मेरी आंखें शुरू में पूरी तरह से स्पष्ट दिखाई दे रही थीं, फिर भी
पहली बार खुलने पर, मुझे जल्द ही एक बार फिर अपने मानवीय जीवन की कोई याद नहीं रही।
कोमा में जाने से पहले। मुझे बस इतना याद था कि मैं अभी कहाँ था:
केंचुए की आंखों से देखे जाने वाले दृश्य का ऊबड़-खाबड़, बदसूरत क्षेत्र, रमणीय प्रवेश द्वार,

और वह अद्भुत दिव्य मूल तत्व। मेरा मन—मेरा वास्तविक स्वरूप—था
बहुत ही तंग और सीमित सूट में वापस घुसने की कोशिश करते हुए
भौतिक अस्तित्व, अपनी स्थानिक-कालिक सीमाओं के साथ, अपने रेखीय विचार के साथ,
और इसकी मौखिक संचार तक सीमितता। ऐसी चीजें जो अब तक
एक हफ्ते पहले तक मुझे लगता था कि यही अस्तित्व का एकमात्र तरीका है, लेकिन
जो अब बेहद बोझिल साबित हो रहे थे
सीमाएँ।
भौतिक जीवन रक्षात्मकता से परिपूर्ण होता है, जबकि आध्यात्मिक जीवन
यह तो बिलकुल विपरीत है। यही एकमात्र स्पष्टीकरण है जो मुझे सूझा।
यह समझाने के लिए कि मेरी वापसी में इतना प्रबल संदेह का पहलू क्यों था।
कुछ समय के लिए मुझे यकीन हो गया था कि हॉली (जिसका नाम मैं अभी भी
मुझे नहीं पता था लेकिन मैंने किसी तरह अपनी पत्नी को पहचान लिया) और मेरा
चिकित्सक मुझे मारने की कोशिश कर रहे थे। मुझे और भी सपने और कल्पनाएँ आने लगीं।
उड़ान और स्काईडाइविंग के बारे में—उनमें से कुछ बेहद लंबे हैं और
इसमें शामिल। सबसे लंबे, सबसे तीव्र और लगभग हास्यास्पद रूप से
इन सब बातों का जिक्र करते हुए, मैंने खुद को दक्षिण फ्लोरिडा के एक कैंसर क्लिनिक में पाया।
इसमें बाहरी एस्केलेटर थे जहां हॉली मेरा पीछा कर रही थी, दो
दक्षिण फ्लोरिडा के पुलिस अधिकारी और एशियाई निंजा फोटोग्राफरों की एक जोड़ी
केबल पुली पर।
दरअसल, मैं "आईसीयू साइकोसिस" नामक एक स्थिति से गुजर रहा था।
यह उन रोगियों के लिए सामान्य, बल्कि अपेक्षित भी है, जिनके मस्तिष्क लंबे समय तक निष्क्रिय रहने के बाद फिर से सक्रिय हो रहे हैं। मैंने इसे कई बार देखा है।
लेकिन अंदर से कभी नहीं। और अंदर से यह बहुत ही बहुत ही अलग था।
बिल्कुल अलग।
दुःस्वप्नों के इस सत्र के बारे में सबसे दिलचस्प बात यह है कि...
पीछे मुड़कर देखने पर, यह भ्रमपूर्ण कल्पनाएँ ही वास्तव में सब कुछ थीं:

कल्पना। इसके कुछ हिस्से—विशेष रूप से विस्तारित दक्षिण फ्लोरिडा निंजा
दुःस्वप्न—अत्यंत तीव्र और यहाँ तक कि बेहद डरावने थे।
घटित हो रहा था। लेकिन पीछे मुड़कर देखने पर—दरअसल, इसके लगभग तुरंत बाद—
वह दौर समाप्त हुआ—सब कुछ स्पष्ट रूप से पहचान में आने लगा कि वह क्या था:
मेरे बेहद संकटग्रस्त दिमाग ने कुछ ऐसा गढ़ा था जब वह कोशिश कर रहा था...
अपनी स्थिति को पुनः प्राप्त करना। इस दौरान मुझे कुछ सपने आए।
वे बेहद जीवंत और भयावह थे। लेकिन अंत में उन्होंने अपना उद्देश्य पूरा किया।
केवल इस बात पर ज़ोर देने के लिए कि मेरी स्वप्न अवस्था कितनी भिन्न थी।
कोमा की गहरी अवस्था में स्थित अति-वास्तविकता की तुलना में।
जहां तक रॉकेट, हवाई जहाज और स्काईडाइविंग जैसे विषयों की बात है जिनकी मैंने कल्पना की थी...
मुझे बाद में एहसास हुआ कि वे इतने लगातार थे कि वे काफी सटीक थे।
प्रतीकात्मक दृष्टिकोण से। क्योंकि असलियत यह थी कि मैं एक बना रहा था
दूर स्थान से खतरनाक पुन: प्रवेश, परित्यक्त लेकिन अब
एक बार फिर मेरा मस्तिष्क एक कार्यात्मक अंतरिक्ष स्टेशन बन गया है। कोई शायद ही इससे कुछ मांग सकता है।
मेरे साथ एक सप्ताह के दौरान जो कुछ हुआ, उसके लिए एक बेहतर सांसारिक उपमा के लिए
रॉकेट लॉन्च से भी कहीं अधिक तीव्र और अप्रत्याशित।

25.

अभी तक वहां नहीं

बोंड अकेले ऐसे व्यक्ति नहीं थे जिन्हें इस स्पष्ट बदलाव को स्वीकार करने में कठिनाई हो रही थी।
वापसी के पहले कुछ दिनों में मैं कितना अजीब इंसान था। अगले दिन...
होश में आने के बाद—सोमवार—फिलिस ने एबेन IV को फोन किया।
स्काइप का उपयोग करते हुए कंप्यूटर।
“एबेन, ये रहे तुम्हारे पापा,” उसने वीडियो कैमरा उसकी ओर घुमाते हुए कहा।
मुझे।
“हाय पापा! कैसे हैं आप?” उसने खुशी से कहा।
एक मिनट के लिए मैं बस मुस्कुराता रहा और कंप्यूटर स्क्रीन को घूरता रहा।
आखिरकार मैंने बोलना शुरू किया, एबेन पूरी तरह टूट गया था। मैं बहुत धीरे-धीरे बोल रहा था।
और वे शब्द भी अर्थहीन थे। एबेन ने बाद में मुझसे कहा, "तुम
आवाज किसी ज़ोंबी जैसी थी—जैसे कोई एसिड के बुरे असर से गुज़र रहा हो।
दुर्भाग्यवश, उन्हें किसी संभावित समस्या के बारे में पहले से सूचित नहीं किया गया था।
आईसीयू में मनोविकृति।
धीरे-धीरे मेरा डर कम होता गया, और मेरी सोच और बातचीत में सुधार आया।
मेरी चेतना और अधिक स्पष्ट हो गई। जागृति के दो दिन बाद, मुझे स्थानांतरित कर दिया गया।
उन्हें न्यूरोसाइंस स्टेप-डाउन यूनिट में भर्ती कराया गया। वहां की नर्सों ने फिलिस को
और बेत्सी के लिए खाटें ताकि वे मेरे बगल में सो सकें। मुझे किसी पर भरोसा नहीं था।
लेकिन उन दोनों ने मुझे सुरक्षित महसूस कराया, मुझे मेरे नए जीवन से बांधे रखा।
वास्तविकता।
बस एक ही समस्या थी कि मुझे नींद नहीं आई। मैंने उन्हें पूरी रात जगाए रखा।
इंटरनेट, अंतरिक्ष स्टेशन, रूसी डबल एजेंट आदि के बारे में बातें करते हुए।
और इससे संबंधित हर तरह की बेतुकी बातें। फिलिस ने समझाने की कोशिश की।

नर्सों ने मुझे खांसी बताई, और उम्मीद जताई कि थोड़ी सी खांसी की दवा से आराम मिल जाएगा।
लगभग एक घंटे की निर्बाध नींद। मैं एक नवजात शिशु की तरह था जिसे नींद नहीं आती थी।
सोने का नियमित कार्यक्रम अपनाएं।
मेरे शांत क्षणों में, फिलिस और बेट्सी ने मुझे धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में लाने में मदद की।
धरती पर। उन्हें हमारे बचपन की तरह-तरह की कहानियां याद आ गईं, और
हालांकि कुल मिलाकर मैंने उन्हें ऐसे सुना जैसे मैं उन्हें पहली बार सुन रहा हूँ।
फिर भी, मैं उतना ही मोहित था। जैसे-जैसे वे बातें करते गए, मेरे भीतर कुछ महत्वपूर्ण चमकने लगा—यह अहसास...
दरअसल, मैं स्वयं इन घटनाओं के दौरान वहां मौजूद था।
बाद में दोनों बहनों ने मुझे बताया कि बहुत जल्दी ही, वे उस भाई को जान गई थीं जिसे वे जानती थीं।
संशयपूर्ण बातों के घने कोहरे के बीच से वह फिर से दिखाई देने लगा।
“यह अद्भुत था,” बेट्सी ने बाद में मुझसे कहा। “तुम अभी-अभी बाहर आ रहे थे...”
कोमा में, आपको बिल्कुल भी पता नहीं था कि आप कहाँ हैं या क्या हो रहा है।
आप तो आधे समय तो तरह-तरह की अजीबोगरीब बातें करते रहते थे, और
फिर भी आपका सेंस ऑफ ह्यूमर बिल्कुल ठीक था। यह स्पष्ट रूप से आप ही थे। आप ही थे।
पीछे!"
आपने सबसे पहले जो काम किया, वह था खिलाने के बारे में एक मजाक करना।
“खुद को,” फिलिस ने बाद में बताया। “हम तुम्हें खिलाने के लिए तैयार थे।”
जब तक जरूरत पड़ी, चम्मच-चम्मच करके। लेकिन तुम ऐसा करने को तैयार नहीं थे।
तुम उस नारंगी जेली को अपने मुंह में डालने के लिए दृढ़ संकल्पित थे।
अपनी खुद की।"
जैसे ही मेरे दिमाग के अस्थायी रूप से स्तब्ध इंजन फिर से सक्रिय हुए
इसके अलावा, मैं खुद को कुछ कहते या करते हुए देखता और आश्चर्यचकित होता: मैंने ये सब कहाँ से शुरू किया?
ये कहाँ से आए? शुरुआत में, लिंचबर्ग की जैकी नाम की एक दोस्त आई थी।
मिलने के लिए। हॉली और मैं जैकी और उसके पति रॉन को अच्छी तरह जानते थे।
हमने उनसे अपना घर खरीदा था। मेरी सहमति के बिना उन्होंने ऐसा किया।
तो, मेरे भीतर गहराई से बसी दक्षिणी सामाजिक शिष्टाचार की भावना जागृत हो गई।

जैकी, मैंने तुरंत पूछा, "रॉन कैसा है?"

कुछ दिनों बाद, मुझे कभी-कभी सचमुच स्पष्ट दृष्टि प्राप्त होने लगी।

मेरे आगंतुकों के साथ बातचीत हुई, और एक बार फिर यह देखना बेहद दिलचस्प था।

इनमें से कितने कनेक्शन स्वचालित थे और किनके लिए किसी विशेष आवश्यकता की आवश्यकता नहीं थी?

मेरी ओर से काफी प्रयास। ऑटोपायलट पर चल रहे जेट की तरह, मेरा दिमाग किसी तरह

मानव द्वारा इन तेजी से परिचित होते जा रहे परिदृश्यों पर बातचीत की गई

मुझे एक ऐसे सत्य का प्रत्यक्ष अनुभव हो रहा था जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था।

न्यूरोसर्जन के रूप में बहुत अच्छी तरह से जाना जाता है: मस्तिष्क वास्तव में एक अद्भुत अंग है।

तंत्र।

बेशक, हर किसी के मन में अनकहा सवाल है (जिसमें शामिल हैं

मेरे मन में (जब मैं ज्यादा होश में होता था) यह सवाल होता था: मैं कितना अच्छा कर पाऊंगा? क्या मैं

क्या ई. कोलाई ने वास्तव में पूरी तरह से वापसी कर ली थी, या क्या ई. कोलाई ने कम से कम कुछ हद तक ऐसा किया था?

क्या इससे वही नुकसान होगा जिसके बारे में सभी डॉक्टरों को यकीन था? यह रोज़ाना का इंतज़ार सभी को परेशान कर रहा था, खासकर हॉली को, जिसे डर था कि अचानक सब कुछ खत्म हो जाएगा।

चमत्कारिक प्रगति रुक जाएगी, और उसके पास केवल एक ही विकल्प बचेगा।

वह "मैं" का वह हिस्सा जिसे वह जानती थी।

लेकिन दिन-ब-दिन, वह "मैं" और अधिक लौटता चला गया। भाषा।

यादें। पहचान। मेरे अंदर हमेशा से मौजूद एक शरारती स्वभाव।

वे भी लौट आए, जो पहले से ही जाने जाते थे। और वे मुझे देखकर खुश थे।

हालांकि मेरी हास्यबोध वापस आ गई थी, लेकिन मेरी दोनों बहनें हमेशा इस बात से खुश नहीं होती थीं कि मैं कैसा व्यवहार करता था।

मैंने इसका इस्तेमाल करने का फैसला किया। सोमवार दोपहर को, फिलिस ने मेरे माथे को छुआ और

मैं पीछे हट गया।

“आह!” मैं चिल्लाई। “बहुत दर्द हो रहा है!”

फिर, सबके भयभीत चेहरों को देखकर मैंने कहा, "बस

मज़ाक कर रहा है।"

मेरी रिकवरी की गति देखकर हर कोई हैरान था—सिवाय मेरे।

मुझे उस समय तक इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मैं वास्तव में मौत के कितने करीब था।

जैसे-जैसे दोस्त और परिवार के सदस्य अपने-अपने जीवन में वापस लौटने लगे, मैंने कामना की

उन्होंने उन्हें अच्छी तरह से संभाला और उस त्रासदी से पूरी तरह अनजान बने रहे जो घटित हुई थी।

बाल-बाल बच गया। मैं इतना उत्साहित था कि उनमें से एक

पुनर्वास के लिए मेरा मूल्यांकन करने वाले न्यूरोलॉजिस्टों ने जोर देकर कहा कि मैं

मैं "बहुत ज्यादा उत्साहित" था, और शायद मुझे मस्तिष्क संबंधी समस्या हो रही थी।

नुकसान। यह डॉक्टर, मेरी तरह, नियमित रूप से बो-टाई पहनता था, और मैं

उन्होंने मेरी बहनों को अपनी बीमारी के बारे में बताकर एहसान चुकाया, जब उन्होंने ऐसा किया था।

उन्होंने कहा कि "बो-टाई के शौकीन होने के बावजूद उनमें भावों की कमी अजीब तरह से देखी गई।"

फिर भी, मुझे एक बात पता थी जो ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को पता थी।

मेरे आस-पास के लोग भी इसे स्वीकार करने लगेंगे। डॉक्टरों के विचार हों या न हों।

डॉक्टरों के अनुसार, मैं बीमार नहीं था, न ही मेरे दिमाग में कोई क्षति थी। मैं पूरी तरह से स्वस्थ था।

दरअसल—हालांकि इस समय केवल मुझे ही यह पता था—मैं पूरी तरह से और

अपने पूरे जीवन में पहली बार सचमुच "अच्छा" महसूस कर रहा हूँ।

26.

समाचार फैलाना

“सचमुच अच्छा”—भले ही मुझे अभी भी कुछ काम करना बाकी हो।
हार्डवेयर संबंधी काम बंद हो गया। आउट पेशेंट विभाग में जाने के कुछ दिनों बाद।
मैंने स्कूल में एबेन IV को फोन किया। उसने बताया कि वह पुनर्वास केंद्र में काम कर रहा है।
उनके न्यूरोसाइंस पाठ्यक्रम के एक शोध पत्र पर काम कर रहे थे। मैंने उनकी मदद करने के लिए स्वेच्छा से आगे आया।
लेकिन जल्द ही मुझे ऐसा करने का पछतावा हुआ। मेरे लिए ध्यान केंद्रित करना बहुत मुश्किल हो गया था।
विषय मेरी अपेक्षा से कहीं अधिक कठिन था, और शब्दावली भी ऐसी थी जिसके बारे में मुझे लगा था कि मुझे पूरी जानकारी है।
अचानक मेरे मन में 'वापस' का ख्याल आना बंद हो गया। मुझे यह बात झटके से समझ में आई।
मुझे अभी कितनी दूर जाना बाकी था।
लेकिन धीरे-धीरे वह हिस्सा भी वापस आ गया। मैं एक दिन सुबह उठता और पाता
मेरे पास वैज्ञानिक और चिकित्सा संबंधी ज्ञान के पूरे महाद्वीप हैं।
मुझे यह जानकारी नहीं थी कि एक दिन पहले मैं इसके बिना था।
मेरे अनुभव के सबसे अजीब पहलू: सुबह आंखें खोलना
जीवन भर की शिक्षा के मूलभूत सिद्धांतों के साथ-साथ और भी अधिक जानकारी के साथ।
और काम पर दोबारा अनुभव प्राप्त करना।
हालांकि तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में मेरा ज्ञान धीरे-धीरे और संकोचपूर्वक वापस आने लगा,
उस सप्ताह जो कुछ हुआ उसकी यादें मेरे शरीर से बाहर हैं
यह बात मेरी स्मृति में आश्चर्यजनक साहस और स्पष्टता के साथ उभर आई। क्या
जो कुछ पृथ्वी के बाहर घटित हुआ था, उसका इससे गहरा संबंध था।
जिस असीम खुशी के साथ मैं जागा था, और जो आनंद निरंतर बना रहा...
मेरे साथ बने रहिए। मैं बेहद खुश था क्योंकि मैं वापस आ गया था।
जिन लोगों से मैं प्यार करता था। लेकिन मैं खुश भी था क्योंकि—सीधी बात कहूँ तो

जितना स्पष्ट रूप से मैं कह सकता हूँ—मुझे पहली बार समझ आया कि मैं वास्तव में कौन हूँ, और
हम किस तरह की दुनिया में रहते हैं।
मैं इन अनुभवों को साझा करने के लिए बेहद उत्सुक और भोलेपन से भरा हुआ था।
विशेषकर मेरे साथी डॉक्टरों के साथ। आखिरकार, मैंने जो कुछ सहा था...
इसने मस्तिष्क और चेतना के बारे में मेरी पुरानी मान्यताओं को बदल दिया।
यही तो जीवन का वास्तविक अर्थ है—और क्या अर्थ नहीं है। भला कौन नहीं चाहेगा?
क्या आप मेरी खोजों के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं?
पता चला कि काफी लोग थे। खासकर वे लोग जिनके पास मेडिकल की डिग्री थी।
इसमें कोई शक नहीं कि मेरे डॉक्टर मेरे लिए बहुत खुश थे।
"बहुत बढ़िया, एबेन," वे कहते थे, जो अनगिनत बार मेरे जवाब की ही तरह होता था।
मेरे अपने मरीज़ जिन्होंने अतीत में मुझे इसके बारे में बताने की कोशिश की थी
सर्जरी के दौरान उन्हें हुए अलौकिक अनुभवों के बारे में। "आप थे
बहुत बीमार। आपके दिमाग में मवाद भरा हुआ था। हमें विश्वास ही नहीं हो रहा कि आप अभी भी जीवित हैं।
हम यहाँ इस बारे में बात करने आए हैं। आप खुद जानते हैं कि दिमाग क्या-क्या सोच सकता है।
जब स्थिति इतनी बिगड़ चुकी हो।"
संक्षेप में, वे यह समझ ही नहीं पा रहे थे कि मैं इतना
साझा करने की पूरी कोशिश कर रहा हूँ।
लेकिन फिर, मैं उन्हें दोष कैसे दे सकता हूँ? आखिरकार, मैं तो ऐसा बिल्कुल नहीं करता।
या तो मैंने इसे पहले समझा था।

27.

घर वापसी

मैं 25 नवंबर, 2008 को, थैंक्सगिविंग से दो दिन पहले, घर लौटा।
कृतज्ञता से भरा एक घर। एबेन चतुर्थ मुझे सरप्राइज देने के लिए रात भर गाड़ी चलाकर आए।
अगली सुबह। पिछली बार जब वह मेरे साथ था, तब मैं पूरी तरह से
वह कोमा में था, और वह अभी भी इस बात को समझने की कोशिश कर रहा था कि मैं अभी भी जीवित हूँ।
नेल्सन से गुजरते समय उसे तेज गति का चालान मिलने पर वह इतना उत्साहित था।
लिंचबर्ग के ठीक उत्तर में स्थित काउंटी।
मैं घंटों से जाग रहा था, अपने आरामदायक कमरे में आग के पास अपनी आरामकुर्सी पर बैठा था।
लकड़ी के पैनल वाली अध्ययन कक्ष में बैठी, बस उन सभी चीजों के बारे में सोच रही थी जिनसे मैं गुज़री थी।
एबेन सुबह 6 बजे के ठीक बाद दरवाजे से अंदर आया। मैं खड़ा हो गया और उसे देखने लगा।
मैंने उसे देर तक गले लगाया। वह दंग रह गया। पिछली बार जब उसने मुझे देखा था...
अस्पताल में स्काइप पर बात करते समय मैं मुश्किल से एक वाक्य बोल पा रहा था। अब—
दुबलेपन के अलावा और कुछ नहीं, बस मेरी बांह में IV लाइन लगी हुई है।
मैं जीवन में अपनी सबसे पसंदीदा भूमिका में लौट आया था—एबेन और बॉन्ड का होना।
पापा।
खैर, लगभग एक जैसा ही। एबेन को एक और बात का भी पता था जो...
मुझमें भी कुछ अलग था। बाद में, एबेन ने कहा कि जब उसने पहली बार देखा
उस दिन, वह मेरी उपस्थिति से तुरंत प्रभावित हो गया।
उन्होंने कहा, “आप इतने स्पष्ट और इतने केंद्रित थे। ऐसा लग रहा था मानो कोई
एक तरह की रोशनी जो आपके भीतर चमक रही हो।"
मैंने अपने विचार साझा करने में जरा भी समय बर्बाद नहीं किया।
मैंने उनसे कहा, "मैं इसके बारे में जितना हो सके उतना पढ़ने के लिए बहुत उत्सुक हूं। यह सब कुछ बहुत ही दिलचस्प था।"
असली, एबेन, इतना असली कि असली होना मुश्किल है, अगर इसका कोई मतलब बनता है। मैं चाहता हूँ

मैं इस विषय पर अन्य तंत्रिका वैज्ञानिकों के लिए लिखना चाहता हूँ। और मैं इसके बारे में पढ़ना चाहता हूँ।
एनडीई (निकट-मृत्यु के अनुभव) और अन्य लोगों के अनुभव। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने कभी इसके बारे में नहीं जाना।
मैंने इनमें से किसी भी बात को गंभीरता से नहीं लिया, अपने मरीजों की बातों पर कभी ध्यान नहीं दिया।
मुझे तो कभी इतनी जिज्ञासा ही नहीं हुई कि मैं इनमें से किसी भी विषय में जानने की कोशिश करूं।
साहित्य।"
एबेन ने पहले तो कुछ नहीं कहा, लेकिन यह स्पष्ट था कि वह सोच रहा था।
अपने पिता को सबसे अच्छी सलाह कैसे दी जाए, इस बारे में। वह मेरे सामने बैठ गया और उसने मुझे वह बात समझने के लिए प्रेरित किया जो स्पष्ट होनी चाहिए थी।
“मुझे आप पर विश्वास है, पिताजी,” उसने कहा। “लेकिन ज़रा सोचिए। अगर आप चाहते हैं कि ऐसा हो
दूसरों के लिए उपयोगी बनें, आपको सबसे आखिर में दूसरों की बातें पढ़नी चाहिए।
लोगों ने ऐसा कहा है।
“तो मुझे क्या करना चाहिए?” मैंने पूछा।
इसे लिख लो। सब कुछ लिख लो—अपनी सारी यादें, जितनी सटीक हो सके।
आपको याद हो तो ऐसा करें। लेकिन कोई भी किताब या लेख न पढ़ें।
दूसरों के मृत्यु के निकट के अनुभवों के बारे में, या भौतिकी के बारे में, या
ब्रह्मांड विज्ञान। जब तक आप अपने साथ घटी घटनाओं को लिख नहीं लेते, तब तक नहीं।
जब तुम
या फिर कोमा में हों—कम से कम उस हद तक तो नहीं कि आप उनसे बच सकें।
इसका। आप बाद में जितना चाहें उतना कर सकते हैं, है ना? सोचिए कि आप हमेशा कैसे
वह मुझसे कहते थे कि पहले अवलोकन आता है, फिर व्याख्या। अगर
यदि आप चाहते हैं कि आपके साथ जो हुआ वह वैज्ञानिक रूप से मूल्यवान हो, तो आपको आवश्यकता है
शुरू करने से पहले इसे यथासंभव शुद्धता और सटीकता से रिकॉर्ड कर लें।
दूसरों के साथ जो कुछ हुआ है, उससे किसी भी प्रकार की तुलना करना उचित नहीं है।
यह शायद अब तक की सबसे समझदारी भरी सलाह थी जो किसी ने मुझे दी है—और
मैंने उसका अनुसरण किया। एबेन भी बिलकुल सही था कि मैं वास्तव में क्या चाहता था,

सबसे बढ़कर, मेरा उद्देश्य अपने अनुभवों का उपयोग करना था, उम्मीद है कि...
दूसरों की मदद करें। जैसे-जैसे मेरा वैज्ञानिक दृष्टिकोण वापस लौटता गया, वैसे-वैसे मुझे और अधिक स्पष्ट रूप से समझ आने लगा।
मैंने देखा कि दशकों की स्कूली शिक्षा में मैंने जो कुछ सीखा था, वह कितना मौलिक रूप से बदल गया था और
चिकित्सा पद्धति मेरे अनुभवों से मेल नहीं खाती थी, जितना अधिक मैं
यह समझा कि मन और व्यक्तित्व (जैसा कि कुछ लोग इसे कहते हैं,
हमारी आत्मा या चेतना शरीर से परे भी विद्यमान रहती है। मुझे यह बात अपने दोस्तों को बतानी पड़ी।
दुनिया को कहानी सुनाना।
अगले छह हफ्तों तक, लगभग हर दिन एक जैसा ही बीता। मैं सुबह उठता था
लगभग रात के 2 या 2:30 बजे, बस इतना आनंदित और ऊर्जावान महसूस कर रहा था
मुझे इतना सुकून मिलता था कि मैं बिस्तर से उछलकर उठ जाता। मैं बैठक में आग जलाता और बैठ जाता।
मैं अपनी पुरानी चमड़े की कुर्सी पर बैठ गया और लिखने लगा। मैंने हर छोटी-बड़ी बात याद करने की कोशिश की।
कोर के अंदर और बाहर की मेरी यात्राएँ, और सीखने के दौरान मैंने जो महसूस किया
इसके अनेक जीवन बदलने वाले सबक।
हालांकि 'कोशिश की' शब्द वास्तव में सही नहीं है। स्पष्ट और सटीक,
यादें वहीं थीं, ठीक उसी जगह जहां मैंने उन्हें छोड़ा था।

28.

अल्ट्रा-रियल

धोखा खाने के दो तरीके हैं। एक तो यह कि आप उस बात पर विश्वास करें जो सच नहीं है;
दूसरा तरीका है सच को मानने से इनकार करना।
—सोरेन कीर्केगार्ड (1813-1855)

इस पूरे लेखन में, एक शब्द बार-बार सामने आता हुआ प्रतीत हुआ।
असली।

कोमा में जाने से पहले मुझे कभी यह एहसास नहीं हुआ था कि शब्द कितना भ्रामक होता है।
हो सकता है। मुझे चिकित्सा जगत में इसके बारे में जिस तरह से सोचना सिखाया गया था, वह यही था।
स्कूल में और उस सामान्य ज्ञान के स्कूल में जिसे जीवन कहते हैं, वह यह है कि
कोई चीज़ या तो वास्तविक है (कार दुर्घटना, फ़ुटबॉल खेल, सैंडविच)
(आपके सामने मेज पर) या नहीं। एक के रूप में मेरे वर्षों में
न्यूरोसर्जन होने के नाते, मैंने बहुत से लोगों को मतिभ्रम का अनुभव करते देखा है।
मुझे लगा था कि मैं जानता हूँ कि अवास्तविक घटनाएँ कितनी भयावह हो सकती हैं
जो लोग इनका अनुभव कर रहे थे। और आईसीयू में मनोविकृति के मेरे कुछ दिनों के दौरान,
मुझे कुछ बेहद यथार्थवादी दुःस्वप्नों का अनुभव करने का मौका मिला था।
ठीक है। लेकिन उनके गुजर जाने के बाद, मैंने उन बुरे सपनों को तुरंत पहचान लिया।
वे भ्रम थे: मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न तंत्रिका संबंधी मायाजाल।
सर्किट को दोबारा चालू करने में दिक्कत आ रही है।
लेकिन कोमा में रहने के दौरान मेरा दिमाग ठीक से काम नहीं कर रहा था।
मेरे दिमाग का वह हिस्सा जो वर्षों के चिकित्सा उपचार के बाद ठीक से काम नहीं कर रहा था।
स्कूल ने मुझे सिखाया था कि मैं जिस दुनिया में रहता हूँ उसे बनाने के लिए मैं ही जिम्मेदार हूँ।
और अंदर चले गए और मेरे माध्यम से आने वाले कच्चे डेटा को लेने के लिए।
इंद्रियों और उन्हें एक सार्थक ब्रह्मांड में ढालना: मेरे उस हिस्से
मेरा दिमाग पूरी तरह से निष्क्रिय हो गया था। फिर भी, इन सब के बावजूद, मैं जीवित था।
और सचेत, वास्तव में सचेत, एक ऐसे ब्रह्मांड में जो सबसे बढ़कर प्रेम से परिपूर्ण है,
चेतना और वास्तविकता। (वह शब्द फिर से आ गया।) था,
मेरे लिए, इस तथ्य पर कोई बहस नहीं हो सकती। मैं इसे इतनी अच्छी तरह जानता था कि मैं
दर्द हो रहा था।
मैंने जो अनुभव किया वह उस घर से कहीं अधिक वास्तविक था जिसमें मैं बैठा था, कहीं अधिक
चिमनी में जलती लकड़ियों से भी ज़्यादा वास्तविक। फिर भी वहाँ कोई जगह नहीं थी।
चिकित्सा प्रशिक्षण प्राप्त वैज्ञानिक दृष्टिकोण में मैंने जो वास्तविकता पाई थी, वह उसी का परिणाम थी।
वर्षों से अधिग्रहण कर रहे हैं।

मैं इन दोनों वास्तविकताओं के लिए जगह कैसे बना पाऊंगा?

सहअस्तित्व?

29.

एक साझा अनुभव

अंततः वह दिन आ ही गया जब मैंने अपनी तरफ से हर संभव बात लिख ली थी।
केंचुए की दृष्टि के दायरे की हर आखिरी स्मृति,
गेटवे और कोर।
फिर पढ़ने का समय आया। मैं प्रत्यक्ष अनुभव साहित्य के सागर में डूब गया।
एक ऐसा सागर जिसमें मैंने पहले कभी अपना पैर भी नहीं रखा था।
मुझे यह समझने में ज्यादा समय नहीं लगा कि अनगिनत अन्य लोगों को भी यही समस्या थी।
मैंने हाल के वर्षों और पिछली शताब्दियों में जिन चीजों का अनुभव किया है, वे सभी मेरे लिए महत्वपूर्ण हैं।
सभी प्रत्यक्ष अनुभव एक जैसे नहीं होते, प्रत्येक अनुभव अद्वितीय होता है—लेकिन फिर भी एक समान होता है।
कुछ तत्व बार-बार दिखाई देते हैं, और उनमें से कई को मैंने अपने
स्वयं का अनुभव। किसी अंधेरी सुरंग या घाटी से गुजरने की कहानियाँ।
एक उज्ज्वल और जीवंत परिदृश्य में—अति-वास्तविक—वे उतने ही पुराने थे जितने कि प्राचीन काल में थे।
ग्रीस और मिस्र। देवदूत जैसे प्राणी—कभी पंखों वाले, कभी बिना पंखों वाले।
कम से कम प्राचीन निकट पूर्व तक तो इसका प्रभाव रहा ही है—और यह विश्वास भी कि
ऐसे प्राणी संरक्षक थे जो लोगों की गतिविधियों पर नजर रखते थे।
धरती को देखा और उन लोगों का अभिवादन किया जब वे इसे छोड़कर जा रहे थे।
एक ही समय में सभी दिशाओं में देख पाने की क्षमता; यह अनुभूति
रेखीय समय से ऊपर होना—मूलतः हर चीज से ऊपर होना, जो मैं
जिसे पहले मानव जीवन के परिदृश्य को परिभाषित करने वाला माना जाता था;
राष्ट्रगान जैसी संगीत ध्वनि की ध्वनि, जो पूरे शरीर में प्रवेश कर जाती थी
केवल कान होने के बजाय, प्रत्यक्ष और तात्कालिक होना
उन अवधारणाओं की स्वीकृति जिन्हें सामान्यतः स्वीकारने में बहुत लंबा समय लगता।
बिना किसी कठिनाई के समझने के लिए समय और काफी अध्ययन की आवश्यकता होती है।

चाहे कुछ भी हो... निःशर्त प्रेम की तीव्रता को महसूस करना।
आधुनिक एनडीई (निकट-मृत्यु अनुभव) वृत्तांतों और आध्यात्मिक लेखों में बार-बार यही बात दोहराई जाती है।
पहले से ही मुझे ऐसा लगता था कि कथावाचक अपनी सीमाओं से जूझ रहा है।
सांसारिक भाषा का प्रयोग करते हुए, वे अपने पास मौजूद मछली की पूरी जानकारी प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे।
मानव भाषा और विचारों की नाव पर सवार होकर... और
हमेशा, किसी न किसी हद तक, असफल होना।
और फिर भी, अपने लक्ष्य से निराशाजनक रूप से कम पड़ने वाले प्रत्येक प्रयास के साथ, भाषा और विचारों के माध्यम से
इस विशालता को व्यक्त करने के लिए संघर्ष करने वाला प्रत्येक व्यक्ति
पाठक को यह बात समझ में आ जाएगी कि कहानीकार का उद्देश्य क्या है और
वे अपनी असीम भव्यता के साथ जो संदेश देना चाहते थे, वह तो संभव हो ही नहीं पाया, लेकिन
बिलकुल नहीं कर सका।
हां, हां, हां! पढ़ते समय मैं खुद से यही कहती थी। मुझे समझ आ गया।
ये किताबें, ये सामग्री, ये सब तो मेरे आने से पहले से ही मौजूद थीं।
अनुभव। लेकिन मैंने इस पर कभी गौर नहीं किया था। न केवल पढ़ने के संदर्भ में, बल्कि
एक और तरीके से भी। सीधे शब्दों में कहें तो, मैंने कभी खुद को खुला नहीं रखा था।
यह विचार कि इस विचार में कुछ भी वास्तविक हो सकता है
शरीर की मृत्यु के बाद भी हमारा कुछ अंश शेष रह जाता है। मैं उनमें से एक था।
एक आदर्श, मिलनसार, हालांकि संशयवादी डॉक्टर। और इसी रूप में, मैं
मैं आपको बता सकता हूँ कि अधिकांश संशयवादी वास्तव में संशयवादी हैं ही नहीं।
संशयवादी होने के लिए, किसी चीज की वास्तव में जांच करनी चाहिए और उसे गंभीरता से लेना चाहिए।
और मैंने, कई डॉक्टरों की तरह, कभी भी निकट भविष्य के अनुभवों (एनडीई) के बारे में जानने का समय नहीं निकाला था।
वे बस इतना "जानते" थे कि वे असंभव थे।
मैंने कोमा में रहने के दौरान के अपने मेडिकल रिकॉर्ड भी देखे—एक ऐसा समय
इसे शुरू से ही बहुत सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड किया गया था।
अपने स्कैन की समीक्षा ठीक उसी तरह करते हुए जैसे मैं अपने किसी मरीज के लिए करता,

अंततः मुझे यह बात स्पष्ट हो गई कि मैं कितनी बुरी तरह बीमार था।
जीवाणु जनित मेनिन्जाइटिस अन्य रोगों की तुलना में अपने विशिष्ट तरीके से अद्वितीय है।
यह मस्तिष्क की बाहरी सतह पर हमला करता है जबकि इसके भीतरी हिस्सों को नुकसान नहीं पहुंचाता।
संरचनाएं बरकरार रहती हैं। बैक्टीरिया हमारे मानव शरीर के हिस्से को कुशलतापूर्वक नष्ट कर देते हैं।
पहले मस्तिष्क पर हमला करते हैं, और अंत में शरीर के गहरे हिस्सों पर हमला करके घातक साबित होते हैं।
अन्य जानवरों में पाई जाने वाली "घरेलू" संरचनाएं, बहुत नीचे
मानव भाग। अन्य स्थितियाँ जो नियोकोर्टेक्स को नुकसान पहुँचा सकती हैं
और बेहोशी का कारण बन सकते हैं—सिर में चोट, स्ट्रोक, मस्तिष्क रक्तस्राव
या मस्तिष्क के ट्यूमर—पूरी तरह से नुकसान पहुंचाने में उतने कुशल नहीं होते।
नियोकोर्टेक्स की पूरी सतह। इनमें आमतौर पर केवल एक भाग शामिल होता है।
नियोकोर्टेक्स को नुकसान नहीं पहुंचता, जिससे अन्य भाग अप्रभावित रहते हैं और कार्य करने में सक्षम रहते हैं।
इतना ही नहीं, बल्कि केवल नियोकोर्टेक्स को हटाने के बजाय, वे ऐसा करने की प्रवृत्ति रखते हैं।
इससे मस्तिष्क के गहरे और अधिक आदिम भागों को भी नुकसान पहुंचता है।
इन सब बातों को देखते हुए, बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस यकीनन सबसे अच्छी बीमारी है।
अगर कोई वास्तव में मृत्यु को अंजाम दिए बिना मानव मृत्यु की नकल करने की कोशिश कर रहा हो तो उसे यह मिल सकता है। (हालांकि, आमतौर पर ऐसा ही होता है। दुखद सच्चाई यह है कि...)
लगभग हर कोई मेरी तरह बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस से बीमार था।
(वह कहानी सुनाने के लिए कभी वापस नहीं लौटता।) (परिशिष्ट अ देखें।)
हालांकि यह अनुभव इतिहास जितना ही पुराना है, "मृत्यु के निकट का अनुभव"
अनुभव" (चाहे इसे वास्तविक माना गया हो या काल्पनिक)
निराधार कल्पना (बेबुनियाद कल्पना) शब्द हाल ही में आम बोलचाल में आया है।
1960 के दशक में, नई तकनीकें विकसित की गईं जिनसे डॉक्टरों को यह सुविधा मिली कि वे
हृदयाघात से पीड़ित रोगियों को पुनर्जीवित करना। ऐसे रोगी जो
पहले के समय में जो लोग बस मर जाते थे, उन्हें अब वापस खींच लिया गया है।
जीवितों की भूमि। उन्हें इस बात का पता नहीं था कि ये चिकित्सक थे,
उनके बचाव प्रयासों के माध्यम से, उन्होंने एक ऐसी नस्ल का निर्माण किया जो पृथ्वी से परे है।

यात्री: वे लोग जिन्होंने पर्दे के पार झाँका और वापस लौट आए।
इसके बारे में बताओ। आज उनकी संख्या लाखों में है। फिर, 1975 में, एक
रेमंड मूडी नामक मेडिकल छात्र ने 'लाइफ' नामक एक पुस्तक प्रकाशित की।
आफ्टर लाइफ में, उन्होंने एक व्यक्ति के अनुभव का वर्णन किया है जिसका नाम है
जॉर्ज रिची। रिची की "मृत्यु" हृदयाघात के कारण हुई थी।
निमोनिया की जटिलता के कारण वह नौ मिनट तक अपने शरीर से बाहर रहा।
उसने एक सुरंग से यात्रा की, स्वर्ग और नरक के क्षेत्रों का दौरा किया, और कई लोगों से मिला।
एक प्रकाशमय सत्ता जिसे उन्होंने यीशु के रूप में पहचाना, और कुछ भावनाओं का अनुभव किया।
शांति और खुशहाली की ऐसी तीव्र अनुभूतियाँ थीं कि उन्हें उन्हें त्यागने में कठिनाई हो रही थी।
उन्हें शब्दों में व्यक्त करें। आधुनिक निकट-मृत्यु अनुभव का युग था।
जन्म।
मैं मूडी की किताब से पूरी तरह अनभिज्ञ होने का दावा तो नहीं कर सकता था, लेकिन मुझे इसके बारे में जानकारी थी।
मैंने इसे कभी नहीं पढ़ा। मुझे पढ़ने की ज़रूरत भी नहीं थी, क्योंकि मुझे सबसे पहले तो यह पता था कि...
यह विचार कि हृदय गति रुकना किसी प्रकार के लगभग-
मृत्यु की स्थिति बेतुकी थी। निकट-मृत्यु के बारे में अधिकांश साहित्य
मृत्यु के अनुभव उन रोगियों से संबंधित हैं जिनके दिल कुछ समय के लिए धड़कना बंद हो गए थे।
कुछ मिनटों के भीतर—आमतौर पर किसी दुर्घटना के बाद या ऑपरेशन टेबल पर।
हृदय गति रुकने से मृत्यु हो जाती है, यह धारणा लगभग पचास साल पुरानी हो चुकी है।
आज भी कई आम लोग मानते हैं कि अगर कोई दिल के दौरे से वापस आ जाता है
गिरफ्तारी के बाद, वे "मर गए" और फिर जीवित हो गए, लेकिन चिकित्सा
समुदाय ने बहुत पहले ही मृत्यु की अपनी परिभाषाओं को संशोधित कर लिया था ताकि वे केंद्र में हों।
मस्तिष्क, हृदय नहीं (जबसे मस्तिष्क मृत्यु के मानदंड, जो रोगी की तंत्रिका संबंधी जांच के महत्वपूर्ण निष्कर्षों पर निर्भर करते हैं,
(1968 में स्थापित)। कार्डियक अरेस्ट का मृत्यु से संबंध केवल कुछ ही संदर्भों में है।
मस्तिष्क पर इसके प्रभाव के कारण। हृदय गति रुकने के कुछ ही सेकंड के भीतर, इसका रुक जाना।
मस्तिष्क में रक्त प्रवाह के कारण सहयोगात्मक व्यवहार में व्यापक व्यवधान उत्पन्न होता है।

तंत्रिका संबंधी गतिविधि और चेतना का लोप।
आधी सदी से, सर्जन नियमित रूप से हृदय को रोक देते आए हैं।
हृदय शल्य चिकित्सा और कभी-कभी तंत्रिका शल्य चिकित्सा में मिनटों से लेकर घंटों तक का समय लग सकता है।
कार्डियोपल्मोनरी बाईपास पंपों का उपयोग करके, और कभी-कभी ठंडा करके
ऐसे तनावों में मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए। मस्तिष्क की मृत्यु नहीं।
ऐसा होता है। यहां तक कि सड़क पर किसी व्यक्ति का दिल भी रुक जाए तो भी ऐसा हो सकता है।
मस्तिष्क क्षति से बचा जा सकता है, बशर्ते कि कोई व्यक्ति प्रदर्शन करना शुरू कर दे।
चार मिनट के भीतर कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन करने पर हृदय को बचाया जा सकता है।
अंततः पुनः आरंभ किया जा सकता है। जब तक ऑक्सीजन युक्त रक्त प्रवाहित होता रहेगा।
मस्तिष्क, मस्तिष्क—और इसलिए व्यक्ति—जीवित रहेगा, भले ही
क्षणिक रूप से बेहोश।
मूडी की किताब को खारिज करने के लिए मुझे बस यही जानकारी काफी थी।
मैंने इसे कभी खोला ही नहीं था। लेकिन अब मैंने इसे खोल लिया है और कहानियाँ पढ़ रहा हूँ।
मूडी ने मेरे स्वयं के अनुभव का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी।
इसने मेरे दृष्टिकोण को पूरी तरह से बदल दिया। मुझे इस बात पर ज़रा भी संदेह नहीं था कि
इन कहानियों में कम से कम कुछ लोगों ने सचमुच अपना घर छोड़ दिया था।
भौतिक शरीर। मेरे स्वयं के अनुभवों से समानताएँ।
शरीर से परे की चीजें मेरे लिए बहुत ही भयावह थीं।
मेरे मस्तिष्क के अधिक आदिम भाग—घरेलू कामकाज करने वाले भाग—
कोमा में रहने के दौरान मेरा अधिकांश या पूरा समय ठीक से चलता रहा। लेकिन जब बात आई...
मेरे मस्तिष्क का वह हिस्सा जिसके बारे में हर मस्तिष्क वैज्ञानिक आपको बताएगा कि वह है...
मेरे मानवीय पक्ष के लिए जिम्मेदार: खैर, वह हिस्सा तो चला गया था।
मैं इसे स्कैन में, लैब रिपोर्ट में, और अपनी न्यूरोलॉजिकल रिपोर्ट में देख सकता था।
परीक्षाएँ—मेरे द्वारा बहुत बारीकी से रिकॉर्ड किए गए सप्ताह के सभी आंकड़ों में
अस्पताल। मुझे जल्दी ही एहसास होने लगा कि मेरा मामला तकनीकी रूप से लगभग...
मृत्यु के निकट का एक त्रुटिहीन अनुभव, शायद सबसे बेहतरीन अनुभवों में से एक।

आधुनिक इतिहास में ऐसे मामलों को पुष्ट करना। वास्तव में क्या मायने रखता था?

मेरा मामला व्यक्तिगत रूप से मेरे साथ जो हुआ, उससे संबंधित नहीं था, बल्कि सरासर, स्पष्ट रूप से-

चिकित्सा की दृष्टि से यह तर्क देना असंभव है कि यह सब कल्पना मात्र थी।

एनडीई (नवजात मृत्यु अनुभव) क्या है, इसका वर्णन करना बेहद चुनौतीपूर्ण है, लेकिन ऐसा करना और भी मुश्किल है।

चिकित्सा जगत का वह चेहरा जो यह मानने से ही इनकार करता है कि ऐसा संभव है।

इससे और भी मुश्किल हो जाता है। तंत्रिका विज्ञान में मेरे करियर और मेरे स्वयं के कारण।

अब मेरे पास एनडीई (नॉन-डिसएवरी) को और अधिक रुचिकर बनाने का अनूठा अवसर था।

30.

मृत्यू से वापस

और मृत्यु निकट आ रही है, जो सभी को एक समान कर देती है।
अंत में एक ऐसा रहस्योद्घाटन होता है, जो सभी को प्रभावित करता है, और जिसे केवल एक लेखक ही कर सकता है।
मृत व्यक्ति पर्याप्त रूप से बता सकता था।
—हर्मन मेलविल (1819–1891)

उन शुरुआती कुछ हफ्तों में मैं जहाँ भी गया, लोग मुझे ऐसे देखते थे जैसे मैं
वह कब्र से उठ खड़ा हुआ था। मेरी मुलाकात एक डॉक्टर से हुई जो...
जिस दिन मैं अस्पताल में भर्ती हुई थी, उस दिन वह वहां मौजूद थे। वह सीधे तौर पर मुझसे नहीं मिले थे।
मेरी देखभाल में शामिल था, लेकिन जब मुझे लुढ़काया गया तो उसने सब कुछ अच्छे से देख लिया था।
उस पहले दिन सुबह ही उसे आपातकालीन कक्ष में ले जाया गया।
“आप यहाँ हो कैसे सकते हैं?” उसने चिकित्सा स्थिति का सारांश बताते हुए पूछा।
समुदाय का मेरे बारे में बुनियादी सवाल। "क्या तुम एबेन के जुड़वा भाई हो?"
या क्या?"
मैंने मुस्कुराते हुए हाथ बढ़ाया और उसका हाथ मजबूती से मिलाया, ताकि उसे यह एहसास हो सके।
वास्तव में मैं ही था।
हालांकि वह मजाक में पूछ रहा था कि क्या मेरा कोई जुड़वा भाई है,
दरअसल, यह डॉक्टर एक महत्वपूर्ण बात कह रहा था।
मेरे उद्देश्य अभी भी दो व्यक्ति थे, और अगर मैं वही करने जा रहा था जो मैंने कहा था
एबेन IV मैं यह करना चाहता था—अपने अनुभव का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए करना चाहता था—मैं ऐसा करता
मुझे अपने प्रत्यक्ष अनुभव को अपनी वैज्ञानिक समझ और बुनाई के साथ सामंजस्य बिठाना होगा।
वे दोनों लोग एक साथ।

मुझे एक सुबह आई फोन कॉल याद आ गई।
कई साल पहले, एक मरीज की माँ ने मुझे फोन किया था।
मैं उस ट्यूमर के डिजिटल मानचित्र की जांच कर रहा था जिसे मुझे बाद में निकालना था।
दिन। मैं उस महिला को सुज़ाना कहूँगी। सुज़ाना के दिवंगत पति, जिनसे मैं मिलूँगी।
जॉर्ज नाम का एक व्यक्ति मेरे यहां मस्तिष्क ट्यूमर का मरीज था। इसके बावजूद
हमने जो कुछ भी किया, निदान के डेढ़ साल के भीतर ही उनकी मृत्यु हो गई। अब
सुज़ाना की बेटी स्तन कैंसर से पीड़ित थी और उसके मस्तिष्क में कई जगह कैंसर फैल गया था। कुछ महीनों से अधिक समय तक उसके जीवित रहने की संभावना बहुत कम थी।
फोन उठाने का यह सही समय नहीं था—मेरा दिमाग पूरी तरह से व्यस्त था।
मेरे सामने मौजूद डिजिटल छवि में तल्लीन होकर, और योजना बनाने में
मेरी रणनीति यही थी कि अंदर जाकर उसे हटा दूं।
इसके आसपास के मस्तिष्क के ऊतकों को नुकसान पहुंचाए बिना। लेकिन मैं वहीं रुका रहा।
सुज़ाना के साथ वाली लाइन, क्योंकि मुझे पता था कि वह कुछ सोचने की कोशिश कर रही थी।
कुछ भी—कुछ भी—जिससे उसे इस स्थिति से निपटने में मदद मिल सके।
मैंने हमेशा यही माना था कि जब आप किसी बोझ के नीचे दबे होते हैं
संभावित रूप से जानलेवा बीमारी के मामले में, सच्चाई को थोड़ा नरम करके बताना ठीक है। किसी संभावित जानलेवा बीमारी को रोकने के लिए
अंतिम चरण के रोगी को थोड़ी सी कल्पना का सहारा लेने से रोकने की कोशिश करना
मृत्यु की संभावना से निपटना दर्द निवारक दवा न देने जैसा है।
दवाइयाँ। यह एक बहुत भारी बोझ था, और मैं ऋणी था।
सुज़ाना ने हर पल ध्यान देने की गुहार लगाई।
सुज़ाना ने कहा, "डॉक्टर ए, मेरी बेटी ने एक अविश्वसनीय सपना देखा था।"
उसके पिता उसी में उसके पास आए। उन्होंने उससे कहा कि सब कुछ ठीक होने वाला है।
ठीक है, उसे मरने की चिंता करने की जरूरत नहीं थी।
यह वैसी ही बात थी जो मैंने मरीजों से अनगिनत बार सुनी थी—
मन असहनीय पीड़ा में खुद को शांत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

मैंने उससे कहा कि यह एक खूबसूरत सपने जैसा लग रहा है।

लेकिन सबसे अविश्वसनीय बात, डॉ. ए, वह है जो उन्होंने पहन रखी थी।

पीली शर्ट—और एक फेडोरा टोपी!

“अच्छा, सुज़ाना,” मैंने सौम्य भाव से कहा, “मुझे लगता है कि कोई ड्रेस नहीं है।”

स्वर्ग में कोड मौजूद हैं।"

“नहीं,” सुज़ाना ने कहा। “ऐसा नहीं है। हमारे रिश्ते की शुरुआत में, जब

जब हम पहली बार डेटिंग कर रहे थे, तब मैंने जॉर्ज को एक पीली शर्ट दी थी। उसे वह शर्ट पहनना अच्छा लगता था।

एक फेडोरा टोपी के साथ, जो मैंने उसे दी थी। लेकिन कमीज और टोपी खो गई।

जब हमारे हनीमून पर हमारा सामान नहीं पहुंचा। वह पहले से ही

तब तक मुझे पता चल चुका था कि मैं उसे उस शर्ट और टोपी में कितना प्यार करता था, लेकिन हम

मैंने उन्हें कभी बदला नहीं।

मुझे यकीन है कि क्रिस्टीना ने इसके बारे में बहुत सी शानदार कहानियां सुनी होंगी।

“सुज़ाना, शर्ट और टोपी,” मैंने कहा। “और तुम्हारे शुरुआती दिनों के बारे में क्या?”

. . .”

“नहीं,” वह हंस पड़ी। “यही तो सबसे अच्छी बात है। यह हमारा छोटा सा राज़ था। हम जानते थे कि किसी और को यह कितना हास्यास्पद लगेगा। हम

जब वो कमीज और टोपी खो गई, तो क्रिस्टीना ने कभी उनके बारे में बात नहीं की।

हमने उनके बारे में उनसे कभी कुछ नहीं कहा। क्रिस्टीना उनसे बहुत डरती थी।

वह मर रही थी, और अब वह जानती है कि उसे किसी बात से डरने की जरूरत नहीं है, बिल्कुल भी नहीं।

मैंने अपनी पढ़ाई के दौरान पाया कि सुज़ाना मुझे जो बता रही थी, वह एक

सपने में अक्सर होने वाली पुष्टि के कई प्रकार। लेकिन मैंने ऐसा नहीं देखा था।

मुझे वह कॉल आने पर ही अपना प्रत्यक्ष अनुभव हुआ था, और उस समय मुझे पता था

मुझे अच्छी तरह पता है कि सुज़ाना जो कुछ मुझे बता रही थी वह दुख के कारण कही गई बातें थीं।

कल्पना। अपने करियर के दौरान, मैंने कई मरीजों का इलाज किया है।

जो कोमा में या उसके दौरान असामान्य अनुभवों से गुज़रे थे

सर्जरी। जब भी इनमें से कोई व्यक्ति कोई असामान्य घटना सुनाता था।

सुज़ाना जैसे अनुभवों के लिए, मैं हमेशा पूरी तरह से सहानुभूति रखता था। और
मुझे पूरा यकीन था कि ये अनुभव सचमुच घटित हुए थे—अपने-अपने तरीके से
दिमाग। मस्तिष्क सबसे परिष्कृत—और साथ ही साथ सबसे अधिक भावुक—है।
हमारे शरीर में मौजूद अंग। इसमें थोड़ा बदलाव करें, ऑक्सीजन की मात्रा कम करें।
यह कुछ टॉर (दबाव की एक इकाई) से बच जाता है, और उस मस्तिष्क का मालिक
उनकी वास्तविकता में बदलाव आने वाला है। या, अधिक सटीक रूप से कहें तो,
वास्तविकता के उनके व्यक्तिगत अनुभव। इसमें सभी शारीरिक आघात भी शामिल हैं।
और वे सभी दवाएँ जो मस्तिष्क रोग से पीड़ित व्यक्ति को लेने की संभावना होती है।
चालू रखें, और आपके पास लगभग गारंटी है कि, यदि किसी मरीज को
जब भी कोई यादें वापस आती हैं, तो वे यादें
यह काफी असामान्य होने वाला है। एक ऐसे मस्तिष्क के साथ जो एक घातक जीवाणु संक्रमण से प्रभावित है।
संक्रमण और दिमाग पर असर डालने वाली दवाओं के कारण कुछ भी हो सकता है।
कुछ भी हो सकता है—सिवाय उस अति-वास्तविक अनुभव के जो मुझे कोमा में हुआ था।
सुज़ाना, मुझे उस तरह के झटके के साथ एहसास हुआ जो तब होता है जब आप देखते हैं
जो बात स्पष्ट होनी चाहिए थी, वह सामने नहीं आई।
उस दिन मैंने उसे सांत्वना दी थी। वह सचमुच मुझे सांत्वना देने की कोशिश कर रही थी।
मुझे। लेकिन मैं यह देख नहीं पाया था। मुझे लगा था कि मैं कर रहा हूँ।
सुज़ाना पर दया दिखाने के लिए, मैंने अपने उदास और विचलित भाव से ऐसा दिखावा किया कि...
मुझे उसकी कहानी पर विश्वास था। लेकिन मुझे नहीं था। और उस बातचीत को याद करके मुझे और भी बुरा लगता है।
और इसी तरह के दर्जनों अन्य अनुभवों से मुझे एहसास हुआ कि मुझे अभी कितना लंबा सफर तय करना है।
अगर मुझे अपने साथी डॉक्टरों को यह विश्वास दिलाना था कि मैंने जो किया है, वह मेरे सामने है, तो
जो कुछ भी मैंने झेला वह वास्तविक था।

31.

तीन शिविर

मेरा मानना है कि मानवीय रहस्य को बेहद अपमानित किया जाता है
वैज्ञानिक न्यूनीकरणवाद, प्रतिज्ञात्मक भौतिकवाद में अपने दावे के साथ
अंततः आध्यात्मिक जगत के सभी पहलुओं को प्रतिरूपों के संदर्भ में समझाना होगा।
तंत्रिका गतिविधि का। इस मान्यता को एक श्रेणी में रखा जाना चाहिए।
अंधविश्वास... हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम आध्यात्मिक प्राणी हैं।
आध्यात्मिक जगत में विद्यमान आत्माओं के साथ-साथ भौतिक प्राणी भी मौजूद होते हैं।
भौतिक जगत में विद्यमान शरीर और मस्तिष्क के साथ।
— सर जॉन सी. एक्लेस (1903–1997)

जब बात प्रत्यक्ष अनुभव (एनडीई) की आती थी, तो तीन मुख्य मत थे। इनमें से एक थे...
विश्वासी: या तो वे लोग जिन्होंने स्वयं एनडीई (नॉन-डिसएवरी) का अनुभव किया हो या
जो ऐसे अनुभवों को आसानी से स्वीकार कर लेते थे। फिर, ज़ाहिर है,
वहाँ कट्टर नास्तिक भी थे (जैसे कि मैं पहले था)। ये लोग
हालांकि, वे आम तौर पर खुद को नास्तिक के रूप में वर्गीकृत नहीं करते थे।
बस इतना "जानता" था कि मस्तिष्क चेतना उत्पन्न करता है और ऐसा नहीं करेगा
शरीर से परे मन के विचित्र विचारों के लिए स्थिर रहो (जब तक कि वे न हों)
किसी को अच्छे स्वभाव से सांत्वना देना, जैसा कि मुझे लगा था कि मैं कर रहा था।
उस दिन सुज़ाना के साथ।
फिर मध्य समूह था। इसमें हर तरह के लोग थे।
जिन लोगों ने एनडीई (निकट-मृत्यु अनुभव) के बारे में पढ़ा था या सुना था—
क्योंकि वे असाधारण रूप से आम हैं—किसी दोस्त के होने से या
एक रिश्तेदार जिसने यह प्रक्रिया करवाई थी। बीच में बैठे ये लोग थे।
मेरी कहानी से वाकई मदद मिल सकती है। प्रत्यक्ष अनुभव से मिलने वाली खुशखबरी जीवनदायी होती है।
परिवर्तनकारी। लेकिन जब कोई व्यक्ति जो सुनने के लिए संभावित रूप से खुला हो।
किसी प्रत्यक्ष अनुभव (एनडीई) के बारे में किसी डॉक्टर या वैज्ञानिक से पूछें—हमारे समाज में आधिकारिक दृष्टिकोण यही है।

इस मामले में कि क्या वास्तविक है और क्या नहीं, पहरेदार—वे सभी
अक्सर हमें विनम्रतापूर्वक लेकिन दृढ़ता से यह बताया जाता है कि प्रत्यक्ष अनुभव (एनडीई) कल्पनाएँ हैं: ये
एक ऐसा मस्तिष्क जो जीवन से जुड़े रहने के लिए संघर्ष कर रहा है, और कुछ नहीं।
एक डॉक्टर होने के नाते, जिसने वही सब झेला है जो मैंने झेला है, मैं एक अलग कहानी बता सकता हूँ। और जितना
अधिक मैंने इसके बारे में सोचा, उतना ही मुझे लगा कि मेरा एक कर्तव्य है...
बस यही करो।
मैंने एक-एक करके उन सुझावों पर गौर किया जो मुझे मेरे सहयोगियों से पता थे।
और पुराने दिनों में मैं खुद भी यह समझाने की पेशकश करता कि क्या हुआ था।
मेरे साथ ऐसा हुआ। (अधिक जानकारी के लिए, मेरा सारांश देखें)
तंत्रिकावैज्ञानिक परिकल्पनाएँ, परिशिष्ट बी।)
क्या मेरा अनुभव एक आदिम ब्रेनस्टेम प्रोग्राम था जो विकसित होकर
अंतिम अवस्था के दर्द और पीड़ा को कम करना—संभवतः "नकली" का एक अवशेष।
निम्न स्तनधारियों द्वारा अपनाई जाने वाली "मृत्यु" रणनीतियाँ? मैंने तो इसे खारिज ही कर दिया था।
शुरुआत से ही। सीधे शब्दों में कहें तो, मेरे अनुभवों के आधार पर ऐसा कोई तरीका नहीं था,
अपने अत्यंत परिष्कृत दृश्य और श्रव्य स्तरों के साथ, और उनके
उच्च स्तर के कथित अर्थ, सरीसृपों के उत्पाद थे
मेरे मस्तिष्क का एक हिस्सा।
क्या यह मेरे लिम्बिक तंत्रिका तंत्र के गहरे हिस्सों से यादों का विकृत स्मरण था?
क्या यह प्रणाली मस्तिष्क का वह हिस्सा है जो भावनात्मक बोध को शक्ति प्रदान करता है? फिर से,
नहीं—एक कार्यशील नियोकोर्टेक्स के बिना लिम्बिक तंत्र काम नहीं कर सकता था
मैंने जिस स्पष्टता और तर्क का अनुभव किया, उसी के अनुरूप कल्पनाएँ उत्पन्न करें।
क्या मेरा अनुभव एक प्रकार का मनोविकृत दृश्य हो सकता था?
क्या ये उन (कई) दवाओं के कारण उत्पन्न हुए थे जिनका मैं सेवन कर रहा था? फिर से, ये सभी
दवाएं नियोकोर्टेक्स में मौजूद रिसेप्टर्स के साथ काम करती हैं। और नियोकोर्टेक्स के बिना भी काम करती हैं।
जब शरीर कार्यशील था, तब इन दवाओं के काम करने के लिए कोई आधार ही नहीं था।
आरईएम इंटूज़न के बारे में क्या ख्याल है? यह एक सिंड्रोम का नाम है (संबंधित)

"रैपिड आई मूवमेंट" या आरईएम नींद की वह अवस्था जिसमें सपने आते हैं
ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न होती हैं जिनमें सेरोटोनिन जैसे प्राकृतिक न्यूरोट्रांसमीटर परस्पर क्रिया करते हैं।
नियोकोर्टेक्स में रिसेप्टर्स के साथ। फिर से क्षमा करें। आरईएम घुसपैठ की आवश्यकता है
मेरे नियोकोर्टेक्स का कार्यशील होना आवश्यक था, और मेरे पास वह नहीं था।
फिर एक काल्पनिक घटना थी जिसे "डीएमटी" के नाम से जाना जाता था।
इस स्थिति में, पीनियल ग्रंथि तनाव के प्रति प्रतिक्रिया करते हुए...
मस्तिष्क को खतरे की आशंका होने पर, यह डीएमटी (या
एन,एन-डाइमिथाइलट्रिप्टामाइन)। डीएमटी संरचनात्मक रूप से सेरोटोनिन के समान है और
इससे एक अत्यंत तीव्र मनोविकार अवस्था उत्पन्न हो सकती है। मुझे इसका कोई अनुभव नहीं हुआ था।
मुझे डीएमटी का व्यक्तिगत अनुभव नहीं है—और अभी तक नहीं है—लेकिन मुझे कोई
उन लोगों से बहस करें जो कहते हैं कि इससे एक बहुत ही शक्तिशाली साइकेडेलिक अनुभव उत्पन्न हो सकता है; शायद
एक ऐसा अनुभव जिसके हमारे जीवन पर वास्तविक प्रभाव पड़ सकते हैं।
चेतना और वास्तविकता वास्तव में क्या हैं, इसकी समझ।
हालांकि, यह एक तथ्य बना हुआ है कि मस्तिष्क का वह हिस्सा जो डीएमटी से प्रभावित होता है
मेरे मामले में, प्रभावित होने वाला (नियोकोर्टेक्स) मौजूद ही नहीं था।
मेरे साथ जो कुछ हुआ, उसे "समझाने" के संदर्भ में, डीएमटी-डंप
यह परिकल्पना अन्य प्रमुख उम्मीदवारों की तरह ही बेहद कमज़ोर साबित हुई।
मेरे अनुभव की व्याख्या, और उसी मुख्य कारण से।
मतिभ्रम पैदा करने वाली दवाएं नियोकोर्टेक्स को प्रभावित करती हैं, और मेरा नियोकोर्टेक्स प्रभावित नहीं था।
प्रभावित होने की संभावना है।
मैंने जिस अंतिम परिकल्पना पर विचार किया, वह "रीबूट" की परिकल्पना थी।
यह घटना है।" इससे सभा के रूप में मेरे अनुभव की व्याख्या हो जाएगी।
असल में ये मेरी पिछली ज़िंदगी की असंबद्ध यादें और विचार हैं।
मस्तिष्क का ऊपरी भाग पूरी तरह से निष्क्रिय हो गया। जैसे कोई कंप्यूटर रीस्टार्ट होकर सेव हो रहा हो।
सिस्टम की व्यापक विफलता के बाद जो कुछ भी संभव हो सकता था, मेरा दिमाग उसे समझने की कोशिश करता।
मैंने इन बचे हुए टुकड़ों से अपने अनुभव को यथासंभव संकलित करने का प्रयास किया है।

किसी घटना के बाद मस्तिष्क के प्रांतस्था को चेतना में पुनः आरंभ करने पर ऐसा हो सकता है।
लंबे समय तक चलने वाली प्रणाली-व्यापी विफलता, जैसा कि मेरे डिफ्यूज मेनिनजाइटिस में हुआ था। लेकिन यह
मेरी जटिलताओं और परस्पर क्रिया को देखते हुए यह लगभग असंभव लगता है।
विस्तृत यादें। क्योंकि मैंने गैर-रैखिक प्रकृति का अनुभव किया था।
आध्यात्मिक जगत में इतना गहन समय बिताने के बाद, अब मैं समझ सकता हूँ कि ऐसा क्यों होता है।
आध्यात्मिक आयाम पर लिखे गए अधिकांश लेख विकृत या सरल प्रतीत हो सकते हैं।
हमारी सांसारिक दृष्टि से यह निरर्थक है। लेकिन इस दुनिया से ऊपर के लोकों में ऐसा नहीं है।
पहली बात तो यह है कि समय यहाँ की तरह व्यवहार नहीं करता। यह आवश्यक नहीं है।
उन दुनियाओं में एक के बाद एक घटनाएँ घटती रहती हैं। एक पल भी ऐसा लग सकता है जैसे...
जीवनकाल, और एक या कई जीवनकाल एक पल की तरह लग सकते हैं। लेकिन
हालाँकि समय इन दुनियाओं में (हमारे संदर्भ में) सामान्य रूप से व्यवहार नहीं करता है।
इसके अलावा, इसका मतलब यह नहीं है कि यह अव्यवस्थित है, और मेरी अपनी यादें
कोमा में बिताए मेरे पल बिल्कुल भी सामान्य नहीं थे। मेरे सबसे सांसारिक अनुभव।
मेरे अनुभव में, समय के संदर्भ में, मेरे आपसी संवाद ही मुख्य बिंदु थे।
जब सुसान रींटजेस ने मुझसे मेरे चौथे और पाँचवें दिन संपर्क किया, तब से मेरी बातचीत इसी विषय पर है।
रातें, और मेरी यात्रा के अंत में, उनका प्रकट होना
छह चेहरे। इनके बीच लौकिक समकालिकता की कोई अन्य उपस्थिति।
पृथ्वी पर घटित होने वाली घटनाएं और उससे परे मेरी यात्रा, आप कह सकते हैं, पूरी तरह से काल्पनिक हैं!
जैसे-जैसे मुझे अपनी स्थिति के बारे में अधिक जानकारी मिली, और मैंने अधिक जानने की कोशिश की,
वर्तमान वैज्ञानिक साहित्य में, जो कुछ हुआ था उसे समझाने के लिए,
मैं बुरी तरह असफल रहा। सब कुछ—अद्भुत स्पष्टता
मेरी दृष्टि की स्पष्टता, मेरे विचारों का शुद्ध वैचारिक प्रवाह—
यह निचले स्तर के बजाय उच्च स्तर के मस्तिष्क की कार्यप्रणाली का संकेत देता है। लेकिन मेरा उच्चतर मस्तिष्क
वह काम करने के लिए मौजूद नहीं था।
जैसे-जैसे मैं एनडीई (निकट-मृत्यु के अनुभव) की "वैज्ञानिक" व्याख्याओं को पढ़ता हूँ,
उनकी पारदर्शी कमजोरी देखकर मैं और भी हैरान हो गया। और फिर भी मैं

मुझे बेहद अफसोस के साथ पता था कि वे बिल्कुल वही लोग थे जिन्हें मेरा पुराना "मैं" पसंद करता था।
अगर किसी ने मुझसे "स्पष्ट करने" के लिए कहा होता, तो मैं अस्पष्ट रूप से ही इशारा करता।
एनडीई (नवजात मृत्यु का अनुभव) क्या होता है।
लेकिन जो लोग डॉक्टर नहीं थे, उनसे यह जानने की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। अगर
जो मेरे साथ हुआ, अगर वही किसी और के साथ भी होता—किसी और के साथ भी—तो यह
यह अपने आप में ही उल्लेखनीय होता। लेकिन यह मेरे साथ हुआ था।
खैर, यह कहना कि यह "किसी कारण से" हुआ था, मुझे थोड़ा असहज कर दिया।
बेचैन। मेरे अंदर मौजूद पुराने डॉक्टर का इतना अंश था कि मैं जानता था कि कैसे...
यह कितना अजीबोगरीब—वास्तव में कितना भव्य—लग रहा था। लेकिन जब मैंने इसमें जोड़ा
सभी विवरणों की सरासर असंभावना को उजागर करते हुए—और विशेष रूप से जब मैं
इस बात पर विचार किया गया कि ई. कोलाई मेनिन्जाइटिस जैसी बीमारी कितनी सटीक रूप से परिपूर्ण थी।
मेरे मस्तिष्क के ऊपरी भाग को नुकसान पहुँचाने और उससे मेरी तीव्र और पूर्ण पुनर्प्राप्ति के बाद
लगभग निश्चित विनाश—मुझे इसे गंभीरता से लेना ही था
इस बात की संभावना है कि यह वास्तव में किसी कारण से हुआ हो।
इससे मुझे अपने प्रियजनों को यह बात बताने की और भी अधिक जिम्मेदारी का एहसास हुआ।
कहानी सही है।
मैं हमेशा नवीनतम जानकारी से अवगत रहने को गर्व की बात मानता था।
अपने क्षेत्र के चिकित्सा साहित्य में योगदान देने के लिए, और जब भी मुझे अवसर मिले, मैं उसमें अपना योगदान देना चाहता था।
कुछ मूल्यवान बात जोड़ने के लिए। कि मुझे इस दुनिया से रॉकेट की मदद से बाहर भेज दिया गया था।
और दूसरे में खबर थी—वास्तविक चिकित्सा समाचार—और अब
मेरी वापसी को मैं हल्के में नहीं लेने वाला था। चिकित्सकीय दृष्टि से,
मेरा पूरी तरह से ठीक हो जाना सरासर असंभव था, चिकित्सकीय दृष्टि से यह एक असंभव बात थी।
चमत्कार। लेकिन असली कहानी इस बात में छिपी थी कि मैं कहाँ था, और मेरा एक कर्तव्य था।
न केवल एक वैज्ञानिक और वैज्ञानिक पद्धति के प्रति गहरे सम्मान रखने वाले व्यक्ति के रूप में, बल्कि एक चिकित्सक के रूप में भी उस कहानी को सुनाने के लिए। एक कहानी—एक सच्ची कहानी—

जितना इलाज दवा से हो सकता है, उतना ही इलाज कर सकता है। सुज़ाना यह बात तब से जानती थी जब वह
उस दिन मुझे मेरे ऑफिस में फोन आया। और मैंने खुद भी कुछ ऐसा ही अनुभव किया था।
जब मुझे अपने जन्म परिवार से खबर मिली। मेरे साथ क्या हुआ था?
यह खबर भी बहुत अच्छी थी। अगर मैं ऐसा नहीं करता तो मैं किस तरह का चिकित्सक होता?
इसे शेयर करें?
कोमा से वापस आने के दो साल से कुछ अधिक समय बाद, मैंने एक करीबी से मुलाकात की।
मेरे मित्र और सहकर्मी, जो अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में से एक के अध्यक्ष हैं।
दुनिया भर के न्यूरोसाइंस विभाग। मैं जॉन को जानता हूँ (उसका असली नाम नहीं)।
मैं उन्हें दशकों से जानता हूं और उन्हें एक अद्भुत इंसान मानता हूं।
प्रथम श्रेणी का वैज्ञानिक।
मैंने जॉन को कोमा की गहरी अवस्था में अपनी आध्यात्मिक यात्रा की कुछ कहानी सुनाई।
और वह काफी हैरान दिख रहा था। इस बात से नहीं कि मैं अब कितना पागल हो गया था, बल्कि
मानो आखिरकार उसे किसी ऐसी बात का अर्थ समझ आ रहा हो जिसने उसे रहस्य में डाल रखा था।
कब का।
पता चला कि लगभग एक साल पहले, जॉन के पिता मृत्यु के करीब पहुँच रहे थे।
पांच साल की बीमारी का अंत। वह लाचार, मनोविकारग्रस्त और दर्द से ग्रस्त था।
और मरना चाहता था।
“कृपा करके,” जॉन के पिता ने अपनी मृत्युशय्या से विनती की थी। “मुझे दे दो।”
कुछ गोलियां या कुछ और। मैं ऐसे और नहीं जी सकता।
फिर अचानक उसके पिता पहले की तुलना में अधिक तर्कसंगत हो गए।
दो साल, जैसा कि उन्होंने अपने जीवन के बारे में कुछ गहन अवलोकन पर चर्चा की और
उनके परिवार के बारे में। फिर उसने अपनी नज़रें घुमाईं और बात करने लगा।
उसके बिस्तर के नीचे हवा की आवाज आ रही थी। सुनकर जॉन को एहसास हुआ कि उसके पिता...
अपनी दिवंगत मां से बात करते हुए, जिनकी मृत्यु पैंसठ साल पहले हो गई थी।
जब जॉन के पिता किशोर थे, तब उन्होंने उसके बारे में शायद ही कभी ज़िक्र किया था।
जॉन के जीवनकाल के दौरान ऐसा नहीं था, लेकिन अब वह आनंदमय और जीवंत जीवन जी रहा था।

उसके साथ चर्चा। जॉन उसे देख नहीं सकता था लेकिन वह बिल्कुल
उसे पूरा यकीन था कि उसकी आत्मा वहाँ मौजूद है, और उसके पिता की आत्मा का स्वागत कर रही है।
घर।
कुछ मिनटों बाद, जॉन के पिता उसकी ओर मुड़े, एक
उसकी आँखों में एकदम अलग ही चमक थी। वह मुस्कुरा रहा था, और स्पष्ट रूप से बहुत
वह बहुत शांत था, जितना शांत उसने पहले कभी उसमें नहीं देखा था।
“सो जाइए, पिताजी,” जॉन ने खुद से कहा। “बस सब कुछ छोड़ दीजिए।
ठीक है।"
उसके पिता ने ठीक वैसा ही किया। आँखें बंद करके, वह एक भावपूर्ण नज़र के साथ सो गया।
उनके चेहरे पर पूर्ण शांति झलक रही थी। कुछ ही क्षणों बाद उनका देहांत हो गया।
जॉन ने अपने पिता और अपने दिवंगत के बीच के मिलन को महसूस किया।
दादी का अस्तित्व तो वास्तविक था, लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या किया जाए।
क्योंकि एक डॉक्टर होने के नाते, वह जानता था कि ऐसी चीजें "असंभव" थीं। कई
दूसरों ने मन की उस आश्चर्यजनक स्पष्टता को देखा है जो अक्सर आती है
जॉन की तरह ही, मरने से ठीक पहले मनोरोग से ग्रसित बुजुर्ग लोग।
उनके पिता में देखा गया (एक घटना जिसे "टर्मिनल ल्यूसिडिटी" के रूप में जाना जाता है)।
इसका कोई तंत्रिकावैज्ञानिक स्पष्टीकरण नहीं था। मेरी कहानी सुनकर ऐसा लगा जैसे...
उसे वह लाइसेंस देने के लिए जिसकी उसे लंबे समय से प्रतीक्षा थी:
जो उसने अपनी आँखों से देखा था उस पर विश्वास करने का लाइसेंस—जानने का लाइसेंस
वह गहरा और सुकून देने वाला सत्य: कि हमारा शाश्वत आध्यात्मिक स्वरूप कहीं अधिक है।
यह भौतिक जगत में हमारे द्वारा अनुभव की जाने वाली किसी भी चीज़ से कहीं अधिक वास्तविक है, और इसमें एक दिव्य शक्ति है।
सृष्टिकर्ता के अनंत प्रेम से जुड़ाव।

32.

चर्च की यात्रा

जीवन जीने के केवल दो ही तरीके हैं। एक यह कि मानो कुछ हुआ ही न हो।
यह एक चमत्कार है। दूसरा ऐसा है मानो सब कुछ चमत्कार ही हो।
—अल्बर्ट आइंस्टीन (1879–1955)

मैं दिसंबर 2008 तक चर्च वापस नहीं जा सका, जब हॉली
उन्होंने मुझे आगमन के दूसरे रविवार की प्रार्थना सभा में आने के लिए राजी कर लिया।
अभी भी कमजोर, अभी भी थोड़ा असंतुलित, अभी भी कम वजन। हॉली और मैं बैठे थे।
पहली पंक्ति में। माइकल सुलिवन उस समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे।
दिन था, और वह मेरे पास आया और मुझसे पूछा कि क्या मैं दूसरी मोमबत्ती जलाना चाहता हूँ।
एडवेंट पुष्पांजलि पर। मैं ऐसा नहीं करना चाहती थी, लेकिन किसी अंतरात्मा ने मुझे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया।
खैर, मैं खड़ा हुआ, पीतल के खंभे पर हाथ रखा और आगे बढ़ गया।
अप्रत्याशित सहजता के साथ चर्च के सामने।
शरीर से बाहर बिताए समय की मेरी यादें अभी भी अधूरी और कच्ची थीं, और
इस जगह पर हर तरफ देखने पर भी मुझे कोई खास फर्क नहीं पड़ा था।
इससे पहले, मैंने ऐसी कला देखी और ऐसा संगीत सुना जिसने मुझे सब कुछ याद दिला दिया।
एक भजन की स्पंदित बेस ध्वनि ने राज्य की कठोर पीड़ा को प्रतिध्वनित किया।
केंचुए की नज़र से दृश्य। रंगीन कांच की खिड़कियाँ अपने
बादलों और देवदूतों ने आकाशीय सुंदरता की याद दिला दी।
प्रवेश द्वार। यीशु को अपने शिष्यों के साथ रोटी तोड़ते हुए दर्शाने वाली एक पेंटिंग ने भाव जगाया।
आंतरिक चेतना का मिलन। मुझे उस आनंद की याद आते ही कंपकंपी छूट गई।
मैंने वहां असीम, बिना शर्त प्यार का अनुभव किया था।
अंततः, मुझे समझ में आया कि धर्म वास्तव में क्या है। या कम से कम

यह सब इसी बारे में होना चाहिए था। मैं सिर्फ भगवान में विश्वास नहीं करता था; मैं भगवान को जानता था।

मैं लड़खड़ाते हुए वेदी तक पवित्र भोज लेने गया, मेरी आँखों से आँसू बह रहे थे।

33.

चेतना का रहस्य

यदि आप सत्य के सच्चे साधक बनना चाहते हैं, तो यह आवश्यक है कि
जीवन में कम से कम एक बार, जहाँ तक संभव हो, हर चीज पर संदेह करें।
—रेने डेसकार्टेस (1596-1650)

मेरे न्यूरोसर्जिकल उपचार के सभी चरणों को पूरा करने में लगभग दो महीने लग गए।
मुझे ज्ञान वापस मिल जाएगा। फिलहाल इसे एक तरफ रखते हुए...
यह वास्तव में एक चमत्कारिक तथ्य है कि यह वापस आ गया (यह जारी है
मेरे मामले के लिए कोई चिकित्सीय मिसाल नहीं है, जिसमें लंबे समय तक मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव शामिल हैं।
ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया जैसे कि द्वारा इस प्रकार के गंभीर हमले को संदर्भित करता है।
ई. कोलाई अपनी पूरी क्षमता वापस पा लेता है), एक बार ऐसा हो जाने के बाद, मैंने जारी रखा
इस तथ्य से जूझना कि मैंने चार दशकों में जो कुछ भी सीखा था
मानव मस्तिष्क, ब्रह्मांड और अन्य विषयों के अध्ययन और कार्य के बारे में।
वास्तविकता क्या है, इस बारे में मेरा विचार मेरे अनुभवों से मेल नहीं खाता था।
उन सात दिनों के कोमा के दौरान। जब मैं कोमा में गया, तब मैं एक
एक धर्मनिरपेक्ष चिकित्सक जिसने अपना पूरा करियर कुछ सबसे
विश्व के प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थान, यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि
मानव मस्तिष्क और चेतना के बीच संबंध। ऐसा नहीं था
मुझे चेतना पर विश्वास नहीं था। मैं बस दूसरों की तुलना में अधिक जागरूक था।
अधिकांश लोग इसके अस्तित्व की अविश्वसनीय यांत्रिक असंभावना से हैरान थे।
स्वतंत्र रूप से—बिल्कुल भी नहीं!
1920 के दशक में, भौतिक विज्ञानी वर्नर हाइजेनबर्ग (और अन्य संस्थापकों)
क्वांटम यांत्रिकी के विज्ञान के एक व्यक्ति ने एक ऐसी खोज की जो बहुत ही विचित्र थी।

कि दुनिया को अभी तक इससे पूरी तरह से तालमेल बिठाना बाकी है।
उप-परमाणु घटनाओं का अवलोकन करते हुए, पूरी तरह से समझना असंभव है।
प्रेक्षक (अर्थात प्रयोग करने वाले वैज्ञानिक) को अलग करें
जो देखा जा रहा है, उससे। हमारे रोजमर्रा के जीवन में, यह आसान है कि
हम इस तथ्य को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। हम ब्रह्मांड को अलग-अलग वस्तुओं से भरी जगह के रूप में देखते हैं।
(मेज और कुर्सियाँ, लोग और ग्रह) जो कभी-कभी एक दूसरे के साथ बातचीत करते हैं
एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, लेकिन फिर भी मूल रूप से अलग बने रहते हैं। हालाँकि, उप-परमाणु स्तर पर, अलग-अलग
वस्तुओं का यह ब्रह्मांड इस प्रकार प्रकट होता है:
पूर्णतः भ्रम होना। अतिसूक्ष्म के क्षेत्र में, प्रत्येक
भौतिक ब्रह्मांड में मौजूद प्रत्येक वस्तु एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है।
अन्य वस्तु। वास्तव में, दुनिया में वास्तव में कोई "वस्तु" है ही नहीं।
केवल ऊर्जा और संबंधों के कंपन।
इसका मतलब स्पष्ट होना चाहिए था, हालांकि ऐसा नहीं था।
बहुत से। ब्रह्मांड की मूल वास्तविकता का पता लगाना असंभव था।
चेतना का प्रयोग किए बिना। एक महत्वहीन उप-भाग होने से बहुत दूर।
भौतिक प्रक्रियाओं का उत्पाद (जैसा कि मैंने अपने पहले सोचा था)
अनुभव के आधार पर, चेतना न केवल बहुत वास्तविक है, बल्कि वास्तव में और भी अधिक है।
भौतिक अस्तित्व के बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक वास्तविक, और संभवतः इसका आधार भी।
लेकिन इन दोनों ही जानकारियों को अभी तक सही मायने में शामिल नहीं किया गया है।
विज्ञान की वास्तविकता की तस्वीर। कई वैज्ञानिक ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे
अभी तक कोई एकीकृत "सर्वव्यापक सिद्धांत" नहीं है जो इन सभी को संयोजित कर सके।
क्वांटम यांत्रिकी के नियमों की तुलना सापेक्षता सिद्धांत के नियमों से एक तरह से की जा सकती है।
जो चेतना को समाहित करना शुरू कर देता है।
भौतिक ब्रह्मांड में मौजूद सभी वस्तुएं परमाणुओं से बनी हैं।
परमाणु, बदले में, प्रोटॉन, इलेक्ट्रॉन और न्यूट्रॉन से बने होते हैं।
ये, बदले में, (जैसा कि भौतिकविदों ने भी शुरुआती वर्षों में खोजा था)

बीसवीं शताब्दी) सभी कण। और कण बने होते हैं...

सच कहें तो, भौतिकविदों को भी ठीक से पता नहीं है। लेकिन एक बात तो हम जानते हैं।

कणों के बारे में जो जानकारी उपलब्ध है, वह यह है कि प्रत्येक कण दूसरे कण से जुड़ा होता है।

ब्रह्मांड में। वे सभी, सबसे गहरे स्तर पर, आपस में जुड़े हुए हैं।

अपने इस अनुभव से पहले, मुझे इन सभी बातों की सामान्य जानकारी थी।

आधुनिक वैज्ञानिक विचार थे, लेकिन वे दूर और अप्रचलित थे।

जिस दुनिया में मैं रहता और घूमता था—कारों और घरों की दुनिया

ऑपरेशन टेबल और जिन मरीजों की हालत अच्छी थी या नहीं, यह आंशिक रूप से इस पर निर्भर करता था।

क्या मैंने उन पर सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया—उप-परमाणु के ये तथ्य

भौतिकी को विरल और अलग कर दिया गया था। वे सच हो सकते हैं, लेकिन वे

इसका मेरे दैनिक जीवन से कोई लेना-देना नहीं था।

लेकिन जब मैंने अपना भौतिक शरीर त्याग दिया, तो मुझे इन तथ्यों का अनुभव हुआ।

सीधे तौर पर। वास्तव में, मुझे विश्वास है कि, हालांकि मैंने ऐसा किया भी नहीं था।

उस समय इस शब्द का ज्ञान होने के बावजूद, गेटवे और कोर में रहते हुए, मैं वास्तव में "विज्ञान कर रहा था।" ऐसा विज्ञान जो सबसे सच्चे और

हमारे पास मौजूद वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए सबसे परिष्कृत उपकरण:

स्वयं चेतना।

जैसे-जैसे मैं और गहराई से छानबीन करता गया, मुझे और भी यकीन होता गया कि मेरी खोज

यह सिर्फ रोचक या नाटकीय ही नहीं था। यह वैज्ञानिक भी था।

आप जिससे भी बात करें, चेतना या तो सबसे बड़ा रहस्य है जिसका सामना करना पड़ रहा है

वैज्ञानिक जांच, या फिर पूरी तरह से कोई समस्या ही नहीं। हैरानी की बात तो यह है कि कैसे

कई और वैज्ञानिकों का मानना है कि यह बाद वाला विकल्प सही है। कई लोगों के लिए—शायद अधिकांश के लिए—

वैज्ञानिकों के अनुसार, चेतना वास्तव में चिंता का विषय नहीं है क्योंकि यह

यह भौतिक प्रक्रियाओं का मात्र एक उप-उत्पाद है। कई वैज्ञानिक इससे आगे भी जाते हैं,

यह कहना कि चेतना न केवल एक गौण घटना है, बल्कि

इसके अलावा, यह वास्तविक भी नहीं है।

चेतना के तंत्रिका विज्ञान और क्षेत्र के कई नेताओं
लेकिन मन का दर्शन इससे असहमत होगा। पिछले कुछ समयों में
दशकों से, वे "कठिन समस्या" को पहचानने लगे हैं।
चेतना।" हालाँकि यह विचार दशकों से आकार ले रहा था,
डेविड चालमर्स ने ही अपनी शानदार 1996 की पुस्तक, द में इसे परिभाषित किया था।
चेतन मन। कठिन समस्या अस्तित्व से ही संबंधित है।
सचेत अनुभव को इन प्रश्नों में संक्षेपित किया जा सकता है:
मानव शरीर की कार्यप्रणाली से चेतना कैसे उत्पन्न होती है?
दिमाग?
यह उस व्यवहार से किस प्रकार संबंधित है जिसके साथ यह जुड़ा होता है?
कल्पित दुनिया का वास्तविक दुनिया से क्या संबंध है?
यह कठिन समस्या इतनी जटिल है कि इसका समाधान करना इतना मुश्किल है कि कुछ विचारकों ने कहा है
इसका उत्तर विज्ञान से पूरी तरह बाहर है। लेकिन यह उत्तर विज्ञान से बाहर है।
वर्तमान विज्ञान की सीमाएं किसी भी तरह से इस घटना को कमतर नहीं आंकतीं।
चेतना—वास्तव में, यह इसकी अथाह गहराई का एक सुराग है।
ब्रह्मांड में भूमिका।
केवल भौतिक तथ्यों पर आधारित वैज्ञानिक पद्धति का वर्चस्व
पिछले चार सौ वर्षों में इस क्षेत्र में जो बदलाव आए हैं, वे एक बड़ी समस्या प्रस्तुत करते हैं: हम
हम अस्तित्व के केंद्र में स्थित गहरे रहस्य से अपना संपर्क खो चुके हैं—हमारा
चेतना। यह (विभिन्न नामों के तहत और व्यक्त की गई) थी।
विभिन्न विश्वदृष्टिकोण) कुछ ऐसा जो पूर्व-आधुनिक धर्मों द्वारा अच्छी तरह से जाना और संजोया गया था, लेकिन यह हमारी
धर्मनिरपेक्ष पश्चिमी संस्कृति से लुप्त हो गया है।
आधुनिक विज्ञान की शक्ति से वह और भी अधिक मोहित हो गया और
तकनीकी।
पश्चिमी सभ्यता की तमाम सफलताओं के बावजूद, दुनिया को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी है।
हमारे अस्तित्व के सबसे महत्वपूर्ण घटक—हमारे—के संदर्भ में भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

मानवीय भावना। उच्च प्रौद्योगिकी का काला पक्ष—आधुनिक युद्ध
और अविवेकी हत्या और आत्महत्या, शहरी बदहाली, पारिस्थितिक
अराजकता, विनाशकारी जलवायु परिवर्तन, आर्थिक ध्रुवीकरण
संसाधनों पर हमारा ध्यान—काफी बुरा है। इससे भी कहीं ज्यादा बुरा है घातीय वृद्धि पर हमारा ध्यान।
विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति ने हममें से कई लोगों को अपेक्षाकृत पीछे छोड़ दिया है।
अर्थ और आनंद के क्षेत्र से वंचित, और यह जानने से वंचित कि हमारा जीवन कैसा है
अस्तित्व की भव्य योजना में अनंत काल तक फिट होना।
आत्मा और मृत्यु के बाद के जीवन, पुनर्जन्म, ईश्वर और अन्य संबंधित प्रश्न
स्वर्ग के बारे में पारंपरिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उत्तर देना कठिन साबित हुआ।
इसका अर्थ है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वे शायद अस्तित्व में न हों। इसी प्रकार, विस्तारित
चेतना संबंधी घटनाएं, जैसे कि दूरस्थ अवलोकन, अलौकिक
बोध, मनोगतिकी, दूरदर्शिता, टेलीपैथी और पूर्वज्ञान,
वे "मानक" के माध्यम से समझने के प्रति हठपूर्वक प्रतिरोधी प्रतीत हुए हैं।
वैज्ञानिक जांच। कोमा में जाने से पहले, मुझे उनकी सत्यता पर संदेह था।
मुख्यतः इसलिए क्योंकि मैंने उन्हें कभी गहरे स्तर पर अनुभव नहीं किया था, और
क्योंकि उन्हें मेरे सरल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आसानी से समझाया नहीं जा सकता था।
दुनिया के प्रति नजरिया।
कई अन्य वैज्ञानिक संशयवादियों की तरह, मैंने भी आंकड़ों की समीक्षा करने से इनकार कर दिया।
इन घटनाओं से संबंधित प्रश्नों के लिए प्रासंगिक। मैंने पूर्वाग्रह बना लिया था।
आंकड़ों और उन्हें उपलब्ध कराने वालों के प्रति मेरी सीमित समझ विफल रही।
इस बात का हल्का-फुल्का अंदाजा देने के लिए कि ऐसी चीजें वास्तव में कैसे हो सकती हैं
घटित होते हैं। जो लोग यह दावा करते हैं कि घटनाओं के लिए कोई सबूत नहीं है।
अत्यधिक कठिनाइयों के बावजूद विस्तारित चेतना का संकेत।
इसके विपरीत सबूतों के बावजूद, वे जानबूझकर अज्ञानता का शिकार हैं। उनका मानना है कि वे
तथ्यों को देखे बिना ही सच्चाई जान लें।
जो लोग अभी भी वैज्ञानिक संशयवाद के जाल में फंसे हुए हैं, उनके लिए मैं यह सुझाव देता हूँ:

'अपरिवर्तनीय मन: 21 वीं सदी के लिए मनोविज्ञान की ओर' नामक पुस्तक
2007 में प्रकाशित। इस गहन वैज्ञानिक विश्लेषण में शरीर से परे चेतना के प्रमाणों को अच्छी तरह से प्रस्तुत किया गया है। इरेड्यूसिबल माइंड एक
एक अत्यंत प्रतिष्ठित समूह, डिवीजन ऑफ की ओर से एक महत्वपूर्ण कृति।
वर्जीनिया विश्वविद्यालय में स्थित अवधारणात्मक अध्ययन विभाग। लेखक
प्रासंगिक आंकड़ों की विस्तृत समीक्षा प्रदान करें, और निष्कर्ष प्रस्तुत करें।
यह अपरिहार्य है: ये घटनाएँ वास्तविक हैं, और हमें इन्हें समझने का प्रयास करना चाहिए।
यदि हम अपने जीवन की वास्तविकता को समझना चाहते हैं तो हमें उनके स्वरूप को समझना होगा।
अस्तित्व।
हमें यह सोचने के लिए बहकाया गया है कि वैज्ञानिक विश्वदृष्टि ही सही है।
हम तेजी से एक सर्वव्यापी सिद्धांत (या टीओई) की ओर बढ़ रहे हैं, जो कि नहीं होगा
ऐसा प्रतीत होता है कि यह हमारी आत्मा, या भावना, या स्वर्ग के लिए बहुत जगह छोड़ता है, और
हे भगवान! मेरी इस नश्वर भौतिक दुनिया से परे, गहरी बेहोशी की यात्रा।
और सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता के सर्वोच्च निवास स्थान में प्रकट हुआ।
हमारे मानवीय ज्ञान और उसके बीच की अवर्णनीय विशाल खाई
ईश्वर का विस्मयकारी क्षेत्र।
हममें से प्रत्येक व्यक्ति चेतना से उतना परिचित है जितना कि हम किसी अन्य चीज़ से नहीं हैं।
इसके अलावा और कुछ नहीं, फिर भी हम बाकी के बारे में कहीं अधिक समझते हैं।
हम चेतना की कार्यप्रणाली के बारे में जितना जानते हैं, उससे कहीं अधिक ब्रह्मांड के बारे में जानते हैं।
घर के इतने करीब कि यह लगभग हमेशा के लिए हमारी पहुँच से बाहर है।
भौतिक जगत के भौतिकी के बारे में कुछ भी नहीं (क्वार्क, इलेक्ट्रॉन,
फोटॉन, परमाणु, आदि), और विशेष रूप से जटिल संरचना
मस्तिष्क, जो क्रियाविधि के बारे में जरा सा भी सुराग देता है
चेतना।
दरअसल, आध्यात्मिक जगत की वास्तविकता का सबसे बड़ा सुराग यही है।
हमारे चेतन अस्तित्व का गहरा रहस्य। यह कहीं अधिक है।

भौतिकविदों या तंत्रिका विज्ञानियों द्वारा दिखाए गए रहस्यों से कहीं अधिक रहस्यमय रहस्योद्घाटन।
वे स्वयं इस समस्या से निपटने में सक्षम थे, और ऐसा करने में उनकी विफलता ने उन्हें इस स्थिति में डाल दिया है।
चेतना और क्वांटम के बीच घनिष्ठ संबंध
यांत्रिकी—और इस प्रकार भौतिक वास्तविकता—अस्पष्ट हो गई।
ब्रह्मांड का गहराई से अध्ययन करने के लिए, हमें यह स्वीकार करना होगा
वास्तविकता को चित्रित करने में चेतना की मूलभूत भूमिका। प्रयोग
क्वांटम यांत्रिकी में हुई प्रगति ने इस क्षेत्र के उन प्रतिभाशाली जनक वैज्ञानिकों को चौंका दिया।
जिनमें से कई (वर्नेर हाइजेनबर्ग, वोल्फगैंग पाउली, नील्स बोहर, इरविन)
श्रोडिंगर, सर जेम्स जीन्स, कुछ नाम हैं) ने उत्तर खोजने के लिए रहस्यवादी विश्वदृष्टि की ओर रुख किया। उन्हें एहसास हुआ कि यह असंभव था
प्रयोगकर्ता को प्रयोग से अलग करना और वास्तविकता को समझाना
बिना चेतना के। मैंने जो कुछ खोजा वह यह है कि...
ब्रह्मांड की अवर्णनीय विशालता और जटिलता, और वह
चेतना ही समस्त अस्तित्व का आधार है। मैं इससे पूरी तरह से जुड़ा हुआ था।
इसके कारण अक्सर "मैं" और "मैं" के बीच कोई वास्तविक अंतर नहीं होता था।
जिस दुनिया में मैं जी रहा था। अगर मुझे इन सब बातों का सारांश देना हो, तो मैं...
सबसे पहले तो मैं यही कहूंगा कि ब्रह्मांड जितना दिखता है उससे कहीं अधिक विशाल है।
अगर हम सिर्फ इसके तुरंत दिखाई देने वाले हिस्सों को देखें। (यह कोई खास बात नहीं है)
वास्तव में क्रांतिकारी अंतर्दृष्टि, जैसा कि पारंपरिक विज्ञान स्वीकार करता है
कि ब्रह्मांड का 96 प्रतिशत हिस्सा "डार्क मैटर" से बना है और
ऊर्जा।" ये रहस्यमयी शक्तियां क्या हैं? * अभी तक कोई नहीं जानता। लेकिन क्या
मेरे अनुभव को असामान्य बनाने वाली बात यह थी कि मुझे जिस तीव्र तात्कालिकता के साथ यह अनुभव हुआ।
हमने चेतना या आत्मा की मूलभूत भूमिका का अनुभव किया। यह कोई सिद्धांत नहीं था।
जब मुझे यह बात ऊपर पता चली, लेकिन यह एक तथ्य था, जो चौंकाने वाला और तत्काल था।
(जैसे चेहरे पर आर्कटिक हवा का एक झोंका।) दूसरा: हम—हममें से प्रत्येक—हैं
यह ब्रह्मांड से जटिल रूप से, अटूट रूप से जुड़ा हुआ है। यही हमारा सच्चा स्वरूप है।

घर, और यह सोचना कि यह भौतिक दुनिया ही सब कुछ है, ऐसा है जैसे
खुद को एक छोटी सी कोठरी में बंद कर लेना और यह कल्पना करना कि वहाँ
इसके अलावा और कुछ नहीं। और तीसरा: विश्वास की महत्वपूर्ण शक्ति।
मन की शक्ति को बढ़ावा देना। एक चिकित्सक के रूप में मैं अक्सर इस बात से चकित रह जाता था।
प्लेसीबो प्रभाव की भ्रामक शक्ति पर छात्र—कि
चिकित्सा अध्ययनों को लगभग 30 प्रतिशत लाभ को पार करना पड़ा।
इसका कारण मरीज का यह मानना था कि उसे दवा मिल रही है।
इससे उसे मदद मिलेगी, भले ही वह केवल एक निष्क्रिय पदार्थ ही क्यों न हो। इसके बजाय
विश्वास की अंतर्निहित शक्ति को देखना और यह समझना कि इसने हमारे जीवन को कैसे प्रभावित किया।
स्वास्थ्य के मामले में, चिकित्सा जगत ने गिलास को "आधा खाली" के रूप में देखा—कि
प्लेसीबो प्रभाव उपचार के प्रदर्शन में एक बाधा था।
क्वांटम यांत्रिकी की पहेली के मूल में झूठ छिपा है।
अंतरिक्ष और समय में हमारी स्थानीयता की धारणा का। शेष ब्रह्मांड—
यानी, इसका अधिकांश भाग वास्तव में अंतरिक्ष में हमसे दूर नहीं है।
हाँ, भौतिक स्थान वास्तविक प्रतीत होता है, लेकिन यह भी सीमित है। पूरा
भौतिक ब्रह्मांड की लंबाई और ऊँचाई उस आध्यात्मिक जगत के सामने कुछ भी नहीं है जिससे यह उत्पन्न हुआ है—चेतना का जगत (जो
कुछ लोग इसे "जीवन शक्ति" भी कह सकते हैं।
यह दूसरा, कहीं अधिक विशाल ब्रह्मांड बिल्कुल भी "दूर" नहीं है। वास्तव में, यह बहुत करीब है।
ठीक यहीं—ठीक यहीं जहाँ मैं हूँ, यह वाक्य टाइप कर रहा हूँ, और ठीक
आप जहां हैं, वहीं इसे पढ़ रहे हैं। यह भौतिक रूप से दूर नहीं है, लेकिन
यह बस एक अलग आवृत्ति पर मौजूद है। यह यहीं है, अभी इसी वक्त, लेकिन
हमें इसकी जानकारी नहीं है क्योंकि हम ज्यादातर मामलों में इन चीजों के प्रति बंद हैं।
जिन आवृत्तियों पर यह प्रकट होता है। हम उन आयामों में रहते हैं।
परिचित स्थान और समय, हमारी विचित्र सीमाओं से घिरे हुए
संवेदी अंगों और स्पेक्ट्रम के भीतर हमारे अवधारणात्मक पैमाने के द्वारा

उप-परमाणु क्वांटम स्तर से लेकर संपूर्ण ब्रह्मांड तक।
हालांकि इन आयामों के कई फायदे हैं, लेकिन वे हमें सीमित भी कर देते हैं।
अन्य आयामों से भी बाहर निकलें जो मौजूद हैं।
प्राचीन यूनानियों ने इन सब चीजों की खोज बहुत पहले कर ली थी, और मैं तो बस उस समय मौजूद था।
मैंने खुद ही उस बात का पता लगाया जो वे पहले ही समझ चुके थे: जैसे समझता है
जैसे। ब्रह्मांड की संरचना ऐसी है कि इसके किसी भी हिस्से को सही मायने में समझना मुश्किल है।
इसके कई आयामों और स्तरों में से, आपको इसका हिस्सा बनना होगा।
आयाम। या, थोड़ा और सटीक रूप से कहें तो, आपको खोलना होगा।
अपने आप को ब्रह्मांड के उस हिस्से से जोड़ें जिससे आप पहले से ही जुड़े हुए हैं।
आपके पास वह चीज हो सकती है, लेकिन शायद आपको इसका एहसास न हो।
इस ब्रह्मांड का न कोई आरंभ है और न कोई अंत, और ईश्वर सर्वत्र विद्यमान है।
इसके हर कण के भीतर। वास्तव में, लोगों के पास जो कुछ भी है, उसका अधिकांश भाग।
ईश्वर और उच्च आध्यात्मिक जगत के बारे में जो कुछ कहना था, उसमें शामिल था
उन्हें अपने स्तर पर लाना, बजाय इसके कि हम अपनी धारणाओं को ऊंचा उठाएं।
उनके तक। हम अपने अपर्याप्त विवरणों से उनके वास्तविक स्वरूप को दूषित करते हैं।
अद्भुत प्रकृति।
लेकिन यद्यपि इसका कभी आरंभ नहीं हुआ और न कभी अंत होगा, फिर भी ब्रह्मांड का अस्तित्व है।
विराम चिह्न होते हैं, जिनका उद्देश्य प्राणियों को संवाद में लाना होता है।
उनका अस्तित्व और उन्हें ईश्वर की महिमा में भागीदार बनने दें।
जिस धमाके से हमारे ब्रह्मांड का निर्माण हुआ, वह इन्हीं रचनात्मक घटनाओं में से एक थी।
“विराम चिह्न।” ओम का दृष्टिकोण बाहर से था, जिसमें सब कुछ समाहित था।
ओम की सृष्टि और उससे भी परे, मेरे उच्च-आयामी क्षेत्र में भी।
देखना। यहाँ, देखना ही जानना था। किसी चीज़ का अनुभव करने और उसे समझने में कोई अंतर नहीं था।
"मैं अंधा था, लेकिन अब मैं देख सकता हूँ," इस वाक्य का अब मेरे लिए एक नया अर्थ हो गया था क्योंकि मैं
समझ में आया कि आध्यात्मिक ब्रह्मांड की संपूर्ण प्रकृति के प्रति कितना अंधापन था
हम पृथ्वी पर हैं—विशेषकर मेरे जैसे लोग, जिन्होंने विश्वास किया था

वह पदार्थ ही मूल वास्तविकता थी, और बाकी सब कुछ—विचार—
चेतना, विचार, भावनाएँ, आत्मा—ये सब उसी की उपज थे।
इस रहस्योद्घाटन ने मुझे बहुत प्रेरित किया, क्योंकि इसने मुझे देखने की अनुमति दी।
सहभागिता और समझ की वे चौंका देने वाली ऊंचाइयां जो निहित हैं
हम सभी के लिए आगे का रास्ता तब खुला है, जब हममें से प्रत्येक अपनी शारीरिक सीमाओं को पार कर जाएगा।
शरीर और दिमाग दोनों इसके पीछे हैं।
हास्य। व्यंग्य। करुणा। मैंने हमेशा सोचा था कि ये वे गुण हैं जो हम
मनुष्य इस अक्सर दर्दनाक और अन्यायपूर्ण दुनिया से निपटने के लिए विकसित हुए।
और वे हैं भी। लेकिन सांत्वना देने के अलावा, ये गुण हैं
इस तथ्य की संक्षिप्त, क्षणिक, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण पहचान कि
वर्तमान संसार में हमारे संघर्ष और कष्ट चाहे जो भी हों, वे
हम वास्तव में जो विशाल, शाश्वत सत्ता हैं, उन्हें हम सचमुच छू नहीं सकते। (हंसी)
और विडंबना, ये दोनों ही मूलतः हमें याद दिलाते हैं कि हम इस बंधन में कैदी नहीं हैं।
दुनिया, लेकिन उसमें से गुजरने वाले यात्री।
अच्छी खबर का एक और पहलू यह है कि आपको लगभग मौत के मुंह से नहीं गुजरना पड़ेगा।
पर्दे के पीछे झाँकने के लिए—लेकिन आपको मेहनत करनी होगी।
किताबों और प्रस्तुतियों से परे का वह क्षेत्र एक शुरुआत है—लेकिन अंत में
जिस दिन हमें अपनी चेतना की गहराई में उतरना होगा,
प्रार्थना या ध्यान के माध्यम से इन सच्चाइयों तक पहुंचा जा सकता है।
ध्यान के कई अलग-अलग रूप होते हैं। मेरे लिए सबसे उपयोगी तरीका है
मेरी कोमा की स्थिति वैसी ही है जैसी रॉबर्ट ए. मोनरो, संस्थापक द्वारा विकसित की गई थी।
वर्जीनिया के फेबर में स्थित मोनरो इंस्टीट्यूट के। किसी भी प्रकार की स्वतंत्रता से मुक्त।
हठधर्मी दर्शन एक विशिष्ट लाभ प्रदान करता है। एकमात्र हठधर्म
मोनरो की ध्यान अभ्यास प्रणाली से जुड़ा एक वाक्य है: मैं हूँ
मेरे भौतिक शरीर से भी कहीं अधिक। इस सरल स्वीकृति ने
गंभीर निहितार्थ।

रॉबर्ट मोनरो 1950 के दशक में एक सफल रेडियो कार्यक्रम निर्माता थे।
न्यूयॉर्क में। ऑडियो के उपयोग की जांच की प्रक्रिया में।
नींद में सीखने की तकनीक के रूप में रिकॉर्डिंग का उपयोग करते हुए, उन्हें शरीर से बाहर निकलने के अनुभव होने लगे।
चार दशकों से अधिक के उनके विस्तृत शोध से पता चलता है कि...
इसके परिणामस्वरूप गहरी चेतना को बढ़ाने के लिए एक शक्तिशाली प्रणाली विकसित हुई है।
उन्होंने एक ऑडियो तकनीक विकसित की, जिसे वे इस नाम से जानते हैं, और इसी पर आधारित अन्वेषण के आधार पर
उन्होंने एक ऑडियो तकनीक विकसित की।
"हेमी-सिंक।"
हेमी-सिंक चयनात्मक जागरूकता और प्रदर्शन को बढ़ा सकता है।
एक आरामदायक अवस्था बनाकर। हेमी-सिंक इससे कहीं अधिक प्रदान करता है।
हालांकि, चेतना की उन्नत अवस्थाएँ पहुँच प्रदान करती हैं।
गहन ध्यान और रहस्यमय सहित वैकल्पिक अवधारणात्मक तरीके।
राज्यों। हेमी-सिंक में अनुनादी जुड़ाव का भौतिकी शामिल है।
मस्तिष्क तरंगें, उनका अवधारणात्मक और व्यवहारिक संबंध
चेतना के मनोविज्ञान और मूलभूत शरीर क्रिया विज्ञान के लिए
मस्तिष्क, मन और चेतना।
हेमी-सिंक स्टीरियो ध्वनि तरंगों के विशिष्ट पैटर्न (थोड़े से) का उपयोग करता है
प्रत्येक कान में अलग-अलग आवृत्तियाँ) सिंक्रनाइज़्ड मस्तिष्क तरंग उत्पन्न करने के लिए
गतिविधि। ये "बाइनॉरल बीट्स" एक ऐसी आवृत्ति पर उत्पन्न होती हैं जो
दो सिग्नल आवृत्तियों के बीच अंकगणितीय अंतर। इसका उपयोग करके
मस्तिष्क के स्टेम में स्थित एक प्राचीन लेकिन अत्यंत सटीक समय प्रणाली जो
सामान्यतः क्षैतिज तल में ध्वनि स्रोतों के स्थानीयकरण को सक्षम बनाता है
सिर के चारों ओर, ये द्विकर्णीय धड़कनें आस-पास के कानों को भी प्रभावित कर सकती हैं।
रेटिकुलर एक्टिवेटिंग सिस्टम, जो स्थिर समय संकेत प्रदान करता है
थैलेमस और कॉर्टेक्स चेतना को सक्षम बनाते हैं। ये संकेत
1 से 25 हर्ट्ज़ (Hz) की रेंज में मस्तिष्क तरंगों का समकालिकता उत्पन्न करना, या

चक्र प्रति सेकंड), जिसमें सामान्य से नीचे का महत्वपूर्ण क्षेत्र भी शामिल है।
मानव श्रवण की सीमा (20 हर्ट्ज़)। यह सबसे कम सीमा इससे जुड़ी है।
मस्तिष्क तरंगों के साथ डेल्टा (< 4 हर्ट्ज़, सामान्यतः गहरी मस्तिष्क तरंगों में पाया जाता है)
स्वप्नहीन नींद), थीटा (4 से 7 हर्ट्ज़, जो गहरी ध्यान अवस्था में देखी जाती है और
विश्राम, और गैर-आरईएम नींद में), और अल्फा रेंज (7 से 13 हर्ट्ज़,
आरईएम या स्वप्निल नींद की विशेषता, नींद की शुरुआत में उनींदापन
नींद और जागृत अवस्था में विश्राम)।
कोमा से उबरने के बाद मेरी समझ की यात्रा में, हेमी-सिंक
इससे फ़िल्टरिंग फ़ंक्शन को निष्क्रिय करने का एक साधन संभव हो सकता है।
मेरे नियोकोर्टिकल विद्युत तंत्र को विश्व स्तर पर सिंक्रनाइज़ करके भौतिक मस्तिष्क
यह गतिविधि, ठीक वैसे ही जैसे मेनिन्जाइटिस ने मेरी शरीर से बाहर की चेतना को मुक्त करने में मदद की होगी। मेरा
मानना है कि हेमी-सिंक ने मुझे वापस लौटने में सक्षम बनाया है।
एक ऐसा क्षेत्र जो मैंने गहरी बेहोशी की अवस्था में देखा था, लेकिन बिना किसी
जानलेवा बीमारी होना। लेकिन ठीक वैसे ही जैसे बचपन में उड़ने के मेरे सपनों में होता था,
यह काफी हद तक यात्रा को स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने देने की प्रक्रिया है—अगर मैं कोशिश करूं तो
इसे जबरदस्ती करना, इसके बारे में बहुत ज्यादा सोचना, या इस प्रक्रिया को बहुत ज्यादा अपना लेना, यह
यह काम नहीं करता।
सर्वज्ञ शब्द का प्रयोग करना अनुचित लगता है, क्योंकि विस्मय
और मैंने जिस रचनात्मक शक्ति का अनुभव किया, वह नामकरण से परे थी। मुझे एहसास हुआ कि
कुछ धर्मों में ईश्वर का नाम लेने या उसका चित्रण करने पर प्रतिबंध है।
ईश्वरीय पैगंबरों में वास्तव में सहज ज्ञान से प्राप्त होने वाली सटीकता होती थी।
क्योंकि ईश्वर की वास्तविकता वास्तव में हमारी किसी भी समझ से परे है।
मनुष्य द्वारा ईश्वर को शब्दों या चित्रों में कैद करने के प्रयास।
धरती।
जिस प्रकार मेरी जागरूकता व्यक्तिगत होने के साथ-साथ साथ ही साथ
ब्रह्मांड के साथ पूर्णतः एकीकृत होने के कारण, उसकी सीमाएँ भी एकीकृत हो गईं।

जो मैंने अपने "स्वयं" के रूप में अनुभव किया, वह कभी-कभी संकुचित होता है, और कभी-कभी
अनंत काल तक विद्यमान हर चीज को शामिल करने के लिए विस्तार करना। धुंधलापन
मेरी चेतना और मेरे आस-पास के क्षेत्र के बीच की सीमा समाप्त हो गई।
कभी-कभी तो मैं पूरी दुनिया ही बन जाता था। एक और तरीका
इसे कहने का मतलब यह होगा कि मैंने क्षण भर के लिए एक पहचान देखी।
वह ब्रह्मांड, जो हमेशा से मौजूद था, लेकिन जिसे मैंने अभी-अभी खोजा था
तब तक मुझे इस बात का पता ही नहीं था।
एक उपमा जिसका उपयोग मैं अक्सर उस समय अपनी जागरूकता प्रदर्शित करने के लिए करता हूँ
सबसे गहरा स्तर मुर्गी के अंडे जैसा है। जबकि मूल में, तब भी जब मैं
प्रकाश के गोले और संपूर्ण उच्च-आयामी जगत के साथ एक हो गया।
मैं समस्त अनंत काल से ब्रह्मांड में व्याप्त था, और ईश्वर के साथ घनिष्ठ रूप से एकरूप था।
मुझे दृढ़ता से यह आभास हुआ कि रचनात्मक, आदिम (प्रधान प्रेरक) पहलू
ईश्वर अंडे के भीतर की सामग्री के चारों ओर का आवरण था, जो उससे घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ था।
संपूर्ण कालखंड में (क्योंकि हमारी चेतना ईश्वर का प्रत्यक्ष विस्तार है)।
फिर भी, पूर्ण रूप से एकरूपता की क्षमता से हमेशा परे।
सृष्टि की चेतना। जैसे-जैसे मेरी चेतना विकसित होती गई।
सभी और शाश्वतता के साथ एकरूप होते हुए, मुझे यह एहसास हुआ कि मैं नहीं बन सकता।
समस्त सृष्टि के सृजनात्मक, मूल प्रेरक के साथ पूर्णतया एकत्व। परम अनंत एकत्व के केंद्र में भी वह द्वैत विद्यमान था।
यह संभव है कि इस तरह की स्पष्ट द्वैतता केवल प्रयास का परिणाम हो।
इस क्षेत्र में ऐसी जागरूकता वापस लाएं।
मैंने कभी ओम की आवाज सीधे नहीं सुनी, न ही उनका चेहरा देखा। ऐसा लगा जैसे ओम
मुझसे विचारों के माध्यम से बात की जो लहरों की तरह लुढ़कती हुई दीवारों की तरह थे।
मेरे माध्यम से, मेरे आस-पास की हर चीज को हिलाकर रख देना और यह दिखाना कि
अस्तित्व का एक गहरा ताना-बाना—एक ऐसा ताना-बाना जिसका हम सभी हमेशा हिस्सा होते हैं,
लेकिन जिसके बारे में हम आमतौर पर जागरूक नहीं होते हैं।
तो क्या मैं सीधे भगवान से बात कर रहा था? बिलकुल। व्यक्त किया

इस तरह से देखा जाए तो यह भव्य लगता है। लेकिन जब यह हो रहा था, तब ऐसा नहीं था।

मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ। इसके बजाय, मुझे ऐसा लगा कि मैं वही कर रहा हूँ जो हर आत्मा करने में सक्षम है।

जब वे अपने शरीर को छोड़ दें तो क्या करना चाहिए, और हम सभी अभी क्या कर सकते हैं

प्रार्थना या गहन ध्यान की विभिन्न विधियों के माध्यम से।

ईश्वर से संवाद करना सबसे असाधारण अनुभव है।

कल्पना से परे, फिर भी साथ ही साथ यह सबसे स्वाभाविक भी है।

क्योंकि ईश्वर हर समय हमारे भीतर विद्यमान है। सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान।

व्यक्तिगत—और बिना किसी शर्त के हमसे प्रेम करना। हम एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

ईश्वर के साथ हमारे दिव्य संबंध के माध्यम से।

* सत्तर प्रतिशत "डार्क एनर्जी" है, जो खगोलविदों द्वारा 1990 के दशक के मध्य में खोजी गई एक अत्यंत रहस्यमय शक्ति है। उन्होंने टाइप Ia सुपरनोवा के आधार पर अकाट्य प्रमाण पाया कि पिछले पांच अरब वर्षों से ब्रह्मांड ऊपर की ओर सिकुड़ रहा है—यानी अंतरिक्ष का विस्तार तीव्र गति से हो रहा है। अन्य 26 प्रतिशत "डार्क मैटर" है, जो आकाशगंगाओं और आकाशगंगा समूहों के घूर्णन में पिछले कुछ दशकों में प्रकट हुई असामान्य "अतिरिक्त" गुरुत्वाकर्षण शक्ति है। स्पष्टीकरण तो दिए जाएंगे, लेकिन रहस्य कभी समाप्त नहीं होंगे।

34.

एक अंतिम दुविधा

मुझे वह बनने के लिए, जो मैं हूँ उसे त्यागने के लिए तैयार रहना होगा जो मैं बनना चाहता हूँ।
होगा।
—अल्बर्ट आइंस्टीन (1879–1955)

आइंस्टीन मेरे शुरुआती वैज्ञानिक आदर्शों में से एक थे और उपरोक्त उद्धरण
यह हमेशा से मेरी पसंदीदा रचनाओं में से एक रही है। लेकिन अब मुझे समझ में आ गया कि इसका क्या मतलब था।
उन शब्दों का असल मतलब क्या था? मुझे पता था कि हर बार जब मैं उन्हें सुनता था तो यह कितना अजीब लगता था।
मैंने अपनी कहानी अपने एक वैज्ञानिक सहकर्मी को सुनाई—जैसा कि मैं उनके
उनकी भावहीन या परेशान अभिव्यक्ति—मैं समझ गया था कि मैं उन्हें कुछ बता रहा हूँ।
जिसकी वास्तविक वैज्ञानिक वैधता थी। और इसने एक ऐसे मार्ग का द्वार खोल दिया।
वैज्ञानिक समझ की एक पूरी नई दुनिया—एक पूरी नई दुनिया।
यह अवलोकन स्वयं चेतना को सबसे महान मानता है।
संपूर्ण अस्तित्व में विद्यमान सत्ता।
लेकिन एनडीएसई में होने वाली एक आम घटना मेरे साथ नहीं घटी। या,
अधिक सटीक रूप से कहें तो, कुछ ऐसे अनुभव थे जो मुझे नहीं हुए थे।
इन सभी प्रक्रियाओं से गुज़रा गया, और ये सभी एक तथ्य के इर्द-गिर्द केंद्रित थीं:
जब मैं बाहर था, तो मुझे अपनी सांसारिक पहचान याद नहीं आ रही थी।
हालाँकि कोई भी दो प्रत्यक्ष अनुभव बिल्कुल एक जैसे नहीं होते, मैंने अपने शुरुआती दौर में ही यह जान लिया था।
यह पढ़कर पता चलता है कि विशिष्ट विशेषताओं की एक बहुत ही सुसंगत सूची है जो
इनमें से कई में शामिल हैं। इनमें से एक है एक या अधिक मृतकों के साथ मुलाकात।
वे लोग जिन्हें एनडीई के विषय ने अपने जीवन में जाना था। मैं उनमें से किसी से भी नहीं मिला था।
जीवन में जाना जाता है। लेकिन उस हिस्से ने मुझे इतना परेशान नहीं किया, क्योंकि मैं पहले से ही

मुझे पता चला कि अपनी सांसारिक पहचान को भूल जाने से मुझे यह अवसर मिला था।
कई एनडीई विषयों की तुलना में और अधिक गहराई तक जाने के लिए। निश्चित रूप से
इसमें शिकायत करने जैसा कुछ नहीं है। मुझे जो बात परेशान कर रही थी, वह यह थी कि...
वह एक ऐसे व्यक्ति थे जिनसे मैं दिल से मिलना चाहता था। मेरे पिताजी
मेरे कोमा में जाने से चार साल पहले ही उनकी मृत्यु हो गई थी। यह देखते हुए कि वह मेरी भावनाओं को जानते थे,
उन बीते वर्षों में वह उनके मानकों पर खरा उतरने में विफल रहा था।
मेरा, वह मुझे यह बताने के लिए वहाँ क्यों नहीं था कि सब ठीक है? दरअसल, मृत्यु के बाद मृत्यु का अनुभव करने वाले व्यक्ति के मित्र या परिवार के सदस्य ही उसे सांत्वना देते हैं।
वे अक्सर यही संदेश देने पर तुले रहते थे। मुझे उस सुकून की बहुत चाह थी।
और फिर भी मुझे वह प्राप्त नहीं हुआ था।
ऐसा नहीं था कि मुझे सांत्वना के कोई शब्द बिल्कुल भी नहीं मिले थे,
बेशक। मैंने 'द गर्ल ऑन द बटरफ्लाई विंग' से पढ़ा था। लेकिन अद्भुत और
यह लड़की दिखने में भले ही देवदूत जैसी थी, लेकिन मैं उसे नहीं जानता था। उसे देखने के बाद
जब भी मैं तितली के पंखों पर सवार होकर उस रमणीय घाटी में प्रवेश करता था, तब मुझे ऐसा लगता था मानो मैं किसी मनमोहक घाटी में प्रवेश कर रहा हूँ।
मुझे उसका चेहरा पूरी तरह से याद था—इतना कि मुझे पता था कि मैंने उसे कभी नहीं देखा था
मेरी जिंदगी में, कम से कम धरती पर मेरे जीवन में, उससे मुलाकात हुई। और अक्सर ऐसा ही होता था।
किसी परिचित सांसारिक मित्र या रिश्तेदार से हुई मुलाकात ने इस बात को पुख्ता कर दिया।
इन अनुभवों से गुज़रे लोगों के लिए यह एक अच्छा सौदा था।
मैंने इसे नजरअंदाज करने की पूरी कोशिश की, लेकिन इस तथ्य ने मेरे मन में संदेह का भाव पैदा कर दिया।
मैं इस सब के अर्थ के बारे में सोचने लगा। ऐसा नहीं था कि मुझे इस बात पर संदेह था।
मेरे साथ ऐसा हुआ था। यह असंभव था, और मैं तो बस यही चाहता था।
मुझे हॉली से मेरी शादी पर या मेरे बच्चों के प्रति मेरे प्यार पर संदेह था। लेकिन सच्चाई यह है कि
कि मैं अपने पिता से मिले बिना ही परलोक की यात्रा कर चुका था, और मिला
तितली के पंखों पर सवार मेरी खूबसूरत साथी, जिसे मैं नहीं जानता था,
फिर भी मुझे यह बात परेशान करती थी। मेरी भावनाओं की अत्यधिक प्रबल प्रकृति को देखते हुए

मेरे परिवार के साथ मेरा रिश्ता, मेरे अंदर आत्मसम्मान की कमी की भावना क्योंकि मेरे पास
जब यह संदेश लीक हो गया था, तो वह अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश क्यों नहीं लीक हुआ—कि मैं
मुझे प्यार किया गया, कि मुझे कभी त्यागा नहीं जाएगा—मुझे बचा लिया गया
कोई ऐसा जिसे मैं जानता हूँ? कोई ऐसा जैसे... मेरे पिताजी?
दरअसल, गहरे स्तर पर, "फेंक दिया जाना" ही वह तरीका था जिससे मैंने वास्तव में खुद को खोया था।
मैंने अपने पूरे जीवन भर महसूस किया—मेरे परिवार के तमाम प्रयासों के बावजूद
उनके प्यार से उस भावना को ठीक करो। मेरे पिताजी ने मुझे अक्सर ऐसा न करने के लिए कहा था।
मेरे साथ जो कुछ भी हुआ था, उसके बारे में अत्यधिक चिंतित होना।
और माँ मुझे बालगृह से लेने आई थीं। "तुम ऐसा नहीं करोगे।"
“तुम्हें उस समय जो कुछ भी हुआ था, वह याद है ना?” उसने कहा।
उसने कहा। और इस मामले में वह गलत था। मेरे प्रत्यक्ष अनुभव ने मुझे यह विश्वास दिला दिया था कि
हमारे भीतर एक गुप्त हिस्सा है जो हमारे हर पहलू को रिकॉर्ड कर रहा है।
हमारे सांसारिक जीवन के, और यह रिकॉर्डिंग प्रक्रिया शुरू होती है
बिल्कुल शुरुआत में। इसलिए पूर्वज्ञान और पूर्व-मौखिक स्तर पर, मुझे पता था
मुझे जीवन भर यह एहसास रहा कि मुझे किसी और को सौंप दिया गया था, और गहरे स्तर पर मैं अभी भी उस तथ्य को
माफ करने के लिए संघर्ष कर रहा था।
जब तक यह सवाल अनसुलझा रहेगा, तब तक एक समस्या बनी रहेगी।
तिरस्कारपूर्ण आवाज। एक ऐसी आवाज जिसने मुझे बार-बार और यहाँ तक कि धूर्तता से कहा,
मेरे प्रत्यक्ष अनुभव की सारी परिपूर्णता और आश्चर्य के बावजूद, कुछ तो गड़बड़ थी।
लापता था, इस बारे में उसका रवैया कुछ ठीक नहीं था।
असल में, मेरे मन के एक हिस्से को अब भी मेरी बातों की प्रामाणिकता पर संदेह था।
आश्चर्यजनक रूप से वास्तविक गहरे कोमा का अनुभव, और इस प्रकार सच्चे
उस पूरे क्षेत्र का अस्तित्व। मेरे उस हिस्से के लिए, यह बात अभी भी "नहीं" थी।
वैज्ञानिक दृष्टिकोण से "समझ में आता है"। और वह छोटा लेकिन लगातार
संदेह की आवाज़ मेरे पूरे नए विश्वदृष्टिकोण को खतरे में डालने लगी थी।
धीरे-धीरे निर्माण हो रहा है।

35.

फ़ोटोग्राफ़

कृतज्ञता न केवल सबसे बड़ा सद्गुण है, बल्कि सभी सद्गुणों की जननी भी है।
अन्य।
—सिसरो (106–43 ईसा पूर्व)

अस्पताल से छुट्टी मिलने के चार महीने बाद, मेरे जन्म परिवार ने
मेरी बहन कैथी ने आखिरकार मुझे मेरे जन्म की एक तस्वीर भेज दी।
बहन बेट्सी। मैं अपने बेडरूम में थी, जहाँ से मेरी सारी यात्रा शुरू हुई थी।
जब मैंने बड़े आकार का लिफाफा खोला और उसमें से एक फ्रेमयुक्त चमकदार तस्वीर निकाली
मेरी उस बहन की रंगीन तस्वीर जिसे मैं कभी नहीं जान पाई थी। वह खड़ी थी, मैं
बाद में पता चला, बाल्बोआ द्वीप फेरी के डॉकिंग घाट के पास।
दक्षिणी कैलिफोर्निया में उनके घर के पास, पश्चिमी तट का एक खूबसूरत सूर्यास्त।
पृष्ठभूमि। उसके लंबे भूरे बाल और गहरी नीली आँखें थीं, और उसकी
प्रेम और दया से भरी मुस्कान मानो मेरे भीतर तक समा गई हो।
इससे मेरा दिल एक ही समय में खुशी से भर जाता है और दर्द से भर जाता है।
कैथी ने तस्वीर के ऊपर एक कविता चिपका दी थी। यह कविता डेविड एम. ने लिखी थी।
रोमानो ने 1993 में इस फिल्म की रचना की थी, जिसका नाम था "जब कल बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के शुरू होगा"।
मुझे।"
जब कल की शुरुआत मेरे बिना होगी,
और मैं वहां देखने के लिए मौजूद नहीं हूं,
यदि सूर्य उदय हो और तुम्हारी आँखों को पा ले
सभी की आंखों में मेरे लिए आंसू भरे हुए थे;
काश तुम रोना बंद कर दो

जिस तरह से आपने आज किया,
कई बातों के बारे में सोचते हुए,
हमें बोलने का मौका नहीं मिला।
मुझे पता है कि तुम मुझसे कितना प्यार करते हो।
मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ,
और जब भी तुम मेरे बारे में सोचो,
मुझे पता है कि तुम भी मुझे याद करोगे;
लेकिन जब कल की शुरुआत मेरे बिना होगी,
समझने की कोशिश करें,
एक स्वर्गदूत आया और उसने मेरा नाम पुकारा।
और उसने मेरा हाथ पकड़ लिया।
और कहा कि मेरा स्थान तैयार है।
स्वर्ग में बहुत ऊपर
और मुझे उसे पीछे छोड़ना होगा
वे सभी जिन्हें मैं बेहद प्यार करता हूँ।
लेकिन जैसे ही मैं मुड़कर जाने लगा,
मेरी आंख से एक आंसू गिर गया
मैंने अपनी पूरी जिंदगी यही सोचा था,
मैं मरना नहीं चाहता था।
मेरे पास जीने के लिए बहुत कुछ था।
अभी बहुत कुछ करना बाकी है।
यह लगभग असंभव लग रहा था।
मैं तुम्हें छोड़कर जा रहा था।

मैंने बीते हुए सभी दिनों के बारे में सोचा।
अच्छे और बुरे,

हमारे बीच साझा किए गए सभी प्यार का ख्याल,
और हमने कितना आनंद लिया।
अगर मुझे कल का दिन दोबारा जीने का मौका मिले
बस थोड़ी देर के लिए ही सही,
मैं अलविदा कहूँगा और तुम्हें चूमूँगा
और शायद आपको मुस्कुराते हुए देख सकूं।
लेकिन फिर मुझे पूरी तरह से एहसास हुआ
ऐसा कभी नहीं हो सकता,
खालीपन और यादों के लिए,
वह मेरी जगह ले लेगा।
और जब मैंने सांसारिक चीजों के बारे में सोचा
हो सकता है कि मैं कल न आ पाऊं।
मैंने तुम्हारे बारे में सोचा, और जब मैंने ऐसा किया
मेरा हृदय दुःख से भर गया था।
लेकिन जब मैंने स्वर्ग के द्वारों से प्रवेश किया
मुझे वहां घर जैसा महसूस हुआ।
जब भगवान ने मेरी ओर देखकर मुस्कुराया,
अपने महान स्वर्ण सिंहासन से,
उन्होंने कहा, “यही तो अनंत काल है।”
और मैंने आपसे जो भी वादा किया है।
आज पृथ्वी पर आपका जीवन समाप्त हो गया।
लेकिन यहां से सब कुछ नए सिरे से शुरू होता है।
मैं कल की कोई गारंटी नहीं देता।
लेकिन आज का दिन हमेशा रहेगा।
और चूंकि हर दिन एक जैसा ही होता है,
अतीत के लिए कोई लालसा नहीं है।

आप बहुत वफादार रहे हैं,
इतना भरोसेमंद और इतना सच्चा।
हालांकि ऐसे समय भी थे
आपने कुछ काम किए
आपको पता था कि आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।
लेकिन तुम्हें क्षमा कर दिया गया है।
और अब आखिरकार तुम आज़ाद हो।
तो क्या तुम आकर मेरा हाथ थामोगे?
और मेरे साथ अपना जीवन साझा करो?
तो जब कल की शुरुआत मेरे बिना होगी,
यह मत सोचो कि हम बहुत दूर हैं।
जब भी तुम मेरे बारे में सोचो,
मैं यहीं हूँ, तुम्हारे दिल में।

तस्वीर को सावधानीपूर्वक ड्रेसर पर रखते समय मेरी आँखों में आंसू आ रहे थे।
और वह उसे लगातार घूरती रही। वह बहुत ही अजीब, रहस्यमयी लग रही थी।
परिचित। लेकिन ज़ाहिर है, वह ऐसी ही दिखेगी। हम खून के रिश्तेदार थे।
उनके बीच संबंध थे और उन्होंने अन्य लोगों की तुलना में अधिक डीएनए साझा किया था।
मेरे दो अन्य सगे भाई-बहनों को छोड़कर, इस ग्रह पर कोई और नहीं है।
हम कभी मिले हों या न मिले हों, बेत्सी और मैं एक दूसरे से गहराई से जुड़े हुए थे।
अगली सुबह, मैं अपने बेडरूम में बैठकर और पढ़ रहा था।
जब मैं एलिजाबेथ कुबलर-रॉस की पुस्तक 'ऑन लाइफ आफ्टर डेथ' पढ़ रहा था, तब मुझे यह बात समझ में आई।
यह कहानी एक बारह वर्षीय लड़की के बारे में है जिसने प्रत्यक्ष अनुभव (एनडीई) का सामना किया और पहले तो
उसने अपने माता-पिता को इसके बारे में नहीं बताया। अंततः, वह और कुछ नहीं कर सकी।
उसने यह बात अपने तक ही सीमित रखी और अपने पिता को बताई। उसने उन्हें इसके बारे में बताया।
प्यार और सुंदरता से भरे एक अविश्वसनीय परिदृश्य की यात्रा करना, और कैसे

उसकी मुलाकात उसके भाई से हुई और उसने उसे सांत्वना दी।

लड़की ने अपने पिता से कहा, "एकमात्र समस्या यह है कि मेरे पास एक भी नहीं है।"

भाई।"

उसके पिता की आँखों में आँसू भर आए। उन्होंने लड़की को उसके भाई के बारे में बताया।

वास्तव में उनके पास था, लेकिन उनकी मृत्यु उनसे ठीक तीन महीने पहले हो गई थी।

जन्म।

मैंने पढ़ना बंद कर दिया। एक पल के लिए मैं एक अजीब, स्तब्ध अवस्था में चला गया।

न तो वास्तव में सोच रहा हूँ और न ही सोच रहा हूँ, बस... कुछ आत्मसात कर रहा हूँ।

कुछ लोगों को लगा कि यह बात मेरी चेतना के बिल्कुल किनारे पर थी, लेकिन

अभी तक पूरी तरह से सफलता नहीं मिली थी।

फिर मेरी नज़र अलमारी पर पड़ी, और उस तस्वीर पर जो कैथी ने रखी थी।

मुझे भेजी थी। उस बहन की तस्वीर जिसे मैं कभी नहीं जानती थी। जिसे मैं

मुझे सिर्फ उन कहानियों से ही पता था जो मेरे जन्म परिवार ने मुझे सुनाई थीं।

वह बेहद दयालु और अद्भुत देखभाल करने वाली इंसान थीं। एक ऐसी इंसान, जिन्हें वे

वह अक्सर कहती थीं कि वह इतनी दयालु थीं कि मानो एक देवदूत हों।

हल्के नीले और नीले रंग की पोशाक के बिना, उस दिव्य दृश्य के बिना

जब वह खूबसूरत तितली के आकार के झूले पर बैठी थी, तो उसके चारों ओर प्रवेश द्वार की रोशनी पड़ रही थी।

विंग की वजह से, उसे पहली नज़र में पहचानना आसान नहीं था। लेकिन यह स्वाभाविक ही था।

मैंने उनके दिव्य स्वरूप को देखा था—वह स्वरूप जो सबसे ऊपर और परे रहता था।

यह सांसारिक जगत, अपनी तमाम त्रासदियों और चिंताओं के साथ।

लेकिन अब उसे पहचानने में कोई गलती नहीं हो सकती थी, उसकी प्यारी मुस्कान को पहचानने में कोई गलती नहीं हो सकती थी।

वह आत्मविश्वासपूर्ण और बेहद सुकून देने वाला चेहरा, वे चमकती नीली आंखें।

वह वही थी।

एक पल के लिए, दुनियाएँ मिल गईं। मेरी दुनिया, यहाँ पृथ्वी पर, जहाँ मैं था

एक डॉक्टर, एक पिता और एक पति। और वह बाहरी दुनिया—एक दुनिया

इतना विशाल कि इसमें यात्रा करते समय आप अपनी चेतना का ही बोध खो सकते हैं।
अपने सांसारिक स्वरूप को त्यागकर ब्रह्मांड का एक शुद्ध हिस्सा बन जाओ, जो ईश्वर से ओतप्रोत और प्रेम से परिपूर्ण अंधकार है।
उस एक पल में, हमारे घर के बेडरूम में, एक बरसात के दिन
मंगलवार की सुबह, उच्च और निम्न जगत आपस में मिले। यह देखकर
इस तस्वीर को देखकर मुझे कुछ-कुछ परीकथा के उस लड़के जैसा एहसास हुआ जो यात्रा करता है।
वह दूसरी दुनिया में जाता है और फिर लौटता है, लेकिन पाता है कि यह सब एक सपना था।
जब तक कि वह अपनी जेब में नहीं देखता और उसे जादुई चीजों का एक चमकदार गुच्छा नहीं मिल जाता।
पृथ्वी पर परलोक से।
मैंने चाहे जितना भी इनकार करने की कोशिश की हो, हफ्तों से एक लड़ाई चल रही थी।
मेरे भीतर। मेरे दिमाग के उस हिस्से के बीच एक संघर्ष जो बाहर था
शरीर से परे, और चिकित्सक—वह उपचारक जिसने प्रतिज्ञा की थी
मैंने खुद को विज्ञान के हवाले कर दिया। मैंने अपनी बहन, अपनी परी के चेहरे की ओर देखा और मैं
मुझे पता था—पूरी तरह से पता था—कि जिन दो लोगों के साथ मैं आखिरी बार था
वापस आने के बाद के कुछ महीने वाकई एक जैसे थे। मुझे ज़रूरत थी...
मैं एक डॉक्टर, एक वैज्ञानिक और एक चिकित्सक के रूप में अपनी भूमिका को पूरी तरह से स्वीकार करता हूँ।
और एक बेहद अप्रत्याशित, बेहद वास्तविक, बेहद महत्वपूर्ण यात्रा के विषय के रूप में
स्वयं ईश्वर में लीन होना। यह मेरे कारण नहीं, बल्कि इसलिए महत्वपूर्ण था।
क्योंकि इसके पीछे अविश्वसनीय रूप से, सौदे को तोड़ने वाले हद तक विश्वसनीय विवरण मौजूद हैं।
इसे। मेरे प्रत्यक्ष अनुभव ने मेरी खंडित आत्मा को ठीक कर दिया था। इसने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं
मुझे हमेशा प्यार मिला था, और इसने मुझे यह भी दिखाया कि बिल्कुल
ब्रह्मांड में हर किसी को प्यार किया जाता है। और ऐसा तब से होता आ रहा है जब से यह अस्तित्व में है।
मेरे शरीर को ऐसी अवस्था में डालना जो चिकित्सा विज्ञान के अनुसार
मौजूदा शर्तों के अनुसार, मेरे लिए ऐसा करना असंभव हो जाना चाहिए था।
किसी भी तरह का अनुभव किया हो।
मुझे पता है कि कुछ लोग मेरे इस दावे को गलत साबित करने की कोशिश करेंगे।

किसी भी तरह का अनुभव, और कई लोग अदालत के बाहर इसे खारिज कर देंगे,
क्योंकि मैं यह मानने से इनकार कर रहा था कि मेरे साथ जो कुछ हुआ वह संभव हो सकता है।
"वैज्ञानिक" होना—पागलपन और उन्माद से कहीं अधिक कुछ भी हो सकता है।
सपना।
लेकिन मुझे बेहतर पता है। और यह बात धरती पर मौजूद लोगों और उनके भले के लिए भी लागू होती है।
इस दुनिया से परे जिन लोगों से मैं मिला, उनसे मिलना एक वैज्ञानिक के रूप में मेरा कर्तव्य है।
इसलिए वे सत्य के अन्वेषक हैं, और एक चिकित्सक के रूप में दूसरों की मदद करने के लिए समर्पित हैं।
लोगों को—जितने अधिक लोगों तक हो सके, यह बात बताने के लिए कि मैं क्या
यह अनुभव सच है, वास्तविक है और बेहद महत्वपूर्ण है। न सिर्फ मेरे लिए, बल्कि हम सभी के लिए।
मेरी यह यात्रा न केवल प्रेम के बारे में थी, बल्कि इस बारे में भी थी कि हम कौन हैं।
हम सब एक दूसरे से कितने जुड़े हुए हैं और यही संपूर्ण अस्तित्व का मूल अर्थ है।
मैंने वहां जाकर खुद को पहचाना, और जब मैं वापस आया, तो मुझे एहसास हुआ कि
मेरे अस्तित्व के जो आखिरी टूटे हुए धागे थे, उन्हें यहाँ नीचे सिल दिया गया।
तुम्हें प्यार किया जाता है। एक अनाथ के रूप में मुझे यही शब्द सुनने की जरूरत थी।
एक ऐसे बच्चे के रूप में जिसे त्याग दिया गया था। लेकिन यही वह बात है जो हम सभी के साथ घटित होती है।
इस भौतिकवादी युग को भी यह सुनने की जरूरत है, क्योंकि इस संदर्भ में कि कौन
हम वास्तव में कौन हैं, हम वास्तव में कहाँ से आए हैं, और हम वास्तव में कहाँ हैं
आगे बढ़ते हुए, हम सभी (गलत तरीके से) अनाथों जैसा महसूस करते हैं। उस स्थिति को वापस पाए बिना
हमारे व्यापक जुड़ाव की स्मृति, और निःशर्त प्रेम की स्मृति
हमारे सृष्टिकर्ता, हम इस धरती पर हमेशा खोया हुआ महसूस करेंगे।
तो मैं यहाँ हूँ। मैं अब भी एक वैज्ञानिक हूँ, मैं अब भी एक डॉक्टर हूँ, और इसी नाते मैं
हमारे दो प्रमुख कर्तव्य हैं: सत्य का सम्मान करना और घावों को भरने में सहायता करना।
इसका मतलब है अपनी कहानी सुनाना। एक ऐसी कहानी जिसके बारे में समय बीतने के साथ-साथ मुझे यकीन होता जा रहा है।
ऐसा किसी कारण से हुआ। इसलिए नहीं कि मैं कोई खास इंसान हूँ। बस बात इतनी सी है।
मेरे साथ दो घटनाएं एक साथ और समकालिक रूप से घटीं, और एक ही समय में

वे सरलीकरणवादी विज्ञान के उन अंतिम प्रयासों की कमर तोड़ देते हैं जो कहानी सुनाने के लिए किए गए थे।

यह दुनिया मानती है कि भौतिक जगत ही सब कुछ है, और यह कि

चेतना, या आत्मा—आपकी और मेरी—महान और केंद्रीय तत्व नहीं है।

ब्रह्मांड का रहस्य।

मैं इसका जीता-जागता सबूत हूं।

अनंतकाल

मृत्यु के करीब पहुंचने के मेरे अनुभव ने मुझे दुनिया को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए प्रेरित किया।
सभी के लिए एक बेहतर जगह, और एटरनिया इसे संभव बनाने का माध्यम है।
मौलिक परिवर्तन। एटरनिया एक गैर-लाभकारी सार्वजनिक रूप से समर्थित चैरिटी संस्था है।
मैंने अपने मित्र और सहकर्मी जॉन आर. ऑडेट के साथ मिलकर एटरनिया की सह-स्थापना की।
यह व्यापक भलाई के लिए सेवा करने के एक भावुक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है।
पृथ्वी और इसके निवासियों के लिए सर्वोत्तम संभव भविष्य का निर्माण करें।
एटरनिया का मिशन अनुसंधान, शिक्षा और अनुप्रयुक्त प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाना है।
आध्यात्मिक रूप से परिवर्तनकारी अनुभवों से संबंधित कार्यक्रम, साथ ही साथ
चेतना का भौतिकी और उनके बीच का अंतःक्रियात्मक संबंध
चेतना और भौतिक वास्तविकता (जैसे, पदार्थ और ऊर्जा)। यह एक है
न केवल प्राप्त जानकारियों को व्यावहारिक तरीकों से लागू करने के लिए संगठित प्रयास
न केवल मृत्यु के निकट के अनुभवों से, बल्कि सभी के लिए एक भंडार के रूप में भी कार्य करने के लिए।
आध्यात्मिक रूप से परिवर्तनकारी अनुभवों का तरीका।
अपनी आध्यात्मिक उन्नति के लिए कृपया www.Eternea.org पर जाएँ।
आध्यात्मिक जागृति के बारे में या आध्यात्मिक रूप से जागृति के बारे में अपनी व्यक्तिगत कहानी साझा करने के लिए।
आपको कोई परिवर्तनकारी अनुभव हुआ हो (या यदि आप शोक में हैं)
किसी प्रियजन के निधन से, या यदि आप किसी लाइलाज बीमारी या किसी अन्य समस्या का सामना कर रहे हैं
(प्रियजन है)। एटरनिया इसके लिए एक मूल्यवान संसाधन भी प्रदान करेगा
वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, धर्मशास्त्रियों और सदस्यों
वे पादरी वर्ग के लोग जो इस अध्ययन क्षेत्र में रुचि रखते हैं।

एबेन अलेक्जेंडर, एम.डी.
लिंचबर्ग, वर्जीनिया
10 जुलाई, 2012

स्वीकृतियाँ

मैं अपने प्रिय परिवार को विशेष रूप से उन सभी कष्टों को सहने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ।
इस अनुभव का सबसे कठिन हिस्सा वह था जब मैं कोमा में था। हॉली के लिए,
मेरी पत्नी, जिनसे मेरी शादी को इकत्तीस साल हो गए हैं, और हमारे प्यारे बेटे, एबेन चतुर्थ और
बॉन्ड, जिन्होंने मुझे वापस लाने और मेरी मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन सभी ने मेरी मदद की।
मुझे अपने अनुभव को समझने में मदद करें। साथ ही, प्रिय परिवार और दोस्तों को भी।
धन्यवाद में मेरे प्रिय माता-पिता बेट्टी और एबेन अलेक्जेंडर जूनियर शामिल हैं, और
मेरी बहनें जीन, बेट्सी और फिलिस, जिन्होंने एक समझौते में भाग लिया (के साथ
हॉली, बॉन्ड और एबेन IV) ने कोमा में रहने के दौरान चौबीसों घंटे मेरा हाथ थामे रखा।
मुझे यह आश्वासन देते हुए कि मैं हमेशा उनके प्यार का स्पर्श महसूस करती रहूँगी। बेट्सी और फिलिस ने ऐसा किया।
आईसीयू में भर्ती रहने के दौरान मेरे साथ रातें बिताने में उन्होंने सराहनीय कार्य किया।
मनोविकृति (जब मैं बिल्कुल भी सो नहीं पाती थी) और उन शुरुआती दिनों में
न्यूरोसाइंस स्टेप-डाउन में जाने के बाद के दिन और रातें बहुत नाजुक थीं।
यूनिट. पेगी डेली (हॉली की बहन) और सिल्विया व्हाइट (हॉली की दोस्त)
तीस साल) भी मेरे कमरे में निरंतर निगरानी का हिस्सा थे।
आईसीयू। उनके व्यक्तिगत प्रेमपूर्ण प्रयासों के बिना मैं कभी वापस नहीं लौट सकती थी।
मुझे इस दुनिया में वापस लाने के लिए। डेटन और जैक स्ली को, जिन्होंने ऐसा किया।
उनकी मां, फिलिस, मेरे साथ थीं, लेकिन वे उनके बिना ही थीं। हॉली, एबेन चतुर्थ।
मेरी मां और फिलिस ने भी मेरी कहानी को संपादित करने और उसकी समीक्षा करने में मदद की।
मेरे स्वर्ग से भेजे गए जन्मदाता परिवार, और विशेष रूप से मेरी दिवंगत बहन, भी
मेरा नाम बेट्सी था, जिससे मैं इस दुनिया में कभी नहीं मिला।
लिंचबर्ग जनरल अस्पताल के मेरे प्रिय और सक्षम डॉक्टरों
(एलजीएच), विशेष रूप से डॉ. स्कॉट वेड, रॉबर्ट ब्रेनन, लौरा पॉटर,
माइकल मिलम, चार्ली जोसेफ, सारा और टिम हेलेवेल, और कई अन्य
अधिक।

एलजीएच की असाधारण नर्सें और कर्मचारी: राए न्यूबिल, लिसा
फ्लावर्स, डाना एंड्रयूज, मार्था वेस्टरलुंड, डियाना टॉमलिन, वैलेरी
वाल्टर्स, जेनिस सोनोव्स्की, मौली मैनिस, डायने न्यूमैन, जोआन
रॉबिन्सन, जेनेट फिलिप्स, क्रिस्टीना कोस्टेलो, लैरी बोवेन, रॉबिन प्राइस,
अमांडा डेकोर्सी, ब्रुक रेनॉल्ड्स और एरिका स्टॉल्कनर। मैं कोमा में थी और मुझे अपने परिवार से नाम पूछने पड़े, इसलिए
अगर आपको कुछ समझ में न आए तो मुझे माफ कर दीजिएगा।
वे वहां मौजूद थे और मैंने आपका नाम छोड़ दिया है।
मेरी वापसी में माइकल सुलिवन और सुसान रींटजेस की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
जॉन ऑडेट, रेमंड मूडी, बिल गुगेनहाइम और केन रिंग,
मृत्यु के निकट के अनुभव वाले समुदाय के अग्रदूत, जिनका मुझ पर प्रभाव रहा है
इसका महत्व अतुलनीय रहा है (बिल के उत्कृष्ट संपादकीय का उल्लेख किए बिना)।
सहायता)।
“वर्जीनिया चेतना” आंदोलन के अन्य विचारकों में,
जिनमें डॉ. ब्रूस ग्रेसन, एड केली, एमिली विलियम्स केली, जिम शामिल हैं।
टकर, रॉस डंसेथ और बॉब वैन डे कैसल।
मेरी ईश्वर प्रदत्त साहित्यिक एजेंट, गेल रॉस, और उनके अद्भुत सहयोगी,
रॉस यून एजेंसी में हॉवर्ड यून और अन्य लोग।
अद्वितीय विद्वतापूर्ण योगदान के लिए टॉलेमी टॉम्पकिंस को सम्मानित किया गया।
मृत्यु के बाद के जीवन पर कई सहस्राब्दियों के साहित्य की गहरी समझ और उनके लिए
उत्कृष्ट संपादकीय और लेखन कौशल, जिसका उपयोग मैंने अपने अनुभव को पिरोकर प्रस्तुत करने में किया।
यह पुस्तक वास्तव में इसके साथ न्याय करती है।
प्रिसिला पेंटन, उपाध्यक्ष और कार्यकारी संपादक, और जोनाथन
साइमन एंड शूस्टर के कार्यकारी उपाध्यक्ष और प्रकाशक कार्प के लिए
इस दुनिया को कहीं बेहतर बनाने के लिए उनकी असाधारण दूरदृष्टि और जुनून
जगह।
मार्विन और टेरे हैमलिच, अद्भुत मित्र जिनका उत्साह और

मेरी प्रबल रुचि ने मुझे एक नाजुक समय में आगे बढ़ने में मदद की।
टेरी बीवर्स और मार्गरेटा मैकइल्वेन को उनके शानदार समन्वय के लिए धन्यवाद।
चिकित्सा और आध्यात्मिकता।
कैरेन न्यूवेल को गहरी चेतना अवस्थाओं के अन्वेषणों को साझा करने के लिए धन्यवाद।
यह सिखाना कि "आप जो प्रेम हैं वही बनें," और दूसरे चमत्कार के लिए
वर्जीनिया के फेबर में स्थित मोनरो इंस्टीट्यूट के कर्मचारी, विशेष रूप से रॉबर्ट
मोनरो ने जो होना चाहिए था, उसकी बजाय जो है, उसे आगे बढ़ाने का प्रयास किया; कैरोल
सबिक डे ला हेरान और करेन मलिक, जिन्होंने मुझसे संपर्क किया; और पॉल
रेडेमाकर और स्किप एटवाटर, जिन्होंने मुझे उस स्नेहपूर्ण माहौल में स्वागत किया।
मध्य वर्जीनिया के अलौकिक ऊंचे पर्वतीय घास के मैदानों में बसा समुदाय।
साथ ही, केविन कोसी, पैटी एवलॉन, पेनी होम्स, जो और नैन्सी को भी।
“स्कूटर” मैकमोन ईगल, स्कॉट टेलर, सिंडी जॉनस्टन, एमी हार्डी, लोरिस एडम्स, और मोनरो में मेरे सभी साथी गेटवे वॉयजर्स।
फरवरी 2011 में संस्थान में, मेरे प्रशिक्षक (चार्लीन नाइसली, रॉब)
सैंडस्ट्रॉम, और एंड्रिया बर्गर) और लाइफलाइन के अन्य प्रतिभागी (और
सुविधाकर्ता फ्रांसीन किंग और जो गैलेनबर्गर) ने जुलाई 2011 में यह कार्यक्रम आयोजित किया था।
मेरे अच्छे मित्र और आलोचक, जे गेन्सबोरो, जुडसन न्यूबर्न, डॉ.
एलन हैमिल्टन और किच कार्टर, जिन्होंने इसके शुरुआती संस्करणों को पढ़ा था
पांडुलिपि को पढ़कर और मेरी आध्यात्मिक भावनाओं को संश्लेषित करने में मेरी निराशा को भांपते हुए, उन्होंने मेरी निराशा को महसूस किया।
तंत्रिका विज्ञान में अनुभव। जूडसन और एलन की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका थी।
मुझे अपने अनुभव की वास्तविक शक्ति को समझने में मदद करना
वैज्ञानिक/संशयवादी के दृष्टिकोण से, और जय भी उसी दृष्टिकोण से।
वैज्ञानिक/रहस्यवादी का दृष्टिकोण।
गहन चेतना और एकत्व के साथी अन्वेषकों सहित
एल्के सिलर मैककार्टनी और जिम मैककार्टनी।

मेरी साथी मृत्यु के निकट अनुभवकर्ता एंड्रिया क्यूरेविट्ज़ को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए धन्यवाद।
संपादकीय सलाह के लिए, और कैरोलिन टायलर को उनके भावपूर्ण मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद।
समझ।
ब्लिट्ज और हेइडी जेम्स, सुसान कैरिंगटन, मैरी हॉर्नर, मिमी साइक्स,
और नैन्सी क्लार्क, जिन्होंने अकल्पनीय परिस्थितियों में भी साहस और विश्वास बनाए रखा।
हानि ने मुझे अपनी प्रतिभा की कद्र करना सिखाया।
जेनेट सुस्मान, मार्था हार्बिसन, शोभन (रिक) और डैना फॉल्ड्स,
सैंड्रा ग्लिकमैन और शरीफ अब्दुल्ला, मेरे सहयात्री जिनसे मेरी पहली मुलाकात हुई थी
11/11/11 को मुलाकात हुई, हम सब मिलकर अपने सात आशावादी विचारों को साझा करने के लिए एकत्रित हुए।
मानवता के लिए एक उज्ज्वल, सचेत भविष्य की परिकल्पना।
धन्यवाद देने योग्य अन्य अनेक लोगों में वे सभी मित्र शामिल हैं।
उस सबसे कठिन समय के दौरान जिनके कार्यों और जिनकी विचारशील
टिप्पणियों और सुझावों ने मेरे परिवार की मदद की है और मार्गदर्शन प्रदान किया है।
मेरी कहानी सुनाने वाले: जूडी और डिकी स्टोवर्स, सुसान कैरिंगटन, जैकी
और डॉ. रॉन हिल, डॉ. मैक मैककैरी और जॉर्ज हर्ट, जोआना और डॉ.
वाल्टर बेवर्ली, कैथरीन और वेस्ली रॉबिन्सन, बिल और पैटी विल्सन,
डेविट और जेफ कीर्स्टेड, टोबी बीवर्स, माइक और लिंडा मिलम, हेइडी
बाल्डविन, मैरी ब्रॉकमैन, करेन और जॉर्ज लप्टन, नॉर्म और पेज
डार्डन, गीसेल और केविन नाइ, जो और बेट्टी मुलेन, बस्टर और लिन
वॉकर, सुसान व्हाइटहेड, जेफ हॉर्सली, क्लारा बेल, कोर्टनी और जॉनी अल्फोर्ड, गिलसन और डॉज लिंकन, लिज़ स्मिथ,
सोफिया कोडी, लोन
जेन्सेन, सुज़ैन और स्टीव जॉनसन, कोपे हेन्स, बॉब और
स्टेफ़नी सुलिवन, डायने और टॉड वी, कोल्बी प्रॉफिट, टेलर परिवार,
रीम्स, टैटम, हेपनर, सुलिवन और मूर परिवार, और ऐसे ही कई अन्य परिवार।
अन्य।
मेरी कृतज्ञता, विशेष रूप से ईश्वर के प्रति, असीम है।

पठन सूची

एटवाटर, एफ. होम्स। मेरे जहाज का कप्तान, मेरी आत्मा का स्वामी। चार्लोट्सविले, वर्जीनिया: हैम्पटन
सड़कें, 2001.
एटवाटर, पी. एम. एच. मृत्यु के निकट के अनुभव: शेष कहानी। चार्लोट्सविले, वीए: हैम्पटन
सड़कें, 2011.
बाचे, क्रिस्टोफर। डार्क नाइट, अर्ली डॉन: स्टेप्स टू ए डीपर इकोलॉजी ऑफ माइंड। अल्बानी, न्यूयॉर्क।
स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क प्रेस, 2000।
बुहलमैन, विलियम। आत्मा का रहस्य: हमारे अंतर्शरीर अनुभवों को समझने के लिए उनका उपयोग करना।
टू नेचर। न्यूयॉर्क: हार्परकॉलिन्स, 2001।
कैलानान, मैगी और पेट्रीसिया केली। अंतिम उपहार: विशेष जागरूकता, आवश्यकताओं को समझना,
और मृत्यु के संचार। न्यूयॉर्क: पोसीडॉन प्रेस, 1992। कारहार्ट-हैरिस, आर.एल., एट अलिया, "एफएमआरआई द्वारा निर्धारित मनोविकार अवस्था के तंत्रिका संबंधी सहसंबंध"
साइलोसाइबिन के साथ अध्ययन, "प्रोक. नेट. एकेड. ऑफ साइंसेज 109, नंबर 6 (फरवरी 2012): 2138-2143। कार्टर, क्रिस। विज्ञान और निकट-मृत्यु अनुभव: चेतना मृत्यु से कैसे बचती है।
रोचेस्टर, वीटी: इनर ट्रेडिशन्स, 2010।
चैलमर्स, डेविड जे. सचेतन मन: एक मौलिक सिद्धांत की खोज में। ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड
यूनिवर्सिटी प्रेस, 1996।
चर्चलैंड, पॉल एम. द इंजन ऑफ रीजन, द सीट ऑफ द सोल. कैम्ब्रिज, एमए: एमआईटी प्रेस,
1995.
कॉलिन्स, फ्रांसिस एस. ईश्वर की भाषा: एक वैज्ञानिक विश्वास के प्रमाण प्रस्तुत करता है। न्यूयॉर्क:
साइमन एंड शूस्टर, 2006।
कॉनवे, जॉन, और साइमन कोचेन। "स्वतंत्र इच्छा प्रमेय।" भौतिकी की नींव (स्प्रिंगर)
नीदरलैंड) 36, संख्या 10 (2006): 1441–73.
———. “मजबूत स्वतंत्र इच्छा प्रमेय।” एएमएस 56, संख्या 2 (2009): 226–32। दलाई लामा (परम पावन दलाई लामा)। एक परमाणु में ब्रह्मांड: अभिसरण

विज्ञान और आध्यात्मिकता। न्यूयॉर्क: ब्रॉडवे बुक्स, 2005। डेविस, पॉल। ईश्वर का मन: एक तर्कसंगत दुनिया का वैज्ञानिक आधार। न्यूयॉर्क: साइमन एंड
शूस्टर, 1992.
डी'सूज़ा, दिनेश। मृत्यु के बाद जीवन: साक्ष्य। वाशिंगटन, डी.सी.: रेगनेरी, इंक., 2009। डुप्रे, लुई, और जेम्स ए. विज़मैन। प्रकाश से प्रकाश: ईसाई रहस्यवाद का एक संकलन।
माहवा, एनजे: पॉलिस्ट प्रेस, 2001।
एडी, बेट्टी जे. प्रकाश द्वारा आलिंगन। प्लेसरविले, कैलिफोर्निया: गोल्ड लीफ प्रेस, 1992। एडेलमैन, गेराल्ड एम., और गिउलियो टोनोनी। चेतना का ब्रह्मांड। न्यूयॉर्क: बेसिक बुक्स।
2000.
फॉक्स, मैथ्यू और रूपर्ट शेल्ड्रेक। स्वर्गदूतों का भौतिकी: उस क्षेत्र की खोज जहाँ
विज्ञान और अध्यात्म का मिलन। न्यूयॉर्क: हार्परकॉलिन्स, 1996।
फ्रेडरिकसन, बारबरा। सकारात्मकता। न्यूयॉर्क: क्राउन, 2009। गुगेनहाइम, बिल और जूडी गुगेनहाइम। स्वर्ग से नमस्कार! न्यूयॉर्क, एनवाई: बैंटम बुक्स।
1995.
हैगर्टी, बारबरा ब्रैडली। ईश्वर के पदचिह्न। न्यूयॉर्क: रिवरहेड हार्डकवर, 2009।
हैगार्ड, पी, और एम. आइमर। "मस्तिष्क की क्षमता और सचेत जागरूकता के बीच संबंध पर।"
प्रायोगिक मस्तिष्क अनुसंधान 126 (1999): 128–33.
हैमिल्टन, एलन जे. द स्कैल्पेल एंड द सोल। न्यूयॉर्क: पेंगुइन ग्रुप, 2008। हॉफस्टैडर, डगलस आर. गोडेल, एशर, बाख: एन इटरनल गोल्डन ब्रेड। न्यूयॉर्क: बेसिक बुक्स।
1979.
होल्डन, जेनिस माइनर, ब्रूस ग्रेसन और डेबी जेम्स द्वारा संपादित। द हैंडबुक ऑफ नियर-डेथ
अनुभव: तीस वर्षों की जांच। सांता बारबरा, कैलिफोर्निया: प्रेगर, 2009। हाउशमंद, ज़ारा, रॉबर्ट बी. लिविंगस्टन, और बी. एलन वालेस, संपादक। चेतना
चौराहे: दलाई लामा के साथ मस्तिष्क विज्ञान और बौद्ध धर्म पर वार्तालाप। इथाका, न्यूयॉर्क:
स्नो लायन, 1999।
जाह्न, रॉबर्ट जी., और ब्रेंडा जे. डन। वास्तविकता की सीमाएँ: चेतना की भूमिका

भौतिक जगत। न्यूयॉर्क: हारकोर्ट ब्रेस जोवानोविच, 1987। जैम्पोल्स्की, जेराल्ड जी. प्रेम भय को त्यागना है। बर्कले, कैलिफोर्निया: सेलेस्टियल आर्ट्स, 2004। जेन्सेन, लोन. अनुग्रह के उपहार: वर्जिन मैरी के साथ व्यक्तिगत मुलाकातों का संग्रह।
यॉर्क: हार्परकॉलिन्स, 1995।
जॉनसन, टिमोथी। प्रश्नों में ईश्वर को खोजना: एक व्यक्तिगत यात्रा। डाउनर्स ग्रोव, इलिनोइस।
इंटरवर्सिटी प्रेस, 2004।
कौफमैन, स्टुअर्ट ए. ब्रह्मांड में घर पर: स्व-संगठन और नियमों की खोज
जटिलता। न्यूयॉर्क: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 1995।
केली, एडवर्ड एफ., एमिली विलियम्स केली, एडम क्रैबट्री, एलन गाउल्ड, माइकल ग्रॉसो और ब्रूस
ग्रेसन। अविभाज्य मन: 21 वीं सदी के मनोविज्ञान की ओर। लैनहैम, एमडी: रोवमैन
और लिटिलफील्ड, 2007.
कोच, सी., और के. हेप। “क्वांटम यांत्रिकी और उच्च मस्तिष्क कार्य: से सीखे गए सबक”
क्वांटम कंप्यूटेशन और न्यूरोबायोलॉजी।" नेचर 440 (2006): 611–12. कुबलर-रॉस, एलिजाबेथ। मृत्यु के बाद जीवन पर। बर्कले, सीए: टेन स्पीड प्रेस, 1991. लाबर्ज, स्टीफन, और हॉवर्ड रींगोल्ड। स्पष्ट स्वप्न की दुनिया की खोज। न्यूयॉर्क:
बैलेंटाइन बुक्स, 1990।
लाउ, एच.सी., आर.डी. रोजर्स, पी. हैगार्ड और आर.ई. पासिंघम। “इरादे पर ध्यान।” साइंस 303
(2004): 1208–10.
लॉरीज़, एस. "(अ)जागरूकता का तंत्रिका संबंधी सहसंबंध: वनस्पति अवस्था से सबक।"
“संज्ञानात्मक विज्ञान में रुझान,” संज्ञानात्मक विज्ञान 9 (2005): 556–59। लिबेट, बी, सी. ए. ग्लीसन, ई. डब्ल्यू. राइट, और डी. के. पर्ल। “कार्य करने के सचेत इरादे का समय
मस्तिष्क गतिविधि की शुरुआत (तत्परता-क्षमता) से संबंध: एक स्वतंत्र अचेतन आरंभ
स्वैच्छिक कार्य।" ब्रेन 106 (1983): 623–42.
लिबेट, बेंजामिन। माइंड टाइम: चेतना में लौकिक कारक। कैम्ब्रिज, एमए: हार्वर्ड
यूनिवर्सिटी प्रेस, 2004।

लिनास, रोडोल्फो आर. I ऑफ़ द वोर्टेक्स: फ्रॉम न्यूरॉन्स टू सेल्फ. कैम्ब्रिज, एमए: एमआईटी प्रेस, 2001. लॉकवुड, माइकल. माइंड, ब्रेन एंड द क्वांटम: द कंपाउंड 'आई'. ऑक्सफोर्ड: बेसिल ब्लैकवेल,
1989.
लॉन्ग, जेफरी, और पॉल पेरी। मृत्यु के बाद के जीवन के प्रमाण: निकट-मृत्यु अनुभवों का विज्ञान।
न्यूयॉर्क: हार्परकॉलिन्स, 2010।
मैकमोनेगल, जोसेफ। माइंड ट्रेक: रिमोट के माध्यम से चेतना, समय और स्थान की खोज।
देखना। चार्लोट्सविले, वर्जीनिया: हैम्पटन रोड्स, 1993।
———. रिमोट व्यूइंग सीक्रेट्स: ए हैंडबुक. चार्लोट्सविले, वीए: हैम्पटन रोड्स, 2000. मेंडोज़ा, मर्लिन ए. वी डू नॉट डाई अलोन: "जीसस इज़ कमिंग टू लीव मी इन ए व्हाइट पिकअप
ट्रक।" डुलुथ, जॉर्जिया: आई कैन, 2008।
मोनरो, रॉबर्ट ए. दूर की यात्राएँ। न्यूयॉर्क: डबलडे, 1985। ———। शरीर से बाहर की यात्राएँ। न्यूयॉर्क: डबलडे, 1971। ———। अंतिम यात्रा। न्यूयॉर्क: डबलडे, 1994।
मूडी, रेमंड ए., जूनियर। जीवन के बाद जीवन: एक घटना की जांच - शारीरिक अस्तित्व
मृत्यु। न्यूयॉर्क: हार्परकॉलिन्स, 2001।
मूडी, रेमंड जूनियर, और पॉल पेरी। अनंत काल की झलकियाँ: किसी प्रियजन के निधन पर शोक व्यक्त करना।
इस जीवन से अगले जीवन तक। न्यूयॉर्क: गाइडपोस्ट्स, 2010।
मूरजानी, अनीता। खुद को साबित करने के लिए संघर्ष: कैंसर से लेकर मौत के करीब पहुंचने और फिर सच्ची चिकित्सा तक का मेरा सफर।
कार्लसबैड, कैलिफोर्निया: हे हाउस, इंक., 2012।
मोरिनिस, ई. एलन। रोजमर्रा की पवित्रता: मुसार का यहूदी आध्यात्मिक मार्ग। बोस्टन: शंभला।
2007.
माउंटकैसल, वर्नोन। "मस्तिष्क कार्यों के लिए एक संगठनात्मक सिद्धांत: इकाई मॉडल और
"वितरित प्रणाली।" द माइंडफुल ब्रेन में, जेराल्ड एम. एडेलमैन और वर्नोन द्वारा संपादित।
माउंटकैसल, पृ. 7–50. कैम्ब्रिज, एमए: एमआईटी प्रेस, 1978. मर्फी, नैन्सी, रॉबर्ट जे. रसेल, और विलियम आर. स्टोएगर, संपादक. भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान—
प्राकृतिक बुराई की समस्या पर वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य। नोट्रे डेम, इंडियाना: वेटिकन वेधशाला

और सेंटर फॉर थियोलॉजी एंड द नेचुरल साइंसेज, 2007. नीहार्ड्ट, जॉन जी. ब्लैक एल्क स्पीक्स: बीइंग द लाइफ स्टोरी ऑफ ए होली मैन ऑफ द ओगलाला सिओक्स।
अल्बानी: स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क प्रेस, 2008।
नेल्सन, केविन। मस्तिष्क में आध्यात्मिक द्वार: एक न्यूरोलॉजिस्ट की ईश्वर की खोज।
एक्सपीरियंस। न्यूयॉर्क: पेंगुइन, 2011।
नॉर्ड, वॉरेन ए. अच्छाई और बुराई पर दस निबंध। चैपल हिल: उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय कार्यक्रम।
मानविकी और मानवीय मूल्यों में, 2010।
पैगल्स, ऐलेन। द ग्नोस्टिक गॉस्पल्स। न्यूयॉर्क: विंटेज बुक्स, 1979। पीक, एंथोनी। द आउट-ऑफ-बॉडी एक्सपीरियंस: द हिस्ट्री एंड साइंस ऑफ एस्ट्रल ट्रैवल।
लंदन: वाटकिंस, 2011।
पेनरोज़, रोजर। समय के चक्र: ब्रह्मांड का एक असाधारण नया दृष्टिकोण। न्यूयॉर्क: अल्फ्रेड
ए. नोपफ, 2010.
———. सम्राट का नया मन। ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 1989। ———. वास्तविकता का मार्ग: ब्रह्मांड के नियमों के लिए एक संपूर्ण मार्गदर्शिका। न्यूयॉर्क: विंटेज
पुस्तकें, 2007।
———. शैडोज़ ऑफ़ द माइंड. ऑक्सफ़ोर्ड: ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 1994. पेनरोस, रोजर, मैल्कम लोंगएयर, एबनेर शिमनी, नैन्सी कार्टराइट और स्टीफ़न हॉकिंग।
बड़ा, छोटा और मानव मन। कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 1997। पाइपर, डॉन, और सेसिल मर्फी। स्वर्ग में 90 मिनट: जीवन और मृत्यु की एक सच्ची कहानी। ग्रैंड
रैपिड्स, एमआई: रेवेल, 2004।
रींटजेस, सुसान। थर्ड आई ओपन—अनमास्किंग योर टू अवेयरनेस। कैरबोरो, एनसी: थर्ड आई
प्रेस, 2003.
रिंग, केनेथ, और शेरोन कूपर। माइंडसाइट: निकट-मृत्यु और शरीर से बाहर के अनुभव
ब्लाइंड. पालो अल्टो, कैलिफोर्निया: विलियम जेम्स सेंटर फॉर कॉन्शियसनेस स्टडीज एट द इंस्टीट्यूट ऑफ
ट्रांसपर्सनल साइकोलॉजी, 1999।
रिंग, केनेथ, और एवलिन एल्सेसर वैलारिनो। प्रकाश से सबक: हम क्या सीख सकते हैं

निकट-मृत्यु अनुभव से। न्यूयॉर्क: इनसाइट बुक्स, 1998। रोसेनब्लम, ब्रूस, और फ्रेड कुटनर। क्वांटम पहेली: भौतिकी चेतना से मिलती है।
न्यूयॉर्क: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2006।
श्रोएडर, गेराल्ड एल. ईश्वर का छिपा हुआ चेहरा: विज्ञान कैसे परम सत्य को प्रकट करता है। न्यू
यॉर्क: साइमन एंड शूस्टर, 2001।
श्वार्ट्ज, रॉबर्ट। आपकी आत्मा की योजना: आपके द्वारा पहले से नियोजित जीवन का वास्तविक अर्थ खोजना
आपका जन्म हुआ था। बर्कले, कैलिफोर्निया: फ्रॉग बुक्स, 2007।
स्मोलिन, ली। भौतिकी की समस्या। न्यूयॉर्क: हॉटन मिफ्लिन, 2006। स्टीवेन्सन, इयान। वे बच्चे जो पिछले जन्मों को याद करते हैं: पुनर्जन्म का प्रश्न। संशोधित संस्करण।
जेफरसन, एनसी: मैकफारलैंड, 2001।
सुस्मान, जेनेट आइरिस। समय की वास्तविकता। फेयरफील्ड, आईए: टाइम पोर्टल, 2005। ———। टाइमशिफ्ट: आयामी परिवर्तन का अनुभव। फेयरफील्ड, आईए: टाइम पोर्टल, 1996। स्वानसन, क्लाउड। जीवन शक्ति, वैज्ञानिक आधार: सिंक्रोनाइज्ड ब्रह्मांड का खंड दो।
टक्सन, एज़ेड: पोसीडिया प्रेस, 2010।
———. सिंक्रोनाइज्ड यूनिवर्स: पैरानॉर्मल का नया विज्ञान। टक्सन, एरिज़ोना: पोसीडिया
प्रेस, 2003.
टैलबोट, माइकल। द होलोग्राफिक यूनिवर्स। न्यूयॉर्क: हार्परकॉलिन्स, 1991। टार्ट, चार्ल्स टी. द एंड ऑफ मैटेरियलिज्म: हाउ एविडेंस ऑफ द पैरानॉर्मल इज ब्रिंगिंग साइंस
और स्पिरिट टुगेदर। ओकलैंड, कैलिफोर्निया: न्यू हार्बिंगर, 2009।
टेलर, जिल बोल्टे। माई स्ट्रोक ऑफ इनसाइट: ए ब्रेन साइंटिस्ट्स पर्सनल जर्नी। न्यूयॉर्क: पेंगुइन।
2006.
टिपलर, फ्रैंक जे. अमरता का भौतिकी। न्यूयॉर्क: डबलडे, 1996। टॉमपकिंस, टॉलेमी। मृतकों की आधुनिक पुस्तक: मृत्यु पर एक क्रांतिकारी परिप्रेक्ष्य।
आत्मा, और वास्तव में आने वाले जीवन में क्या होता है। न्यूयॉर्क: एट्रीया बुक्स, 2012। टोनोनी, जी. "चेतना का एक सूचना एकीकरण सिद्धांत।" बीएमसी न्यूरोसाइंस 5 (2004):
42–72.

टकर, जे. बी. जीवन से पहले का जीवन: बच्चों की पिछली जिंदगियों की यादों की एक वैज्ञानिक जांच।
न्यूयॉर्क: सेंट मार्टिन, 2005।
टायरेल, जी. एन. एम. मैन द मेकर: ए स्टडी ऑफ मैन'स मेंटल इवोल्यूशन। न्यूयॉर्क: डटन, 1952। वैन लोमेल, पिम। कॉन्शियसनेस बियॉन्ड लाइफ: द साइंस ऑफ नियर-डेथ एक्सपीरियंस। न्यू।
यॉर्क: हार्परकॉलिन्स, 2010।
वैगनर, रॉबर्ट। लुसिड ड्रीमिंग: आंतरिक स्व का द्वार। नीडहम, एमए: मोमेंट पॉइंट
प्रेस, 2008.
वेग्नर, डी. एम. सचेत इच्छा का भ्रम। कैम्ब्रिज, एमए: एमआईटी प्रेस, 2002। वीस, ब्रायन एल. अनेक जीवन, अनेक गुरु। न्यूयॉर्क: फायरसाइड, 1988। व्हाइटमैन, जे. एच. एम. रहस्यमय जीवन: इसकी प्रकृति और शिक्षाओं की रूपरेखा। प्रत्यक्ष अनुभव के प्रमाण। लंदन: फेबर एंड फेबर, 1961। — — — जीवन के अर्थ पर पुराने और नए प्रमाण: रहस्यवादी विश्व-दृष्टिकोण और आंतरिक
प्रतियोगिता. खंड 1, वैज्ञानिक रहस्यवाद का परिचय. बकिंघमशायर: कॉलिन स्माइथ, 1986. विग्नर, यूजीन. "प्राकृतिक विज्ञानों में गणित की अतार्किक प्रभावशीलता."
शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में संचार 13, संख्या 1 (1960)।
विल्बर, केन, संपादक। क्वांटम प्रश्न। बोस्टन: शंभला, 1984। विलियमसन, मैरिएन। प्रेम की ओर वापसी: चमत्कारों के पाठ्यक्रम के सिद्धांतों पर विचार।
न्यूयॉर्क: हार्परकॉलिन्स, 1992।
ज़िवे, जुर्गन। बहुआयामी मनुष्य। स्वयं प्रकाशित, 2008। ज़ुकाव, गैरी। द डांसिंग वू ली मास्टर्स: एन ओवरव्यू ऑफ़ द न्यू फ़िज़िक्स। न्यूयॉर्क: विलियम
मॉरो, 1979.

परिशिष्ट ए

स्कॉट वेड, एम.डी. का बयान

संक्रामक रोगों के विशेषज्ञ के रूप में मुझे डॉ. एबेन से मिलने के लिए कहा गया था।
अलेक्जेंडर को 10 नवंबर, 2008 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।
और उनमें बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस पाया गया। डॉ. अलेक्जेंडर के पास
फ्लू जैसे लक्षणों, पीठ दर्द और सिरदर्द के साथ जल्दी बीमार पड़ जाना।
उन्हें तुरंत आपातकालीन कक्ष में ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज किया गया।
उसके सिर का सीटी स्कैन और फिर रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ के साथ लम्बर पंक्चर किया गया।
ग्राम-नेगेटिव मेनिन्जाइटिस का संकेत मिला। उनका तुरंत इलाज शुरू किया गया।
उस समस्या को लक्षित करते हुए उन्हें अंतःशिरा एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है।
उनकी गंभीर हालत और कोमा के कारण मशीन का इस्तेमाल करना पड़ा। बीस दिनों के भीतर-
चार घंटे बाद रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ में ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया मौजूद थे।
ई. कोलाई की पुष्टि हुई। शिशुओं में अधिक आम संक्रमण, ई. कोलाई
वयस्कों में मेनिन्जाइटिस बहुत दुर्लभ है (प्रति वर्ष 10 मिलियन में से एक से भी कम लोगों में)।
संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाली घटनाएँ), विशेष रूप से किसी मुखिया की अनुपस्थिति में
आघात, न्यूरोसर्जरी, या मधुमेह जैसी अन्य चिकित्सीय स्थितियां।
डॉ. अलेक्जेंडर अपनी बीमारी का पता चलने के समय पूरी तरह स्वस्थ थे और उन्हें कोई बीमारी नहीं थी।
उनकी मेनिन्जाइटिस का अंतर्निहित कारण पहचाना जा सका।
बच्चों में ग्राम-नेगेटिव मेनिन्जाइटिस की मृत्यु दर और
वयस्कों में यह प्रतिशत 40 से 80 तक होता है। डॉ. अलेक्जेंडर ने प्रस्तुति दी।
दौरे पड़ने और मानसिक स्थिति में उल्लेखनीय परिवर्तन के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया, दोनों
जो तंत्रिका संबंधी जटिलताओं या मृत्यु के जोखिम कारक हैं
(मृत्यु दर 90 प्रतिशत से अधिक)। त्वरित और प्रभावी एंटीबायोटिक उपचार के बावजूद
उनके ई.कोलाई मेनिन्जाइटिस के उपचार के साथ-साथ निरंतर देखभाल भी जारी रहेगी।

मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट में, वह छह दिनों तक कोमा में रहे और उम्मीद बनी हुई है।
तेजी से ठीक होने की उम्मीदें धूमिल हो गईं (मृत्यु दर 97 प्रतिशत से अधिक)। फिर,
सातवें दिन चमत्कार हुआ—उसने आँखें खोलीं, और वह बदल गया
वह होश में था और उसे जल्दी ही वेंटिलेटर से हटा दिया गया। तथ्य यह है कि वह
कोमा में रहने के बाद वे इस बीमारी से पूरी तरह ठीक हो गए।
लगभग एक सप्ताह तक ऐसा करना वाकई उल्लेखनीय है।
—स्कॉट वेड, एम.डी.

परिशिष्ट बी

तंत्रिकाविज्ञान संबंधी परिकल्पनाएँ जिन पर मैंने अपने रोग की व्याख्या करने के लिए विचार किया
अनुभव

कई अन्य न्यूरोसर्जनों के साथ अपनी यादों की समीक्षा करते हुए और
वैज्ञानिकों के रूप में, मैंने कई परिकल्पनाओं पर विचार किया जो मेरी स्थिति की व्याख्या कर सकती थीं।
यादें। सीधे मुद्दे पर आते हुए, वे सभी समझाने में असफल रहे।
गेटवे और कोर की समृद्ध, मजबूत और जटिल अंतःक्रियात्मकता
अनुभव ("अल्ट्रा-रियलिटी")। इनमें शामिल थे:
1. अंतिम अवस्था के दर्द और पीड़ा को कम करने के लिए मस्तिष्क स्टेम का एक आदिम कार्यक्रम
("विकासवादी तर्क"—संभवतः "नकली मृत्यु" के अवशेष के रूप में)
निम्न स्तनधारियों से रणनीतियाँ?). इससे मजबूत,
स्मृतियों की गहन अंतःक्रियात्मक प्रकृति।

2. लिम्बिक तंत्रिका के गहरे हिस्सों से यादों का विकृत स्मरण
प्रणाली (उदाहरण के लिए, पार्श्व एमिग्डाला) जिसमें पर्याप्त मात्रा में
मस्तिष्क के ऊपरी भाग को मेनिन्जाइटिस से अपेक्षाकृत सुरक्षित रखा जाता है।
सूजन, जो मुख्य रूप से मस्तिष्क की सतह पर होती है। इससे
यह स्मृतियों की सशक्त और गहन अंतःक्रियात्मक प्रकृति की व्याख्या नहीं करता है।

3. उत्तेजना विषाक्तता के साथ अंतर्जात ग्लूटामेट अवरोध, जो निम्नलिखित की नकल करता है
मतिभ्रम पैदा करने वाली बेहोशी की दवा, केटामाइन (कभी-कभी समझाने के लिए उपयोग की जाती है)
सामान्यतः एनडीई (नवजात अनुभव) के प्रभाव मैंने कभी-कभी केटामाइन के उपयोग के प्रभाव देखे।
मेरे न्यूरोसर्जिकल करियर के शुरुआती दौर में एक एनेस्थेटिक का उपयोग किया गया था।
हार्वर्ड मेडिकल स्कूल। इससे उत्पन्न मतिभ्रम की स्थिति सबसे अधिक थी।

अव्यवस्थित और अप्रिय, और मेरे विचारों से बिलकुल भी मेल नहीं खाता था।
कोमा में रहने का अनुभव।

4. एन,एन-डाइमिथाइलट्रिप्टामाइन (डीएमटी) "डंप" (पीनियल ग्रंथि से, या
मस्तिष्क में कहीं और)। डीएमटी, एक प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला सेरोटोनिन
एगोनिस्ट (विशेष रूप से 5-HT1A, 5-HT2A और 5-HT2C रिसेप्टर्स पर),
इससे स्पष्ट मतिभ्रम और स्वप्न जैसी अवस्था उत्पन्न होती है। मैं व्यक्तिगत रूप से
सेरोटोनिन से संबंधित दवा के अनुभवों से परिचित
किशोरावस्था से ही एगोनिस्ट/एंटागोनिस्ट (अर्थात, एलएसडी, मेस्केलिन)
1970 के दशक की शुरुआत में। मुझे डीएमटी का कोई व्यक्तिगत अनुभव नहीं है, लेकिन
मैंने इसके प्रभाव में रोगियों को देखा है। समृद्ध अति-वास्तविकता
फिर भी लक्ष्य के रूप में काफी हद तक अक्षुण्ण श्रवण और दृश्य नियोकोर्टेक्स की आवश्यकता होती है
ऐसे क्षेत्र जिनमें मेरे द्वारा निर्मित इस प्रकार का समृद्ध ऑडियोविजुअल अनुभव उत्पन्न किया जा सके
कोमा में था। बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस के कारण लंबे समय तक कोमा में रहने से उसकी हालत बुरी तरह बिगड़ गई थी।
इससे मेरे नियोकोर्टेक्स को नुकसान पहुंचा है, जो कि वह जगह है जहां सेरोटोनिन का सारा उत्पादन होता है।
मस्तिष्क स्टेम में स्थित रैफे न्यूक्लीआई (या डीएमटी, एक सेरोटोनिन एगोनिस्ट)
दृश्य/श्रवण अनुभव पर इसका प्रभाव पड़ता। लेकिन मेरे कॉर्टेक्स ने ऐसा नहीं किया।
अगर DMT बंद होता, तो मस्तिष्क में DMT के काम करने के लिए कोई जगह नहीं होती।
डीएमटी परिकल्पना अति-वास्तविकता के आधार पर विफल हो गई।
दृश्य-श्रव्य अनुभव, और क्रिया करने के लिए मस्तिष्क के प्रांतस्था की कमी।

5. कॉर्टिकल क्षेत्रों के पृथक संरक्षण ने कुछ मामलों की व्याख्या की हो सकती है।
मेरे अनुभव के अनुसार, लेकिन मेरी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इसकी संभावना बहुत कम थी।
मेनिन्जाइटिस और एक सप्ताह तक उपचार के प्रति इसकी प्रतिरोधक क्षमता: परिधीय
प्रति मिमी^{3} में 27,000 से अधिक श्वेत रक्त कोशिकाओं (डब्ल्यूबीसी) की संख्या, 31 प्रतिशत
विषाक्त कणिकाओं वाले बैंड, सीएसएफ डब्ल्यूबीसी की संख्या 4,300 प्रति मिमी^{3} से अधिक,

सीएसएफ ग्लूकोज घटकर 1.0 मिलीग्राम/डीएल, सीएसएफ प्रोटीन 1,340 मिलीग्राम/डीएल, फैला हुआ
संबंधित मस्तिष्क असामान्यताओं के साथ मेनिंजियल भागीदारी
मेरे उन्नत सीटी स्कैन और तंत्रिका संबंधी जांचों में यह बात सामने आई है।
कॉर्टिकल कार्यप्रणाली में गंभीर परिवर्तन और बाह्य नेत्र संबंधी शिथिलता
गतिशीलता, जो ब्रेनस्टेम क्षति का संकेत है।

6. इस अनुभव की "अति-वास्तविकता" को समझाने के प्रयास में, मैंने
इस परिकल्पना की जांच की गई: क्या यह संभव था कि नेटवर्क
अवरोधक न्यूरॉन्स मुख्य रूप से प्रभावित हुए होंगे।
उत्तेजक तंत्रों के बीच असामान्य रूप से उच्च स्तर की गतिविधि की अनुमति देता है
तंत्रिका नेटवर्क मेरे द्वारा अनुभव की गई स्पष्ट "अल्ट्रा-रियलिटी" को उत्पन्न करने के लिए
अनुभव? ऐसी उम्मीद की जाती है कि मेनिन्जाइटिस प्राथमिकता से परेशान करेगा।
सतही कॉर्टेक्स, संभवतः गहरी परतों को आंशिक रूप से छोड़ते हुए
कार्यात्मक। नियोकोर्टेक्स की कंप्यूटिंग इकाई छह-स्तरित है।
“कार्यात्मक स्तंभ,” जिनमें से प्रत्येक का पार्श्व व्यास 0.2–0.3 मिमी है।
आस-पास के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अंतर्संबंध मौजूद है।
मॉड्यूलेटरी नियंत्रण संकेतों के जवाब में स्तंभ जो उत्पन्न होते हैं
मुख्यतः सबकोर्टिकल क्षेत्रों (थैलेमस, बेसल गैन्लिया, और) से
मस्तिष्क स्टेम)। प्रत्येक कार्यात्मक स्तंभ में सतह पर एक घटक होता है।
(परतें 1-3), ताकि मेनिन्जाइटिस प्रभावी रूप से कार्य को बाधित कर दे
कॉर्टेक्स की सतही परतों को नुकसान पहुंचाकर प्रत्येक स्तंभ को नष्ट किया जा सकता है।
अवरोधक और उत्तेजक कोशिकाओं का शारीरिक वितरण, जिनमें
छह परतों के भीतर एक संतुलित वितरण, समर्थन नहीं करता है
यह परिकल्पना। मस्तिष्क की सतह पर फैला हुआ मेनिन्जाइटिस
इस स्तंभनुमा संरचना के कारण यह प्रभावी रूप से पूरे नियोकोर्टेक्स को निष्क्रिय कर देता है।
वास्तुकला। पूर्ण मोटाई का विनाश पूर्ण के लिए अनावश्यक है।

कार्यात्मक व्यवधान। मेरी खराब स्थिति के लंबे समय तक बने रहने के कारण।
तंत्रिका संबंधी कार्यप्रणाली (सात दिन) और मेरे संक्रमण की गंभीरता,
यह संभावना नहीं है कि कॉर्टेक्स की और भी गहरी परतें अभी भी मौजूद हों।
कार्यशील।

7. थैलेमस, बेसल गैन्ग्लिया और ब्रेनस्टेम मस्तिष्क के गहरे भाग हैं।
कुछ सहकर्मियों द्वारा परिकल्पित संरचनाएं ("सबकोर्टिकल क्षेत्र")
इस तरह की अतियथार्थवादी प्रक्रिया में योगदान हो सकता था
वास्तव में, इनमें से कोई भी संरचना इस तरह की भूमिका नहीं निभा सकती थी।
नियोकोर्टेक्स के कम से कम कुछ क्षेत्रों के बिना भी भूमिका निभाना अभी भी संभव नहीं है।
अक्षुण्ण। अंत में सभी इस बात पर सहमत हुए कि केवल इस प्रकार की उपकोर्टिकल संरचनाएं ही
उन गहन तंत्रिका संबंधी गणनाओं को संभाल नहीं सकता था जिनकी आवश्यकता होती है
एक ऐसा समृद्ध अंतःक्रियात्मक अनुभवात्मक ताना-बाना।

8. एक “रीबूट घटना”—अजीबोगरीब और असंबद्ध चीजों का एक यादृच्छिक ढेर
क्षतिग्रस्त नियोकोर्टेक्स में पुरानी यादों के कारण उत्पन्न यादें, जो
किसी घटना के बाद मस्तिष्क के प्रांतस्था को चेतना में पुनः आरंभ करने पर ऐसा हो सकता है।
लंबे समय तक चलने वाली प्रणालीगत विफलता, जैसा कि मेरे डिफ्यूज मेनिन्जाइटिस में हुआ था।
विशेषकर मेरी विस्तृत स्मृतियों की जटिलताओं को देखते हुए, यह
ऐसा होने की संभावना बहुत कम है।

9. पुरातन दृश्य मार्ग के माध्यम से असामान्य स्मृति निर्माण
मध्य मस्तिष्क के माध्यम से, पक्षियों में प्रमुखता से उपयोग किया जाता है लेकिन बहुत कम ही।
मनुष्यों में पहचाना जा सकता है। इसे उन मनुष्यों में प्रदर्शित किया जा सकता है जो
ऑक्सीपिटल कॉर्टेक्स क्षतिग्रस्त होने के कारण कॉर्टिकली दृष्टिहीन। इससे कोई सुराग नहीं मिला।
मैंने जिस अति-वास्तविकता का अनुभव किया, और जिसे मैं समझाने में असफल रहा, उसके बारे में...

श्रवण-दृश्य अंतर्संबंध।

अनुक्रमणिका

अनुकूलनशीलता, मानव, 95
परलोक, 152–53
हवाई जहाज, लेखक का प्रेम, 1–2, 61, 159
अलेक्जेंडर, बेट्सी (बहन), 100
और लेखक का जन्म परिवार, 59
और लेखक की वापसी, 108, 113, 120–21
का जन्म, 53
अस्पताल में, 42, 89, 91, 94, 97, 120–21
और कोमा की शुरुआत, 26
अलेक्जेंडर, बेट्टी (माता), 50, 94, 99, 105, 108, 113
अलेक्जेंडर, बॉन्ड (पुत्र), 34, 105
जन्म, 12
ई. कोलाई का चित्र, 75, 98–99, 115
और पिता की बीमारी, 14–15, 74, 75, 92, 98–100
और पिता की वापसी, 110, 111–12, 115
अलेक्जेंडर, एबेन जूनियर (पिता), 50-52, 163
अलेक्जेंडर, एबेन तृतीय:
52–58, 64–65, 163–64, 170–71 को अपनाना
और शराब का सेवन, 56–57
55–56, 58, 59–67, 95, 144, 165, 168–69 के जैविक परिवार; वेबस्टर के अंतर्गत भी देखें
जन्म, 62
कोमा में, कोमा देखें
और अवसाद, 57–58
115–19, 185–86 की कल्पनाएँ और भ्रम

जीवित प्रमाण के रूप में, 135, 171
चिकित्सा प्रशिक्षण, 7–8, 12, 50, 65, 130
एन ऑफ 1 (अद्वितीय मामला) के रूप में, 89–92
और पैरानोइया, 117–18, 120
120–23, 124 की पुनर्प्राप्ति
और धर्म, 34, 147–48
पृथ्वी पर वापसी, 79, 108–10, 111–14, 115–19, 120–21
स्काईडाइविंग एडवेंचर्स, 2–6, 61, 85, 116, 118–19
अपनी कहानी सुनाते हुए, 10, 124–25, 126–28, 135, 136, 144, 162, 170–71
अद्वितीय एनडीई, 9, 77–79, 89–92, 135, 149
और वर्षों का अनभिज्ञता, 66
अलेक्जेंडर, एबेन चतुर्थ (पुत्र), 34
जन्म, 12
और ई. कोलाई का चित्र, 75, 115
पारिवारिक विरासत परियोजना, 54
और पिता की बीमारी, 27–28, 33, 75
और पिता की वापसी, 111, 112, 120, 124, 126–27, 136
और शारीरिक कंडीशनिंग, 18
अलेक्जेंडर, हॉली (पत्नी):
कलाकार और शिक्षक के रूप में, 12
चर्च में, 147
और परिवार, 34, 59
अस्पताल में, 18, 26, 42, 88, 90–94, 97–101, 105
और पति की वापसी, 108, 111–12, 117, 118, 122
एबेन और, 11-12, 54 का विवाह
और कोमा की शुरुआत, 14-16

अलेक्जेंडर, जीन (बहन), देखें सुलिवन, जीन अलेक्जेंडर
अलेक्जेंडर, फिलिस (बहन):
और लेखक का जन्म परिवार, 59
और लेखक की वापसी, 108, 113–14, 120–21, 122
का जन्म, 53
घर पर, 99–100
अस्पताल में, 33–34, 36–37, 42, 53, 89, 90–91, 93, 94, 97, 120–21
और कोमा की शुरुआत, 26, 27
इंद्रधनुष की उपस्थिति, 105, 113
अलेक्जेंडर-हेवर्ड, कैथरीन डेटन (केट), 100
स्मृतिलोप, 78, 86
एन्जिल्स, 84, 104, 169
परिचित एनडीई दृष्टि के रूप में, 131
संरक्षक देवदूत, 95–96, 102, 131
यह भी देखें: तितली के पंख पर बैठी लड़की
APACHE II स्कोर, 25
परमाणु, 150
जागरूकता, 130, 158; चेतना भी देखें
बैक्टीरिया:
ई. कोलाई, ई. कोलाई बैक्टीरिया देखें
ग्राम-ऋणात्मक प्रकार, 25, 27, 42, 92, 149, 183
ग्राम स्टेन वर्गीकरण, 23
एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी, 43
जीवाणु आक्रमण, 21–22
जीवाणु संयुग्मन, 20
बेसल गैंग्लिया, 187, 188

विश्वास, शक्ति, 155
बिग बैंग, 157
बाइनॉरल बीट्स, 159
ब्लैक डेथ, 43, 50
आनंद, 124
बोहर, नील्स, 154
दिमाग:
अनुपस्थिति, 8, 129–30, 135
पहुँच, 35
अनुकूलनशीलता, 95
हमला, 17–19, 20–21, 42, 132–33, 149
बाधा के रूप में, 72, 80
और हृदय गति रुकना, 134
और सेरेब्रोस्पाइनल द्रव, 19, 20
चेतना की अवस्था में कोमा, 107
ठोसता, 35
और चेतना, 8–9, 34, 80–81, 130, 140, 149, 152
सीटी स्कैन, 23, 183
और कल्पना, 118, 141
फ़िल्टर के रूप में, 81
सीमाओं से मुक्ति, 9, 85
और ग्रैंड मल सीजर, 16, 183
और आईसीयू मनोविकृति, 118, 120
और स्मृति, 115, 117, 141, 185, 188
एमआरआई, 36
और एनडीई के तंत्रिकावैज्ञानिक परिकल्पनाएं, 141–44, 185–88

ऑक्सीजन युक्त रक्त, 134
वास्तविकता का प्रतिरूप, 80, 138
और रिबूट घटना, 142–43, 188
पुनः प्रवेश, 119
परिष्कार, 138
सबकोर्टिकल क्षेत्र, 188
महाशक्तिशाली, 6
शल्य चिकित्सा द्वारा मरम्मत, 36
दिमाग से परे सोचना, 85
और सच्चा विचार, 84–85
मस्तिष्क मृत्यु, संशोधित परिभाषाएँ, 9, 134
ब्रेनस्टेम क्षति, 187, 188
मस्तिष्क तरंगें, 158–59
ब्रेनन, रॉबर्ट, 23, 26, 42–43, 106
हृदय गतिरोध, 133–34
कार्डियोपल्मोनरी बाईपास पंप, 134
कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन, 134
सेरेब्रोस्पाइनल द्रव (सीएसएफ), 19, 21–22
ई. कोलाई का आक्रमण, 20
ग्लूकोज स्तर, 25
और लम्बर पंक्चर, 21–22
चैलमर्स, डेविड, द कॉन्शियस माइंड, 151–52
नॉर्थ कैरोलिना की चिल्ड्रन्स होम सोसाइटी, 53–54, 59, 63–64
पसंद, सचेत, 84–85
चक (स्काईडाइविंग साथी), 3–6, 85
सिसरो, 165

दूरदर्शिता, 153
प्रगाढ़ बेहोशी:
और अस्पताल में आगमन, 17–19, 183
लेखक के रूप में N, 1 में, 89–92
लेखक का APACHE II स्कोर, 25
लेखक की चेतना में, 29, 30–31, 76–78, 95, 155, 160, 162
लेखक का सीएसएफ ग्लूकोज स्तर, 25
लेखक का ग्लासगो कोमा स्केल, 25
और शक्तिहीनता की भावना, 90
और आईसीयू मनोविकृति, 118, 120
38–41, 45–49, 68–73, 103, 108–10, 141, 143, 147, 154, 159–61 में एकत्रित छवियां
इसके निहितार्थ, 9
मध्यवर्ती अवस्था के रूप में, 87, 106–7
भाषा को दरकिनार कर दिया गया, 46
25, 132, 135 के चिकित्सा अभिलेख
लेखक को संदेश, 40–41
नियोकोर्टेक्स बंद हो गया, 8, 9, 133, 141–42, 144, 186, 188
प्रारंभ, 13–16, 24, 149, 183
और रोगी का परिवार, 33–34, 90, 105–7
मरीज के हाथ और पैर अंदर, 98
रोगी की शारीरिक बनावट, 74–75
वास्तविकता, 9–10, 39, 78, 129–30, 185
से उबरना, 98, 144, 184
और मृत्यु का जोखिम, 26, 106, 183
लेखक द्वारा सुनी गई ध्वनियाँ, 29, 38–39, 45, 70, 102, 131, 147
88 में रोगियों के साथ टेलीपैथिक संचार

और एंटीबायोटिक दवाओं की समाप्ति, 105–7
अंडरवर्ल्ड में अस्तित्व, 29–32
और वानस्पतिक अवस्था, 26, 105–6
कोमा विजिल स्टेट, 107
करुणा, 85
चेतन मन (चालमर्स), 151–52
चेतना:
लेखक के कोमा अनुभव में, 29, 30–31, 76–78, 95, 155, 160, 162
समस्त अस्तित्व के आधार के रूप में, 154–55, 162
व्यवहार मनोविज्ञान, 158
और मस्तिष्क, 8–9, 34, 80–81, 130, 140, 149, 152
गहरे सत्य, 158
उन्नत अवस्था, 158
विस्तारित घटनाएँ, 153
और स्वतंत्र इच्छा, 48, 81, 83–84
जीवन शक्ति में, 156
मस्तिष्क मृत्यु में हानि, 134
शरीर से बाहर, 153, 158, 159, 161
शरीर क्रिया विज्ञान, 158–59
गहन रहस्य, 154
और क्वांटम यांत्रिकी, 154
और वास्तविकता, 150, 154
120–23 की पुनर्प्राप्ति
और विज्ञान, 151–52, 171
मुख्य:
लेखक का आगमन, 45–49

81, 82, 95, 102, 109 में सीखे गए सबक
107, 131, 151 की यादें
संदेश प्राप्त हुआ, 71
आगे-पीछे घूमना, 68, 70
ऑर्ब इन, 47, 48, 102, 160
स्पिनिंग मेलोडी इन, 70, 102
अति-वास्तविकता, 78, 117, 185
कॉर्टेक्स, 20, 159, 187
सृष्टिकर्ता, ईश्वर को देखो
सीएसएफ ग्लूकोज स्तर, 25
सीटी (कंप्यूटराइज्ड टोमोग्राफी) स्कैन, 23, 183
कुशिंग, हार्वे, 51
डेली, पेगी, 97, 100, 108
डार्क एनर्जी/डार्क मैटर, 82, 155
मौत:
और परलोक, 152–53
लेखक की वापसी, 121, 136
निम्न जानवरों द्वारा आकलित, 141, 185
9, 134 की संशोधित परिभाषाएँ
डेसकार्टेस, रेने, 149
निराशा, 102
डीएमटी डंप, 142, 186
स्वप्न पुष्टि, 137–39
एक्लेस, सर जॉन सी., 140
ई. कोलाई बैक्टीरिया, 19–21
जीवाणु मेनिन्जाइटिस में, 23–24, 91–92, 144, 183

मस्तिष्क पर हमला हुआ, 20–21, 122, 144
डीएनए स्वैप, 20, 42–43
ग्राम-नकारात्मक बैक्टीरिया के रूप में, 42, 149
इज़राइल में, 43–44, 89
पुनरुत्पादन, 19–20
अंडा, सादृश्य, 160
आइंस्टीन, अल्बर्ट, 1, 76, 147, 162
इलेक्ट्रॉन, 150
भावनाएँ, विशालता, 102–3
अंतर्जात ग्लूटामेट अवरोध, 185
उत्साह, 122, 124, 128
सब कुछ, का सिद्धांत, 150, 153–54
बुराई, उपस्थिति, 48, 83
उत्तेजना विषाक्तता, 185, 187
अतिरिक्त संवेदी बोध (ईएसपी), 153
विश्वास, सांत्वना और आशा, 35
परिवार:
जीवन के आधार के रूप में, 36–37
कोमा के मरीजों में, 33–34, 90, 105–7
निदान से निपटना, 137–39
अस्पताल में निगरानी, 97–101
37, 101, 137 से संदेश
और किसी की पहचान, 34, 66–67
अन्य (देवदूत), 95–96
निर्भरता, 36
स्थिरता के स्रोत के रूप में, 34, 53

कल्पनाएँ:
लेखक की पृथ्वी पर वापसी में, 115–19, 135, 185–86
शोक से प्रेरित, 138
आईसीयू में मनोविकृति, 118
एनडीई (नॉन-डिसेबल्ड एक्सपीरियंस) के बारे में माना जाता है, 141
वास्तविकता बनाम, 41, 138
उड़ान:
लेखक के कोमा के अनुभव में, 39–40
लेखक के सपने, 1, 159
ग्लाइडरों में, 1–2, 61
और स्काईडाइविंग, 2–6, 61, 85, 116, 118–19
स्वतंत्र इच्छा, 48, 81, 83–84
गेटवे, 70
चित्र, 38, 71, 84, 102, 109
81 में सीखे गए सबक
68, 131, 147, 151 की यादें
अति-वास्तविकता, 78, 117, 185
तितली के पंख पर बैठी लड़की, 40–41
लेखक की जैविक बहन के रूप में, 169
मार्गदर्शक/संरक्षक देवदूत के रूप में, 47, 68, 102, 104, 163
संदेश, 41, 71, 109
ग्लासगो कोमा स्केल, 25
ईश्वर:
सर्वज्ञ, 159–61
विश्वास, 34, 57–58, 67, 148
देखभाल करने वाला और प्यार करने वाला, 96, 146, 161, 171

के साथ संवाद करना, 48, 161
कनेक्शन, 76, 104, 148, 160–61
चकाचौंध कर देने वाला अंधेरा, 48
की महिमा, 157
की ओर बढ़ते हुए, 84
85–86 की अवैयक्तिक प्रकृति
192 से सबक सीखना
ओम के रूप में, 47, 48, 86, 104, 148, 156-57, 159-61
प्रश्न, 153, 154
पृथक्करण से, 76, 154
सार्वभौमिक, 156–57
अच्छा और बुरा, 83
ग्राम का दाग, 23
महामंदी, 51–52
संरक्षक देवदूत, 95–96, 102, 131
स्वर्ग:
विश्वास, 34
हानि, 102
उपस्थिति, 104
का प्रमाण, 135, 171
प्रश्न, 153, 154
हाइसेनबर्ग, वर्नर, 149–50, 154
हेमी-सिंक, 158–59
मुर्गी का अंडा, सादृश्य, 160
हेवर्ड, रॉबर्ट, 100
मानव आत्मा, 152

हास्य, 157
आईसीयू मनोविकृति, 118, 120
भ्रम, 80
इंग्राहम, फ्रैंक डी., 51
अंतर्दृष्टि, 49
अंतर्संबंध, 150–51, 154–55, 171
विडंबना, 157
अविभाज्य मन (बोध अध्ययन प्रभाग), 153 इज़राइल:
लेखक की यात्रा, 42, 44, 50, 89
ई. कोलाई में, 43–44, 89
सौरास्की मेडिकल सेंटर में, 43–44
जीन्स, सर जेम्स, 154
जॉन (छद्म नाम), 145–46
केली, डेविड एल., जूनियर, 52
केटामाइन, 185–86
किर्केगार्ड, सोरेन, 129
गतिज अधिगम, 35
ज्ञान:
अधिग्रहण, 49
आध्यात्मिक, 82–83
केपीसी (क्लेबसिएला न्यूमोनिया कार्बापेनेमेज़), 43–44
कुबलर-रॉस, एलिज़ाबेथ, मृत्यु के बाद जीवन पर, 168
भाषा, की सीमाएँ, 132
पार्श्व एमिग्डाला, 185
हंसी, 157
जाने देना, 145–46

जीवन में हमारी भूमिका, 84, 85
लाइफ आफ्टर लाइफ (मूडी), 133–34, 135
शाश्वत जीवन, विश्वास, 36
जीवन शक्ति, 156
लिम्बिक प्रणाली, 141, 185
इलाका, 156
लोएफ़लर, जे, 91
प्यार:
ब्रह्मांड के केंद्र के रूप में, 48, 130, 170
और करुणा, 85
लेखक को संदेश के रूप में, 41, 71
बिना शर्त, 71–72, 73, 83–84, 131, 148, 161, 170–71
एलएसडी, 186
लम्बर पंक्चर, 19, 21–22, 183
मैटसन, डोनाल्ड, 51
ध्यान, 158, 161
मेलविल, हरमन, 136
याद:
और मस्तिष्क, 115, 117, 141, 185, 188
और एनडीई अनुभव, 139, 141, 185, 188
साझा करने की आवश्यकता है, 124–25, 126–28
और रिबूट घटना, 142–43, 188
122, 124 की वसूली
मस्तिष्कावरण शोथ:
लेखक का अनूठा मामला, 23–24, 89–92, 132, 186–87
जीवाणु, 19–21, 23–24, 89, 91, 132–33, 144, 183

कारण, 23–24
और सेरेब्रोस्पाइनल द्रव, 19
ग्राम-नकारात्मक जीवाणु प्रकार, 25, 27, 92
मृत्यु दर, 21, 25, 92, 183
स्वतःस्फूर्त ई. कोलाई जीवाणु प्रकार, 23, 91–92, 183
और सतही कॉर्टेक्स क्षति, 187
मेस्केलिन, 186
मिडास रेक्स ड्रिल, 35
मन की शक्ति, 155
चमत्कार:
105 की अपेक्षा
चिकित्सा, 184
कहानी सुनाते हुए, 144
मोनरो, रॉबर्ट ए., 158
मूडी, रेमंड, लाइफ आफ्टर लाइफ, 133–34, 135
एमआरआई (चुंबकीय अनुनाद छवि), 36
रहस्यमय अवस्थाएँ, 158
रहस्यवादी विश्वदृष्टि, 154
एनडीई (मृत्यु के निकट का अनुभव):
लेखक का अनुभव, 9, 77–79, 89–92, 135, 141–44, 149, 161, 162–64, 170–71, 188
140 के अनुयायी
और हृदय गति रुकना, 133–34
क्लासिक घटनाएं, 77
दूसरों को समझाने में कठिनाई, 10, 72, 125, 135, 136, 144, 162
सांसारिक पहचान भुला दी गई, 162–64
साहित्य, 78–79, 126–27, 131–32, 134, 162

और स्मृति, 139, 141, 185, 188
प्रकाश की ओर बढ़ते हुए, 38–39
तंत्रिकावैज्ञानिक परिकल्पनाएँ, 141–44, 185–88
समझ के प्रति खुलापन, 140–41, 146
अन्य लोगों के अनुभव, 76–77, 131–32, 162, 168
अविश्वासी, 140, 141
प्रत्येक अनुभव की विशिष्टता, 131, 162
लिखित विवरण, 127–28
नियोकोर्टेक्स:
विद्युत गतिविधि, 159
कार्यात्मक स्तंभ, 187
और रिबूट घटना, 188
कोमा में बंद, 8, 9, 133, 141–42, 144, 186, 188
न्यूरोट्रांसमीटर, 142
न्यूट्रॉन, 150
एन ऑफ 1, 89–92
के बारे में (अच्छा):
सर्वज्ञ, 159–60
संवाद करना, 48, 160–61
कनेक्शन, 104, 148
सहानुभूति, 86
ईश्वर के रूप में, 47; ईश्वर भी देखें
85–86 की अवैयक्तिक प्रकृति
सार्वभौमिक, 156–57
मृत्यु के बाद जीवन पर (क्यूबलर-रॉस), 168
खुलापन, 140–41, 146, 156

ऑर्ब, 47, 48, 102, 160
शरीर से बाहर के अनुभव, 153, 158, 159, 161
पैराशूट जंप, लेखक के अनुभव, 2–6, 85
कण, 150
करुणा, 157
पाउली, वोल्फगैंग, 154
पीनियल ग्रंथि, 142
प्लेसीबो प्रभाव, शक्ति, 155
पॉटर, लौरा, 17–19, 21–22, 23
प्रार्थना, 24, 94, 103, 108, 158, 161
पूर्वज्ञान, 153
प्रोटॉन, 150
मनोकाइनेसिस, 153
विराम चिह्न, 157
क्वांटम यांत्रिकी, 149–50, 154–56
इंद्रधनुष, का दिखना, 105
वास्तविकता:
लेखक के कोमा अनुभव में, 9–10, 39, 78, 129–30, 185
मस्तिष्क का मॉडल, 80, 138
और चेतना, 150, 154
फैंटेसी बनाम, 41, 138
भ्रम के रूप में, 80
और क्वांटम यांत्रिकी, 154
अति-वास्तविकता, 78, 117, 185, 186, 187, 188
निःशर्त प्रेम का, 71–72
ब्रह्मांड के भाग के रूप में, 49

केंचुए के दृष्टिकोण का क्षेत्र:
चेतना में, 30–31, 76
प्रस्थान, 32, 70
यादें, 131, 147
आदिम दुनिया, 29–32, 69, 76, 78, 108, 117
लौटते हुए, 68–70, 102, 108
रिबूट घटना, 142–43, 188
मान्यताएँ, 157
पुनर्जन्म, 152–53
रींटजेस, सुसान:
और लेखक की वापसी, 108
और कोमा के मरीज, 87–88, 101
आध्यात्मिक उपचार गतिविधियाँ, 87
टेलीपैथिक संचार, 88, 143
तीसरी आंख खुली, 87
रिश्ते, 150–51
धर्म, 147–48
आरईएम घुसपैठ, 142
दूरस्थ अवलोकन, 153
आरईएम नींद, 142
रेटिकुलर एक्टिवेटिंग सिस्टम, 159
रिची, जॉर्ज, 133–34
रोमानो, डेविड एम., “जब कल मेरे बिना शुरू होगा,” 165–68
ग्लाइडर, लेखक का अनुभव, 1–2, 61
श्रोडिंगर, इरविन, 154
विज्ञान:

और चेतना, 151–52, 171
ईमानदारी और स्वच्छता, 36
86 द्वारा मांगी गई जानकारी
की सीमाएँ, 153
एनडीई के तंत्रिकावैज्ञानिक परिकल्पनाएं, 141–44, 185–88
न्यूनीकरणवाद, 140, 171
और आध्यात्मिकता, 72–73, 128, 130, 140
और निःशर्त प्रेम, 71–72
वैज्ञानिक विधि, 152–53
स्वयं, का अनुभव, 160
अलगाव की चिंता, 76
सेरोटोनिन, 142, 186
सिंगर, इसहाक बी., 80
संशयवाद, 132, 153
स्काईडाइविंग, लेखक के अनुभव, 2–6, 61, 85, 116, 118–19 आत्मा:
की अवधारणा, 36, 152–53
उपचार, 170
शरीर को छोड़कर, 161
स्थान और समय, स्थानीयता में, 156
स्पिनिंग मेलोडी, 38–39, 70, 102
आत्मा:
की अवधारणा, 36, 84, 85, 132, 154
मानव, 152
आध्यात्मिकता और विज्ञान, 72–73, 128, 130, 140 आध्यात्मिक क्षेत्र:
का ज्ञान, 81–83, 158
और चेतन अस्तित्व का गहन रहस्य, 154

स्ट्रीट, गस, 1
उपपरमाण्विक घटनाएँ, 150, 156
सुलिवन, डेविड, 26–27
सुलिवन, जीन अलेक्जेंडर (बहन), 26-27, 53
लेखक की निकटता और, 89–90
अस्पताल में, 108
सुलिवन, माइकल:
चर्च सेवा का संचालन करना, 147
अस्पताल में, 26, 42, 93–94
और कोमा की शुरुआत, 26, 27
प्रार्थनाएँ, 42, 94, 103
सुलिवन, पृष्ठ, 93, 103
अलौकिक विश्वास, 35
अंधविश्वास, 140
सर्जिकल न्यूरोलॉजी, 52
सुज़ाना (रोगी), 137-39, 144
टैटर, स्टीव, 91
टेलीपैथिक संचार, 88, 143, 153
टर्मिनल स्पष्टता, 146
थैलेमस, 159, 187
थ्योरी ऑफ एवरीथिंग (टीओई), 150, 153–54
तीसरी आँख खुली (रींटजेस), 87
समय और स्थान, स्थानीयता में, 156
अंतर-पृथ्वी यात्री, 133–34
सच्चा विचार, 84–85
अति-वास्तविकता, 78, 117, 185, 186, 187, 188

निःशर्त प्रेम, 71–72, 73, 83–84, 131, 148, 161, 170–71 ब्रह्मांड:
एक अलग आवृत्ति पर, 156
बनना, 160
डार्क मैटर/एनर्जी इन, 82, 155
ईश्वर की उपस्थिति, 156–57
उच्च आयामों के, 48–49
अंतर्संबंध में, 151
प्रेम केंद्र में, 48, 130, 170
कोई आरंभ या अंत नहीं, 156–57
पूर्णता, 85
विराम चिह्नों में, 157
उद्देश्यपूर्ण प्रकृति, 81
स्थान और समय में, 156
वॉन, हेनरी, 48
देखना, दूरस्थ, 153
वेड, स्कॉट, 105-7, 108, 111, 112-13, 115
द्वारा दिया गया कथन, 183–84
वेक फॉरेस्ट बैपटिस्ट मेडिकल सेंटर, विंस्टन-सलेम, 50
वेबस्टर, ऐन (जन्म देने वाली माँ), 61–65, 66
वेबस्टर, बेट्सी (जैविक बहन), 66, 165, 168–69
वेबस्टर, बॉब (जैविक चाचा), 65–66
वेबस्टर, डेविड (जैविक भाई), 61
वेबस्टर, कैथी (जैविक बहन), 61, 66, 165, 168
वेबस्टर, रिचर्ड (जैविक पिता), 61, 62, 63, 65–66
“जब कल मेरे बिना शुरू होगा” (रोमानो), 165–68
व्हाइट, सिल्विया, 26, 87, 97, 100, 105, 108, 111–12

विल्सन, बिल और पैटी, 12
द विजार्ड ऑफ ओज़ (फिल्म), 72

डॉ. एबेन अलेक्जेंडर III एक अकादमिक न्यूरोसर्जन रहे हैं।
पिछले 25 वर्षों में, जिसमें ब्रिघम एंड वूमेन्स हॉस्पिटल में बिताए 15 वर्ष भी शामिल हैं।
और बोस्टन, मैसाचुसेट्स में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल। इन वर्षों के दौरान
वर्षों तक उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सैकड़ों रोगियों का इलाज किया जो इससे पीड़ित थे।
उनकी चेतना के स्तर में गंभीर परिवर्तन।

उनकी वेबसाइट www.lifebeyonddeath.net पर जाएं।

निकोल मैकलीन

अब और भी मजबूत

12 अक्टूबर 2002 को, बाली के खूबसूरत द्वीप पर एक घातक तूफान आया।
आतंकवादी हमले में 202 लोगों की जान चली गई और 240 अन्य घायल हो गए।
गंभीर रूप से घायल। निकोल मैकलीन बाली में सिर्फ छह घंटे ही रही थीं।
जब वह एक विस्फोट में फंस गई। उस रात उसने अपनी जान गंवा दी।
उसका हाथ टूट गया था और वह अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रही थी।

यह निकोल की असाधारण यात्रा है। जिसे उसकी नज़रों से दिखाया गया है, और
उन दोस्तों और परिवार वालों की आंखों के माध्यम से जो बेबस होकर देखते रहे जबकि
उनके सामने घटी भयावहता का यह एक मार्मिक व्यक्तिगत वृत्तांत है।
उस मनहूस रात क्या हुआ और निकोल की कठिन लेकिन अविश्वसनीय कहानी
स्वास्थ्य लाभ की ओर यात्रा।

दस साल बीत जाने के बाद भी बाली के घाव मिटने का नाम नहीं ले पाए हैं। लेकिन जो निशान बचे हैं, वे अभी भी मौजूद हैं।
पीछे छूटी हुई यादें कभी नहीं भुलाई जा सकेंगी, यह पुस्तक इस बात का प्रमाण है कि
जो लोग बच गए, उनमें लचीलापन और दृढ़ संकल्प की कहानी है।
आशा, दूसरा मौका मिलने और कभी हार न मानने के बारे में।
इसका प्रथम प्रकाशन 2012 में संयुक्त राज्य अमेरिका में साइमन एंड शूस्टर, इंक. द्वारा किया गया था।
यह मैकमिलन संस्करण पैन मैकमिलन ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 2012 में प्रकाशित किया गया था।
1 मार्केट स्ट्रीट, सिडनी
कॉपीराइट © एबेन अलेक्जेंडर, एम.डी. 2012
लेखक के नैतिक अधिकार का दावा किया गया है।

सभी अधिकार सुरक्षित हैं। इस प्रकाशन (या इसके किसी भी भाग) का पुनरुत्पादन, प्रसारण, प्रतिलिपि बनाना, भंडारण करना, वितरण करना या अनुमति नहीं है।
अन्यथा किसी भी व्यक्ति या संस्था (जिसमें Google, Amazon या इसी तरह के संगठन शामिल हैं) द्वारा किसी भी रूप में (इलेक्ट्रॉनिक,
डिजिटल, ऑप्टिकल, मैकेनिकल) या किसी भी माध्यम से (फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, स्कैनिंग या अन्य) पूर्व लिखित अनुमति के बिना
प्रकाशक की ओर से।
इस ईबुक में वे चित्र और/या तस्वीरें शामिल नहीं हो सकती हैं जो मुद्रित संस्करण में मौजूद थीं।
इस पुस्तक के लिए सीआईपी विवरण ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय पुस्तकालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।
EPUB प्रारूप: 9781743285282
जब कल मेरे बिना शुरू होगा - जैक कैनफील्ड और मार्क की किताब "चिकन सूप फॉर द टीनएज सोल ऑन टफ स्टफ" से।
विक्टर हैनसेन और किम्बर्ली किरबर्गर। कॉपीराइट 2012 चिकन सूप फॉर द सोल पब्लिशिंग, एलएलसी द्वारा। बैकलिस्ट, एलएलसी द्वारा प्रकाशित, जो चिकन सूप फॉर द सोल पब्लिशिंग, एलएलसी की एक इकाई है। चिकन सूप फॉर द सोल, चिकन सूप फॉर द सोल का एक पंजीकृत ट्रेडमार्क है।
द सोल पब्लिशिंग, एलएलसी। अनुमति से पुनर्प्रकाशित। सर्वाधिकार सुरक्षित।
कवर डिजाइन: क्रिस्टोफर लिन
क्या आपको किताबों के बारे में बात करना पसंद है?
पैन मैकमिलन ऑस्ट्रेलिया की वेबसाइट पर जाकर आप हमारी सभी पुस्तकों के बारे में अधिक पढ़ सकते हैं और प्रिंट और ईबुक दोनों खरीद सकते हैं।
लेखकों से संबंधित लेख, साक्षात्कार और उनके कार्यक्रमों की खबरें पाएं।

You
Tube